Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

B&WSSC
BEAUTY & WELLNESS
SECTOR SKILL COUNCIL

प्रतिभागी पुस्तिका

क्षेत्र
ब्यूटी और वेलनेस

उप–क्षेत्र
ब्यूटी और सैलून

व्यवसाय
हेयर केयर सर्विस

संदर्भ सूचक-BWS/Q0201, Version 4.0

NSQF Level 3

असिस्टेंट हेयर ड्रेसर एण्ड स्टाइलिस्ट

द्वारा पर्काशित
ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर सि्कल काउंसिल
5बी, अपर गराउंड फ्लोर
23, हिमालय हाउस, कस्तूरबा गांधी माग,र्
कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
कायालर्य: 011–40342940, 42, 44 और 45
ईमेल: info@bwssc.in
वेबसाइट: www.bwssc.in

यह पुस्तक ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर सि्कल कांउसिल द्वारा प्रायोजित है

क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस के तहत: CC-BY -SA
आरेख युक्त एक चित्र
Attribution-ShareAlike: CC BY-SA

यह लाइसेंस अन्य लोगों को व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए भी आपके काम को रीमिक्स, ट्वीक और निमाण् करने देता है, जब तक कि वे आपको श्रेय देते हैं और समान शर्तों के तहत अपनी नई रचनाओं का लाइसेंस देते हैं। इस लाइसेंस की तुलना अक्सर "कॉपीलेफ्ट" फ्री और ओपन-सोसर्सॉफ्टवेयर लाइसेंस से की जाती है। आपके आधार पर सभी नए कार्यों में एक ही लाइसेंस होगा, इसलिए कोई भी डेरिवेटिव व्यावसायिक उपयोग की भी अनुमति देगा। यह विकिपीडिया द्वारा उपयोग किया जाने वाला लाइसेंस है और उन सामग्रियों के लिए अनुशंसित है जो विकिपीडिया और इसी तरह के लाइसेंस प्राप्त परियोजनाओं से सामग्री को शामिल करने से लाभान्वित होंगे।

कौशल विकास एक बेहतर भारत का निर्माण है। यदि हमें भारत को उन्नति की ओर अग्रसर करना है, तो कौशल विकास हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

श्री नरेंद्र मोदी
भारत के प्रधानमंत्री

Certificate

COMPLIANCE TO QUALIFICATION PACK – NATIONAL OCCUPATIONAL STANDARDS

is hereby issued by the

BEAUTY AND WELLNESS SECTOR SKILL COUNCIL

for

SKILLING CONTENT : PARTICIPANT HANDBOOK

Complying to National Occupational Standards of
Job Role/ Qualification Pack: '**Assistant Hair Dresser & Stylist**' QP No. '**BWS/ Q0201, V4.0, NSQF Level 3**'

Date of Issuance: **17 Nov 2022**

Valid up to: **17 Nov 2025**

**Valid up to the next review date of the Qualification Pack or the 'Valid up to' date mentioned above (whichever is earlier)*

Authorised Signatory
(Beauty and Wellness Sector Skill Council)

आभार

ब्यूटी और वेलनेस सेक्टर स्किल काउंसिल उन सभी व्यक्तियों और संगठनों के प्रति आभार व्यक्त करता है जिन्होने इस प्रशिक्षार्थी पुस्तिका को तैयार करने में योगदान दिया है। उन सभी व्यक्तियों का विशेष धन्यवाद जिन्होने अलग–अलग मॉड्यूल को तैयार करने में विषय–वस्तु उपलब्ध करने में और इसकी समीक्षा करने में सहयोग किया है।

ब्यूटी और वेलनेस उद्योग जगत के सदस्यों के समर्थन के बिना इस पुस्तिका को तैयार करना संभव नहीं था। इस पुस्तिका के शुरुआत से अंत तक सदस्यों का फीडबैक बेहद उत्साहवर्धक रहा है और यह उनकी सलाह का ही नतीजा है कि हमने

अपने उद्योग में मौजूदा कौशल अंतर को कम करने की कोशिश की है।

यह प्रशिक्षार्थी मैनुअल हम उन सभी महत्वाकांक्षी युवाओं को समर्पित करते है जिनकी रूचि इस विशेष कौशल को प्राप्त करने की है जो स्थाई होने के साथ – साथ उनके भविष्य को ब्यूटी और वेलनेस के क्षेत्र में एक चमकदार कैरियर बनाने में मदद करेगा।

पुस्तिका के विषय में

भारत में ब्यूटी एंड वैलनेस उद्योग 18.6% CAGR की दर से बढ़ रहा है और संभावना है कि यह जल्द ही 100,000 करोड़ के मुकाम पर पहुंच जाएगा। यह सैक्टर अमीर और मध्यम वर्गीय आबादी के उस बढ़ते हुए तबके की बदौलत फल–फूल रहा है जिन्होंने ब्यूटी एंड वैलनेस को एक आवश्यकता मानना शुरु कर दिया है। अच्छा और जवान दिखाई देने की लोगों की इच्छा के साथ, एक सर्वांगीण स्वास्थ्य पर बढ़ता हुआ ज़ोर ब्यूटी एंड वेलनेस उद्योग के लिए अन्य उत्प्रेरक हैं।

ब्यूटी सैक्टर में, संगठित क्षेत्रों में 23% और असंगठित क्षेत्रों में 15% के साथ 20% CAGR की दर से रोजगार बढ़ने की संभावना है, जहां 600,000 लाख से अधिक कुशल कर्मियों की कमी है। सेवा की गुणवत्ता पर ध्यान शिफ्ट होने के साथ, अब यह उद्योग अपने विकास को बनाए रखने के लिए कुशल कर्मियों को तलाश रहा है।

इस प्रतिभागी पुस्तिका की रूपरेखा एक असिस्टेंट ब्यूटी थैरेपिस्ट बनने हेतु सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण देने में सहायता करने के लिए बनाई गई है। असिस्टेंट ब्यूटी थैरेपिस्ट की योग्यताओं में निम्नलिखित राष्ट्रीय व्यावसायिक मानदंड शामिल हैं, जिन्हें इस प्रतिभागी पुस्तिका में शामिल किया गया है:

1. कार्यस्थल तैयार और उसका रखरखाव करना
2. बुनियादी ब्लो ड्रायर करना
3. बालों और स्कैल्प को शैम्पू करना
4. बुनियादी हेयर कट करना
5. बालों पर रंग लगाना
6. भारतीय मालिश करना
7. उच्च हेयर सेवाओं में हेयर स्टाइलिस्ट की सहायता करना
8. कार्यस्थल पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को बनाए रखना
9. कार्यस्थल पर एक सकारात्मक छाप की रचना करना

हमें आशा है कि यह प्रतिभागी पुस्तिका ब्यूटी एंड वेलनेस उद्योग में अपना भविष्य बनाने की इच्छा रखने वाले हमारे युवा मित्रों के लिए सुदृढ़ विद्याप्राप्ति में सहायता उपलब्ध कराएगी।

पुस्तक में प्रयोग किए गए चिह्न

प्रमुख शिक्षा उद्देश्य

चरण

यूनिट के उद्देश्य

अभ्यास

टिप्पणी

संक्षेप

विषयसूची

क्र. सं.	मॉड्यूल एवं यूनिट	पृष्ठ संख्या
1.	**कार्यक्रम का उद्देश्य**	**1**
	यूनिट 1.1 – कार्यक्रम का उद्देश्य	3
	यूनिट 1.2 – भारतीय ब्यूटी और वैलनेस उद्योग	6
2.	**ट्रीटमेंट और कार्यस्थल को तैयार करना बनाए रखना**	**9**
	यूनिट 2.1 – ट्रीटमेंट कार्यस्थल को तैयार करना और बनाए रखना	11
3.	**बुनियादी ब्लो ड्राई हेयर (BWS/N0201)**	**23**
	यूनिट 3.1 – हेयर स्टाइलिंग की आवश्यकता	25
	यूनिट 3.2 – बुनियादी ब्लो ड्राई हेयर	31
4.	**शैम्पू और कंडीशनर करें और सिर की मालिश करें (BWS/N0202, BWS/N0230)**	**49**
	यूनिट 4.1 – स्कैल्प और बालों को शैम्पू व कंडीशन करना	51
	यूनिट 4.2 – इंडियन हेड मसाज़	65
5.	**बुनियादी हेयर कटिंग (BWS/N0203)**	**69**
	यूनिट 5.1 – बुनयिादी हेयर कटिंग	71
	यूनिट 5.2 – महिलाओं के लिए बुनियादी हेयर कट (चित्रमय)	92
	यूनिट 5.3 – पुरूषों के लिए बुनियादी हेयर कट (चित्रमय)	97
6.	**उन्नत सेवाएँ देते समय हेयर स्टाइलिस्ट की सहायता करना (BWS/N0204, BWS/N0209)**	**111**
	यूनिट 6.1 – उन्नत सेवाएँ देते समय हेयर स्टाइलिस्ट की सहायता करना	113
	यूनिट 6.2 – कलर और लाइटन हेयर	135
7.	**कार्यस्थल की सुरक्षा और स्वास्थ्य (BWS/N9002)**	**141**
	यूनिट 7.1 – कार्यस्थल की सुरक्षा और स्वास्थ्य	143
8.	**कार्यस्थल पर सकारात्मक छवि बनाना (BWS/N9003)**	**153**
	यूनिट 8.1 – कार्यस्थल पर सकारात्मक छवि बन	155
	यूनिट 8.2 – व्यावसायिक कौशल	167
	यूनिट 8.3 – भाषा कौशल	174

9. DGT/VSQ/N0102 रोजगार कौशल (60 घंटे)

Scan this QR Code to access the Employability skills module

https://www.skillindiadigital.gov.in/content/detail/1-10d218cd-31f0-41d0-a276-b41ec3b52013

10. एनैक्सचर

1. कार्यक्रम का उद्देश्य

यूनिट 1.1 – कार्यक्रम का उद्देश्य
यूनिट 1.2 – भारतीय ब्यूटी और वैलनेस उद्योग

मुख्य शिक्षा

इस मॉड्यूल के अंत में, आपः

1. कार्यक्रम के उद्देश्यों और कार्य हेतु अपेक्षित कौशलों का वर्णन करना
2. भारत में ब्यूटी एंड वैलनेस उद्योग की वृद्धि और रूझान पर चर्चा करना
3. ब्यूटी एंड वैलनेस उद्योग के औद्योगिक वर्गीकरण को समझना
4. असिसटेंट हेयर स्टाइलिस्ट के कार्यों एवं जिम्मेदारियों, और निजी गुणों पर चर्चा करना

यूनिट 1.1: कार्यक्रम का उद्देश्य

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप:

1. इस कार्यक्रम का सिंहावलोकन और उद्देश्य समझाना
2. असिसटेंट हेयर स्टाइलिस्ट के कार्यों एवं जिम्मेदारियों का वर्णन करना

1.1.1 परिचय

वर्तमान में, ब्यूटी और वेलनेस सेक्टर ने भारत में प्रसिद्धि प्राप्त की है। इसने सुसंगत और उल्लेखनीय वृद्धि का प्रदर्शन करते हुए आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान करने के साथ–साथ देश भर में रोजगार के लाखों अवसर पैदा करके एक प्रमुख नियोक्ता के रूप में छवि बनाई हैं। इस अभूतपूर्व विकास का कारण है – वेलनेस पर्यटन, उपभोक्तावाद, वैश्वीकरण का बढ़ना और भारतीय उपभोक्ताओं की जीवन शैली में बदलाव आना।

चित्र 1.1.1 हेयर सेवाएं

ब्यूटी और वेलनेस उद्योग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तर पर बड़े व्यवसायियों के साथ बढ़ रहा है, जिसने प्रशिक्षित कर्मियों की भारी मांग को प्रेरित किया है। हालांकि, कुशल और प्रशिक्षित कर्मियों की उपलब्धता में एक बड़ी कमी है। इस प्रतिभा में कमी होने के कारण ब्यूटी और वेलनेस उद्योग पर खतरा बन गया है। कुशल और प्रशिक्षित कर्मियों का विकास करना व्यवसायों और सेक्टर दोनों के लिए एक बड़ा कार्य हैं।

1.1.2 असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट

ब्यूटी और वैलनेस सेक्टर में एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट सैलून और स्पा में सौंदर्य सेवाओं की विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं में शामिल होता हैं। एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट को सौंदर्य सेवाओं, थेरेपी के कार्यों और बुनियादी सेवा योग्यता के बारे में जानकारी होनी चाहिए। संचार और सेवा में प्रवीणता से क्लाईंटों को विश्व स्तरीय सेवा प्रदान की जा सकती हैं।

एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट की भूमिका और जिम्मेदारियां

एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट को सभी प्राथमिक ब्यूटी थेरेपी, स्वास्थ्य और स्वच्छता व विभिन्न सौंदर्य उत्पादों की मूल सुरक्षा की जानकारी से परिचित होना चाहिए। असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट से बुनियादी डेपिलेशन, मैनीक्योर, पैडीक्योर और चेहरे की देखभाल की सेवाएं जैसे कार्यों और साथ ही अन्य उन्नत सेवाएं प्रदान करने में सहायता करने की उम्मीद की जाती हैं। सैलून में व्यक्ति वातावरण को बनाए रखने और अन्य कार्य जैसे – सैलून में रखें ब्यूटी उत्पादों की जानकारी प्राप्त कर उनको बेचने आदि तरह के कार्य करती हैं।

एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट के गुण

- क्लाईंट को आरामदायक महसूस करवाना।
  - » क्लाईंट की सभी जरूरतों को उसके समझा ना पाने पर भी समझना ।
  - » कार्यस्थल को स्वच्छ रखना क्योंकि यह क्लाईंट को आपकी सेवा प्राप्त करने की ओर आकर्षित करता है।
- निजी उपस्थिति को स्वच्छ रखनाः एक निजी स्वच्छता बनाए रखना। क्लाईंट आपकी सेवा प्राप्त नहीं करेगा यदि आप अच्छे नहीं दिखेंगे। शरीर की गंध, बुरी सांस और सभी स्वच्छता की सावधानियों से परिचित रहें।
- उपयुक्त सुझाव देनाः यदि आपका क्लाईंट भ्रमित और दुविधा में हो तो अवसर को प्राप्त कर उसके सामने उपयुक्त सुझाव रखें। क्लाईंट उसे पसंद करे और आपकी सराहना करेगा। आप इससे कोई नुकसान नहीं होगा।
- कभी भी जल्दी में ना होनाः जल्दी से क्लाईंट को बाहर ना भेजना। यदि आप किसी क्लाईंट के साथ हो तो उसे पूर्ण समय दें।
- अपनी जानकारी को अपडेटिड रखनाः आपको अपने क्षेत्र से जुड़ी हर जानकारी के बारे में अपडेट होना चाहिए, आप किसी को भी तुरंत जानकारी प्रदान करने में सक्षम होने चाहिए।
- क्लाईंटों का सम्मान करनाः अपने क्लाईंट के निर्णय का सम्मान करना और अपने विकल्प को उस नहीं थोपना चाहिए। अंततः यह उसका निर्णय होता है कि वह किस प्रकार सेवा आपसे प्राप्त करना चाहता है और इसका आपको सम्मान करना चाहिए।
- उत्पादों की जानकारी होनाः एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट क्लाईंटों को यह बताने में सक्षम होना चाहिए कि कौन सा उत्पाद उसके लिए लाभकारी होगा। उदाहरण के लिए यदि किसी क्लाईंट की त्वचा सूखी है और वह चेहरे की क्रीम की मांग करता है तो एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट के दिमाग में त्वचा के प्रकारों की जानकारी होनी चाहिए और उसे उसके अनुसार सबसे बढ़िया उत्पाद उसे दिखाना चाहिए। यह असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट के जानकारी से परिचित होने पर ही संभव हो सकता हैं।
- संचार में प्रवीणताः जितना हो सकें एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट को अपने कौशल में प्रभावी होना चाहिए, उसे अपने संचार कौशल में भी अच्छा होना चाहिए। असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट को सबसे प्रथम क्लाईंटों के साथ अपने संचार कौशल के साथ डील करना होता है और बाद में अपने ब्यूटी कौशल से करना होता हैं। इसलिए, उसको गर्मजोशी से स्वागत करना, जानकारी प्रदान करनी और अपनी बातों को स्पष्ट रखना आना चाहिए।
- अच्छी शारीरिक भाषा का प्रदर्शनः एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट को अपने क्लाईंटों को संभालते समय तनाव में नहीं आना चाहिए। उसकी शारीरिक भाषा सक्रिय, कार्य करते समय खुश रहना और मुस्कुराते हुए सेवाएं प्रदान करनी चाहिए।

1.1.3 यह कार्यक्रम निम्न का अवलोकन करेगा

यह कार्यक्रम निम्न का अवलोकन करेगा:

- ब्यूटी और वैलनेस उद्योग
- कार्यस्थल को तैयार और बनाए रखना
- बुनियादी ब्लो ड्राई हेयर
- शैम्पू और रिंसीस
- बुनियादी हेयर कट

- उच्च हेयर सेवाओं में सहायता करना
- कार्यस्थल पर स्वास्थ्य और सुरक्षा को बनाए रखना
- कार्यस्थल पर सकारात्मक प्रभाव बनाना
- कार्य क्षेत्र को तैयार और बनाए रखना

टिप्पणी

यूनिट 1.2: भारतीय ब्यूटी और वैलनेस उद्योग

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आपः

1. भारत में ब्यूटी एंड वैलनेस उद्योग की वृद्धि पर चर्चा करना

1.2.1 भारत में ब्यूटी और वेलनेस उद्योग

ब्यूटी एक उद्योग के रूप में बढ़ी ही तेज गति से फैल रहा है। आजकल व्यगित अलंकरण, सौंदर्य के प्रति जागरुकता और आकर्षक रूप को बनाए रखने की चाह लगातार बढ़ रही है। इसी कारण से पेडीक्यूरिस्ट और मैनीक्यूरिस्ट या ब्यूटिशियन की मांग भी उसी गति से बढ़ रही है। भारत में ब्यूटी और वेलनेस उद्योग नये हैं, यहां स्वास्थ्य और आकर्षक दिखने को लेकर जागरुकता बढ़ रही हैं। देश में ब्यूटी और ग्रूमिंग उद्योग बहुत बढ़ रहा हैं, जो पुरूषों और महिलाओं दोनो के बीच अच्छा दिखने और अच्छा महसूस करने की बढ़ती इच्छा का परिणाम हैं।

भारत में शहरी सैलून मार्केट दुनिया के मानकों द्वारा छोटा लेकिन तीव्र गति से बढ़ रहा है। व्यवसाय बहुत अच्छा है और इसने प्राइवेट इक्विटि फर्मों का ध्यान आकर्षित किया हैं।

हेयर केयर ब्यूटी के व्यापार में एक सेगमेंट है जो खासतौर पर अच्छा काम कर रहा हैं। एसी नीलसन रिपोर्ट भारत में हेयर केयर मार्केट का अनुमान 3,630 करोड़ 20ः औसत वार्षिक वृद्धि के साथ लगाती हैं। दूसरा सेगमेंट ब्राइडल मेकअप तेजी से विस्तार कर रहा है। इससे पहले केवल दुल्हन आमतौर पर शादी समारोह से पहले तैयार होने के लिए आती थीं, लेकिन अब दोस्त और रिश्तेदार अक्सर दुल्हन के साथ तैयार होने आते हैं, सैलून उनके लिए विशेष पैकेज की पेशकश रखते हैं।

विशेष ज्ञान के लिए क्वॉलिफाईड ब्यूटी ट्रीटमेंट– इस प्रकार के प्रशिक्षण स्कूलों भी फैल रहे हैं। अधिकांश सैलूनों की चेन के अपने विद्यालय होते हैं। उदाहरण के लिए, वीएलसीसी 75 विभिन्न कोर्सेस चला रहा है। सरकारी ब्यूटी और वेलनेस उद्योग कौशल परिषद भी विभिन्न प्रशिक्षण योजनाओं को चला रहा है। स्वाभाविक रूप से सेक्टर में रोजगार के अवसर भी फलफूल रहे हैं। केपीएमजी वेलनेस रिपोर्ट अनुमान लगाती है कि ब्यूटी और सैलून सेगमेंट में कार्यबल की आवश्यकता लगभग 2013 में 34 लाख से 2022 में 121 लाख तक बढ़ जाएगी। मेकअप और ब्यूटी व्यावसायकों के वेतन रु 15000 से रु 65000 के बीच प्रति माह है।

विकास के कारण

1. बढ़ता उपभोक्तावाद, तेजी से बढ़ता शहरीकरण और बढ़ती प्रयोज्य आय इस बाजार को चलाने के लिए सबसे प्रमुख कारक कहे गये हैं।
2. बढ़ती मीडिया के प्रदर्शन से युवा आबादी में ब्यूटी के उत्पादों के प्रति उपभोक्तावाद में वृद्धि हुई हैं।
3. जवान दिखने वाली त्वचा के प्रति अत्यधिक आकर्षण, सेक्टर को बढ़ावे की तरफ ले जा रहा हैं, जैसे ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ता कॉस्मेटिक उपचार के साथ ऐंटीएजिंग उत्पादों की भी मांग रखते हैं।
4. नये उत्पादों का सृजन और अच्छा दिखने के लिए बढ़ती मांग भविष्य में इस सेगमेंट के लिए उल्लेखनीय वृद्धि तैयार करती है।

1.2.2 उद्योग का वर्गीकरण

ब्यूटी केंद्र और बालों का सैलूनः ब्यूटी केंद्र और सैलून के खंड में त्वचा, बाल और नाखून की देखभाल संबंधित सेवाएं शामिल हैं। इन सेवाओं को ग्राहकों की उम्मीद को पूरा करने के अनुसार क्रम में व्यक्तिगत शारीरिक छवि या रंग को सुधारने के लिए प्रदान किया जाता हैं।

उत्पाद और काउंटर सेलः इसमें ब्यूटी और सैलून के उत्पादों को बेचना व साथ ही कॉस्मेटिक एवं उपस्थिति और उम्र संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी प्रसाधन सामग्री शामिल हैं। उत्पादों को विभिन्न ब्यूटी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खरीदा जाता है।

स्वास्थ्य और स्लिमिंगः इसमें शारीरिक व्यायाम, योग, अन्य मन–शारीरिक अभ्यास, वजन घटाना व स्लिमिंग शामिल हैं।

चित्र 1.2.2 ब्यूटी और वेलनेस उद्योग का वर्गीकरण

कायाकल्प केंद्रः इसमे स्पा संचालन, स्पा शिक्षा, स्पा उद्योग, उत्पाद और घटनाएं शामिल होती हैं। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से शरीर और मन को आराम देने के उद्देश्य से सक्रिय सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

वैकल्पिक थेरेपी केंद्रः वैकल्पिक थेरेपी केंद्रों में क्लीनिकल निदान और उपचार दिया जाता है।

1.2.3 औद्योगिक प्रवृत्तियां

1. बुनियादी ब्लो ड्रायर
2. शैम्पू और कंडशिनिंग
3. बुनियादी हेयर कट
4. उच्च हेयर सेवाओं में सहायता करना
5. हेयर स्टाइलिंग

अभ्यास

1. निम्न में कौन की एक विशेषता एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट की नहीं है?
   a. उत्पादों की जानकारी होना
   b. अच्छी शारीरिक भाषा
   c. स्वच्छ व्यक्तिगत उपस्थिति
   d. जल्दी में होना
2. वर्तमान में ब्यूटी और वैलनेस की प्रवृत्ति कैसी है?
   a. उपभोक्ता की मानसिकता को बदलना
   b. इमर्जिंग यूनिसेक्स सैलून
   c. अंतरराष्ट्रीय ब्यूटी ब्रांड
   d. ऊपर दिए गए सभी
3. ब्यूटी और वैलनेस उद्योग की विभिन्न वर्गीकरण सूची हैं?

   ____

   ____

टिप्पणी

____

____

____

____

____

____

____

____

____

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

B&WSSC
BEAUTY & WELLNESS
SECTOR SKILL COUNCIL

2. ट्रीटमेंट कार्यस्थल को तैयार करना और बनाए रखना

यूनिट 2.1 – ट्रीटमेंट कार्यस्थल को तैयार करना और बनाए रखना

BWS/N9001

मुख्य शिक्षा

इस मॉड्यूल के अंत में, आपः

1. कार्यस्थल को तैयार और बनाए रखना।
2. जानना कि क्लायंट रिकॉर्ड कार्ड को कैसे तैयार किया जाए
3. जानना कि ट्रीटमेंट के लिए क्लायंट को कैसे तैयार किया जाए
4. रोगाणुनाशन और विसंक्रमण की विधियों के बारे में जानना
5. निजी प्रस्तुतीकरण और आदर्श व्यवहार के बारे में समझना
6. सही तरीके से कचरे के निपटान करने के तरीकों की पहचान करना

यूनिट 2.1: ट्रीटमेंट कार्यस्थल को तैयार करना और बनाए रखना

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप:

1. कार्यस्थल को तैयार और बनाए रखना
2. जानना कि क्लायंट रिकॉर्ड कार्ड और ट्रीटमेंट के लिए क्लायंट को कैसे तैयार किया जाए
3. रोगाणुनाशन और विसंक्रमण की विधियों के बारे में जानना
4. निजी प्रस्तुतीकरण और आदर्श व्यवहार के बारे में समझना
5. सही तरीके से कचरे के निपटान करने के तरीकों की पहचान करना

2.1.1 परिचय

सभी ब्यूटी उपचार और सेवाओं को साफ, स्वच्छ और क्लाइंट को आमंत्रित करने वाले कार्यस्थलों की जरूरत होती है। यह यूनिट वैक्सिंग, मेकअप, नाखूनों, फेशियलऔर आँखों के उपचारों की तैयारी एवं बनाए रखने के बारे में है। क्लाइंट और थेरपिस्ट की बैठने की व्यवस्था के और उपचारों को पूरा करने के लिए स्थापना में उपकरणों और सामग्री की तैयारी सम्मिलित हैं। उपचार के बाद कचरे के निपटारे, क्लाइंट के रिकॉर्ड, और व्यक्तिगत स्वच्छता और उपस्थिति के महत्व के बारे में सीखेंगे।

सैलून में आपके मुख्य कर्तव्यों में एक, किसी विशेष उपचार या सेवा के लिए सही उपकरणों और सामग्री को स्थापित कर अपने सिनियर थेरपिस्ट की मदद करना और क्लाइंट को तैयार करना है।

आपको यह जानने की जरूरत है कि प्रत्येक उपचार के लिए कौन से उत्पाद और उपकरणों की जरूरत हैं और विशेष क्लाइंट के लिए उपयुक्त सामग्री को चुन लेने के लिए क्लाइंट रिकॉर्ड कार्ड का उपयोग कर सकेंगे।

2.1.2 रिकॉर्ड कार्ड

क्लाइंट रिकॉर्ड कार्ड, उपचारों और सेवाओं का व्यवसायिक रिकॉर्ड है जो क्लाइंट आपके सैलून में ले चुका हैं और जहाँ थेरपिस्ट भविष्य के उपचारों के लिए टिपपणी या सुझाव रिकॉर्ड करता हैं। उपचार की तैयारियों में से एक क्लाइंट रिकॉर्ड कार्ड को रिसेपशन से प्राप्त करना सम्मीलित हैं।

- ग्राहक ने किस उपचार के लिए बुकिंग की है यह जानने के लिए आपको कार्ड की जरूरत होगी जिससे आपको क्या करना है आपको पता होगा।
- क्लाइंट रिकॉर्ड कार्ड– आपको और अधिक क्लाइंट की पसंद नापसंद, स्किन टाइप, उपयोग किए गए पूर्व उत्पाद और थेरपिस्ट विधि जो आपको कौन सा उत्पाद चुनना है जानने में आपकी मदद करेंगा।
- क्लाइंट का रिकॉर्ड रिसेपशन से प्राप्त करते समय, क्लाइंट का नाम, उप नाम, और पता सुनिश्चित कर लें जानने के लिए के आपके पास सहीं कार्ड हैं।
- सुनिश्चित कर लें कि आपने क्लाइंट के लिए सहीं रिकॉर्ड कार्ड प्राप्त किया है जैसे कुछ उपनाम अथवा नाम भी सामान्य होते है।
- उपचार शुरू होने से पहले आपको थेरपिस्ट को ग्राहक का रिकॉर्ड कार्ड सौंपना होगा।

2.1.3 उपचार कक्ष

उपचार कक्ष विभिन्न किस्म के उपचारों के लिए उपयोग किया जाता है, उपचारों की आवश्यकताओं को पूरा करने और पूरी तरह से तैयार होना आवश्यक होता है।

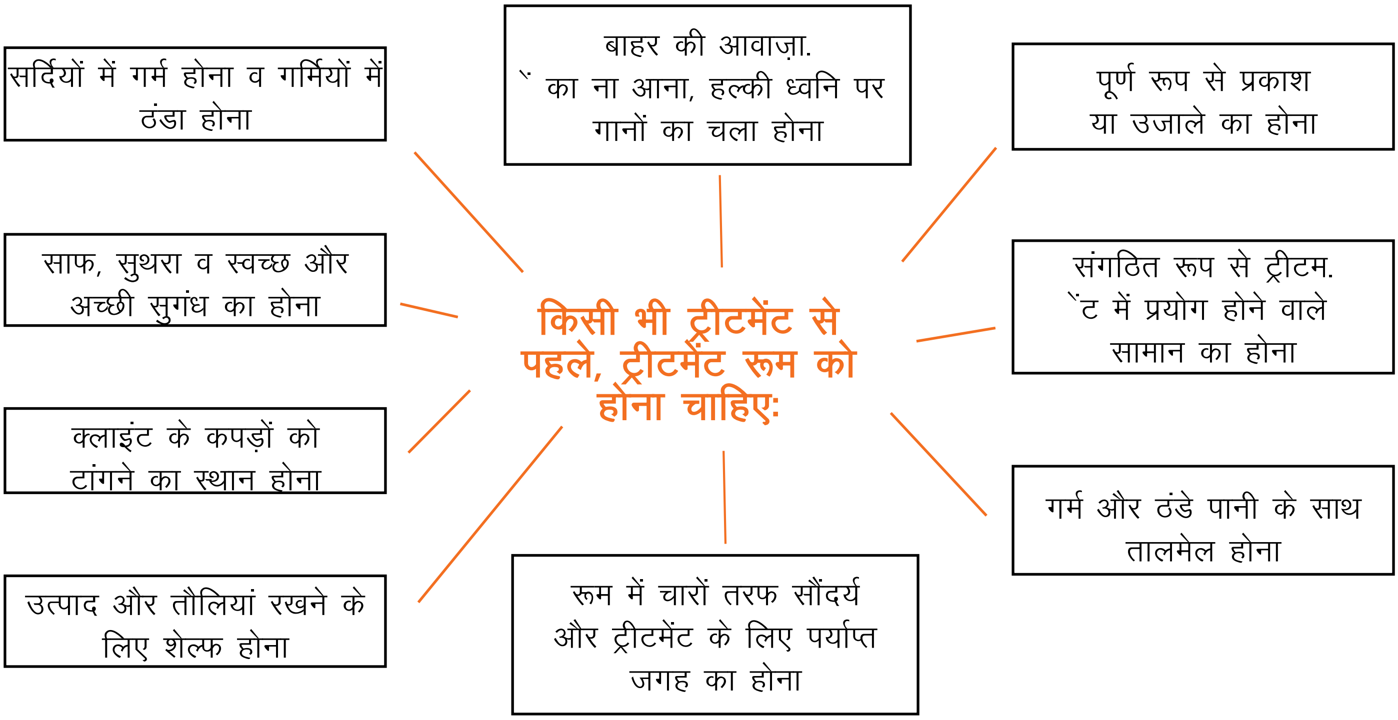

चित्र 2.1.1 ट्रीमटमेंट रूम

उपचार की तैयारी करना

आपके लिए जरूरी है कि कार्यस्थल पर सभी चीजें स्वच्छ और पहँच में हो और ट्रॉली आवश्यक उपकरणों, उत्पादों और पर्याप्त रूई और टीशु के साथ हो।

कार्यस्थल को किसी भी उपचार के लिए तैयार करना: एक सूची

1. परामर्श के लिए क्लाइंट रिकॉर्ड कार्ड और लेखन सामग्री ट्रॉली पर होना चाहिए।
2. उपचार के दौरान क्लाइंट द्वारा पहने जाने वाला गाऊन तैयार होना चाहिए और क्लाइंट के कपड़ो को टांगने के लिए उपलब्ध एक हैंगर या हुक होना चाहिए।
3. साफ तौलिया बाहर रखा होना चाहिए।
4. उपचार का सोफा बॉटम शीट और डिस्पोजेबल रोल के साथ तैयार होना चाहिए।
5. ट्राली की सतह कीटाणुरहित और साफ किए गए रोल से कवर होने चाहिए।
6. उपचार के दौरान उपयोग किए जाने वाले उत्पाद ट्राली के उपर रखे होने चाहिए।
7. उपचार के दौरान उपयोग किए जाने वाले उपकरण स्टेरिलाइज होने चाहिए और फिर उन्हे जार के अन्दर रोगाणुरोधक में रखा जाना चाहिए।
8. समस्त उपचार को पूरा करने के लिए पर्याप्त रूई और टीशू होना चाहिए।

2.1.4 स्टेरिलाइजिंग और कीटाणुषोधन प्रक्रिया

उपचार के लिए तैयारी करते समय स्वच्छता के उत्कृष्ट मानकों को बनाए रखना महत्वपूर्ण है यह तब जब आप स्वयं उपचार कर रहे हो। सूक्ष्म जीव जो रोग का कारण बन सकते हैं। सफाई,कीटाणुशोधन या स्टेरिलाइज़ेशन के प्रयोग से नियंत्रित किए जा सकते है। सफाई एक शारीरिक प्रक्रिया है जो वस्तु में से मिट्टी, धूल, गंदगी और कार्बनिक पदार्थ

के साथ सूक्ष्म जीवों को बड़ी मात्रा में हटाता है। सफाई कीटाणुशोधन या साधन और उपकरण की स्टेरिलाइजेशन से पहले करना आवश्यक है। क्लाईंट और वैक्सिंग कर्मी को किसी भी सेवा को शूरू करने से पहले आवश्यक ही अपने हाथ साफ कर लेने चाहिए। साबुन एक साफ मशीन में संग्रहित किया जाना चाहिए। डिस्पोजेबल पेपर तौलिए सूखे हाथों के लिए उपयोग होने चाहिए। वैक्सिंग उपचार के लिए, सभी सतहें (उदाहरण के लिए मेटल रियुजेबल इम्प्लीमेंट और कार्य क्षेत्र) प्रत्येक सेवा के बाद कीटाणुरहित की जानी चाहिए। कुछ बीजाणुओं और कुछ वायरस को छोड़कर कीटाणुशोधन अधिकांश सूक्ष्म जीवाणुओं को नष्ट कर देगा। जब त्वचा में कोई त्वचा कटी या उसमें खरोंच ना हो तो कीटाणुशोधन सूक्ष्म जीवों को नियंत्रण करने के लिए पर्याप्त है।

कीटाणुनाशक अधिकांश बैक्टीरिया, फंगी और वायरस को मार देता है, और निर्माता के निर्देशों के साथ इस्तेमाल किया जाता है। कीटाणुनाशक जिनमें यंत्र/सामग्री डूबे हुए है, उदाहरण के लिए रोलर/क्लिपर हेड, कैंची और चिमटी, निर्माता के निर्देशों अनुसार कीटाणुनाशक घोल नियमित रूप से बदला जाना चाहिए।

स्टेरिलाइजिंग एक प्रक्रिया है जो पूरी तरह से सभी जावित जीवों को बीजाणुओं के साथ नष्ट कर देता है, आमतौर पर ऑटोक्लेव के उपयोग द्वारा। स्टेरिलाइजेशन केवल धातु के औजार पर किया जाता है उदाहरण के लिए कैंची और चिमटी। एकल उपयोग, डिस्पोजेबल उपकरण और स्टेरिलाइजिंग उपकरण या दोनों के प्रयोग से जोखिम अवश्य ही कम हो जाएगा। एंटीबैक्टेरियल एजेंट का प्रयोग कर सेनिटाइजिंग त्वचा की सतह से सूक्ष्म जीवों को कम करता है जैसे प्रीवैक्स लोशन और हेंड क्लीन्जर। प्रत्येक क्लाईंट को साफ तौलिए और लीनेन प्रदान किया जाना चाहिए। डिस्पोजेबल कोच रोल के साथ वाइपएबल प्लास्टीक कोच कवरिंग का प्रयोग किया जाना चाहिए। गंदे लीनेन 6000 सेण के न्यूनतम तापमान पर साफ किए जाने चाहिए। क्रीम, बोतल और स्प्रे के लिए जहां संभव हो विशेष पंप या स्प्रे बोतल ही प्रयोग किया जाना चाहिए। अन्यथा, उत्पाद डिस्पोजेबल स्पेटूला के साथ वितरित किया जाना चाहिए।

2.1.5 व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपकरण (पीपीई)

व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपकरण सेवा के दौरान क्रॉस इनफेक्शन या चोट के जोखिम के खतरे को कम करने के लिए उपलब्ध उपकरणों से संबंध रखते है। प्रत्येक वैक्सिंग सेवा से पहले डिस्पोजेबल दस्तानों का नया जोड़ा रखा जाना चाहिए और वैक्सिंग सेवा के दौरान कपड़ो को बचाने के लिए डिस्पोजेबल एप्रन का प्रयोग किया जाना चाहिए। इसका उपचार के बाद सीधा निपटारा किया जाता हैं। सभी वैक्सिंग सेवाओं के दौरान क्लाईंट के कपड़े अच्छी तरह से संरक्षित होने चाहिए। अंतरंग वैक्सिंग प्रक्रियाओं के लिए प्रत्येक क्लाईंट के लिए डिस्पोजेबल थोंग अंडरवेयर प्रदान की जानी चाहिए।

2.1.6 उपचार के कक्ष को तैयार करना

पर्यावरण की स्थितियां

उपचार के कमरे में पर्यावरण स्थितियों का क्लाइंट और उपचार के लिए उपयुक्त होना आवश्यक है। सहज उपचार क्षेत्र क्लाइंट की सुखद सैलून विजिट और थेरपिस्ट के लिए संतोषजनक काम का माहौल सुनिश्चित करने में मद्द करता है।

प्रकाष (लाईटिंग)

प्रकाश ही सैलून को एक माहौल प्रदान करता है और इसके लिए उसका इतना शक्तिशाली होना आवश्यक होता है कि जब क्लाइंट सैलून में उपचार के लिए आए तो उसका आराम का स्तर उच्च बना रहे और अंत में वह सैलून को संतुष्ट हो। उपचार के कमरे में प्रकाश उपचार के ऊपर निर्भर करता हैं। उदाहरण के लिए हेयर कट के लिए प्रकाश उज्जवल होना चाहिए, उसमें अन्धेरा नहीं होना चाहिए लेकिन हेयर उपचार में बालों का विश्लेषण और पास

के कामों के लिए मैगनिफाइंग लैम्प के साथ प्रकाश आरामदायक अथवा सोफ्ट होना चाहिए।

प्रकाश व्यवस्था स्थिति के अनुसार होनी चाहिए:

- इतनी रोशनी के उसमें उपचार हो सकें।
- क्लाइंट आरामदायक स्थिति में बैठ सकें

इसलिए यह जरूरी हैं कि उपचार के कमरे में अच्छी ओवरहेड लाईट और मैगनिफाइंग लैम्प हो जिससे बारीक काम जैसे त्वचा की जांच के लिए होना चाहिए।

सुनिश्चित कर लें:

- आप हमेशा स्पष्ट रूप से देख सकते हो।
- प्रकाश के कम होने या आवश्यकता से ज्यादा होने से आप और आपका क्लाइंट असुविधाजनक महसूस करेंगे।
- आप हमेशा अपने पर्यवेक्षक को फ्लिक्रिंग या दोषपूर्ण प्रकाश के लिए रिपोर्ट करें।

हीटिंग

उपचार के दौरान क्लाइंट आरामदेह हो इसलिए सैलून का वार्म होना आवश्यक है, लेकिन ज्यादा गर्म या घुटन भरा नहीं जो कि असुविधाजनक या कीटाणुओं को बढ़ाने में प्रोत्साहन दें।

ब्यूटी थैरेपी कार्य के लिए हवा में 40% से 60% नमी के स्तर के साथ सुविधापूर्ण तापमान 20 से 24 डिग्री सेण हैं। सैलून में पर्याप्त गर्माहट का होना भी महत्वपूर्ण होता हैं जिससे कि क्लाइंट यदि उपचारों के लिए कपड़े उतारे तो उसे काई परेशानी ना हो।

वेन्टिलेषन

- क्लाइंट और कर्मचारियों को नींद ना आए और उनकी उर्जा में कमी ना हो इसलिए ताजा हवा का संचालन होना आवश्यक है और साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लें कि उत्पादों के धुएं से क्लाइंट असुविधाजनक ना हों।
- ताजा हवा खुले दरवाजों, खिड़कियों और सैलून में एयर कंडीशनिंग प्रणाली द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।
- वह सैलून और स्पा जिनमें स्टीम और सौना क्षेत्र उपलब्ध होते हैं, वहां की हवा ज्यादा नमी और उमस ना हो इसलिए अच्छा वेंटिलेशन होना आवश्यक हैं।

यदि ताजा हवा में कमी हो तो:

1. सैलून में कीटाणु और जीवाणुओं के प्रसार से बीमारियां फैलेंगी, और एक बदबूदार एवं उबाऊ वातावरण उत्पन्न होगा जो कि कर्मचारियों और क्लाइंटो के लिए बुरा हैं।
2. ग्लू वार्निश और सफाई के उत्पादों से धुआं उत्पन्न होगा जो सर में दर्द और बीमारियों का कारण बन सकते है। वेंटिलेशन की विधि में एक्सट्रेक्टर फेन, खिड़कियां, एअर वेंट और दरवाजे भी शामिल हैं।

2.1.7 क्लाइंट को उपचार के लिए तैयार करना

जब क्लाइंट आपके पास आए या आप क्लाइंट के पास जाएं जो यह सुनिश्चित कर लें कि आपके चेहरे के भाव आत्मविश्वास से भरे हो।

- मुस्कुराएं और संपर्क साधें।
- क्लाइंट का उसका नाम लेकर अभिवादन करें, और फिर अपना परिचय दें और समझाएं के आप उन्हे उनके उपचार के लिए तैयार करेंगे।
- क्लाइंट को उपचार के कमरे तक अपना पीछा करने के लिए कहें।

- उपचार शुरू होने से पहले क्लाइंट को सहज स्थिति में लाने के लिए विनम्रता से बातचीत करें।ए

विनम्र बातचीत होती है:

- पूछें क्या वह पहले भी सैलून में आएं है।
- पूछें क्या वह नियमित रूप से उपचार ले रहे हैं।
- क्लाइंट से उसके पहले उपचारों के बारे में पूछें।
- पूछें क्या यह उपचार किसी विशेष अवसर के लिए हैं।
- क्लाइंट की छुट्टीयों एवं परिवार के बारे में पूछें।
- मौसम या छोटी खबरों के बारे में चर्चा करें।

विनम्र बातचीत यह नहीं होती:

- स्टाफ के अन्य सदस्यों से बात करके क्लाइंट की अवहेलना करना।
- अपने या किसी अन्य व्यक्ति के बारें में बात करना और क्लाइंट से उसके बारें में ना पूछना।
- अपने पिछले क्लाइंट या काम के बारें में विलाप करना।
- क्लाइंट को अपनी जीवन की कहानी या घर की परेशानियों के बारे में बताना।
- गंभीर खबर विषयों, धर्म और राजनीति पर चर्चा करना।

2.1.8 क्लाइंट की देखभाल

क्लाइंट की सुविधा सुनिश्चित करने में शामिल तत्व हैं :

- वह आराम से बैठी हो।
- वह अपने परिवेश के साथ खुश हो।
- शोर का स्तर बहुत अधिक ना हो।
- बैकग्रउंड में रिलेक्सिंग संगीत बज रहा हो।
- वहां अच्छी खुशबू आ रही हो।
- सजावट अच्छी और आकर्षक हो।
- कर्मचारी विनम्र, सम्मानजनक और व्यवहारिक हो।

क्लाइंट को उनका कोट उतार कर टांग दें और फिर उन्हे उनकी सीट दिखाएं। सुनिश्चित करलें की वह आनन्दित है, और जहाँ आवश्यक हो वहा सहायता प्रदान करें।

क्लाइंट की सुरक्षा

क्लाइंट के कपड़ो को तौलियें या गाउन से सुरक्षित कर लें।

- मैनिक्योर के लिए: विशेष रूप से सावधान रहें कि वह वार्निश या उत्पादों से दूर हो जो उनके कपड़ो पर दाग लगा सकतें है। सुरक्षा के लिए क्लाइंट की बाजुएं कोहनियों से ऊपर कर लें और उसके आस पास टिशू लपेटें।
- मेकअप के लिए: मेकअप कैप से क्लाइंट के कपड़ो को बचाएं और उनके बालों को हैड बेंड से बचाए।

- फेशियल के उपचारों के लिए: क्लाइंट के ऊपर के कपड़ो को तौलिए के उपयोग से बचाए।

शुरूआत करने से पहले

क्लाइंट को उनके गहने उतारने को कहें और उन्हे वो बाऊल दिखाए जहा गहने रखे है। ध्यान दें यदि क्लाइंट चाहें तो वह गहने अपने हैंड बैग में भी रख सकता हैं।

अपने हाथों की सफाई कर लें

क्लाइंट को बताएं के आप अपने हाथ धोरहे हैं। यह उन्हे स्वच्छता का विश्वास दिलाएगा। सुनिश्चित करले कि आपके हाथ पूरी तरह सूखे हो क्योंकि गीले हाथ साफ हाथ नहीं होते।

2.1.9 व्यक्तिगत प्रस्तुति और व्यवहार

ध्यान रखें कि जब क्लाइंट सैलून में आए तब आप एक पेशेवर दृष्टिकोण को प्रदर्शित करें। आपकी खुद की प्रस्तुती और व्यवहार हर समय बहुत महत्वपूर्ण हैं। अच्छे दिखें और उचित सुरक्षात्मक कपड़े पहने, जैसे कि सैलून की वर्दी, यह क्लाइंट को आप में विश्वास दिलाएगी।

जैसे कि ब्यूटी थैरेपिस्ट पैरों पर खड़े और क्लाइंट के बहुत पास रह कर काम करते हैं, तो यह सुनिश्चित करलें कि क्लाइंट की सुविधा किसी भी शरीर की गंध से प्रभावित ना हों।

उपस्थितिः एक सूची

- अच्छे कपड़े और यूनिफॉर्म धारण करें– यह सफाई से धुलें होने चाहिए और इसमें किसी प्रकार के धुएं या पर्फ्यूम की गंध नहीं आनी चाहिए।
- आपकी यूनिफॉर्म बहुत ज्यादा छोटी या तंग नहीं होनी चाहिए एवं उपचार के दौरान आसान गतिविधियां होने दें।
- आपके बाल साफ और स्वच्छ होने चाहिए।
- हल्का लेकिन आकर्षक डे मेकअप करें– निश्चित रूप से बहुत अधिक मेकअप नहीं।
- आपके नाखून सफाई से मैनिक्योर होने चाहिए– कोई नेल वार्निश चिपकी ना हों।
- अपनी सांसे ताजा रखें– कोई तंबाकू की बदबू ना आए।
- यदि आप कोई आभूषण पहनते है तो वह सामान्य होना चाहिए।

चित्र 2.1.2 सैलून में सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण में शामिल तत्व

2.1.10 उपचार के कार्यस्थलों को बनाए रखन

कार्यस्थल को केवल सर्वोत्तम बनाना ही काफी नहीं हैं। कार्यस्थल को साफ, स्वच्छ और हर समय व्यवसायिक दिखाई देना आपकी जिम्मेदारी हैं। ऐसा करने के लिए आपको आगे बढ़कर सफाई करनी होगी और उपचार के बाद यह सुनिश्चित कर लें कि कार्यस्थल दूसरे उपचारों के लिए उपयुक्त व्यवस्था में हैं (ध्यान रखें निश्चित रूप से विभिन्न थैरेपिस्ट और विभिन्न क्लाइंट बाद में इसका प्रयोग कर सकतें है)।

2.1.11 कचरे का सुरक्षित निपटान

- रूई, टीशू या अन्य डिस्पोजेबल का उपयोग करते ही उन्हे फुट पेडल बिन में डाल दें।
- कार्य पूरे होते ही सफाई कर लें– यह समय बचाएगा।
- एकदम से बोतल का ढ़क्कन हटा दें।
- कूड़े करकट को सीधे बिन में डाल दें। यह स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अच्छा अभ्यास हैं क्योंकि:

1. प्रयुक्त रूई और टीशू में रोगाणु होते है।

- उपकरणों को साफ करने के बाद स्ट्रेलाइजर में डालें।
- यदि आप आपने किसी असिस्टेंट हेयर स्टाइललिस्ट को उपचार के दौरान सहायता प्रदान करते हैं तो, अपनी आँखें खुली रखें:

1. फर्श पर पड़े हुए छोटे टुकड़े जिन्हें बिन में डालना हो या साफ करना हो।
2. उपकरण जिन्हें धोने अथवा कीटाणुरोधक की आवश्यकता हो।
3. बोतल का ढ़क्कन जिसे बदलने की आवश्यकता हो।

2.1.12 उपकरणों को साफ करना एवं जांचना

उपयोग किए गए उपकरणों की सक्रियता निर्माता के निर्देशो अनुसार पूरी तरह और सुरक्षित रूप से सफाई की विधि पर निर्भर करता हैं। उपकरण का हर एक भाग जब नया होता हैं तो उन्हे कैसे साफ किया जाए निर्देशों के अनुसार यह लंबे समय तक चलता हैं। उपकरण के साथ हर संभावित समस्याओं को रिपोर्ट करने की जिम्मेदारी आपकी हैं, जैसे की:

- ट्रेलिंग तारें
- दोषपूर्ण प्लग
- गंदी मशीने और संलग्नक
- टुटे हुए भाग
- योग्य बिजली मिस्त्री द्वारा सभी उपकरणों को प्रतिवर्ष जाचं लेना चाहिए।
- जांच करने के बाद उन उपकरणों पर हरे रंग का स्टीकर लगा दें जो की क्लाईंटो को यह दर्शाए की यह जांचा जा चुका है और प्रयोग के लिए संरक्षित हैं।
- स्टीकर पर टेस्ट की गई तारीख और अगला टेस्ट कब होगा यह लिखित हों।

2.1.13 कार्यस्थलों को साफ और स्वच्छ रखना

जब क्लाईंट उपचार के क्षेत्र से बाहर जाए तो, निम्न चीजें जिनको करना जरूरी हैं:

- सभी बिस्तर और तौलिए धुलें हो
- उत्पादों को साफ कर के रख देना
- वर्क टॉप और ट्राली कीटाणुरहित हो
- उपकरण निष्फल हों
- डिस्पोजेबल फेंक दिए हो
- उपकरण साफ हो
- साफ बिस्तर और सोफे के कवर बिछे हों।

उपचार के समाप्त होने के बाद सुनिश्चित करलें कि कार्यस्थल साफ हो।

2.1.14 रिकॉर्ड, सामग्री और उपकरणों का भंडारण

क्लाइंट रिकॉर्डः भंडारण और गोपनीयता

- ग्राहकों के रिकॉर्ड को सुक्षित एवं गुप्त रखने के लिए सभीं डेटा को एक सुरक्षित तरीके से रखा जाना चाहिए, केबीनेट में बन्द रख कर या कम्प्यूटर में किया गया इलेक्ट्रॉनिक संग्रहण में पासवर्ड संरक्षित किया जाना चाहिए।
- सभीं क्लाइंट रिकॉर्ड गोपनीय हैं और किसी को भी नहीं दिखाया जाना चाहिए।
- रिकॉर्ड की गई जानकारियां सहीं होनी चाहिए।
- यदि जरूरत हो तो क्लाइंट के रिकॉर्ड क्लाइंट के मांगने पर उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

उपकरण और यंत्र

- संक्रमण से बचने के लिए सभीं उपकरणों को रखने से पहले साफ, कीटाणुरहित और स्वच्छ हो चुके हैं, सुनिश्चित कर लें।
- घातक उपकरण हमेशा संग्रहित होने चाहिए जिससे की वह नीचे किसी के पैरों पर ना गीर जाएं और यह यूनिफॉर्म की जेब में भी ना रखें हो।
- बिजली के उपकरण उपयोग ना किए जाने पर बन्द और अनप्लग एवं फर्श पर पड़े नहीं होने चाहिए।
- सबसे आवश्यक बात मैगनिफाइंग लेम्प को संग्रहित करने की कि उन्हे सूर्य के प्रकाश में ना रखा जाऐ ऐसा करने से बिम्ब उत्पन्न हो सकता है जो आग का कारण बन सकता हैं।

अभ्यास

1. रोगाणुनाशन में शामिल हैं:
    a. उबलना
    b. बेकिंग
    c. भाप
    d. ऊपर दिए गए सभी
2. सैलून में बुनियादी साफ–सफाई में शामिल हैं:
    a. हवादार कमरे
    b. सुरक्षित पेय जल
    c. साफ तौलिया और गाउन
    d. ऊपर दिए गए सभी
3. निम्न में कौन सा एक कीटाणुनाशक है?
    a. लाइजोल
    b. शराब
    c. नमक
    d. a) और b) दोनों
4. कंघों की सफाई में शामिल हैं:
    a. कंघे में से बाल और ब्रश को निकालना
    b. साबुन के बानी में कंघे को कुछ मिनक के लिए भिगोना।
    c. एक–एक करके दोनों तरफ से एक छोटे ब्रश से साफ करना।
    d. ऊपर दिए गए सभी
5. क्लाईंट रिकॉर्ड कार्ड ऐक ऐसा कार्ड हैं, जिसमें:
    a. क्लाईंट की सूचना
    b. सैलून के दिशा–निर्देश
    c. उत्पाद की जानकारी
    d. ऊपर दिए गए सभी
6. जब क्लाईंट उपचार के क्षेत्र को छोड़ कर जाएं, तब यह सब कार्य पूरे होने चाहिए:
    a. तौलिए धुलें
    b. उत्पाद ठीक से रखें हों और डिस्पोजेबल फिकें हुए हों
    c. वर्कटॉप और ट्राली कीटाणुरहित हों और उपकरणों निष्फल हों
    d. ऊपर दिए गए सभी

7. स्टेरिलाइजिंग ऐसी प्रक्रिया हैं, जिसमें:
    a. बैक्टीरिया को खत्म करना
    b. उपकरणों को सजसना
    c. उपकरणों को संचित करना
    d. उपकरणों को ठीक से रखना
8. सारे उपकरण और यंत्र साफ होने के साथ कीटाणुरहित एवं निष्फल भी हाने चाहिएरू
    a. संक्रमण को रोकने के लिए
    b. क्रॉस कन्टेमिनेशन
    c. स्वच्छता बनाए रखने के लिए
    d. ऊपर दिए गए सभी
9. उपचार के कमरे में होना चाहिएरू
    a. क्लाईंट के कपड़ो को टांगने की एक जगह
    b. उत्पादों के लिए शेल्व
    c. गर्म और ठंड़े पानी की सिंक
    d. ऊपर दिए गए सभी
10. ताजी हवा के बहाव की जांच को क्लाईंट एवं स्टॉफ के निम्न में से क्या हो जाने के लिए सुनिश्चित करें:
    a. नींद का आना और ऊर्जा में कमी
    b. उच्च स्वर और ज्यादा बात करना
    c. आरामदेह और ठंडा करना
    d. क्रोधित और चिढचिढा करना

टिप्पणी

___

___

___

___

___

___

___

___

___

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

3. बुनियादी ब्लो ड्राई हेयर

B&WSSC
BEAUTY & WELLNESS
SECTOR SKILL COUNCIL

यूनिट 3.1 – हेयर स्टाइलिंग की आवश्यकता

न्दपज 3.2 – बुनियादी ब्लो ड्राई हेयर

BWS/N0201

मुख्य शिक्षा

इस मॉड्यूल के अंत में, आपः

1. शरीर की रचना और बालों के विज्ञान को समझना
2. बालों के विकास के चक्र की समझ
3. बुनियादी ब्लो ड्रायर करना

यूनिट 3.1: हेयर स्टाइलिंग की आवश्यकता

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आपः

1. शरीर की रचना और बालों के विज्ञान को समझना
2. बालों के विकास के चक्र की समझ

3.1.1 परिचय

कोई भी पतले धागे की लड़ी जो मनुष्यों, स्तनधारी तथा दूसरे जीवों की त्वचा में उगते है, उसे बाल कहा जाता है। हाथों की हथेली, पैरो की एड़िया, होठों और जेनीटल हिस्सो को छोड़कर बाल शरीर के पूरे हिस्से को ढ़कते है। इससे अधिक बालों के तीन प्रकार होते हैं, जो आपकी खोपड़ी, भौंवे, पलके, नाक के छीद्रों तथा चेहरे व शरीर को ढ़कते हैं ।

प्रकार 1: लेनूगो। यह नरम, पतले कोमल प्रकार के बाल होते है, जो अजन्मे बच्चों के चेहरे व शरीर में पाए जाते है। यह बाल वैलस और टर्मीनल बालों से बदल जाते हैं, जब बच्चे 7 महीने के आसपास गर्भ में होते हैं।

प्रकार 2: वैलस। बारीक, मुलायम व कोमल प्रकार के बाल होते हैं, जो चेहरे और शरीर में पाए जाते है। इसमें रोय जैसे – फौलीकल्स शामिल होते है और इसमें किसी भी प्रकार का पदार्थ नहीं होता। इन बालों को प्रोत्सहित कर टर्मीनल बालों का निर्माण किया जाता है।

प्रकार 3: टर्मीनल। यह लंबे तथा कोर्स प्रकार के बाल होते है, जो अधिकतर पदार्थ सहित होते हैं। इसमें गहराई में फौलीकल होते हैं तथा यह खोपड़ी, भौंहो, पलकों तथा प्यूबिक क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

3.1.2 बालों की संरचना

बाल एक आकर्षक रचना है, जो विभिन्न परतों, रासायनिक बांड और अमीनो एसिड (प्रोटीन) से बना है।

चित्र 3.1.1 बालों की संरचना

जड़े (हेयर बल्ब)

हेयर बल्ब एक तरह की कोशिकाओं की बढ़ने की प्रक्रिया होती है, जिससे बाल विकसित होते है। कोशिकाएं लगातार बल्ब के निचले हिस्से में विभाजित होती है और धीरे–धीरे ऊपर की तरफ सख्त तरीके से धक्का देती है। जब यह बल्ब के ऊपरी हिस्से में पहुंच जाता है तो खुद छः बेलनाकार परतों में बंट जाती है।

अंदर की परते बाल में परिवर्तित होती है, जो क्यूटिकल, कार्टेक्स और मैडुला से बनती है – हालांकि मैडुला हमेशा मौजूद नहीं होता है, विशेषतौर पर ऐसा पतले व्यास वाले बालों में होता है। बाहरी तीन परते फॉलीकल की लाइनिंग बनती है और बेसमेंट मेमब्रेन व इनर रूट शीथ को बनाती है। यह अलग–अलग कोशिकाओं से लिपटी होती है। हेयर बल्ब में मौजूद एक खास कोशिका जिसे मेलानोसाइट कहते है, एक पिगमेंट मेलानीन का गठन करते है, जो बालों को रंग प्रदान करता है।

हेयर शॉफ्ट

हेयर शॉफ्ट बालों का एक भाग होता है और यह आपके स्कैल्प से ऊपर दिखाई देता है। यह केरातिन नामक प्रोटीन से बना होता है। केरातिन बहुत ही मजबूत प्रोटीन होता है।

आपके हेयर शॉफ्ट में तीन परते मौजूद होती हैं, वह हैः

परत 1ः बालों की जड़ की सबसे ऊपरी परत को क्यूटीकल कहते है। इसकी मुख्य विशेषता इसकी भीतर की सभी चीज़ों का बचाव करना होता हैं। यह बहुत ही कठोर होती है तथा बालों की जड़ के भीतरी हिस्सों को पकड़े हुए होती है।

परत 2ः कोर्टेक्स क्यूटीकल के भीतरी हिस्से में मौजूद होता है और यह बालों की जड़ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। बालों को सूखाने, सेट करने, पर्म करने, रंगने व ब्लीच आदि करने के सभी प्रभाव कोर्टेक्स में ही होते है।

परत 3ः मेड्यूला बालों की जड़ के बीच के हिस्से में मिलता है। यह हमेशा नहीं मिलता (इसके मिलने का कोई कारण नहीं नहीं है), यह केवल एक ही प्रकार के बारीक बालों में मिलता है और वैज्ञानिकों ने पाया है कि इसका कोई विशेष कार्य नहीं है। सभी प्राकृतिक (बिना आर्टिफिशल रंगे हुए) बाल विभिन्न रंगों के पिंगमेंट के संयोजन से बने हाते है।

3-1.3 जड़े

बालों की जड़े एक बढ़े हुए हिस्से में समाप्त होती है, जिसे बालों का बल्ब कहते है जो रंग में सफेद होता है और इसका टेक्सचर शॉफ्ट के हिसाब से कोमल होता है। यह बल्ब एपीडर्मिस के फौलिक्यूलर इन्वोल्यूशन में रहता है, जिसे बालों का फौलीकल कहते हैं।मचपकमतउपे बंसससमक जीम ींपत विससपबसमण

पैपिला

पैपिला एक प्रकार बड़ा सा ढ़ाचा होता है, जो बालों के फौलीकल के तल पर होता है। पैपीला मुख्यतः कनैक्टिव टिशू तथा केपीलरी लूप से निर्मित होता है।

बालों का मैट्रिक्स

बालों का मैट्रिक्स वास्तिविक बालों की लड़ी व जड़ों के खोल का निर्माण करता है।

बालों का फौलिकल

बालों को फौलिकल त्वचा का ही एक हिस्सा होता है, जो पुराने सेल को आपस में समेटकर बालों को उगाता है। सेबेसियस ग्लेंड फौलीकल के ऊपर अंदर की तरफ जुड़ा होता है, जो एक छोटा ग्लेंड होता है और बाद में सेबम का निर्माण करता है। केवल हथेली, होंठ और पैरों की एड़ियों को छोड़कर सभी प्रकार की त्वचा में बाल जितने ही मोटे होते है, सेबेशियस ग्लेंड की मात्रा उतनी ही ज्यादा होती है।

3.1.4 वसामय ग्रंथि

एक छोटा ग्लेंड जो त्वचा में मौजूद होता है और चिकना होने के कारण बालों और त्वचा को चिकनापन प्रदान करता है।

3.1.5 पसीने की ग्रंथि

एक छोटी सी ग्रंथि जो पसीना छोड़ती है और डर्मिस में स्थित होती है। यह ग्रंथि ज्यादातर सभी शरीर में पाई जाती है और इसकी साधारण कुंडलित ट्यूबलर संरचना होती है।

3.1.6 अरेक्टर पिली मांसपेशी

अरेक्टर पिली मांसपेशी सभी स्तनधारियों व साथ ही मनुष्य के हेयर फोलीकल में मौजूद होती है। यह मांसपेशी बालों को लम्बे समय तक चलने में सहायता करती है।

3.1.7 हेयर फॉलिकल चक्र

1. ऐनाजेन हेयर फॉलिकल के सक्रिय विकास का चरण होता है, जिस दौरान बालों की जड़ें तेजी से बंटकर हेयर शॉफ्ट से जुड़ती है। इस स्थिति के दौरान बाल 28 दिनों के भीतर 1cm तक बढ़ जाता है। बालों के सक्रिय विकास के दौरान स्कैल्प 2–7 सालों तक बालों में बना रहता है और यह आनुवंशिक रूप से निर्धारित होता है। ऐनाजेन चरण के बाद, एक अज्ञात संकेत इस प्रक्रिया को केटाजन चरण में भेज देता है।
2. केटाजन प्रक्रिया का समय काफी छोटा होता है और यह ऐनाजेन के बाद शुरू होती है। यह सक्रिय रूप से बढ़ से बालों के अंत का संकेत होता है। यह चरण 2–3 हफ्तों तक होता है और इस दौरान बाल क्लब हेयर में परिवर्तित हो जाते है। क्लब हेयर केटाजन प्रक्रिया के दौरान बनते है, ऐसा हेयर फॉलिकल के बालों के नीचले हिस्से के संपर्क में आने से होता है और फिर वह हेयर शॉफ्ट से जुड़ जाते है। यह प्रक्रिया बालों की रक्त प्रवाह को बांट देती है और इससे नई कोशिका बनकर नए बाल आते है। जब क्लब हेयर पूर्ण रूप से बन जाते है तो 2 हफ्तों की प्रक्रिया के बाद हेयर फॉलिकल टेलोजन की प्रक्रिया शुरू होती है।
3. यह चरण हेयर फॉलिकल के लिए आराम की स्थिति वाला होता है। जब शरीर अत्यधिक तनाव के अधीन होता है, तब बालों का 70 प्रतिशत आराम की स्थिति में पहुंच जाता है, इस स्थिति को टेलोजन कहते है। बाल झड़ना शुरू हो जाते है, आप स्थिति को खुद देख सकते है। इस अवस्था को टेलोजन ऐफलुवियम कहते है। टेलोजन स्टेज में हेयर फॉलिकल का अंतिम उत्पाद क्लब हेयर होता है, और यह बालों का खत्म हो जाना होता है। आमतौर पर, 50 से 100 तक क्लब हेयर रोज़ाना झड़ जाते है।

3.1.8 हेयर स्टाइल और उसके प्रकार

यह भाग आपको क्लाइंट के बालों की स्टाइलिंग करने से पूर्व लिए जाने वाले सारे निर्णयों के बारे में बताएगा। हम सभी के विभिन्न प्रकार के बाल, चेहरे का आकार, शरीर की लंबाई और भी काफी सारी असमानताएं होती है। हम सभी के बालों के अलग–अलग स्टाइल पाने के कारण होते हैं – शादी–पार्टी व नौकरी के अनुसार भी। एक अच्छा स्टाइलिस्ट या बार्बर क्लाइंट की उम्र, जीवन शैली, संस्कृति और साथ ही उसके आप पर विश्वास को ध्यान में रखकर कार्य करता है। एक क्लाइंट कार्य के परिणाम से बहुत खुश होगा यदि इन सब बातों को ध्यान में रखकर कार्य किया जाए।

3.1.9 बालों के आकार, बनावट और घनत्व

बालों को आकार, बनावट और घनत्व दिए जाने वाले हेयर स्टाइल के लिए महत्व रखता है। बालों का आकार आमतौर पर सीधा, वेवी या घुंघराला होता है।

- एशियन हेयर ज्यादातर सीधे और बनावट में मोटे होते है
- यूरोपीय बाल सीधे या वेवी होते है
- अफ्रीकी कैरेबियन बाल ज्यादातर घुंघराले होते है

बालों की बनावट का अर्थ बालों का पतला, मध्यम या अधिक मोटा होना हैं।

घनत्व का अर्थ आपके स्कैल्प पर बालों की संख्या से है। यह कम, मध्यम या अधिक हो सकते हैं।

3.1.10 क्लाइंट को अकेला समझना

जब बालों की स्टाइलिंग या हेयर स्टाइल का चुनाव कर रहे हो तो सिर का आकार, फेशियल फिचर, शरीर का आकार, उम्र, जीवन शैली और साथ ही उसकी व्यक्तिगत छवि को ध्यान में रखना चाहिए।

सिर का आकार

यदि क्राउन फ्लेट हो तो बाल बाएं तरफ ज्यादा बढ़े होगे। पतले सिर को थोड़ा बड़ा लगना चाहिए, तो साइड से कटिंग की जानी चाहिए। बड़े सिर को छोटा दिखना चाहिए, ऐसे में बीच से कटिंग की जानी चाहिए।

फेषियल फीचर

उदाहरण के लिए, कुछ क्लाइंट चाहते कि कटिंग के बाद उनके कान छिपने चाहिए। इसके लिए कुछ निर्देशों का पालन करना होता है। पतली और लंबी गर्दन के लिए बालों को लंबा दिखना चाहिए। छोटी और मोटी गर्दन के लिए बालों को गर्दन के चारों तरफ फैला हुआ दिखना चाहिए। लंबे या असमान फैले हुए कानों को छुपाने के लिए बालों को इतना बढ़ा रखना चाहिए कि वह कानों को ढ़क लें। बड़ी या असमान नाक के लिए ऐसा स्टाइल देना चाहिए कि जिससे नाक पर कम से कम ध्यान जाए।

शरीर का आकार

बालों के स्टाइल को देने से पूर्व क्लाइंट की शरीर की बनावट, कद व मोटाई को ध्यान में रखना चाहिए। छोटे कद के लोगों पर अधिक बाल उनको अधिक छोटा दिखाते है – ऐसा लगता है कि वह बालों से ढ़ंक गए हो। ऐसा ही लंबे कद वाले लोगों के साथ भी होता है, यदि उनके बाल अधिक छोटे या फ्लैट हो तो वह अधिक लंबे दिखाई देते है – उनको अपनी अधिक लंबाई को कम करने के लिए बालों को बड़ा रखना चाहिए।

उम्र और जीवन शैली (लाइफ स्टाइल)

उम्र और जीवन शैली दोनों ही बालों के स्टाइल के लिए महत्व रखते हैं। युवा बच्चे ऐसा हेयर स्टाइल चाहते है, जिसे वह आसानी से बना सके। किशोर अवस्था में लोग कुछ अलग या फैशनेबल बाल चाहते है। परिपक्व क्लाइंट कुछ साधारण और फ्लैट हेयर स्टाइल चाहते है। व्यस्त और खेल से जुड़े व्यक्ति ऐसा हेयर स्टाइल चाहते है, जिससे वह उसे आसानी से बांध या क्लिप कर सके। कुछ प्रोफेशनल के बालों की लंबाई को लेकर अपने खुद के नियम होते है – उदाहरण के लिए सशस्त्र बल–सेना आदि। अन्य लोग जैसे कि रोइया या पुलिस आदि को अपने बालों को टोपी से ढ़ंकना होता है। संस्कृति या धर्म का भी बालों के स्टाइल पर प्रभाव पड़ता है।

व्यक्तित्व

लोग आमतौर पर, अंतर्मुखी या बहिर्मुखी होते हैं और यह उनके खुद को दूसरों से किस सीमा तक अलग दिखाने पर प्रभाव डालता है। अंतर्मुखी एक नेचुरल स्टाइल चाहते है और वह अपने आप को आकर्षित नहीं दिखाना चाहते है। जबकि बहिर्मुखी एक ऐसा स्टाइल चाहते है, जो अलग व रचनात्मक हो। लेकिन कुछ कार्य के नियमों के कारण इस पर प्रतिबंध लग सकता है – ऐसी स्थिति में वह दो उद्देश्यों के लिए स्टाइल का चुनाव करते हैं।

चेहरे का आकार	स्टाइल का कारण	महिला	पुरूष
अंडाकार	क्लाइंट की पसंद	एक आदर्श आकार जो काफी स्टाइल पर अच्छा लगता है।	एक आदर्श आकार जो काफी स्टाइल पर अच्छा लगता है।
गोलाकार	ऐसे में चेहरे का पतला दिखना चाहिए	क्राउन को थोड़ा ऊँचा और भरा हुआ होना चाहिए, बीच से पार्टिंग की जानी चाहिए। ऊपर से लेयर को भरा हुआ दिखना चाहिए और बाकी को चेहरे के पास तक काटना चाहिए लेकिन चिन की लंबाई से अधिक काटना चाहिए।	ऊपर की लंबाई व आगे और साइड से छोटे कांटेने चाहिए। बीच से कांटने चाहिए। थोड़ा स्कुयर स्टाइल देना चाहिए।
स्कुयर	हड्डियों के ढ़ांचे को कम कोणीय प्रदर्शित करना चाहिए	चेहरे के साइड से बालों को विस्पी टुकड़ों की तरह काटना चाहिए। छोटे से मध्यम आकार तक बालों की लंबाई रखनी चाहिए। क्राउन तक बीच से बालों को काटना चाहिए।	ऊँचाई के साथ दोनों तरफ से छोटे करते हुए सामने तक कटिंग करे।

3.1.11 हेयर ड्रेसिंग करने के लिए सामान्य उपकरण

कंघा और ब्रष

सभी कंघों और ब्रशों के अपने विशेष कार्य होते है। इनका प्रयोग घंघराले बालों को सुलझाने या कटिंग के दौरान बालों को विभाजित करने या अंत में बालों को स्टाइल से बनाने के लिए किया जा सकता है।

कटिंग उपकरण

आपको कैंची का प्रयोग इस चरण की पढ़ाई में नहीं करना है: कैंची का प्रयोग बालों को स्टाइल से काटने, घनत्व को कम करने और साथ ही पुरूषों के फेशियल में होता हैं।

स्टाइलिंग उपकरण

निम्न का प्रयोग बालों के गीले और सूखे होने पर स्टाइलिंग के लिए होता है:

- रॉलर, यह विभिन्न आकारों में आते है और इनको लगाने के लिए पिन भी होते है (हालांकि कुछ रॉलर में इसकी आवश्यकता नहीं होती है)
- पिन कर्ल
- किरबी ग्रिप

- वेवी क्लिप
- सेक्शिनिंग क्लिप
- हेयर बैंड

3.1.12 उत्पाद

उत्पादों में शामिल होता हैं

- शैम्पू और कंडीशनर (आमतौर पर गीले बालों पर लागू होता है), यह बालों को साफ और उनकी स्थिति को अच्छा बनाता है।
- मौस्सेस और जेल (आमतौर पर गीले बालों पर लागू होता है), यह बालों को वॉल्यूम प्रदान करता है व साथ ही एक ही जगह स्थिर रखकर उनमें चमक डालता है।
- हेयर मॉइश्चुराइजर, यह बालों को हाइड्रेट्स और उनका बचाव करता है।
- लॉशन, ब्लो ड्राई स्प्रे, हेयर स्प्रे और वैक्स (यह नम बालों पर प्रयोग होता है, ड्राईयिंग के दौरान या उसके बाद), यह अंतिम परिणाम पर प्रभाव डालता है।
- आइरन स्प्रे से स्ट्रेटऐनिंग करना (सूखे बालों पर प्रयोग होता है), यह बालों को चमक के साथ–साथ उनको गर्मी से भी बचाता है।

3.1.13 विद्युत उपकरण

इसमें बिजली से चलने वाले उपकरण जैसे हीटिड रॉलर, प्रेसिंग मशीन, कर्लिंग टॉन्ग, सभी प्रकार के हेयर ड्रायर और क्लिपर शामिल हैं।

टिप्पणी

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

यूनिट 3.2: बुनियादी ब्लो ड्राई हेयर

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप:

1. बालों को ड्राई करने के लिए ब्लो ड्रायर के प्रयोग को समझना
2. ब्लो ड्राई के महत्व व उसके लाभों को समझना

3.2.1 परिचय

आज के दौर में चाहे सुबह जल्दि उठना हो, या देर रात को निकलना, या फिर देर तक काम करना, इस भाग दौड़ की जिंदगी में अपने बालों को धोने के बाद यूहि छोड देना फिझूल सा लगता है। यहा तक कि हर हेयर ड्रेसर का भी मानना है कि गीले बालों को अगर हर रोझ ब्लो ड्राई भी किया जाए तो वो बालों की जडो के लिए नुक्सान साबित हो सकता है। बालों का साधारन तरीके से सूखना हमेशा से ही बालों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना गया है, पर अगर ब्लो ड्राई भी ध्यान और सही तरीके से का जाए तो ये ना सिर्फ बालों की जडो को अच्छे से सुखाता है बल्कि उन्हे और अच्छा बनाते हुए उन्हे खराब होने से बचाता है।

3.2.2 ब्लो ड्रायर

हम ब्लो ड्रायिंग के बारे में जानने से पहले, हम उपकरण ब्लो ड्रायर के बारे में जानेंगे।

ब्लो ड्रायर

एक ब्लो ड्रायर या बालों का ड्रायर विद्युत या बिजली से चलने वाला उपकरण है। इस का इस्तेमाल गीले बालों को सुखाने में किया जाता है। यह गर्म या ठंडी हवा को देता है, जिससे बालों से पानी का वाश्पीकरण जल्द होकर उन्हें सुखाता है। ब्लो ड्रायर के प्रयोग से बालों के स्टाईल और आकार को आसानी से नियंत्रित कर सकते हैं। ब्लो ड्रायिंग का मतलब है कि बालों को हाथ में पकड़ने वाले ड्रायर से बालों को सुखाना और स्टाईल करना।

चित्र 3.2.1 ब्लो ड्राईंग की प्रक्रिया

3.2.3 ब्लो ड्रायर के प्रयोग के दौरान सुरक्षित और प्रभावी तरीको को बनाए रखना

ब्लो ड्राइयर्स अक्सर उन्हीं हेयरस्टाइल्स पर प्रयोग होते है, जिनमें अच्छी मात्रा हो। यह प्रक्रिया बालों की ड्राईंग के दौरान इस्तेमाल किए गए स्टाइलिंग उत्पादों एवं हेयर ब्रश से उसे तनाव मुक्त और सुलझा हुआ बना देती है। हेयर ड्रायर्स के अलग–अलग हिस्से भी होते हैं, जैसे कि डीफ्युजर्स, एअर फ्लो सनक्रेदक, और नौकिली कंघी। डीफ्युजर्स एक ऐसा हिस्सा होता है, जो महीन, घुंघराले, रंगे हुए नैचुरल बालों पर इस्तेमाल किया जाता है। इसकी मदद से हवा बालों में फैलती है, ताकि बाल सुखते समय ना उलझे। थंडे तापमान में बालों के सूखने की गती धीमे हो जाती है। एअर फ्लो सनक्रेदक डीफ्युजर बिल्कुल उल्टा कार्य करता है। ये ब्लो ड्रायर के शेष विभाग को सनक्रीन बनाता है ताकि जो गर्म हवा ड्रायर से निकले वो एक जगह को केन्द्रित करते हुए उसे सुखाए। नोकिली कंघी वाले हिस्से

का काम भी एयरफ्लो संक्रेदक जैसा ही होता है, पर इसके शेष विभाग में कंघी जुड़ी होती है, ताकि इस्तेमाल करने वाला बालों को बिना कंघी या ब्रश के इस्तेमाल से कर सके।

3.2.4 ब्लो ड्रायिंग की प्रक्रिया में प्रयोग होने वाले उपकरण

उपकरण या औज़ार	यह क्या है?	प्रयोग कैसे करते हैं?
चित्र 3.2.2 डनमेन क्लासिक ब्रश	▪ डनमेन का क्लासिक ब्रश को मुख्यता एक लम्बाई बोब को अन्तिम रूप देने के लिए डिजाईन किया गया है। ▪ यह एक बहुदृगणी ब्रश है। यह बालों के स्टाईल में घनत्व को बढ़ता हैं और स्टाईल के अन्तिम रूप को सुथरा और बराबर बनाता है। ▪ यह पकड़ने में सहज होते हैं क्योंकि इसके रबड़ के आधार पर नाईलोन के ब्रिस्टल या दांत होते हैं। यह विरोधीस्थैतिक होता है। ▪ यह ब्रश बहुत से आकारों में आता है। आप को अपने क्लाईंट के बालों की लम्बाई के अनुसार ब्रश का चुनाव करना चाहिए।	▪ ब्रश को बालों के खड़ के नीचे पकड़े, इसको जड़ों के विपरित रखें और ब्रश के दंते की दिशा आपकी ओर हो। ▪ ब्रश को नीचे की ओर थोडा घुमाएं, क्योंकि डेनमन ब्रश घुमावदार होता है। ब्रश बालों को सौम्यता से पकडने लगेगा। ▪ बालों के ड्रायर को ब्रश के पीछे रखें। ब्रश और ड्रायर को एक साथ बालों के नीचले सिरे तक चलाए और घूमाएं। ▪ इस प्रक्रिया को तब तक दोहराए जब तक वह बालों का खंड या सेक्शन सूख न जाए। सूखने के बाद ही दूसरे खंड़ पर प्रक्रिया करें। ऐसा सभी बालों पर करें जब तक सारे बाल न सूख जाए। ▪ आप को बालों को मोडने के लिए ब्रश को मोडने की आवश्यकता नहीं है। ▪ ब्रश का आकार ऐसा बनाया गया है, जिससे बालों
चित्र 3.2.3 डिफ्यूजर	▪ डिफ्यूजर की मदद से आप जड़ों को लिफ्ट और घुँघराले बाले को अधिक स्पष्ट बनाता है। डिफ्यूजर कई आकारों में आते हैं। यह आपके बालों के ड्रायर के अन्त में लग जाते हैं। यह ऊश्मा को नियंत्रित करता है और उसे बालों की ओर प्रत्यक्ष करता है।	▪ बालों से अतिरिक्त नमी को तौलिए से हटाए। अगर बाल लम्बे हैं तो बेहतर होगा कि उनको नेप से खंड़ों में विभाजित करें। ▪ अपनी अंगुलियों को बालों में फेरे और सिर की त्वचा से ऊपर की ओर लिफ्ट करें। जैसे आप बालों को लिफ्ट करते समय उन्हें मज़बूती से पकड़े। जैसे ही आप अपनी पकड़ को मजबूत करेगें, तभी ड्रायर की ऊश्मा को अपने हाथ की ओर प्रत्यक्ष करें। बालों को अच्छे से पकड़ कर ब्लो ड्रायिंग करते रहे।

		■ जब आपके हाथों से ऊश्मा कम होकर ठंड़ी हो जाए। तब बालों को छोड़ दे। आप इसका प्रभाव उसी समय देख सकते हैं। ■ आप अपने शीशे का प्रयोग करके बालों के आकार को जाँच सकते हैं।यह बहुत महत्वपूर्ण है की आप सही प्रभाव को ला पाए। ■ इस पूरी ब्लो ड्रायर की प्रक्रिया, बालों को पकड़ना और खंड़ो को लिफ्ट करके घनत्व को बढ़ानाऔर वांछनीय आकार को पाना। ■ आप किनारे से दूसरे किनारे में कार्य करना, एक खंड के सूखने के पश्चात् ही दूसरे खंड को करना।
 चित्र 3.2.4 मेटल राउंड ब्रश	गोल आकार के ब्रश धातु या लकड़ी के हो सकते हैं। तीन प्रकार के गोल ब्रश आप इस्तेमाल कर सकते हैं। ■ बड़े ■ माध्यम ■ छोटे	**धातु के गोल ब्रष** ■ धातु के ब्रश का उपयोग बालों में मोड़ या घुमाव या बालों के कटाने में गति को लाने के लिए के लिए किया जाता है। ■ इन ब्रशों की धातु ब्लो ड्रायर की ऊष्मा को कुछ समय रखती है, और बालों में उसको बंद कर देती है। ■ ऊष्मा बालों की छल्ली को समतल बनाती है। आप को बालों में कर्ल बनाने और गति को बहुत सहज बनाती है। ■ धातु के ब्रश ऊष्मा के रोलरों का काम भी करते हैं। यह आपको माध्यम और छोटे बालों में आकृति देने में मदद करते हैं। **लकी के गोल ब्रष** ■ लकड़ी के ब्रश विभिन्न प्रकार और किस्मों में आते हैं। ■ आपके ब्रश का चुनाव बालों के वांछनीय स्टाइल के ऊपर निर्भर करता है। ■ सीधे, नर्म, पूर्ण बालों के परिणाम को पाने के लिए बड़े गोल ब्रश का प्रयोग करें। ■ बालों में उछाल और कर्ल के लिए छोटे गोल ब्रश का प्रयोग करें। कई स्टाइलिस्ट केवल लकड़ी के ब्रशों का प्रयोग करते हैं।

		लकड़ी के गोल ब्रष आपकी मदद करते हैं: ■ बालों की छल्ली को समतल करके उनको फैलने से बचाता है। ■ दो मुँहे बालों को होने से बचता है। ■ बालों की कितनी भी लम्बाई हो वो उनको उलझने से बचाता है। ■ सिर की त्वचा से प्राकृतिक कम करने वाले द्रव्यों को उत्तेजक करता है, जिससे क्लाईंटों के सिर की त्वचा और बालों को स्वस्थ बनाने में मदद करता है।
 चित्र 3.2.5 हेयर ड्रायर	बालों के ड्रायर बहुत सी अकिृतियों में आते हैं। जिनकी भिन्न गति और षक्ति होती है। पेशेवर ड्रायर 1800 से 3000 वाटस तक के होते हैं। छोटे बालों के ड्रायर छोटे और हल्के बालों के लिए सही रहते हैं। बड़े और ज्यादा शक्ति वाले ड्रायर लम्बे और मोटे, सघन बालों के लिए होते हैं।	**हाथों में पकड़ने वाले ड्रायर** ■ यह सबसे महत्वपूर्ण उपकरण है। ■ बालों के ड्रायर में भिन्न तापमान और गति को बदलने के बटन होने चाहिए। ■ ड्रायर को हल्का और इस्तेमाल करने में सरल हो। उसके नियंत्रण के बटन भी आसानी से मिलने वाले हों। ■ बालों के ड्रायर में आमतौर पर तीन नियंत्रण होने चाहिए: ■ गति ■ ऊष्मा ■ ठंड **गति** आपके ड्रायर के आकार के अनुसार आपके पास दो या तीन गति के बटन होंगे। हमेषा गति को नियंत्रित करने की कोशिष करें, यह आपको बेहतर परिणाम देगा। ■ तेज रू इस का प्रयोग बालों को ड्रायर करने से पहले अधिक नमी को निकालने के लिए किया जाता है। ■ माध्यम इसका प्रयोग कट को आकार देने में होता है। ■ धीमा इसका प्रयोग आपके कट के आकार को सेट करने में किया जाता है।

		उष्मा 1. ठंड कट के आकार को सेट करने में प्रयोग होता है। 2. माध्यम इसका प्रयोग कट को नियंत्रण करने में किया जाता है। 3. गर्म इसका प्रयोग बालों को सूखा कर आकार देने के लिए किया जाता है।
 चित्र 3.2.6 टोंग	बिजली से चलने वाले स्टाईलिंग टोंग्स को सूखे बालों में प्रयोग होता है। इनका अधिकतर इस्तेमाल छोटे और हल्के बालों, लम्बे बालों में कर्ल जैसा प्रभाव बनाने में होता है। इनका प्रयोग गति या कर्ल को बनाने में किया जाता है।	▪ सूखे बालों को टोंग्स के बेरल और ब्लेड के बीच में रखें और उसको ऊपर की ओर बालों के रोलर की तरह लेकर जाए। ▪ बालों को बीच में तब तक रखें जब तक ऊश्मा से वे नर्म न हो जाए। फिर टोंग्स को खोल दे और बालों के बीच में से निकाल दें। ▪ यह बराबर साफ रोल या कर्ल का प्रभाव बनाता है।
 चित्र 3.2.7 वेंट ब्रश	▪ यह कम वज़न वाला प्लास्टिक ब्रश है। यह सबसे आसान और सभी वर्ग के स्टाइलिस्टों में लोकप्रिय ब्रश है। इसको इस्तेमाल करने से आप बालों के किसी भी कट में सबसे अधिक उछाल और सघनता देता है, अन्य ब्राों की तुलना में। ▪ इसको वेंट ब्रश कहते हैं, क्योंकि इसके सिरे में खाली जगहों से ड्रायर की गर्म हवा का संचालन होता है। ▪ वेंट ब्रश का उपयोग गीले या सूखे बालों की उलझने निकालने में भी किया जाता है।	

3-2.5 ब्लो ड्राईंग की प्रक्रिया

1. क्लाइंट से परामर्ष लेना

- क्लाईंट की इच्छा को बाल धोने से पहले पूछे और जाने। काम करने के दौरान भी उसको समय समय पर पूछते रहें।
- सही प्रश्नों को ही पूछे। अगर जरूरत हो तो मैगज़ीन में तस्वीर आदि या अगर रंग कर रहे हो तो रंगो के चार्ट को दिखाए।
- क्लाईंट के साथ सही व स्पश्ट संवाद करे। ताकि उनकी पंसद और आपकी समझ एक जैसी हो।
- अगर आप को क्लाईंट की इच्छा को समझने में जरा सी भी आंषका हो तो किसी वरिष्ट या उच्च पद वाले सदस्य की मदद और सुझाव ले।
- इस चीज का ध्यान रखें की आप सुरक्षा के साथ काम कर रहे हैं और क्लाईंट की पूर्ण सुविधा का ध्यान रख रहे हैं।
- एक पेशेवर परामर्श स्टाइलिस्ट और क्लाईंट के बीच में ही होता है। यह स्वागत कक्ष या स्टाईलिंग स्टेशन में हो सकती है। आपके परामर्श की सफलता निर्भर करती है, आपकी निम्न क्षमताओं परः
  - सही प्रश्नों को पूछें ह्यजितना हो सके निरंतर स्वरूप प्रष्नों को ही पूछें।
  - ग्रहाकों के उत्तरों को ध्यान से सुने।
  - वे जो कह रहे हैं उसको समझने की कोशिष करें।
  - जो आपने समझा है उसकी दुबारा पुष्टि करें। ताकि आप दोनों की एक ही सोच हो।
  - आप उपयुक्त सुझावों और विकल्पों को दें।
- **हेयर ड्राईंग की प्रक्रिया दौरान क्लाइंट के आराम (कम्फर्ट) की जांच करना**

  अच्छा संचार

डाई करने की प्रक्रिया में क्लाईंट की देखभाल सबसे झरूरी है और यह तभी संभव होता हैं जब अच्छी बातचीत हो। यदि आप एक अच्छा संचार स्थापित करने में सफल हो जाते हैं तो कस्टमर डाइंग की उस प्रक्रिया के पूर्णतः परिचित हो जाता हैं जो आप उसके बालों में करने जा रहें हो। आपको चाहिए कि आपः

- क्लाइंट को आराम की स्थिति में लाए – आप उन्हें बताएं कि आप क्या करने जा रहे है।
- कस्टमर के लिए उसे आसानी करने के लिए उसे बताना पड़ेगा कि आप क्या करने जा रहें हैं और आप किस तरह कार्य करेंगे।
- आपको समझना पड़ेगा कि आपका कस्टमर क्या चाहता हैं। वार्तालाप में सुनना और बोलना दोनो होना चाहिए तथा कस्टमर को पता होना चाहिए के आप क्या करने जा रहें हो।
- आपसी समझ को बनाए रखनाः– हमेशा जानने कि कोशिश करे कि कस्टमर क्या चाहता हैं। क्लोज प्रशनो को छोड़ दें उनसे प्रोलोंड़ प्रश्न पूंछे जो आपको कस्टमर को आसानी से समझने में सहायता करेंगें।

पेषेवर बनें

जब आप थके या बीमार हो तो आपको बातचीत करना बहुत मुश्किल लगेगा। ऐसे समय में आपको कस्टमर की बाते समझ नहीं आएंगी। जैसी भी परिस्थितियां हो एक प्रोफेश्नल होने के नाते आपको ऐसे समय में अपने क्लाइंट से अच्छी बातचीत करनी चाहिए।

3. प्रक्रिया को करना

वह सेवा जिसे एक असिस्टेंट को क्लाइंट के बालों पर ब्लो ड्राईंग करते समय ध्यान में रखना चाहिए:

- बालों को खंड़ो में विभाजित करें।
- ब्लो ड्रायिंग को ऊपर या जड़ो से शुरू करें। उसकी सिर की त्वचा से 6 इंच की दूरी होनी चाहिए।
- अपने कार्य को ऊपर से नीचे की ओर करें। ब्लो ड्रायर को लगातार घुमाते रहें, जिससे कोई भी बाल जले नहीं।

बालों को ब्लो ड्रायिंग करने के चरण:

- बालों को खंड़ो में विभाजित करना

एक असिस्टेंट को बालों को ब्लो ड्राईंग करने से पूर्व विभाजित कर लेना चाहिए।

चित्र 3.2.8 बालों को विभाजित करना

- ब्लो ड्रायिंग को ऊपर या जड़ो से शुरू करें। उसकी सिर की त्वचा से 6 इंच की दूरी होनी चाहिए।

एक असिस्टेंट को एक दूरी को बनाते हुए ड्रायर को बालों के पास रखना चाहिए, जिससे ड्रायर से स्कैल्व या बालों को कोई नुकसान ना पहुंचे।

चित्र 3.2.9 ब्लो ड्राईंग करना

- अपने कार्य को ऊपर से नीचे की ओर करें। ब्लो ड्रायर को लगातार घुमाते रहें, जिससे कोई भी बाल जले नहीं।

यदि आप एक ही जगह पर ड्रायर को रख देते है तो उससे बालों को नुकसान होगा और वह जल जाएंगे। आपको इसे आराम से लगातार इधर–उधर करते रहना चाहिए।

ब्लो ड्रईंग करने के कई तरीके:

a. ब्लो वेविंग

b. स्क्रंच ड्राईंग

c. फिंगर और हैंड ड्राईंग

d. ब्लो कोम्बिंग

e. ब्लो स्ट्रैटनेड्गि

यह तरीके बालों को आसानी से सूखाने के साथ–साथ उसमें नमीद को बनाए रखने और क्लाईंट के अनुसार उसे संतुष्ट करने में सहायक होते है।

ब्लो वेविंग

बालों को ब्लो वेविंग करना बालों को लहराने की वीधि है, नरम प्राकृति गतिविधि करे कंघे या ब्रश की मदद से अथवा हैंड हेयर ड्रायर की गरम हवा से। बालों को वेव की मुद्रा में रखें और ड्रायर की नोक सीधे चपटी लगााव और गर्म हवा का बहाव केन्द्रित हो।

लहर बनाने के लिए आवश्यक नियंत्रण कंघी या ब्रश और ड्रायर की गतिविधि से निर्धारित होता है बालों की स्थिति से संबंधित। यह मुख्य रूप से पुरूषो की हज्जाम में प्रयोग किया जाता है।

विधि

1. सामने बारीख रेखा के माध्य में शुरू और किसी भी प्राकृतिक गतिविधि का पालन करें
2. कंघी के मोटे अंत का उपयोग करते हुए बालों में कंघी डालें और पीछे की ओर कंघी की गतिविधि से बालों में वेव शीखा को कसकर पकड़े।
3. वेव के केन्द्र में सीधे गर्म हवा डाले विपरीत दिशा में जहा कंघी रखी गई है।
4. कंघे की गतिविधि उंगलियो की गतिविधि के समान होनी चाहिए और आधी उड़ती हवा का जोर और शक्ति बालों को कंघी के बाहर उड़ाने में इस्तेमाल होगी।
5. लगातार बालों को ड्रायर के साथ चलाए, इस तरह से हीट समान रूप से निर्देशित और सर को जलाएगी नहीं।

स्क्रंच ड्राइंग

स्क्रंचड, आकस्मिक आकृति को हासिल करने के लिए, डीफ्युझर उपयोग करने के लिए सबसे अच्छा है। अगर आपके पास यह नही है तो अपने हाथो का उपयोग करे। वो उसी के प्रकार काम करेंगे। ड्राइंग की यह विधि प्राकृतिक घुंघराले या छोटे बालों के लिए सबसे अच्छी है। यह एक आकस्मिक,स्थूल अंदाज देता है।

कार्यप्रणाली: शैम्पू के बाद, जरूरत से ज्यादा पानी को तौलिये से हटां दें और मूंस लागू करें या कोइ भी ब्लो ड्राईंग साधन जो आप उपयोग कर रहें हैं। डीफ्युजर को अपने ड्रायर से जोड़ दें यदि आपके पास हो तो।

ड्राईंग: स्क्रंच ड्राय करने के लिए, आपको बालों के नीचें से काम करना होगा, पक्ष की ओर से चलती है। प्रत्येक खंड के माध्यम से अपनी उंगलिया चलाए, बालों को उपर की ओर उठाए अथवा खोपड़ी से दूर। मजबूती से बालों को पकड़े, डीफ्युजर के द्वारा हीट को सीधे अपने हाथो पर करें अपनी मुट्ठी को एकदम बंद करने से पहले। जितनी ज्यादा मजबूत आपकी पकड़ होगी, उतना ही मजबूत आपका कर्ल होगा।

साथ ही साथ एक ही प्रक्रिया को दोहराये, अपने प्राकृतिक विभाजन तक काम कर। सुनिश्चित करें प्रत्येक अनुभाग सूखा है अपने अगले दौर पर जाने से पहले। आप अपनी तरह से काम के रूप में प्रभाव और आकार जॉचते रहें।

- स्क्रंच ड्राईंग
- वेंट ब्रश का प्रयोग
- गोल ब्रश का प्रयोग
- डेनमन क्लासिक ब्रश का प्रयोग
- सीधे करने के लिए लंबे घुंघराले बाल
- वेवी के लिए लंबे सीधे बाल
- गोल ब्रश का उपयोगः चरण दर चरण गाइड

स्क्रंच हेयर कैसे करें: यदि आपके बालों में झरा सा भी वेवीनेस का संकेत है तो, आप ड्राई फ्रीझीनेस आमंत्रित किये बिना इसकी मात्रा बढा सकते है, अक्सर यह स्क्रचिंग द्वारा होता है। हर किसी का अपना तरीका होता है स्क्रचिंग का जो कि सबसे अच्छा काम करता है हेयर टाइप के लिये, लेकिन जो क्रिया यहा सुझाइ गई है बहुत अच्छा तरीका है शुरू करने का। सभी बाल अलग है यह मत भूलना और आपके बाल दूसरे व्यक्ति की तरह नही आएंगे यह प्रयोग करते रहना जरूरी है।

- अपने बालों को धोले और कनडीशनर कर लें। स्क्रचिंग करने से पहले आपको हमेशा अपने बालों को धो लेना चाहिए, जैसे कि स्कचिंग पूरी तरह से केवल गीले बालों पर काम करता है।
- तौलिए से बालों को ड्राई करें। एक बार आप अपने बालों को धोलें और जब नाहकर बाहर नीकलें, 2 मीनट के लिए एक बढा अवशोषक तौलिया अपने सर पर टरबन की तरह लपेट लें।
- उत्पाद को लागू करें। इस बिंदू पर, आप कोइ भी पसंद किया कर्ल सुधारक उत्पाद लागू कर सकतें है। इस तरह के उत्पाद विविध प्रकार के उत्पाद में आते हैः मूस, जेलस, स्प्रे, सीरम्स आदि। मूस शायद बालों की स्क्रंचिंग के लिएसबसे लोकप्रिय उत्पाद है। मात्रा या मजबूत पकड़ मूस चूनें, विशेष रूप से जब आपके बाल प्राकृतिक वेवी ना हो, यह आपको लंबे स्थायी, बहुत ज्यादा कर्ल देने में मदद करेंगे। मूस का उपयोग करने के लिए अपने हाथ में एक गोल्फ की गेंद के आकार जितनी धार, अपने सर का उपर वाला भाग नीचें फेर लें जिससे कि आपके बाल आपके मुँह के सामने आजाए, फिर उत्पाद को समान रूप से अपने बालों में लगाए अपने दोनो हाथो से।

चित्र 3.2.10 मूस लगाना

- अपने हेयर ड्रायर से लोंग फिंगर डीफ्युझर जोड़े। डीफ्युझर एक बंधन है आपके हेयर ड्रायर के लिए जो आपके कर्ल को बरकरार रखने में मदद करता है, अवकर्षण और रोज ब्लो ड्राई के सीधे प्रभाव को कम करके।
- लोंग फींगर डीफ्युजरस में आम तौर पर हवा को रोकने के लिए कटोरा या कप होता है जो कि कम गतिविधि और कम घुंघराले बाल पैदा करने कि इजाजत देता है। हेयर ड्रायर कि गति और हीट समायोजनाओ को बदलकर कम करदें। कम ताप आपके बालों को जलने से बचाएगा, जब आपके बाल डीफ्युझर के कप में होंगे ताप के साधन के पास। कम रफ्तार हवा की गतिविधि को रोकेगी इस प्रकार घुंघराले होने से बचाएगी।

चित्र 3.1.11 बालों की ड्राईंग की प्रक्रिया

- बालों को ड्राई करें। हेयर ड्रायर चालू करें और हवा के बहाव को उपर की तरफ करें जड़ो को उपर की ओर उठाने के लिए। एक अनुभाग लें और बालों को खोपड़ी की तरफ स्क्रंच करें डीफ्युझर की उंगलीयो से उसको पकड़ कर रखें जबतक कें बाल सूख ना जाएं। डीफ्युझर को हल्के गोल आकार में घुमाएं। बालों के दूसरे खंड पर जाते हैं, और फिरसे दोहराए जब तक आपके सारे बाल सूख नही जातें। अपने सर का उपर वाला भाग नींचे करके अपने तल को सुखाना ना भूलें।
- कोई हेयर स्प्रे या जेल लागू करें। एक बार जब आपके बाल सूख जाएं आप उन पर कुछ हेयर स्प्रे से स्प्रीट्झ कर सकते हैं कर्ल को एक जगह रोकने के लिएं या फिर आप सिक्के के आकार जितने जेल का उपयोग करके कर्ल को कुछ लक्षण हैं।

सुरक्षा टीप बालों को स्क्रंच करते समय

- हर प्रकार के बालों पर हर प्रकार के जेल काम नही करते। विभिन्न ब्रेंड या तरह के प्रयोग यह देखने के लिये कि कोनसा आपके बालों की स्थिति के लिए अच्छा है।
- हर किसी को हेयर स्प्रे का उपयोग करना पसंद नही। इसके बिना अभी भी बालों को स्क्रंच करना संभव है। सुनिश्चित करलें के मूस मजबूत है। इसके अलावा अगर आपने पहले हेयर स्प्रे का इस्तेमाल किया है, तो आप तैयार रहे आपके बाल झड़ भी सकते हैं
- बहुत ज्यादा उत्पाद आपके बालों का एकसाथ गुच्छा भी बना सकता हैं। अलग तरह की मात्राओ के साथ प्रयोग करें।
- हल्के, प्राकृतिक सीधा, या रासायनिक सीधे बाल स्क्रचिंग के लिए प्रतिरोधक बन सकते हैं। यदि यह मामला है तो कर्ल डीफाइनिंग मूस या जेल बालों पर लगाएं और बेरेल आइरन का उपयोग करके उसे कर्ल करें। निराश न हो, सही बालों के उत्पाद के साथ यह संभव है।
- यदि आपके पास क्लिप्स नही है, छोटे बन्स में बालों को मोड़ लें या बॉबी पीन्स अथवा हेयर टाइझ से महफूझ कर लें।
- यदि आपके बाल हल्के या सम्भालने में मुश्किल हैं, हमेशा हाथ में हेयर स्प्रे रखना अच्छा है। यदि वह सीधे होने शुरू होगए है तो हेयर स्प्रे से उन्हे स्प्रीटझ कर लें, फिर उन्हे फिर से स्क्रंच करलें।
- अधिक जड़ मात्रा प्राप्त करने के लिए उपर से नीचे स्क्रचिंग करने का कोशिश करें।
- सर्वोत्तम परिणामो के लिए शैम्पू, कन्डीश्नर, उत्पाद (जेल, मूस, हेयर स्प्रे, इत्यादि) जो कि विशेष रूप से कर्ल के लिए परिभाषित हुए हैं।
- यदि आपके सीधे बाल कर्ल के प्रति संघर्ष करते हैं तो, रात में अपने बालों को धो लें और फ्रेन्च चोटी बनाले

या हेयर स्प्रे करलें उनको वश में करने के लिए। जब आप सुबह उठे तो फ्रेन्च खोल लें थोड़े से पानी से अपने बालों को स्प्रीटझ करलें और मूस की सहायता से अपने बालों को स्क्रंच करलें।

- यदि आप ब्लो ड्रायर का उपयोग कर रहे हैं तो, मध्य और धीमे तापमान का उपयोग से घुंघराले बालों को वश में करें।

फींगर और हैंड ड्राईंग

यह बहुत ही सरल व तेज तरीका है ड्राईंग करने का अथवा आपके बालों को स्टाइलिंग करने का। आपके हाथ से निकले हुए ताप पर यह निर्भर करता हैं ना कि हेयर ड्रायर के ताप पर। हालांकि , वास्तव में फींगर ड्राईंग छोटे से मध्य लंब बालों के लिये उप्युक्त हैं।

बालों को फींगर ड्राईंग कैसे करें:

- बालों को शैम्पू व कनडीशनर करें फिर जेल से स्प्रे और कंघी करें।
- अपनी उंगलियो को तेजी से उपर और आगे की तरफ जड़ो से तलो तक चलांए।
- बालों को उचा उठाएं क्राउन तक जड़ो को मात्रा व तन देने के लिए।
- बालों को उठाना जारी रखें जब तक कि वह सूख नही जाते। बालों के किनारो को समतल करने के लिए अपनी उंगलियो का उपयोग करें।

फींगर ड्राईंग टीपः फींगर ड्राईंग क्षतिग्रस्त बालों को सुखाने का सबसे अच्छा तरिका हैं और वेव्स को प्राकृतिक कर्ल में प्रोत्साहित करने के लिए भी ̧अमे पद दंजनतंससल बनतसलए ॊवतज ॊपतण

ब्लो कॉम्बिंग

ब्लो कॉम्बिंग ब्लो ड्रायर कंघी के साथ किया जाने वाला एक उपयोग है जो बालों को सुखाते समय किया जाता हैं। यह अच्छा तरीका है बालों को ड्राईंग करने का जबकि वह सुखाए जा रहे हैं। यह ना सीर्फ समय बचाते है वल्कि सुखाते समय उन्हे इच्छित स्टाइल में लाने में भी मदद करते हैं। वह बालों को स्टाइल करने का सबसे अच्छा समय हैं:

ब्लो–कॉम्ब कैसे करें:

- अपने बालों को शैम्पू व कन्डिशन करें और गीरते पानी को निकालने के लिए तौलिए का उपयोग करें।
- ड्रायर पर कंघी को जोड़ दें और उसे चालू कर दें।
- अपने बालों को कंघी करें जैसे आप आमतौर पर करते हैं और ड्रायर आराम करेगा।

चित्र 3.2.13 ब्लो कॉम्ब

ब्लो स्ट्रेटनिंग

अपने बालों को सीधा करने के लिए ब्लो ड्रायर का उपयोग करना ब्लो स्ट्रेटनिंग कहलाता हैं।

नीचे सरल कदम है पालन करने के लियें:

- अपने बालों को शैम्पू व कंडीशनर करें और गीरते पानी को निकालने के लिए तौलिए का उपयोग करें।
- जो आपके बालों को सूट करें वो हेयर ब्रश उठा लें।
- अपने बालों को अलग करना शुरू करें। लगभग 1 इंच चौड़ाई के साथ छोटे से समूह को काम करने के लियें पहचान लें। और बाकि के बचे हुए बालों को अपने सर के सबसे उचें पर क्लिप करलें जो कि वह ड्राईंग करते समय रास्ते में ना आए।

बालों के उस खंड को ब्रश करलें और यदि कोइ भी उलझन है तो उसे हटा लें। फिर ब्रश को दक्षिणावर्त घुमा लें अथवा ड्रायर कि उच्च्तम सेटिंग का उपयोग करते हुए। सीधे ब्रश में बालों को ब्लो करें। प्रक्रिया दोहराए।

चित्र 3.2.14 ब्लो स्ट्रैटनिंग

सावधानियाः

- सावधानि से तापमान निश्चित करलें।
- बार बार उसी क्षेत्र को हीट ना करें यह आपके बालों को नुकसान और जना भी सकता हैं।
- पानी को पहले बालों से बाहर आने दें। बेहद गीले बालों पर इसका प्रयोग ना करें।
- प्रयोग किया गया सीरम मदद कर सकता हैं।

3.2.6 बालों की ड्रायिंग में आने में समास्याएं और उनका समाधान

समस्या: अधिक मात्रा में ब्लो ड्रायर करने से उसकी ऊश्मा से बाल और सिर की त्वचा में उपस्थित जरूरी तेलों को हानि पहुँचती है। इससे वह जगह सूखी हो जाती है। बालों की जड़े बहुत नाजुक होती हैं, अधिक ऊश्मा की वजह से वे टूट जाते हैं। अधिक बालों के ड्रायर का प्रयोग करने से बालों की जड़े कमजोर हो जाती हैं जिससे बालों के झड़ने को बढा देते हैं। वे नमी और जरूरी तेलों को को बालों से सूखाकर उन्हें षुश्क बना देते हैं। इससे बालों को संभालना कठिन हो जाता है।

समाधान: ड्रायर को बालों से उचित दूरी पर ही रखे। जितना ड्रायर सिर की त्वचा के पास होगा उतना ही वे उसको नुकसान पहुँचाएगा। इसलिए उचित दूरी पर रखने से अधिक ऊश्मा से बाल बच जाएगें। समास्या रू नियमित रूप से ब्लो ड्रायिंग करने से बालों को नुकसान या सिर की त्वचा को जला भी सकती है। इससे दो मुँहे बाल भी हो सकते हैं। अगर क्लाईंट आप के पास यह समास्या लेकर आता है तो उनको उपयुक्त सुझाव दे कर समास्या का समाधान कर सकते हैं।

समाधान: आप बालों को ऊश्मा से होने वाली क्षति से बचाने के लिए रक्षात्मक कंडीषनर या अन्य उत्पादों को लगा कर ब्लो ड्रायर कर सकते हैं।

समस्या: मान लीजिए अगर क्लाईंट सेवाओं और प्रयोग किए गए उत्पादों के बारे में षिकायत करता है।

समाधान: सबसे पहले जो हुआ है उसकी क्षमा मांगे और फिर जो गलत हुआ है उसको सुधारने का प्रयास करें। लाईंट को यह भरोसा दिलाए कि अगली बार जब वे आएंगे तो उन्हें उस समस्या का समाना नहीं करना पड़ेगा।

3.2.7 प्रति–निर्देष

जल्दी–जल्दी अपने बालों पर ब्लो ड्राईंग की प्रक्रिया करने से बालों पर उसका गलत असर होता है। उनमें से कुछ निम्न हैं:

बालों के क्यूटिकल को हानि होना: जब आप बालों पर हेयर ड्रायर का प्रयोग कर रहे होते तो आप उस समय बालों को सुखाने के लिए बालों पर अधिक दबाव और गर्मी का प्रयोग करते है। यह बालों के क्यूटिकल को हाकन पहुंचाता है। बालों का पूरी तरह या थोड़ा नष्ट होना, यह आपके प्रयोग की अवधि पर निर्भर होता है। यदि आप ब्लो ड्रायर का प्रयोग काफी लंबे समय से कर रहे हो तो आपके बालों को पूर्ण रूप से हानि हो जाएगी।

बालों का झड़ना: बालों पर अधिक गर्मी का प्रयोग करने से जड़ों को हानि पहुंचती है और उससे बाल झड़ने लगते है। बालों के झड़ने का सबसे बड़ा कारण यही होता है। इस प्रक्रिया के कारण बालों की जड़े हिल जाती है और जिससे अन्य अशुद्ध चीजे बालों में जाती है और उसे नुकसान पहुंचाती है।

ड्राई हेयर: जब आप अपने बालों को ब्लो ड्राई कर रहे होते है तो इससे बालों के अंदर की नमी और नॉराइस्मेंट सूख जाता है। इससे बालों में सूखापन आता है और उनकी स्थिति खराब होती है। यह आपको खराब दिखाता है। तो क्या इससे बचने के लिए आप बालों को हेयर ड्रायर से सुखाना छोड़ नहीं सकते और उसे खुद से सुख जाने दें।

स्पिलीट एंड: इससे बालों को बहुत नुकसान होता है। कभी–कभी अत्यधिक प्रयोग करने से बालों के अंदर की परत पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। इससे स्पिलीट एंड पर गलत प्रभाव पड़ता है। बालों को क्षति से बचाने के लिए, आपको बालों को हेयर ड्रायर करने से पूर्व थर्मल प्रोटेक्टर का बालों पर प्रयोग करना चाहिए।

बनावट और आकार खो देना: यदि आप अपने बालों को हेयर ड्राइ करते है तो आप देखेंगे कि कुछ अवधि के बाद आपके बाल बेजान होकर अपन प्राकृतिक रूप खो देंगे। इससे बालों की परत पर भी सूजन आ जाती है और बाल पूरी तरह से बेजान हो जाते है।

3.2.8 विभिन्न बाल और स्कैल्प कंडीषन

बहुत सारी स्कैल्प कंडीशन या त्वचा पर चकत्ते बालों के झड़ने को आगे बढ़ाते है। कई स्कैल्प कंडीशन की स्थिति वंशानुगत होती है। कुपोषण या संक्रमण से स्कैल्प कंडीशन में वृद्धि होती है।

विभिन्न प्रकार की हेयर और स्कैल्प कंडीशन निम्न प्रकार है:

बालों का गिरना

- बालों के धोने के बाद बड़ी मात्रा में बालों का झड़ना
- बालों का ब्रश में अटक्कर टूटना
- बालों का पतला होना

चित्र 3.2.15 बालों में होने वाली जूँ

सिर में जूँ होना

- बालों में जूँ होने का कारण बालों और स्कैल्प में होने वाला संक्रमण होता है। इससे सिर में खुजली होना सामान्य बात होती है। संक्रमण के शुरूआती चरण में खुजली करीब 6 महीनों तक नहीं होती है।यदि व्यक्ति अधिक ग्रस्त होता है तो प्रभाव होना जल्दी शुरू हो जाता है और यह खुजली अधिक सोते समय परेशान करती है।

3.2.16 जूँ का संक्रमण

डेंड्रफ

- डेंड्रफ सिर की मृत त्वचा की कोशिकाओं के अंदर से निकलता है। जैसे ही त्वचा की कौशिकाएं मृत होती है तो थोड़ी मात्रा में डेंड्रफ होना आम होता है; आमतौर पर, लगभग डिटर्जेंट प्रक्रिया के बाद 487,000 कोशिका बाहर निकलती है। डेंड्रफ एक सामान्य स्कैल्प की समस्या है, जो करी हमारे देश की आबाद में से आधी को है और इसके होने के कई कारण होते है।
- जिनको यह समस्या होती है, उन्हें सोशल या निजी समस्या होना आम बात होती है, यह मनोवैज्ञानिक और शारीरिक कारणों से हो सकता है।

चित्र 3.2.17 डेंड्रफ

3.2.9 बाल और स्कैल्प के रोग

एलोपेषिया एरियाटा

- बाल एक जगह या कुछ हिस्से से हट जाते है
- स्कैल्प पर कही भी एक क्वार्टर साइज में बालों का हटना

चित्र 3.2.18 एलोपेशिया एरियाटा

सोरायसिस

- यह आमतौर पर होने वाली स्कैल की समस्या है, जिसमें त्वचा पर चित्तेदार लाल धब्बे हो जाते है। यह एक जगह या फैला हुआ भी हो सकता है। कभी–कभी यह पूरे स्कैल्प में भी फैल जाता है। यह फोरहेड से लेकर गर्दन तक यह संक्रमण अपना स्थान बनाते जाता है।

चित्र 3.2.19 सोरायसिस

लाइनकेन प्लानस

- लाइनकेन प्लानस एक प्रकार का त्वचा का संक्रमण होता है, जो हमारे इम्यून सिस्टल के बिगड़ने पर होता है। यह अब तक पता नहीं चला है कि किस वजह से यह होता है। इसमें कई कारकों का योगदान और सभी मामले विभिन्न होते है। संभावित कारणों में शामिल होता हैं
- यह वायरल संक्रमण, एलर्जी, तनाव और आनुवंशिको के कारण होता है।

चित्र 3.2.20 लाइनकेन प्लानस

3.2.10 कार्य के बाद की देखभाल के सुझाव

बालों के सहायक स्टाइलिस्ट के कार्य का महत्वपूर्ण भाग है कि क्लाईंट को कार्य के बाद देखभाल के सुझाव देना। क्लाईंटों को बालों के काम के बाद उनकी घर पर देखभाल करने के लिए उत्पादों का सुझाव देना।

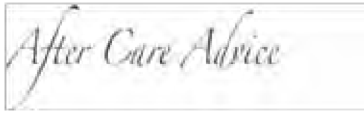

चित्र 3.2.21 बाद की सेवा

क्लाईंट की प्रतिक्रिया पर यह निर्भर करता है कि आप उनके पास कैसे जाएगें और अपने सुझाव देंगें। आपको षुरू में अपने काम के इस कार्य को करने में कुछ असुविधा का ऐहसास होगा, विशेष रूप से जब आप को लगेगा कि आप क्लाईंट का 'अनचाहे' उत्पाद को बेच रहे हैं। परन्तु आप यह सोचे कि आप इन उत्पादों के बिना बालों को स्टाईल नहीं कर सकते, तो क्लाईंट उनके बिना उसकी कैसे देखभाल करेगें।

क्लाईंट से मिलने वाली प्रतिक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि आप उनको कैसे बताते हो और कैसे सुझाव देते हैं। आप को क्लाईंट को उस उत्पाद को घर में इस्तेमाल के लाभों के बारे में सही प्रकार से जानकारी देनी चाहिए।

उन्हें विस्तार से बताए किरू

- कौन से उत्पाद आपने प्रयोग किए हैं,
- आप उनको क्यों इस्तेमाल किया हैं,
- कब और कैसे क्लाईंट उसका इस्तेमाल कर सकता है।

याद रखे जब क्लाईंट आपके सैलून में दुबारा आता है कि वे उत्पाद से खुष है और वे अपने बालों के कट के स्टाईल की देखभाल कर पाए।

सारांष

- ब्लो ड्रायर का सरल मतलब है कि हाथ में पकड़ने वाले ड्रायर से बालों को सुखाना और स्टाईल करना।
- लोग बालों को आकार और स्टाईल करने के लिए ब्लो ड्रायर करते हैं।
- अगर क्लाईंट ने बिलकुल अभी बाल धोए हैं तो उनसे पानी नहीं टपक रहा हो।
- ब्लो ड्रायर करते समय क्लाईंट आरामदायक कुर्सी पर सीधी पीठ करके बैठा हो।
- एक सहायक को क्लाईंट का ब्लो ड्रायर करते समय निम्न सेवाएं भी प्रदान करनी चाहिए:
  - » बालों को खंड़ों में विभाजित करें।
  - » ड्रायर को सही दूरी पर रखें।
  - » ब्लो ड्रायर को क्लाईंट के सिर के चारों ओर घुमाते समय क्लाईंट को किसी प्रकार की असुविधा या हानि नहीं होनी चाहिए।
- बालों को ब्लो ड्रायिंग करने के चरण:
  - » बालों को खंड़ो में विभाजित करें ।
  - » ब्लो ड्रायिंग को ऊपर या जड़ो से शुरू करें। उसकी सिर की त्वचा से 6 इंच की दूरी होनी चाहिए।
  - » अपने कार्य को ऊपर से नीचे की ओर करें। ब्लो ड्रायर को बारदृबार घूमाते रहें, जिससे कुछ जले नहीं।

अभ्यास

1. बालों को कॉम्ब और ड्रायर के प्रयोग से स्टाइल देने को क्या कहते है:
   a. ब्लो कॉम्बिंग
   b. कॉम्ब ड्राईंग
   c. ब्लो ड्राईंग
   d. इनमें से कोई नहीं
2. ब्लो ड्रायर को आमतौर पर किस प्रकार के बालों के साथ किया जाता है:
   a. वॉल्यूम हो
   b. वॉल्यूम ना हो
   c. वॉल्यूम और डिसीप्लीन हो
   d. इनमें से कोई नहीं
3. ब्लो ड्राईंग को कब करने के लिए कहा जाता है:
   a. हफ्ते में तीन बारी से अधिक नहीं
   b. हफ्ते में दो बारी से अधिक नहीं
   c. महीने में तीन बारी से अधिक नहीं
   d. हफ्ते में एक बारी से अधिक नहीं
4. डिफुसर का प्रयोग करते समय:
   a. गर्मी और गति को कम पर करना
   b. गर्मी और गति को तेज़ करना
   c. गर्मी और गति को मध्यम पर करना
   d. इनमें से कोई नहीं
5. अपने बालों को धोने के बाद उसे तौलिए के रगड़ से बचाए जिससे:
   a. इससे बालों का विभाजन समाप्त होता है जो बालों के नुकसान का कारण बनता है
   b. सैलुन का तौलिया प्रयोग करने के लायक नहीं होता
   c. बालों को रगड़ना यह क्लाईंटों का कार्य नहीं है
   d. ऊपर दिए गए सभी
6. सूखे बालों को हमेशा करना चाहिए:
   a. नीचे की तरफ
   b. ऊपर की तरफ
   c. क्षैतिज दिशा की ओर
   d. b और c दोनों

7. मशीन से बाल सूखाते समय बालों को नम क्यों रखना चाहिए?
   a. क्योंकि नम बालों में खिंचाव नहीं होगा
   b. क्योंकि नम बालों में खिंचाव होगा
   c. क्योंकि बाल इससे आसानी से नियंत्रित हो जाएंगे और एक बेहतर परिणाम हासिल होगा
   d. क्योंकि यह बालों को जलने से बचाएगा
8. बालों को जड़ों से क्यों सूखना चाहिए:
   a. उपत्वचा को सुचारू करने के लिए
   b. उपत्वचा को व्याकूल करने के लिए
   c. तेज़ी से सूखने की अनुमति देने के लिए
   d. चमक को कम करने के लिए
9. असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट की भूमिका का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है:
   a. क्लाईंटों की देखभाल करने के बाद उनको सलाह देना
   b. किसी भी सलाह को देने से बचें
   c. क्लाईंटों के साथ बातचीत नहीं करनी चाहिए
   d. उनकी जरूरतों को समझना नहीं चाहिए
10. आंशिक रूप से नम और शुष्क बालों की कटींग करना आपको:
   a. एक एवेन लिव
   b. अपेक्षित परिणाम
   c. असमान परिणाम
   d. लगातार परिणाम

टिप्पणी

____
____
____
____
____
____
____
____
____

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

4. शैम्पू व कंडीशनर और हेड मसाज करना

B&WSSC
BEAUTY & WELLNESS
SECTOR SKILL COUNCIL

यूनिट 4.1 – स्कैल्प और बालों को शैम्पू व कंडीशन करना
यूनिट 4.2 – इंडियन हेड मसाज़

BWS/N0202
BWS/N0230

मुख्य शिक्षा

इस मॉड्यूल के अंत में, आपः

1. शैम्पू और कंडिशन करने की प्रक्रिया को समझना
2. शैम्पू की प्रक्रिया के चरणों की समझ
3. कंडीशनर को लगाना व हटाना
4. भारत में होने वाली सिर की मालिश की प्रक्रिया को समझना

यूनिट 4.1: स्कैल्प और बालों को शैम्पू और कंडीशनर करना

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आपः

1. शैम्पू और कंडिशन करने की प्रक्रिया को समझना
2. शैम्पू की प्रक्रिया के चरणों की समझ
3. कंडीशनर को लगाना व हटाना

4.1.1 बालों को शैम्पू और कंडीषन करते समय प्रभावी तरीकों का प्रयोग करना

ज्यादातर लोग बालों को शैम्पू खुद अपने आप घर पर करते है और वह ऐसा करते ही रहते है। एक हेयर ड्रेसर होने के नाते आपको शैम्पू करने की व्यावसायिक तकनीकों का प्रयोग करना चाहिए और यह तकनीक लोगों द्वारा घर पर खुद प्रयोग की जा रही तकनीक से काफी अलग होती है। सिर पर की गई मालिश से व्यक्ति को आराम मिलता है और उसके बालों को भी फायदा होता है। अपनी उंगलियों का ठीक तरीके से प्रयोग करें। क्लाइंट से पूछे कि व अपने बालों व स्कैल्प को किस तरीके से शैम्पू कराना चाहते है।

4.1.2 बालों को शैम्पू क्यों करते है

शैम्प एक तरल पदार्थ होता है, जिसे बालों को धोने के लिए प्रयोग किया जाता है।

हम शैम्प का प्रयोग तीन कारणों के लिए करते है:

- अधिक तेल, गंदगी और मेल को निकालने के लिए
- हेयर केयर उत्पादों को बालों पर से हटाने के लिए
- बालों को दूसरे ट्रीटमेंट के लिए तैयार करने के लिए

बालों को काटने, पर्म या कलर करने के बाद भी शैम्पू का प्रयोग कर मिश्रण या कटे बालों को हटाने के लिए किया जाता है।

4.1.3 सेवा की तैयारी करना

सेवा देने से पहले बहुत सी तैयारियाँ करने की आवश्यकता है। यह तैयारियाँ क्लाईंट की सुरक्षा और सैलून की पेशेवर छवि के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

क्लाइंट को सुरक्षित रखना

क्लाइंट के कपड़े हमेशा सुरक्षित रहने चाहिए। हमेशा साफ तौलिएं और गाउन का प्रयोग करें। यदि क्लाइंट ने सही से गाउन नहीं पहना हो तो उनके कपड़े गीले हो सकते है और रसायन से कपड़ों पर दाग भी लग सकता है।

क्लाईंट और स्वयं की स्थिति

क्लाईंट को आरामदायक और सही स्थिति में पीछे वाले या आगे धोने वाले शैम्पू स्टेशन पर बैठाए। क्लाईंट की स्थिति के अनुसार ही आपको शैम्पू स्टेशन के पास खड़ा होना है। आपके खड़े होने की स्थिति भी सुविधा जनक होनी चाहिए, गलत दशा में खड़े होने से आप शैम्पू के थकावट महसूस करेगें और उसका असर बाद में जाकर आपके स्वस्थ पर भी पड़ेगा। इसलिए ध्यान रखें कि आप की स्थिति और दिशा शैम्पू करते समय आप को न्यूनतम थकान और नुकसान दें।

4.1.4 काम करने की विधि

उपलब्ध चीज़ों का कुषलतापूर्वक प्रयोग करना

कई चीज़ें जैसे बालों की सज्जा के उत्पाद महंगे होते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि आप उन्हें कुशलतापूर्वक इस्तेमाल करें। कुछ शैम्पू की बोतल में पम्प से निकालने वाला ढक्कन होता है, और यह नियत्रिंत मात्रा में शैम्पू में निकालता है, जिससे उत्पााद व्यर्थ नहीं होता है। कम से कम चीज़ों को व्यर्थ करने से आप पैसे बचाते हैं, जिससे सैलून को लाभ पहुँचता है।

संक्रमण की आषंका को कम करना

कोई भी औज़ार या उपकरण जो क्लाईंट के बाल या त्वचा के सम्पर्क में आता है, बिलकुल साफ होना चाहिए।यह सुरक्षित और स्वच्छ काम करने का वातावरण बनाता है। यह आप के सैलून को साफ बनाता है। आप को अपनी व्यक्तिगत सफाई का भी ध्यान रखना चाहिए। आपके स्वच्छता और सफाई के मानकों से सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार का संकमण न फैले। उदाहरण के तौर पर आप सैलून में तब न आए जब आप को जुकाम या संक्रिमित बीमारी या सिर में जुंए हो। घर में रह कर बीमारी या संक्रमण का इलाज करें और सब कुछ ठीक होने के पश्चात् ही काम पर आएं। अपने व्यक्गित स्वच्छता और सफाई के मानकों का पालन करने से संक्रमण या बीमारी को कार्य क्षेत्र में फैलाने की आशंका को कम करते हैं।

हानि या घाव होने के आंषाका को कम करना

आप के हाथ कार्यस्थल या घर में दिनचर्या के सभी काम करने में अहम भूमिका निभाता है। कार्यस्थल में आपके हाथ ज्यादातर पानी में रहते हैं, इसलिए उनको हमेशा अच्छे से सूखाएं। आप अवरोधक क्रीम या रक्षात्मक दस्ताने का प्रयोग भी कर सकते हैं। यह आपकी त्वचा से संबधित संक्रमण से बचता है। जो बालों की सज्जा करने वाले को प्रभावित करता है।

यह उत्पादों जैसे शैम्पू और रसायनिक के साथ निरंतर स्पर्श मे रहने से भी होता है। अगर स्थिति और खराब होती है तो चिकित्सकीय सलाह हैं। सैलून में प्रयोग होने वाले उत्पादों का प्रयोग, स्टोर और फेंकते समय सैलून नीतियों, निर्माता के दिशा निर्देशें और स्थानीय विधि के अनुसार करें। सैलून में विभिन्न संसाधनों का उपयोग करते समय आप से यह अपेक्षा की जाती है कि आप को कंट्रोल आफ सबस्टांस टू हेल्थ अधिनियम के तहत काम करने की पूर्ण जानकारी है। इसलिए कार्य करते समय स्वयं या अन्यों को किसी प्रकार की हानि की आशांका को कम करते हैं।

उत्पादों को दुबारा भरने और पुर्न आज्ञप्ति करना

शैम्पू, कंडिश्नर और रासयनिक उत्पाद का सैलून में निरंतर इस्तेमाल होता है।

आप सैलून में उत्पादों की मात्रा पर नियमित नज़र रखे। न्यूनतम मात्रा होते ही तुरन्त आज्ञप्ति करें। किसी भी प्राकर के कार्य में अवरोध आने से बचने के लिए जरूरी है कि उत्पाद को बिलकुल समाप्त न होने दे।उसके न्यूनतम स्तर तक पहुँचते ही संबंधित व्यक्ति को बताए।

चित्र 4.1.1 सूजन से बचने के लिए हाथों को बचाना

4.1.5 शैम्पू करना

शैम्पू और कंडिष्नर करने की प्रक्रिया में कितना समय लगना चाहिए?

क्लाईंटों के बालों की लम्बाई और मोटाई, मूल शैम्पू और सतह की स्थिति के अनुसार 3 से 5 मिनट तक लगते हैं। आप अपने किसी साथी को शैम्पू करते हुए देख कर लगने वाले समय की जानकारी ले सकते हैं। इससे आप काम करने में लगने वाले समय का उचित उपयोग कर सकते हैं। आप इस क्रिया को निम्न के साथ अभ्यास कर सकते हैं:

- कंधों के ऊपर तक की बालों की लम्बाई।
- कंधों के नीचे तक की बालों की लम्बाई।

शैम्पू कैसे काम करते हैं?

शैम्पू विभिन्न प्रकार, घनापन, रंग और खुशबुओं में आते हैं। यह पानी के साथ आसानी से मिलकर गंदगी, तेल और ग्रीस को बालों से निकाल देता है। यह इसलिए ऐसा करता है क्योंकि इसमें अपमार्जक के अणु होते हैं। प्रत्येक अपमार्जक अणु के दो भाग होते हैं – एक भाग तेल और ग्रीस की ओर आकर्षित होता है और दूसरा भाग पानी की ओर आकर्षित होता है। अपमार्जक अणु की पूँछ बाल और त्वचा में उपस्थित गन्दगी और तेल में घुस जाती है। अणु के सिर पर नेगेटिव विद्युतीय अवषेश होता है। मालिश करने से तेल और गंदगी बालों से पानी के साथ निकल जाती है। पानी की भी अधिक सरफेस टेंशन होती है, जिसके प्रभाव से पानी की सतह से ऊपर त्वचा जैसी बन जाती है। शैम्पू पानी की सरफेश टेंशन को समतल करके बालों में शैम्पू करना आसान बना देता है।

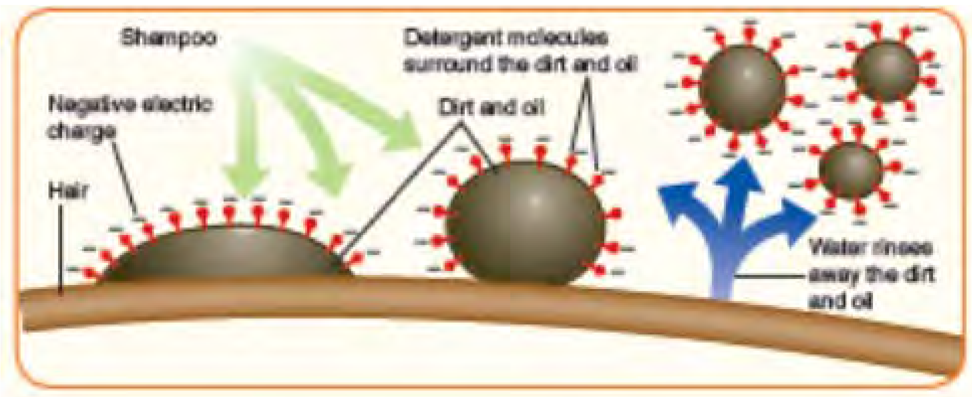

चित्र 4.1.2 बालों को साफ करने में कैसे डिटर्जेंट अणु कार्य करते है

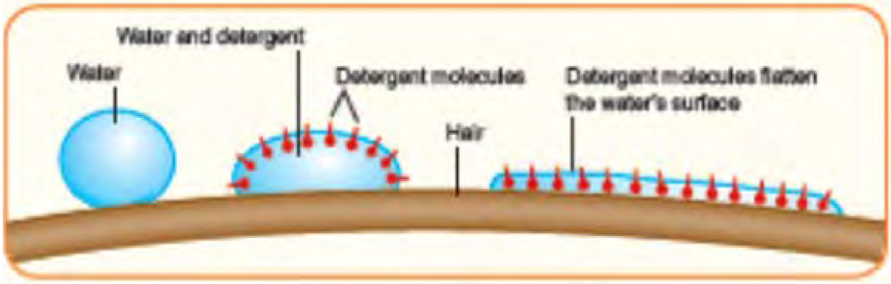

चित्र 4.1.3 शैम्पू कैसे बालों की सतह को समतल कर देता है

कंडिष्नर कैसे काम करते हैं?

- बाल क्रेटीन नाम के प्रोटीन से बने होते हैं। यही प्रोटीन त्वचा और नखुनों में भी होता है।
- बालों की खराब स्थिति होने का कारण ऊश्मा के सज्जा के उपकरणों का अधिक उपयोग, गलत ब्रश करने की क्रिया या अधिक रसायानों के प्रयोग से होता है। कंडिश्नर बालों को पोशण और नमी प्रदान करते हैं।
- कंडिश्नर कई प्रकार के होते हैं। जैसे
- सतह के कंडिश्नर बालों के षाश्ट पर परत लगाते हैं और बालों की छल्ली को समतल करके उलछ रहित बना देते हैं।
- ऐंटीदृऑक्सिडेंट कंडिश्नर बालों को किसी भी रसायनिक प्रक्रिया के बाद बालों के षाश्ट को और ऑक्सिडेशन से बचाता है। यह बालों को अतिरिक्त लचीला, चमकदार और संभालने में आसान बनाते हैं।

4.1.6 स्टाइलिस्ट के साथ काम करना

सैलून में विभिन्न पदों और स्तरों पर लोग काम करते हैं। जैसे:

- सदस्य जो शैम्पू और अन्य बुनियादी कुशलता के कार्य करते हैं।
- सदस्य जो तकनीकी कुशलता जैसे पर्म, बाल काटना और बालों को रंग करना आदि अभ्यास करते हैं।
- वरिष्ठ सदस्य जो सैलून का प्रबंधन करे हैं।

आपके कार्य का एक हिस्सा यह भी है कि जिसमें आप वरिश्ठ सदस्यों या उच्च पदाधिकारियों के साथ और उनके निर्देशों के अनुसार कार्य करना भी सीखना होता है। वे आपको किसी उत्पाद को विशेष तरीके से उपयोग करने या आपकी मालिश की गति को विभिन्न क्लाईंटों के अनुसार बदलने को कह सकते हैं। उनके सुझाव और जानकारी को सुनने से आप अपने कार्य में और विकास ला सकते हैं।

चित्र 4.1.4 एक अनुभवी स्टाइलिस्ट अपने स्टॉफ के कनिष्ठ सदस्य को समझाता हुआ

4.1.7 औज़ारों और उत्पादों का उपयोग करना

क्षारीय और अम्लीय उत्पाद

क्षारीय और अम्लीय उत्पाद सैलून में अधिकतर इस्तेमाल होते हैं। अम्लीय उत्पाद जैसे पर्म, रंग, शैम्पू, कंडिश्नर, ब्लीच और पेरोओक्सईड आदि होते हैं। अम्लीय कंडिश्नर बालों के प्रति सौम्या माने जाते है, क्योंकि वे बालों की छल्ली के स्केलस को बंद करता है और बालों के पह को 4.5 से 5.5 पर वापस लाता है।

वे बालों के शाफ्ट में नमी को बनाए रखता है, और बालों को मुलायम, चमकदार और उलछन रहित सुन्दर बाल बनाता है। क्षरीय उत्पाद जैसे ब्लीच, रंग, पम, कुछ शैम्पू आदि होते हैं। ये उत्पाद छल्ली के स्केल को लिफ्ट करने और शाफ्ट की बाहरी परत का खुरदरा ऐहसास और दिखावट देता है। आमतौर पर रसायनों से कार्य करने के बाद बालों के पह 7 से अधिक हो जाता है। इसलिए यह जरूरी है कि बालों के पह को वापस 4.5 से 5.5 लाया जाए।

स्टीमर

एक स्टीमर हुड के साथ निंरतर वाश्प बनाने का उपकरण है। यह हुड हुड ड्रायर के जैसी ही होती है। यह केतली की तरह कार्य करती है। हम स्टीमर का प्रयोग निम्न में करते हैं:

- कंडिश्नर का अन्दर तक प्रवेश
- खाई नमी वापस लाना
- बालों की शाफ्ट को अन्दर और बाहर से मजबूत बनाना

आप स्टीमर का प्रयोग तभी करे जब आप को उसको प्रयोग करने का परीक्षिण प्राप्त हो। इसको भी अन्य उत्पादों की तरह स्टाइलिस्ट और निर्माता द्वारा दिए गए निर्देशें के अनुसार चलाना चाहिए। विद्युत कार्य में अधिनियम के तहत बिजली के संयत्रों का सैलून में सुरक्षित उपयोग आता है, जिसमें स्टीमर भी आते हैं।

सबसे पहले पानी भरने के स्थान पर आसुत पानी को बॉक्स में भरें। यह इसलिए भरते हैं ताकि स्टीमर का एलीमेंट और पतली पानी की नलियों या वेल्वों में अशुद्धियां न फंसे। सूखे हाथों से प्लग लगाए और स्टीमर को चलाए। जब आप क्लाईंट के सिर की मालिश कर रहे होंगे तब पानी गर्म होकर हुड में वाश्प छोड़ देगा। क्लाईंट को हुड के नीचे 5 से 10 मिनट तक रखें। याद रखें क्लाईंट को कुछ पीने और पढ़ने के लिए मैंगज़ीन दें। जब समय पूरा हो जाए तो

क्लाईंट को स्टीमर के नीचे से हटा दें। स्टीमर को बंद करके प्लग निकाल दें। काम समाप्त होने के पश्चात् स्टीमर को अच्छे से साफ करके अगले क्लाईंट के लिए तैयार करें।

चित्र 4.1.5 स्टीमर

4.1.8 पानी का तापमान और बहाव

पानी का तापमान और बहाव बालों को धोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दोनों तापमान और बहाव क्लाईंट के बालों और सिर की त्वचा की संवेदनशीलता पर निर्भर करता है। बहुत गर्म पानी त्वचा को जला देगा और अगर वो पर्याप्त गर्म नहीं होगा तो बाल अच्छे से नहीं धूलेगें। कभी–कभी आपको गुनगुने पानी का भी इस्तेमाल करना पड सकता है। उदाहरण के लिए अगर क्लाईंट के बाल और त्वचा तेलीय है तो गुनगुने पानी से तेल निकालने वाली ग्रधिंयां कम तेल छोड़ती हैं।

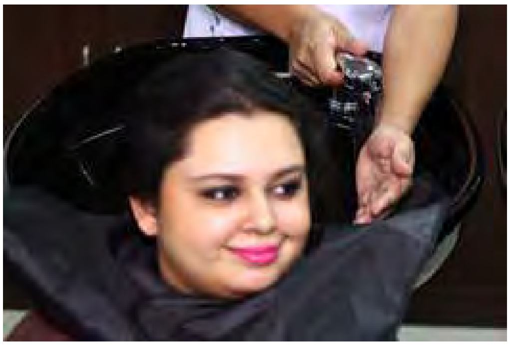

चित्र 4.1.6 क्लाइंट के बालों पर पानी को डालते समय पहले पानी के तापमान की जांच करना

जब शैम्पू के दौरान हल्की मालिश की जाती है। शैम्पू से पहले या बाद में पानी के तापमान की जाँच करना आवश्यक है। आप उसे हथेली के पीछे से या हथेली में पानी लेकर कर सकते हैं। आप के क्लाईंट की सुविधा अनुसार हर बार पानी की जाँच करना हमेशा याद रखें। क्लाईंट की अगली सेवा के लिए भी पानी के तापमान, बहाव और दिशा को क्लाईंट के बालों के अनुसार अनुकूल कर लें। शैम्पू के बीच में पानी के नल को बंद करें। पानी अनमोल होता है उसे व्यर्थ न बहाएं।

4.1.9 शैम्पू का चुनाव

आप को क्लाईंट के बाल और सिर की स्थिति के अनुसार उचित शैम्पू का प्रयोग करें। कुछ क्रियाएं के बाद के शैम्पू में कंडिश्नर की जरूरत नहीं होती है। उदाहरण के लिए जब क्लाईंटों की पर्मींग की जाती है उसमें कंडिश्नर बालों की छल्ली पर अवरोधक परत बना लेता है, जिससे संतोशजनक परिणाम नहीं आते हैं। ध्यान से सही शैम्पू का ही प्रयोग करें।

पृष्ठ संख्या 92 में आपके द्वारा भरी हुई टेबल को दुबारा देख कर याद करें।हृ कार्य ध्यान से करें, शैम्पू को जमीन पर न गिराए। अगर गिर जाए तो क्लाईंटों, स्वयं और अन्य लागों की सुरक्षा के लिए उसे तुन्रत साफ कर दें।

4.1.10 मसाज तकनीक

शैम्पू और कंडिश्नर लगाते समय आप को विशेष प्रकार की मालिश के तरीके का प्रयोग करना चाहिए। सैलून में सबसे लोकप्रिय तरीके हैं:

- एफ्फलियूरे दृमालिश करते हुए थपथपाना
- घूमने वाला
- पैट्रीसेज

अपनी हथेली में डालें और फिर दोनों हाथों को आपस में रगड़े और क्लाईंट के बालों में हथेली से सिर की त्वचा पर लगाते हुए बालों की लम्बाई पर लगाएं। अब आप अपनी मालिश की गतिविधि को शरू कर सकते हैं। शैम्पू और कंडिश्नर को अच्छे से करने के लिए जरूरी है कि आप मालिश की तकनीक से उत्पाद को पूरे सिर में अच्छे से

बराबरी में फैला दें। ध्यान रखे की क्लाईंट बाल बिलकुल न खींचे या सिर पर कोई खरोंच आए। यह आपके क्लाईंट की असुविधा और चिड़चिडाहट का कारण बन जाएगी और हो सकता है उसके बाद की अगली सेवा के होने में बाधा उत्पन्न कर दें। शैम्पू करते समय मालिश करने की गतिविधि को नीचे विस्तार से बताया गया है

एफ्फलियूरेज दृ मालिष में थपथपाने की गतिविधि

यह गतिविधि हर बार शैम्पू को शरू में पूरे सिर में फैलाने के लिए की जाती है। एफ्फलियूरेज एक हल्की, धीमी और ऊपरी तौर पर की जानी वाली गतिविधि है। यह घूमाने वाली मालिश को जोंडती है।

चित्र 4.1.7 फ्फलियूरेज गतिविधि

घूमने वाली मालिष

यह मालिश शैम्पू के दौरान की जाती है। यह एफ्फलियूरेज की तुलना में गहरी और तेज होती है। आप के हाथों की अंगुलियाँ पंजों की तरह क्लाईंट के सिर में खुली हुई हों। अंगुलियाँ को थोड़े दबाव के साथ तेज, छोटे, घुमावदार गति से सिर चलाएं।

चित्र 4.1.8 घूमने वाली मालिश

पैट्रीसेज गतिविधि

पैट्रीसेज घुमने वाली मालिश का धीमा संस्करण है। यह कंडिश्नर करने में उपयोग होता है। यह क्लाईंट को आराम देने, खुन के दौरे को बढाने और बालों के अन्दर कंडिश्नर पहुँचने के प्रयोग में आता है। यह बालों को मुलायम, चमकदार और संभालने योग्या बनाता है।

चित्र 4.1.9 पैट्रीसेज गतिविधि

घर्षण मालिष

घर्षण मालिश में तेज रगड़ने की तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इसका हल्की और सौम्या ऐंठने की क्रिया की जाती है। इसका प्रयोग शैम्पू या लोशन जैसे एस्ट्रीन्जनट को लगाने में किया जाता है।

चित्र 4.1.10 घर्षण मालिश

4.1.11 कंडिष्नर लगाना और उतरना

शैम्पू लगाने के पश्चात् आप, कंडिश्नर को ऐफ्फलियूरेज और पेट्रीसेज मालिश के तरीका का प्रयोग करके लगाए। हमेशा कंडिश्नर को निर्माता और स्टाइलिस्ट के निदेशों के अनुसार लगाए। कंडिश्नर छल्ली के स्केल, नमी को स्तर को बनाए रखने, चमक को बढाने और सुरक्षित रखने और बालों के स्पर्श में सुधार के लिए प्रयोग किया जाता है।

जब कंडिश्नर को निकालते समय महत्वपूर्ण है किः

- बालों की छल्ली की दिशा को न बिगड़े।
- बालों में कंघी करते समय बालों या सिर की त्वचा को हानि न पहुँचाए।
- क्लाईंट के बालों से अतिरिक्त पानी और उत्पाद निकालें।
- किसी भी प्रकार की समस्या होने पर सैलून के किसी भी संबंधित व्यक्ति से तुरन्त बात करें।

शैम्पू और कंडिश्नर की प्रक्रिया समाप्त होने पश्चात् बालों को भली प्रकार से धो ले। यह आगे के काम की सफलता के लिए जरूरी है। स्टाइलिस्ट द्वारा क्लाईंट के बालों में अधिक उत्पाद होने पर वापस शैम्पू स्टेषन में भेजना अच्छा नहीं होता है। बालों को तौलिए से सुखाकर, तौलिए को सिर पर पगड़ी की तरह बांध दीजिए। अगर आपने स्टीमर का प्रयोग किया है तो बालों को शैम्पू करने वाले पानी से अधिक ठड़े पानी धोए। यह बालों की छल्ली को मुलायम करके स्टाईलिंग के लिए तैयार करेगा।

चित्र 4.1.11 बालों की चमक और उन्हें सुरक्षित रखने के लिए बालों में कंडीशनर लगाना

चित्र 4.1.12 कंडीशनर लगाने के बाद एफ्फलियूरेज मसाज़ करना

चित्र 4.1.13 कंडीशनर लगाते समय पैट्रीसेज तकनीक का प्रयोग करना

4.1.12 शैम्पू और कंडिष्नर की प्रक्रिया को पूरा करना

स्टाइलिस्ट को क्लाईंट के बालों से अतिरिक्त पानी और उलछनों से रहित बनाना चाहिए। अगले कार्य के लिए आप को क्लाईंट के बालों को जड़ों से बिना किसी प्रकार का नुकसान पहुँचाए कंघी से संवारना है। क्लाईंटों अपने नए कंडिशन हुए बालों की घर में देखरेख करने के सुझावों या निर्देशें को सुनना पंसद करते हैं। आप को अपने सैलून में बिक्री वाले उत्पादों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। आप क्लाईंट से परामर्ष टेबल और शैम्पू स्टेशन पर शैम्पू और कंडिशनर उत्पादों के बारे में विमर्श करें। उन्हें आप इन उत्पादों के लाभ जैसे नमी को बनाए रखना और अगली बार सैलून आने के बीच में बालों की देखरेख करने में मदद करता है विशेष कर अगर रसायनिक कार्य जैसे रंग या पर्म में उपयोगी है। अगर क्लाईंट बीच पर छुट्टियों के लिए जा रहे हैं तो उन्हें सुझाव दे कि वे संस्क्रीन, रहने वाले कंडिश्नर और मोस्राईजिंग शैम्पू साथ ले जाए। इसके साथ सूरज किरणों या क्लोरिन से बचाव के लिए बालों को टॉपी या ढक कर रखें।

चित्र 4.1.14 सुनिश्चित करें कि आपने क्लाइंट के बालों में से कंडीशनर को पूर्ण रूप से निकाल दिया हो

चित्र 4.1.15 टर्बन स्टाइल के अनुसार क्लाइंट के बालों को तौलिएं से ढ़ंकना

चित्र 4.1.16 क्लाइंट के बालों में कंघी करना और उन्हें अगले ट्रीमटमेंट के लिए तैयार करना

4.1.13 आम समस्याएं और उनके समाधान

- समस्या: अगर क्लाईंट गंदे औजार और जगह के बारे में षिकायत करता है।
- समाधान: सबसे पहले क्लाईंट से माफी मांगे और उन्हें भरोसा दिलाए की अगली बार ऐसा नहीं होगा। इस चीज का ध्यान रखे कि हर क्लाईंट के बीच में सभी उपकरणों और समान को जीवाणुरहित करें। अगर कोई कैंची को जीवाणुरहित नहीं किया गया है और वो उनके संबध आती है तो किसी के सिर में संक्रमण फैला सकती है। जीवाणुरहित द्रव्य को नियमित रूप से बदलते रहना चाहिए। उसके कंटेनर में उसकी क्षमता से अधिक ब्रश और कंघियों से न भरे। सैलून में ध्यान दे कि सिंक हर क्लाईंट के बाद अच्छे से साफ हों। उनको हमेषा साफदृसुथरा तौलिया ही दे।
- समस्या: अगर किसी सहायक द्वारा गलती से क्लाईंट को इस्तेमाल किया हुआ तौलिया दे दिया है। और उससे क्लाईंट गुस्सा आया गया है तो।
- समाधान: क्लाईंट से माफी मांगे और भविश्य में यह सुनिश्चित करें सभी तौलिए और गाउन क्लाईंट को देने से पहले धूले हुए हों। गंदे तौलिए जुओं को फैलाने में मदद करते हैं।

4.1.14 बाद की देखभाल

क्लाइंट आपके द्वारा बालों को कंडीशनर करने के बाद दिए गए सुझावों को घर पर प्रयोग में लाने के लिए हमेशा तैयार रहते है। आपको हमेशा अपने सैलून के उत्पादों की जानकारी पता होनी चाहिए। परामर्श देने के समय आपको अपने क्लाइंट के साथ चर्चा करनी चाहिए और उसे बाद में सही शैम्पू व कंडीशनर के प्रयोग के बारे में बताना चाहिए। यह आपके क्लाइंट के बालों में सही तरह से नमी के स्तर को बनाएगा और उन्हें सुरक्षित भी रखेगा। यह उनकी बालों को पर्म या कलर करवाते समय भी सहायता करता है।

4-1.15 चरण.दर.चरण शैम्पू और कंडीषनिंग करना

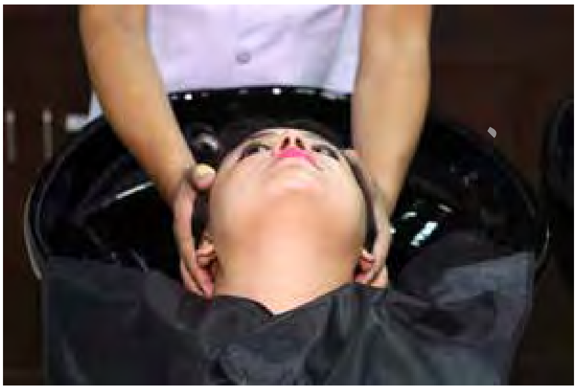

शैम्प करने से पहले क्लाइंट के बालों और स्कैल्प की जांच करना।

सुनिश्चित करना कि शैम्पू करने से पूर्व क्लाइंट सही स्थिति में बैठा हुआ हो

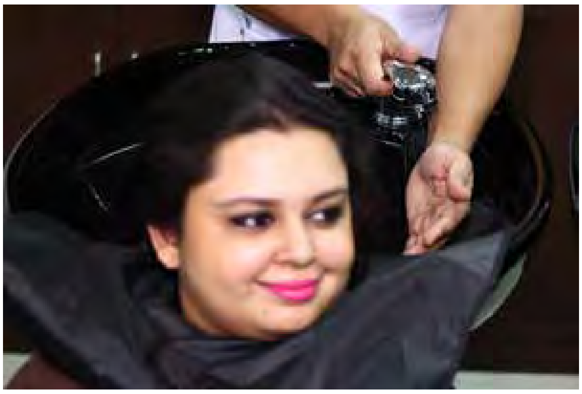

चरण 3 बालों पर पानी डालने से पहले पानी के तापमान की जांच करना

चरण 4 अब पानी को बालों पर डालें और इस बात का ध्यान रखें कि चेहर गीला ना हो

चरण 5 एफलियूरेज मसाज करना और शैम्पू लगाना

चरण 6 पूरे सिर पर रोटेरी मसाज़ करें, जब तक करें तब तक शैम्पू अच्छे से बालों में मिल ना जाएं और इसके बाद बालों को धोएं

चरण 7 एफलियूरेज और पेट्रीसेज मूवमेंट का प्रयोग करके कंडीशनर लगाएं। अब बालों को धोकर कंडीशनर को निकाल दें।

अभ्यास

1. शैम्पू करने से पहले, बालों की जांच करें:
    a. जूँ
    b. एब्रेशन
    c. रूसी
    d. ऊपर दिए गए सभी
2. शैम्पू की प्रक्रिया को सिर पर क्यों किया जाता है:
    a. केवल मसाज के लिए
    b. केवल धाने के लिए
    c. मसाज और धोने दोनों के लिए
    d. इनमें से कोई नहीं
3. क्लाइंट और खुद की स्थिति को ट्रीटमेंट के दौरान बनाएं रखने के लिए आपको क्या सुनिश्चित करना होता है:
    a. एकांत
    b. आराम
    c. अच्छे से रहना
    d. ऊपर दिए गए सभी
4. वह शैम्पू जो साइनथैटिक डिर्टेजेंट से बना होता हैं, वह हैं:
    a. क्रीम शैम्पू
    b. बिना साबुन का तेल वाला शैम्पू
    c. एसिड संतुलित शैम्पू
    d. एंटी डेंड्रफ शैम्पू
5. बेंजीन या गैसोलीन से बना शैम्पू होता हैंरू
    a. लिक्यूइड ड्राइ शैम्पू
    b. हीना शैम्पू
    c. सादा शैम्पू
    d. इनमें से कोई नहीं
6. शैम्पू लगाने का लक्ष्य क्या होता हैं
    a. बालों और स्कैल्प को साफ करना
    b. क्लाईंट को आराम महसूस कराना
    c. बालों में से तेल हटाना
    d. ऊपर दिए गए सभी

7. बालों को अंत में ऑबर्न रंगत प्रदान करने के लिए कौन सी रिंस दी जाती हैरू
    a. क्रीम रिंस
    b. कलर रिंस
    c. हीना रिंस
    d. मेडीकेटिड रिंस
8. डेंड्रफ को नियंत्रित करने वाली रिंस कौन सी होती हैंरू
    a. एसिड रिंस
    b. क्रीम रिंस
    c. एसिड नियंत्रित रिंस
    d. मेडीकेटिड रिंस
9. .... बालों को आराम से कंघी करने के लिए कौमल और चमक प्रदान करता हैं।
    a. हीना रिंस
    b. एसिड रिंस
    c. कलर रिंस
    d. क्रीम रिंस
10. बालों को शैम्पू और मसाज प्रदान करते समय एक असिस्टेंट को ध्यान रखना चाहिए:
    a. फिंगरनेल का प्रयोग स्कैल्प की मसाल के लिए ना करना
    b. पानी के तापमान की जांच करना
    c. शैम्पू व्यक्ति की आँखों में ना जाएं
    d. ऊपर दिए गए सभी
11. निम्न में से कौन सा शैम्पू त्वचा और स्कैल्प की शैम्प प्रक्रिया के लिए निषेध है?
    a. पिसोरिसीस
    b. डेंड्रफ
    c. रिंगवार्म
    d. हेयर ब्रेकेज
12. स्वस्थ बालों को कैसे बनाकर रखा जा सकता है?
    a. कंडीशनिंग ट्रीमटमेंट ना लेकर
    b. स्वस्थ भोजन और रसायनों व उपकरणों का प्रयोग करते समय सावधानी बर्तना
    c. स्कैल्प मसाज मूवमेंट के उत्तेजक से दूर रहकर
    d. साल में एक बार हेयर ड्रेसर के पास बालों को कटवाने और ब्लो ड्राइ के लिए जाने से

13. एक सफल परिणाम प्राप्त करने में परामर्श कैसे सहायता करता है?
    a. यह क्लाईंट को खुशी देता है
    b. यह बालों पर प्रयोग हो रहे उत्पादों की मात्रा के बारे में जानकारी देता है
    c. यह आपको सही शैम्पू प्रयोग करने के बारे में सुनिश्चित करता है
    d. यह आपके संचार कौशल को विकसित करने में सहायता करता है
14. कैसे लंबे बालों को बिना क्षति पहुंचाए बनाया जा सकता है?
    a. जड़ों से नीचे की ओर कंघी करके
    b. बीच से जड़ों की ओर कंघी करके
    c. बालों को टाइट कर और अपनी उंगलियों का प्रयोग करके
    d. जड़ों से बालों के पीछे की ओर कंघी करके
15. एक असिस्टेंट कैसे क्लाईंट के साथ अच्छे संबंध स्थापित कर सकता है:
    a. क्लाईंट के अनुसार उसे सेवाएं प्रदान करके
    b. क्लाईंट को दी जा रही प्रक्रिया के दौरान उसके आरामदायक स्थिति को सुनिश्चित करके
    c. क्लाईंट के सवालों को ना सुनकर
    d. a और b दोनों

टिप्पणी

____
____
____
____
____
____
____
____
____
____
____
____
____
____
____

यूनिट 4.2: इंडियन हेड मसाज़

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप:

1. भारत में होने वाली सिर की मालिश करना
2. भारतीय सिर मालिश के लाभों को समझना

4.2.1 इंडियन हेड मसाज़

इंडियन हेड मसाज़ को चम्पी के नाम से भी जाना चाहता है – भारतीय शब्द का प्रयोग प्राचीन आयुर्वेदिक के चिकित्सा प्रपत्र के कारण हुआ। भारतीय सिर की मालिश एक पारंपरिक मालिश करने की विधि है; इसमें कंधों, बाजू, गर्दन, सिर और चेहरे की मसाज़ की जाती है। यह ट्रीटमेंट क्लाइंट के पूरे कपड़े पहने और कुर्सी पर बैठाकर की जाती है। यह ट्रीटमेंट सबसे अधिक भारत की नाई की दुकानों पर की जाती है। हेड मसाज़ थैरेपी का भारत में अपना ही अलग महत्व है और कई सदियों से एशिया के महाद्वीपों के परिवारों की यह परंपरा रही है। यह चम्पी बालों को मुलायम और व्यक्ति को आराम पहुंचाती है। इससे सिर की मांसपेशी का खिंचाव दूर होता है।

4.2.2 इंडियन हेड मसाज़ के लाभ

यह गर्दन और कंधों को आराम पहुंचाने के साथ–साथ उसकी मांसपेशियों को लचीला बनाकर मुड़ेने में फ्लेक्सिबल करती है। यह रक्त परिसंचरण, लसीका प्रवाह को बढ़ाता और विषाक्त पदार्थों को हटाने में सहायता करता है। यह तनाव और उसके प्रभावों को कम करने के लिए विशेष रूप से बेहतर होती है।

इंडियन हेड मसाज़ भारत में कई वर्षों से की जाती रही है। यह कंधों, बाजू, गर्दन, सिर और चेहरे की मसाज़ करके मांसपेशियों को आराम पहुंचाती है। यह एक सुरक्षित और प्रभावी थैरेपी है, यह बालों को बढ़ने में भी एक सहायक का कार्य करती है और साथ ही दर्द को भी दूर करती है।

4.2.3 इंडियन हेड मसाज़ कैसे करते है

कंधों की मसाज़

1. कंधों की मसाज़ के लिए एक क्लाइंट को आरामदायक स्थिति में मसाज़ वाली कुर्सी पर बैठना होता है।
2. जो व्यक्ति क्लाइंट की मसाज़ कर रहा होता है, उसे क्लाइंट के पीछे खड़े होकर कंधों की मसाज़ करनी होती है।

गर्दन की मसाज़

1. गर्दन की मसाज़ करने के लिए आपको ऊपर दिए गए तरीकों को ही करना होता है। क्लाइंट के बैठने में आप उसकी सहायता करें।
2. जो व्यक्ति क्लाइंट की मसाज़ कर रहा होता है, वह क्लाइंट के पीछे खड़े होकर एक हाथ से गर्दन के बेस और दूसरे से फोरहेड को पकड़कर अपना कार्य करता है।

स्कैल्प मसाज़

1. स्कैल्प की मसाज़ करने के लिए भी आपको क्लाइंट को सबसे पहले मसाज़ वाली कुर्सी पर बैठाना होता है और सुनिश्चित करें वह आराम से बैठा हो।
2. इस मसाज़ में आपकों क्लाइंट के सिर पर अपनी उंगलियों की सहायता से आगे से पीछे करके उसकी मालिश करनी होती है।
3. हाथों का हल्का दबाव देना होता है और लगातार उंगलियों का प्रयोग करना होता है।

फोरहेड मसाज़

1. फोरहेड मसाज़ करने के लिए भी आपको क्लाइंट को सबसे पहले मसाज़ वाली कुर्सी पर बैठाना होता है और सुनिश्चित करें वह आराम से बैठा हो।
2. इस मसाज़ में भी ऊपर दी गई प्रक्रिया करनी होती है, बस इसे अब फोरहेड पर करना होता है। आपकों क्लाइंट के फोरहेड पर अपनी उंगलियों की सहायता से आगे से पीछे करके उसकी मालिश करनी होती है।

4.2.4 इंडियन हेड मसाज़ के प्रभाव

मसाज़ करने के दौरान

- शरीर पूरी तरह से आराम की स्थिति में आ जाएगा
- मन की शांति और शांति की भावना का अंदर से आना
- भावुकता
- थकावट या अलर्ट – मसाज़ के प्रकार पर निर्भर
- ट्रीटमेंट के दौरान नींद आ जाना

मसाज़ के बाद

- प्राकृतिक वसामय स्त्राव में सुधार
- तनाव से राहत
- आराम

- थोड़ा नींद में होना
- सकारात्मक विचार
- सोच और एकाग्रता की स्पष्टता
- खुद अंदर से अच्छी भावना आना
- गहरी और शांत साँस लेना
- ऊर्जा के स्तर में वृद्धि

4.2.5 प्रति–निर्देष

प्रति–निर्देश उपचार के बाद की क्रिया की विपरीत प्रतिक्रिया होती है और यह एक चिकित्सक संकट के रूप में भी माना जाता है।

इंडियन हेड मसाज़ के कुछ प्रति–निर्देश हैं:

- मांसपेशियों के भीतर खुजली या हल्की सूजन आना – ऐसा ट्रीटमेंट के दौरान विषाक्त पदार्थों के निकले और तंत्रिका तंतुओं के कारण होता है।
- थकावट – ऐसा विषाक्त पदार्थों के निकलने के बाद चिकित्सा ऊर्जा के आराम स्थिति में आने के कारण होता है। इसके लिए शरीर को थोड़ा मिलना आवश्यक होता है और थोड़ी देर आराम करने के बाद सारी थकावट चली जाएगी और आपके ताजा महसूस करेंगे।

अभ्यास

1. इंडियन हेड मसाज़ के लाभ क्या होते हैं:
   a. थकावट
   b. आराम
   c. डेंड्रफ
   d. बालों का सूखना
2. इंडियन हेड मसाज़ को ओर किस नाम से जाना जाता है:
   a. फिरकी
   b. चक्री
   c. चमपी
   d. लम्पी
3. इंडियन हेड मसाज़ के लाभों के बारे में बताएं।

....

....

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

Transforming the skill landscape

5. बुनियादी हेयर कटिंग

यूनिट 5.1 – बुनियादी हेयर कटिंग

यूनिट 5.2 – महिलाओं के लिए बुनियादी हेयर कट (चित्रमय)

यूनिट 5.3 – पुरूषों के लिए बुनियादी हेयर कट (चित्रमय)

BWS/N0203

मुख्य शिक्षा

इस मॉड्यूल के अंत में, आपः

1. बालों की बनावट के विभिन्न प्रकार को समझना
2. उपकरणों, उत्पादों और तकनीकों की समझ
3. बालों को काटने की तकनीक की समझ

यूनिट 5.1: बुनियादी हेयर कटिंग

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप:

1. बालों की बनावट के विभिन्न प्रकार को समझना
2. उपकरणों, उत्पादों और तकनीकों की समझ
3. बालों को काटने की तकनीक की समझ

5.1.1 परिचय

अच्छे ढंग से काटे हुए बाल एक स्टाईल का आधार होते हैं। उस ढंग को सिखने में समय लगता है। आप के बाल चाहे छोटे या बड़े हों, हर प्रकार के बालों को काटने का एक तरीका होता है जो यह सुनिश्चित करता है कि हर बार काटने के बाद आप का स्टाईल एकदम सही हो।

गीले बालों को काटना आसान होता है, क्योंकि गीला करने से बाल उड़ते नहीं हैं और संभल जाते हैं। अगर आपके बाल शैंपू करने के बाद अच्छे से गीले नहीं है तो स्टाइलिस्ट स्प्रे बोतल का इस्तेमाल करके बालों को गीला करते हैं। बाल काटने से पहले वे धूले हुए होने चाहिए, उनपर कोई भी चीज़ जैसे तेल आदि नहीं लगा होना चाहिए। अगर बालों को लेयर स्टाईल में काटना है तो बालों की एक लेयर को एक समय पर काटें, इससे बालों की लेयर कटने के बाद स्पष्ट दिखती है।

5.1.2 बालों की बनावट

बालों की बनावट इसकी मोटाई और क्यूटिकल्स की स्थिति से निर्धारित होती है। सामान्यतः धागे के एक टुकड़े के साथ इसकी तुलना की जाती है। अगर आपका बाल धागे से पतला है तो वह महीन है, मध्यम बाल धागे जितना ही मोटा होता है और मोटा बाल धागे से ज्यादा मोटा होता है।

मोटाई के आधार पर बालों को तीन भागों में बांटा जा सकता है –

1. महीन बाल – महीन बाल की पतली मोटाई और बंद क्यूटिकल्स होते हैं। महीन बाल सबसे ज्यादा कमज़ोर होते हैं और आसानी से क्षतिग्रस्त हो जाते हैं।
   - आम धारणा के विपरित, मोटे बालों की तुलना में महीन बाल ज्यादा घने होते हैं।
   - अन्य प्रकार के बालों की तुलना में महीन बालों के तैलीय होने की संभावना ज्यादा होती है।
   - महीन बालों में किसी स्टाइल के ज्यादा देर तक टिकने में दिक्कत होती है क्योंकि बाल हल्के होते हैं जिसके कारण वे सिर पर सीधे गिरने लगते हैं।
   - महीन बालों की संरचना में दो परतें होती हैं – कॉर्टेक्स और क्यूटिकल।
2. मध्यम बाल . मध्यम बाल सबसे ज्यादा सामान्य किस्म के बाल हैं और अक्सर ऐसे बाल सिर को अच्छी तरह से ढक लेते हैं।
   - महीन बाल की भांति इनकी बनावट कमज़ोर नहीं होती है और इनमें स्टाइल भी आसानी से बन जाते हैं।
   - मध्यम बालों की संरचना में दो परतें होती हैं – कॉर्टेक्स और क्यूटिकल। इनमें मैड्युला नामक तीसरी परत भी हो सकती है।

3. मोटे बाल – मोटे बाल की मोटाई बहुत होती है और क्यूटिकल ज्यादा खुला होता है जिसके कारण ये ज्यादा छिद्रदार या पोरस हो जाते हैं।
   - इस प्रकार के बालों की बनावट ज्यादा मज़बूत होती है क्योंकि इनकी संरचना में तीनों परतें होती हैं – क्यूटिकल, कॉर्टेक्स और मैड्युला। बाल की सबसे अन्दर की परत मैड्युला में खाली जगह होती है जो ज्यादातर हवा और प्रोटिन से भरी होती है।
   - अन्य प्रकार के बालों की तुलना में इस प्रकार के बालों को सूखने में जयादा समय लगता है और विभिन्न केमिकल उपचारों के लिए प्रतिरोधी हो सकते हैं।
   - महीन या मध्यम बालों की तुलना में इस प्रकार के बाल ऊष्मा को सहन कर लेते हैं और कम टूटते हैं।

5.1.3 प्रक्रिया

क्लाईंट के बाल काटने से पहले निम्नलिखित तीन बातों को ध्यान में रखें:

- क्लाईंट से परामर्श
- अपने आप, क्षेत्र, उपकरण और क्लाइंट को तैयार करना
- बालों को काटने में प्रयोग होने वाले औजार

1. क्लाईंट से परामर्श

बाल को काटने से पहले क्लाईंट से उनकी पंसद के बारे में परामर्ष करना अति आवष्यक है। यह एक बहुत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है सभी बाल काटने वाले स्टाइलिस्ट को इसमें महारत होनी चाहिए। अच्छा परामर्ष ही अच्छे स्टाईल देने में मदद करता है।

प्रष्नों को पूछे

क्लाईंट परामर्श में प्रश्नों का होना आवश्यक है।

यह केवल प्रश्न पूछना ही नहीं है, बल्कि आप कैसे प्रश्न पूछते हैं वो अधिक महत्वपूर्ण है। आप क्लाईंट की बात को पूरे ध्यान से सुने कि वो कैसे और क्या बोल रहे हैं। आप के प्रश्न कुछ इस प्रंकार के हो, जिनसे अधिक स्पष्टता आ सकें। जैसे: मैं आपकी कैसे मदद कर सकता हूँ? आप कैसे बालों का स्टाईल चाहते हैं? या आपको अपने बालों का क्या अच्छा या नपसंद लगता है? या आप को क्या नहीं अच्छा लगता?, आदि।

आप को जो क्लाईंट ने कहा है, आप उसको दुबारा दोहराए। इससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि आप को जो समझ में आया है क्लाईंट भी वो ही चाहता है। कई बार क्लाईंट को यह नहीं पता होता कि कई स्टाईलों को बनाए रखने के लिए देखरेख की भी आवश्यकता होती है। जैसे एक क्लाईंट के घूँघरालें बाल हैं और उन्हें सीधे बाल करने हैं। परन्तु शायाद उनको न पता हो कि उसको बनाए रखने के लिए गर्म उपकारणों जैसे प्रेस आदि की मदद से किया जा सकता है। तो ऐसी स्थिति न हो इसलिए यह जरूरी है कि क्लाईंटो यह विस्तार से पता हो कि उन्हें उस स्टाईल की देखरेख रोज कैसे करनी है।

प्रदर्षित करना

कई बार हो सकता है कि क्लाईंट स्टाइलिस्ट द्वारा बताए गए रंग या कट को अच्छे से समझ न पाया हो या गलत समझा हो। इसलिए यह जरूरी है कि उनको वह अच्छे से प्रदर्शित करना कि आप क्या समझे हैं या अन्य उन पर अच्छे लग सकनें वाले विकल्पों के नमूने दिखना। आप उनको मैगज़ीन में से चित्र या रंगों के कार्ड दिखा कर समझा सकते हैं, कि कार्य होने के बाद वे कैसे दिखेगें।

अपने दृष्टिकोण को प्रदर्षित करें

अगर क्लाईंट आप को अपनी इच्छा नहीं समझा पा रहा है, तो आप उनको उनके बालों की बनावट, रंग और स्थिति के आधार पर कुछ विकल्प बता या दिखा सकते हैं। आप को क्लाईंट के मन में यह भरोसा दिलाना है कि आप उनको अच्छा दिखने में मदद सकते हैं।

बालों को स्टाईल करने की प्रक्रिया में प्रयोग हो रहे उत्पादों के बारे में क्लाईंट को अवश्य बताए, कि आप उनको क्यों और कैसे प्रयोग कर रहे हैं। क्लाईंट की खुशी और बढ़ जाती है जब उनको पता चलता है कि व अपने आप कैसे स्टाईल की देखरेख कर सकते हैं।

2. अपने आपको ग्राहक्र स्थान औजारों को तैयार करना

सहायक बालों के स्टाइलिस्ट को हमेशा यह ध्यान रखना चाहिए कि सभी औज़ार सफाई से अपनी जगह पर हों और वे साफसुथरे हों। स्वच्छता का क्लाईंटों पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ता है।

स्वयं/ग्राहक/स्थान और औजारों को तैयार करने के अन्तगर्त है:

- व्यक्तिगत स्वच्छता
- अपने कार्य की जगह को तैयार करना

व्यक्तिगत स्वच्छता

जब भी आप सैलून या दुकान में हो तो हमेशा साफसुथरे और अच्छी तरह से तैयार हुए हों। यह क्लाईंट पर अच्छा प्रभाव डालता है। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आपके शरीर से दुर्गंध न आ रही, जिसके कारण क्लाईंट को आप से बाल कटवाते समय असुविधा न हो।

चित्र 5.1.1 व्यक्तिगत स्वच्छता

अपने कार्य की जगह को तैयार करना

आपका कार्य क्षेत्र हमेषा साफ सुथरा होना चाहिए। तौलिएं, उत्पाद और अन्य सभी उपकरणों को उनके सही स्थान पर साफ करके रखना चाहिए। ऐसा करने से जब आप को किसी चीज़ की जरूरत होगी तो वो बिना समय व्यर्थ किए मिल जाएगी।

चित्र 5.1.2 कार्यस्थल को तैयार करना

5.1.4 बाल काटने के उपकरण

बाल काटने के उपकरण प्रत्येक पेशेवर हेअर ड्रैसर के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण और आवश्यक उपकरण हैं। बाल काटने के उपकरण कई तरह के होते हैं। उनमें से कुछ उपकरण इस प्रकार हैं–

कैंची: व्यक्ति के बालों को काटने के लिए कैंची किसी पेशेवर हेअर ड्रैसर के लिए सबसे पहला उपकरण है। कैंची में दो ब्लेड होते हैं। ये ब्लेड समान रूप से संतुलित होते हैं और नोक और किनारे पर चिकने और तेज़ होते हैं।

चित्र 5.1.3 कैंची

पतला करने वाली या थिनिंग कैंची: इन कैंचियों में एक या दो ब्लेड होते हैं जो बालों को पतला करने की ज़रूरत के अनुसार होते हैं। यह कैंची दिखने में लगभग बाल काटने वाली कैंची जैसी होती है।

चित्र 5.1.4 थिनिंग कैंची

कंघी

कंघी के एक किनारे पर कम चौड़ी और पतली जगह और दूसरे किनारे पर ज्यादा जगह होती है। कंघी पकड़ने के लिए अंगूठे और तर्जनी अंगुली का इस्तेमाल होता है।

चित्र 5.1.5 कंघा

कैंची और कंघी पकड़ने का सही तरीका

- कैंची को पकड़ने का सही तरीका है अपनी तीसरी अंगुली का उपयोग करें। अगर आप तर्जनी या बीच की अंगुली का उपयोग करते हैं तो कैंची के ब्लेड को पर्याप्त सहारा नहीं मिलेगा और वह ठीक से नहीं चलेगी। ध्यान रहे कि कंघी के साथ कैंची चलाते समय कैंची से आप स्वयं को चोट न पहुंचा लें। कैंची को हथेली के आगे रखें। कैंची के आगे अपना अंगूठा न रखें। कैंची को ऐसे पकड़ें कि आप उसे आसानी ये चला सकें। ऐसा लगे कि कैंची आपकी अंगुलियों का ही विस्तार है।
- जितनी बार हो सके कैंची को पकड़ने का अभ्यास करें। यदि आप इसे ठीक से चलाना सीख लें तो यह एक ऐसा उपकरण है जिससे आपकी अच्छी आमदनी हो सकती है। जब आप कैंची चला रहे हों जो ऊपर का ब्लेड ही चलना चाहिए और आपको केवल अपना अंगूठा ही चलाना चाहिए, अपनी अंगुलियां नहीं। कैंची को चलाने का अभ्यास होने में कुछ समय लग सकता है।
- आप एक हाथ से कैंची और कंघी, दोनों को पकड़ने में सक्षम होने चाहिएं। कैंची को हमेशा हथेली के आगे रखें। शुरूआत में यह अजीब और असुविधाजनक लग सकता है लेकिन अभ्यास के साथ यह आसान हो जाएगा। कैंची और कंघी पकड़ने के दो तरीके हैं। आप दोनों तरीकों में से किसी का भी प्रयोग कर सकते हैं –
  - i. कैंची के हैंडल से अपना अंगूठा निकाल लें। ब्लेड को नीचे की तरफ रखें और अपनी छोटी अंगुली से कैंची को कसकर पकड़ें। कंघी का मुंह ऊपर की ओर होना चाहिए और उसका एक किनारा आपकी हथेली में।
  - ii. कैंची के हैंडल से अपना अंगूठा निकाल लें लेकिन ब्लेड को ऊपर की ओर रखें और हैंडल को अपनी हथेली पर। कंघी को अपने अंगूठे और तर्जनी अंगुली से पकड़ें।

सेक्षन क्लिप

बाल काटते समय बालों को बांधने के लिए सेक्शन क्लिप का प्रयोग होता है।

सेक्शन क्लिप का प्रयोग कैसे करें–

- बाल बांधने के लिए क्लिप या टाइज़ का चुनाव करें। छोटे बालों के लिए हेअर टाइज़ अच्छे से काम करती हैं। मध्यम लंबाई से लेकर लंबे बालों के लिए बनाना क्लिप सही रहती हैं। बनाना क्लिच के प्रत्येक किनारे पर दांत होते हैं।
- बालों को कई हिस्सों में बांटें। सबसे पहले आप सिर के पीछे के बालों को बांटें जैसे पोनीटेल बनाने के लिए किया जाता है। फिर सबसे नीचे के बालों से शुरू करें। बालों के निचले हिस्से को अलग करें, उसके बाद बचे हुए बालों को लें और या तो उन्हें दो बराबर हिस्सों में बांटें या पूरा रखें और उनको क्लिप कर दें।

- बालों के नीचे से शुरू करते हुए ऊपर की ओर बढ़ें। जिस हिस्से पर काम करना है, उसे छोड़कर बाकी बालों को क्लिप करें।
- बालों के क्लिप करने के बाद अपने परिणाम को देखें। जिस तरह बाल दिख रहे हैं अगर आप उससे खुश नहीं हैं तो निराश मत हों। बालों को सही ढंग से विभाजित करने में थोड़ा समय और अभ्यास की आवश्यकता है।

चित्र 5.1.6 सेक्शन क्लिप

रेज़र

रेज़र दो प्रकार के होते हैं। एक का प्रयोग गर्दन के बाल साफ करने के लिए किया जाता है और दूसरे का प्रयोग सरफेस कट में बालों के किनारों को तिरछा काटने के लिए किया जाता है।

सबसे महत्वपूर्ण और प्रथम चरण पर त्वचा को तैयार किया जाता है। स्किन प्रेप बालों को साफ कर शेव करने के लिए तैयार कर देती है। प्रेप करने का सबसे आसान तरीका पानी का छिड़कॉव होता है। दूसरा चरण क्रीम लगाना होता है। कुछ लोग इसके लिए कटोरी का प्रयोग करना अच्छा समझते है। कुछ महिलाएं शेव करने के लिए केवल पानी का प्रयोग करती है, लेकिन आपको इसके लिए ग्रेन को बार–बार करने की आवश्यकता होती है। ग्रेन और फिर ग्रेन करना शुरूआती दिनों में शेव करने का सबसे बढ़िया तरीका होता है।

चित्र 5.1.7 रेज़र

एप्रेन

कटे हुए बाल कपड़ों के अन्दर न घुसें इसलिए एप्रेन का प्रयोग होता है। उनकी उपयोगिता के कारण कई हेअर स्टाइलिस्टस् के लिए सैलून एप्रेन बहुत ज़रूरी होता है। ये हेअर कलर के दागों से और कटे हुए बालों से कपड़ों को बचाते हैं और क्लिप जैसे उपकरण रखने के लिए भी काम आते हैं ताकि वे जल्दी और आसानी से मिल जाएं।

सैलून एप्रेन घर में पहने जाने वाले एप्रेन से बिलकुल अलग होता है। यह पानी से बचाने वाले मेटिरियल से बना होता है। सैलून एप्रेन के लिए यह भी आवश्यक है कि वह ऐसे मेटिरियल से बना हो कि कटे हुए बाल आसानी से

झड़ जाएं। घर में पहने जाने वाले एप्रेन के विपरित, सैलून एप्रेन में हेअर स्टाइलिस्ट के लिए आवश्यक उपकरणों को रखने के लिए एक या एक से ज्यादा पॉकेट होनी चाहिए।

हेअर शीयर्स

शीयर्स

कैंचियां एक हेअर स्टाइलिस्ट के व्यवसाय के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण उपकरण हैं। यह सबसे ज़रूरी है कि एक हेअर स्टाइलिस्ट के पास सबसे अच्छे और सबसे नए उपकरण हों। एक अच्छी कैंची की मदद से एक स्टाइलिस्ट किसी व्यक्ति की छवि या लुक को पूरी तरह से बदल सकता है, उन्हें युवा, स्वस्थ और आकर्षक दिखा सकता है जिससे उनका आत्म–सम्मान बढ़ता है। हेअर शीयर्स कई प्रकार के होते हैं।

चित्र 5.1.8 हेयर शीयर्स

हेअर शीयर्स का प्रयोग कैसे करें:

- बालों के घनेपन को बहुत थोड़ा कम करने के लिए ऐसी थिनिंग शीयर्स खरीदें जिसमें दांतों की दो पंक्तियां हो, न कि एक पंक्ति। थिनिंग शीयर्स की एक पंक्ति में जितने ज्यादा दांत होगें, वह बालों को उतना ही कम काटेगी।
- घुंघराले बालों को हल्का करते समय उन्हें दो बार तिरछा काटें। सीधे बालों को हल्का करते समय जमीन के समांतर दो बार काटें।
- घने या घुंघराले बालों के लिए दांतों की एक पंक्ति वाले थिनिंग शीयर्स का इस्तेमाल करें क्योंकि ऐसी कैंची एक बार में ज्यादा बालों को काटती है।

हेअर ड्रायर

हेअर ड्रायर बिजली से चलने वाला एक उपकरण है जो गीले या नम बालों पर ठंडी या गरम हवा फेंकता है जिसके कारण बालों की नमी चली जाती है और बाल सूख जाते हैं। ब्लो ड्रायर, प्रत्येक बाल के अन्दर के अस्थायी हाइड्रोजन बोंड के गठन में तेजी लाकर और उन्हें नियन्त्रित करके, बालों के आकार और स्टाइल को नियन्त्रित करता है।

हेअर ड्रायर का प्रयोग कैसे करें –

चित्र 5.1.9 हेयर ड्रायर

- बालों को धोएं और तौलिए की मदद से उन्हें इतना सुखा लें कि पानी टपकना बंद हो जाए।
- बालों के कई हिस्से करें। जितना बड़ा हिस्सा होगा, सुखाने में उतना ही ज्यादा समय लगेगा।
- बालों के 4–6 हिस्से करना सही रहता है, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि वे उलझे हुए ना हों। यदि क्लाईंट के बाल लम्बे या मोटे हैं तो क्लिप की मदद लें। यदि बाल बहुत छोटे हैं तो केवल दो हिस्से ही पर्याप्त हैं।
- बालों की जड़ों की ओर से ब्लो ड्राइ करना शुरू करें, सिर की खाल से लगभग 6 इंच की दूरी से।
- बालों के नीचे की तरफ काम करें और ब्लो ड्रायर को घुमाते रहें जिससे कुछ भी न जले। यदि ब्लो ड्रायर एक ही स्थान पर ज्यादा समय के लिए रह गया तो यह बालों को सुखाने के बजाय उन्हें जला देगा।
- बालों को हल्के नम छोड़ें। चमक बनाए रखने के लिए अंत में ठंडी हवा से ब्लो ड्राइ करें। बालों में आराम से ब्रश करें या अंगुलियों की मदद से उन्हें सुलझाएं।
- यदि ज़रूरी लगे तो बालों में मॉइश्चराइजिंग या एंटी–फ्रिज़ सीरम लगाएं और समान रूप से ब्रश करें। ज्यादा स्वाभाविक लुक के लिए बहुत थोड़ा सा जैतून का तेल भी लगा सकते हैं।

सुरक्षा और सावधानियां – हेयर ड्रायर को प्रयोग करने के लिए निम्न सुरक्षा और सावधानियां हैं:

ब्लो ड्रायर को बाथटब के पास इस्तेमाल न करें, यह घातक हो सकता है।

- यदि आपके सिर की त्वचा जलने लगे तो एकदम इसे बंद करें।
- यदि आप बहुत ज्यादा समय के लिए ब्लो ड्रायर का प्रयोग करते हैं तो आपको सिरदर्द की शिकायत हो सकती है। डेढ़ घंटे से ज्यादा इसका प्रयोग न करें।
- गीले या नम, या आमतौर पर किसी भी प्रकार के बालों में पतले इलास्टिक का प्रयोग न करें अन्यथा बाल टूट सकते हैं। मोटे बैंड का प्रयोग करें।
- यदि आपके बालों में से पानी टपक रहा है तो ब्लो ड्रायर का प्रयोग न करें।
- कंघी का प्रयोग न करें। मुलायम बालों वाले ब्रश का उपयोग करें।
- ब्लो ड्रायर केवल बालों के लिए ही है, और किसी के लिए नहीं। अपने शरीर को सुखाने के लिए इसका प्रयोग न करें।
- ऐसा करने से त्वचा पर लाल धब्बे आ जाएंगे और त्वचा जल भी सकती है।
- रंग किए हुए बालों पर उसी समय ब्लो ड्रायर का प्रयोग न करें क्योंकि बाल पहले से ही बहुत रूखे हैं।

हेअर ब्रष

सामान्यतः ब्रश का प्रयोग लम्बे बालों के लिए किया जाता है। आमतौर पर छोटे बालों के लिए कंघी का प्रयोग होता है लेकिन ब्रश का भी प्रयोग किया जा सकता है।

आमतौर पर फ्लैट ब्रश का प्रयोग उठने के बाद उलझे हुए बालों को सुलझाने और उन्हें ठीक करने के लिए किया जाता है, पेशेवर स्टाइलिस्ट राउंड ब्रश का प्रयोग ड्रायर के साथ स्टाइलिंग और कर्लिंग के लिए करते हैं। पैडल ब्रश का प्रयोग बालों को सीधा करने के लिए किया जाता है, सामान्यतः इनका प्रयोग अच्छे से न रखे हुए बालों पर होता है। हेअर ब्रश टूटे हुए बालों को निकालने में मदद करते हैं और त्वचा की ग्रंथियों में रक्त संचार को बढ़ाते हैं।

चित्र 5.1.10 हेयर ब्रश

हेअर क्लिपर

आजकल हस्तचालित हेअर क्लिपर की जगह बिजली से चलने वाले हेअर क्लिपर ने ले ली है। ज्यादातर हेअर ड्रेसर बिजली से चलने वाले हेअर क्लिपर का प्रयोग करते हैं। घने बालों को हल्का करने के लिए क्लिपर एक उत्तम उपकरण है।

हेअर क्लिपर का प्रयोग कैसे करें –

- हेअर क्लिपर के गार्ड साइज़ का चुनाव करें। प्रत्येक हेअर क्लिपर के साथ कई अटैचमैंट्स आते हैं जो बालों को अलग–अलग लम्बाई में काटने में मदद करते हैं। कुछ लोग सिर के ऊपर के बालों की तुलना में साइड के बालों को ज्यादा छोटा रखना पसन्द करते हैं। क्लिपर में सबसे बड़ा साइज़ 7 या 8 होता है जो सिर पर केवल एक इंच बाल रखता है। साइज़ 4 से छोटे गार्ड के प्रयोग से सिर की त्वचा दिखने लगती है, जिसके कारण धूप से त्वचा झुलस सकती है।

- बालों को अच्छे से सुखाएं और ब्लेड को नीचे की ओर रखते हुए क्लिपर को पकड़ें और बालों के बढ़ने की दिशा के विपरित चलाएं ताकि आप गार्ड से ज्यादा बाल पकड़ सकें।
- ध्यान रखें कि आप क्लिपर को ज्यादा तेज़ न चलाएं ताकि बाल खिंच न जाएं या क्लाईंट के सिर की त्वचा को हानि न पहुंचे। क्लिपर को धीरे–धीरे चलाने से समान रूप से बाल कटेगें। ध्यान रखें कि एक बार में ही सारे बाल कट जाएं।
- गार्ड को हटा दें और क्लिपर को अपने हाथ में घुमाएं। ध्यानपूर्वक गर्दन के पीछे और कानों के आसपास एक क्लीन लाइन काटें। धीरे–धीरे करें ताकि कोई गलती न हो।
- गर्दन के पीछे बालों की लाइन से नीचे गर्दन की ओर क्लिपर को चलाएं। ऐसा करने से गर्दन की त्वचा मुलायम हो जाएगी।
- कलमों के नीचे के हिस्से को काटें और ध्यान रखें कि वे लंबाई में समान हों। यदि क्लाईंट के चेहरे पर बाल हैं तो कलमों की ओर से दाढ़ी तक गार्ड का प्रयोग करें।
- एक ब्रश की मदद से क्लिपर से बाल निकालकर उसे साफ करें। एल्कॉहल से कीटाणुरहित करें और उस पर तेल की एक पतली परत लगाएं। क्लिपर के साथ मिलने तेल का ही प्रयोग करें।

हेयर क्लिपर का प्रयोग करते समय बर्ती जाने वाली सुरक्षा और सावधानियां

- क्लाईंट के बाल काटने में ज्यादा जल्दबाज़ी न दिखाएं। यदि आप क्लाईंट के बालों को ठीक तरीके से नहीं काट पाए तो वह आपसे नाराज़ हो जाएगा।
- बहुत महीन बालों को काटते समय क्लिपर के ब्लेड के बीच का हिस्सा ही इस्तेमाल करें।
- क्लिपर से बाल काटने के बाद ब्लो ड्रायर की मदद से गर्दन पर गिरे बालों को हटाएं। गर्दन पर टेलकम पाउडर लगाएं ताकि बाल त्वचा मे ंना चुभें और उनको हटाना ज्यादा आसान हो जाए।
- यदि हेअर कट के तुरन्त बाद नहाना संभव न हो तो बाल काटने से पहले क्लाईंट के कंधों पर एक पतला कपड़ा लगाएं और उसे गर्दन के पास कसकर बांधें जिससे बाल फर्श पर गिरें, न कि कमीज़, पैंट या कुर्सी के कपड़े पर।

5.1.5 बालों को तैयार करना

बाल काटने से पहले ध्यान देने योग्य बातें:

- बालों को साफ करें। ठीक उसी प्रकार जैसे आर्टिस्ट एक फ्रेश केनवस के साथ शुरूआत करता हैं, पेंटिंग करने से पहले, आप कटिंग से पहले साफ बालों के साथ शुरू करना चाहेगें। गंदे और उत्पादों से भरे हुए बाल आपका हेयरकट पूरा हो जाने के बाद आपके उत्पाद की सही समाप्ति देखने की अनुमति नही देगें। विशेष केयर टाइप के लिए बने शैम्पू व कन्डीश्नर का प्रयोग करें। यहाँ हर जरूरत को पूरा करने के लिए उत्पाद हैं– कलर ट्रीटेड हेयर, सूखे बाल, क्षतिग्रस्त बाल, पतले बाल और जिन बालों की मात्रा कम हो इसलिए जो सबसे अच्छा बालों के प्रकार पर आधारित और जरूरतों को पूरा करने के लिए है चयन करें। यदि बालों में गुच्छे और उलझने है तो डी टेंगलिग उत्पाद पर डीटेंगलिंग कंडीश्नर या स्प्रे का प्रयोग करें। आप नही चाहेगें की बालों पर कंघी करते समय आपकी कंघी मैट या उलझनों से अटक जाए।
- कैंची व रेजर से बाल काटते समय बाल गीले रखे। जब बाल गीले होते है तब आप भी देख पाएगें की स्वभाविक रूप से बाल कैसे गिरते है। इसके अलावा, गीले बालों पर कटौती के दिशा निर्देश को पालन करना आसान है इससे आपकी कटिंग और अच्छी होगी। गीले बाल आपस में चिपकेगें यह आपकी जगह में रहने में मदद करेगें जब आप बाल काटेगें। स्प्रे नोजल के पास पानी की बोतल रखें जिससे कि काम करते समय आप बालों को गीला कर सकें जब वह सूख जाए।

- विशेष परिस्थितियों में सूखे बालों के साथ काम करें। यदि आप क्लिपर का प्रयोग करने की योजना बना रहे है तो सुनिश्चित करलें कि बाल सूखे है या यदि आप बालों को कम करना चाहते है तो सुनिश्चित करलें कि आप उनकी अत्यधिक फूलनेस को कम ना कर रहे हो। यदि आप बस सामान्य रूप से स्पिलिटेंस हटाने की कोशिश कर रहे है तो ड्राय कट करें जब बाल सूखे हो तो इन्हे देखने में आसानी होती है। यदि आप समय के दबाव में हो तो ड्राय कट वॉशिंग और ड्रायंग की जरूरत को बचाएगा।

5.1.6 बाल काटने के दिशा निर्देष

दिशा निर्देशें का पालन करना एक सरल प्रक्रिया है। इन दिशा निर्देशें में बालों को खंड़ो या सेक्शन में विभाजित करना है। प्रत्येक को कटा जाता है ताकि लम्बाई और काटने की रेखाएं दिखाई दें। इन दिशा निर्देशें को प्रयोग पूरी काटने की प्रक्रिया होना से अन्त का परिणाम भी सुनिष्चित और समान होता है। अगर आपके पास दिशा निर्देशें नहीं हैं या आप उनका पालन नहीं करते हैं तो हो सकता है कि आप का बालों का कट असमान और असफल हो।

पहला दिशा निर्देष

जब आपने बालों के वांछनीय स्टाईल और लम्बाई के बारे में निणर्य ले लिया हो तो अपना पहला कट लगा सकते हैं। यह वह जगह है जो आपके स्टाईल की आधारशीला है। जब आप बाल काटने की कला को सीख रहे हों, तो यह जानना बहुत जरूरी हो जाता है कि यह आधार कैसे बालों को आगे काटने में काम आता है। उदाहरण के तौर पर, बाल काटने सीखने के षुरू में बालों को केवल आकार देना सीखना आसान होता है। यह आपको आधार को बनाने और बालों के कट को बाहरी आकार देने में मदद करता है। अन्त में यह अभ्यास ही आपको अन्दर के बालों को काटने 'लेयरिग' के आकार देने के के दिशा निदेर्श देता है।

1. काटने की रेखाएं

काटने की रेखाओं से काटना शुरू करें। प्रत्येक स्टाइल का अपना काटने का पैर्टन होता है। बालों को खंड़ो या सेक्शन में विभाजित करें और चुने हुए बालों को काटने के स्टाईल के काटने के पैटर्न का अनुसरण करें। ऐसा करने से आप क्लाईंट के द्वारा वांछनीय स्टाईल को बना सकते हैं।

चित्र 5.1.11 कटिंग लाइन

2. खंडों में विभाजन करना

चित्र 5.1.12 सेक्शिनिंग

आप बालों को खंडों में विभाजित करने से संतुलित स्टाईल बना सकते हैं। अधिकतर कट पीछे, साईड, आगे और आंतरिक खेड़ों में विभाजित होते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि बालों की मांगें निकालते समय या बालों के स्टाईल के अनुसार दिशा निर्देशें का पालन करते समय आप खंड़ों को साफ और ठीक निकाले। आपके खंड और काटने की रेखाएं एक दूसरे के अनुरूप हों। उदाहरण के लिए आग आप की काटने की रेखा आड़ी है तो खंड को भी आड़ा होना चाहिए। अगर काटने की रेखा घूमाव दार है तो खंड भी घुमावदार होना चाहिए।

आप क्लाईंट के सिर की विशेशताओं जैसे कानों और आँखों की स्थिति, नाक का आकार, बालों की स्थिति आदि को भी ध्यान में रखें। आप पर्याप्त मात्रा में खंड़ बनाए। जितने ज्यादा खंड आप गर्दन, पीछे और आगे की ओर बनाएगें उतना ही काटने की प्रक्रिया आसान होगी। याद रहे कि आपके खंड जितने अच्छे बनेगें उतनी ही अच्छी काटने की रेखाएं बनेंगी। सबसे पहले सिर को ऊपर एक कान से दूसरे तक आधे में विभाजित करों।

चित्र 5.1.13 बालों को पीछे से बीच से गर्दन की तरफ विभाभित करते हुए अपना कार्य करना

चित्र 5.1.14 बालों को विभाजित करना

बालों को पकड़ना

बालों को कटाते समय उनको मूलतः तीन भागों में पकड़ते हैं:

त्वचा के विपरित

बालों को त्वचा के विपरित को अच्छे कंघी करके समतल कर लें। अगर जरूरत हो तो एक अंगुली से पकड़ कर उसके स्थान पर रखें। खुली हुई कैंची को बालों के अन्दर ले जाए और त्वचा के विपरित काटें।

चित्र 5.1.15 बालों को त्वचा के पास लाकर काटना

चित्र 5.1.16 प्रक्रिया के दौरान बालों को पकड़ना

पीछे से हाथ की सहायता से बालों को पकड़ना

बालों को बीच और तर्जनी अंगुलियों के बीच में पकडें.। कैंची को अंगुलियों के पीछे से संमातंर रखते हुए काटें।

हथेली के अन्दर से

बालों को बीच और तर्जनी अंगुलियों के बीच में पकड़े। कैंची को अंगुलियों के अन्दर की ओर से संमातंर रखते हुए काटें। हाथ के पीछे और हथेली के अन्दर से बाल काटने का तरीका व्यक्तिगत पंसद या किसी विशेष बाल काटने की प्रक्रिया में ही प्रयोग में आता है। आप शुरू में हर तरीके से काटने की कोशिश करें, ताकि आप महसूस कर सके कौन सा तरीका आपको भाता है।

चित्र 5.1.17 बीच से बालों को जड़ों से पकड़कना

महत्वपूर्ण सूचना

जब काटने वाले बालों को आप अपनी अंगुलियों के बीच में पकड़ कर काटते हैं तो केवल उतना ही काटे जो आपकी अंगुली के बीच के जोड़ से सिरे तक हैं। आप सटीक कट के लक्ष्य को हाासिल करने के लिए बालों को हाथों में कसकर नहीं सकते हैं। इस नियम का पालन करने से आप आपने हाथ को कट लगने से बचा सकते हैं।

बालों को न खींचे

बालों को काटते समय जितना कम हो सके उतना ही खींचे। बालों के खंड़ को मोटे दांत वाली कंघी ह्यपतले दांत वाली कंघी से बाल खींचते हैं।ह्ृ से 2 से 3 बार हल्के हाथों से कंघी करें। फिर बालों को बिना खींचे पकड़ें। इस बात के लिए आप षुरू में ही जागरूक रहें नहीं तो बालों को कसकर पकड़ने की आदत पढ़ने से, आदत छूटनी मुष्किल हो जाती है।

बालों को ज्यादा खींचने से बालों का प्र्राकृतिक लचीलापन उसको वापस अपने मूल आकार और आकृति में ले आता है। परिणाम स्वरूप असमान या बहुत छोटे कट हो जाता है। ऐसी स्थिति से बचने के लिए प्राकृतिक घूंघराले बाल जिनमें विशेष लचीलापन होता हैह्ृ का ध्यान रखना चाहिए।

अनेक बार बालों का काटते समय, आप के कुछ इस तरह के सवाल हो सकते हैं:

" मैं बालों की कितनी लम्बाई कम कर सकता हूँ ताकि बाल बाहर न निकलें? क्या बहुत छोटे बाल काट सकता हूँ जो आंखों के ऊपर न आए और चेहरे पर को नया स्टाईल दे?"

इन प्रश्नों या मिलते जुलते प्रश्नों का उत्तर हम बालों के प्र्राकृतिक मोड़ का सरल टेस्ट करके ढूंड सकते हैं। सिर के जिस भाग का प्रश्न है वहाँ से एक बालों के गुच्छे को सिर की त्वचा से दो इंच ऊपर से पकड़े। बालों के गुच्छे को सिर की त्वचा की ओर धक्का दे और देखे वो किधर की ओर मुड़ता है।

मोड़ने का परीक्षण (बेंड टेस्ट)

1. A मोड़ के केन्द्र बिन्दु से नीचे काटने से बाल सीधा या कांटों की तरह खड़ा हो जाएगा ।
2. B मोड़ के केन्द्र बिन्दु से ½ से = इंच के बाद काटने से बालों के आराम से बैठ जाने की पर्याप्त लम्बाई बचती है
3. C मोड के केन्द्र बिन्दू से 1 इंच या ज्यादा काटने से बालों की पर्याप्त लम्बाई बचती है, जिसे आप किसी स्टाईल की निष्चित दिशा में बैठा सकते हैं।

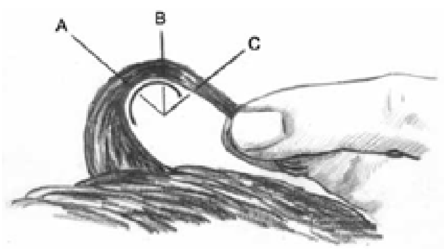

चित्र 5.1.18 बेंड टेस्ट से बालों का परीक्षण करना

महत्वपूर्ण सूचनाः प्बालों की प्राकृतिक बनावट हमेशा महत्वपूर्ण होती है। मोटे बालों को बैठने के लिए अधिक लम्बाई की आवष्यकता होती है पतले बालों की तुलना में। अगर इस परीक्षण के पश्चात् आपके मन में अभी भी काई षंका हो तो आप बालों की अतिरिक्त लम्बाई को छोड दे। आप हमेषा बाद में और बाल काट सकते हैं। आप मोडने के परीक्षण के चिन्ह को उपयुक्त स्थानों पर देखेंगे, जो आपको बालों की लम्बाई निध्ारित करने के उपयोगी तरीके को करने की याद दिलाएगा।

चित्र 5.1.19 बेंड टेस्ट की प्रक्रिया

3. कैंची और कंघी को पकड़ना

कैंची

कैंची को पकड़ने के लिए अपनी तीसरी अंगुली का इस्तेमाल करना एक सही तरीका है। अगर आप अपनी तर्जनी या बीच की अंगुली का इस्तेमाल कर रहे हैं तो आप कैंची के ब्लेडों का पर्याप्त सहायता नहीं दे पाएंगे। इस बात का ध्यान रखना की आप कैंची का प्रयोग करते समय अपने आप को हानि न पँहुचाएं, इसके लिए जरूरी है कि आप उसे हमेशा 'हथेली में' रखें। इसका सरल मतलब है कि अपने अंगुठे को हैंडल से निकाल लें।

कैंची

आपके हाथ में आरामदायक होनी चाहिए। वे आपके हाथों की अंगुलियों का विस्तार बन जानी चाहिए।

कैंची को पकड़ने का अभ्यास आप बारबार करें। यह वो औज़ार है जो आपको अच्छी आमदनी दिलाएगा।जब काट रहे हो तो केवल कैंची का ऊपर वाला ब्लेड और आपका अंगुठा ही हिल रहा हो। आपकी अंगुलियां न हिलें। यह करने के लिए आप को कुछ समय लग सकता है।

निम्न अभ्यास आपकी मदद करेगाः

अपनी कैंची को पकड़े, फिर आपने हाथ को इस प्रकार घुमाएं कि आपका अंगुठा नीचे की ओर और हथेली की दिशा आपसे दूर हो। अब कैंची को खोलने का प्रयास करें। सिर्फ आपका अंगुठा ही हिलेगा। आप को बिलकुल ऐसा ही महसूस होगा जब आप कैंची के साथ काम करेगें।

चित्र 5.1.20 कैंची को पकड़ने का सही तरीका

कैंची और कंघी

आप को कैंची और कंघी दोनों को एक हाथ में पकड़ना आना चाहिए और कैंची को हथेली के सहारे पकड़े। षुरू में यह अज़ीब सा और असुविधाजनक महसूस होगा। परन्तु अभ्यास करने से यह आसान लगने लगेगा। इस प्रकार से पकड़ने के दो तरीके है, आप कोई भी अपना सकते हैं:

- अपने अंगुठे को हैंडल से बाहर निकाल ले, ब्लड़ों को नीचे की ओर गिरने दें और कैंची को छोटी अंगुली से पकड़े। आपकी कंघी ऊपर की दिशा की ओर हो और उसका एक सिरा हाथ की हथेली में हो।
- फिर से अंगुठे को हैंडल से बाहर निकालें, परन्तु ब्लेडों को ऊपर की दिशा और हैंडल को हथेली से विपरित दिशा की ओर रखें। कंघी को अंगुठे और तर्जनी अंगुली से पकड़े।

5.1.7 कटिंग के प्रकार

क्लब कटिंग

यह बालों को काटने की एक प्रकार की तकनीक हैं, जिसमें हम बालों को बिना टेक्यचर दिए एक स्मूथ व ब्लेंडट रूप देते है। यह एक प्रकार की यूनीफोर्म लम्बाई या स्मूथली ग्रेडूएटिड लेयर का निर्माण करती है। कैंची बाल काटने वाले हाथों में पकड़ी जाती है तथा बालों को सही कोण में काटने के लिए बाल फ्लिक्स को सही ऊचाई से रखे ताकि आप मनचाहा हेयर कट कर सकें।

चित्र 5.1.21 क्लब कटिंग

प्रक्रियाः फ्री हैंड कटिंग बिल्कुल इसके नाम के सामान ही है। इस कटिंग में स्टाइलिस्ट बिना दूसरे हाथ का इस्तेमाल किए व बिना किसी उपकरण को बालों में लगाएं बालों को काटता है।

अधिकतर बालों को कैची नीचे की तरफ किसी कोण में काटा जाता है, परंतु इसे ऊपर की तरफ भी काट सकते है। इस तरह की तकनीक में स्टाईल में बहुत से टेक्सचर दिए जा सकते है। फ्री हैंड कटिंग को ज्यादातर टेक्सचरिंग के रूप में उपयोग किया जाता है।

अंत में सीज़र ऑवर कॉम्ब तकनीक का प्रयोग कर हेयर स्टाइलिस्ट उसके साधारण होल्डिंग हैड से किया जाता है। कॉम्ब को बालों के हिस्सों को ऊचाई पर रखने के लिए किया जाता है, ताकि कटिंग हैंड से उन्हें काटा जा सकें। स्टेश्नरी ब्लैड (लोअर ब्लैड) को कंघी के विपरीत रखा जाता है। यह तकनीक छोटे हेयर स्टाईल की ब्लैडिंग व कटिंग के लिए सर्वोत्तम है, बिना किसी क्लिपर का प्रयोग किए हुए।

नोचिंग

इस तरह के हेयर कट में स्टाइलिस्ट बालों को विभिन्न हिस्सों में बांट देता है, जिससे बालों का आकार थोड़ा कम हो जाए। नीचे दो तरह की नोचिंग के बारे में लिखा गया है। वह हैं – फ्री हैंड नोहिचंग और ट्रेडिरनल नोचिंग। ट्रेडिरनल नोचिंग अधिकतर बालों के अंतों में की जाती है और फ्री हैंड नोचिंग को बालों के ऊपरी हिस्सों पर की जाती है, ताकि स्टाईल के विभिन्न क्षेत्रों से बालों के वोल्यूम का बल्क हटाया जा सकें।

चित्र 5.1.22 नोचिंग

बालों के कटिंग में फ्री हैंड नोचिंग वह तकनीत है, जिसमें बालों के टुकड़ों को एक रेहम कालोटर में काटा जाता है। अस तरह की तकनीक में बालों में एक मूवमेंट बनती है और बालों में कठोर वेट लाईन पड़ने से रोकती है

प्रक्रियाः बालों का एक हिस्सा लें और उसे होर्स शू की तरह बना लें। एक तरह का खिंचाव से बालों के कुछ हिस्से को निकाले और उस पर कैंची रखें। अब अपने दिमाग में सोचे कि आपको बालों में कहा पर वजन देना है। जैसे–जैसे आप सिर के नजदीक आऐंगे, वहां पर बालों का वॉल्यूम ज्यादा देने की कोशिश करेंगे। यदि आप वॉल्यूम को जड़ों की तरफ देना चाहते है तो आपको स्कैल्प कर तरफ से शुरूआत करनी चाहिए। यदि आपको अंत से वेट निकालना है तो आपको वही चीज बिल्कुल करनी पड़ेगी। इससे बालों को लंबाई वही बनी रहेगी परंतु उनका वज .न कम हो जाएगा।

स्लाईसिंगः स्लाईसिंग अंदरूनी तथा बाहरी रूप से बालों के वज़न को हटाने तथा उनमें मूवमेंट व टैक्सचर प्रदान करने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह तकनीक फिनिश्ड हेयर कट में प्रयोग होती है, जो या तो गीले व सूखे होते है। कैची को धीरे–धीरे खोलते व बंद करते हुए अपनी कैची को खोले और उन्हें बालों के शेफ्ट कह तरफ ले जाएं। (ब्लैड को बंद करते समय सावधान रहे या बालों के सारे हिस्सों को ना कांटे)। स्लाईसिंग बालों के वज़न को कम करने का एक अच्छा तरीका होता है, जितना आप ब्लैड को बंद व खोलोगे उतना ही आप बालों का वज .न कम कर पाओगे।

प्वाईंट कटिंगः बालों को ट्रेक्चसराईज़ करने के लिए प्वाईंट का प्रयोग किया जाता है। बालों के अंत से बल्क को हटाने हेतु प्वाईंट कटिंग का प्रयोग किया जाता है। इसमें बालों के लेमर्स या ग्रेजुऐशन को इस तरह बनाया जाता है ताकि एक हेयर कट का रूप दिया जा सके। इसे बालों को मूवमेंट मिलता है तथा इसे पुरूष व महिलाओं दोनों के स्टाईलिंग में प्रयोग किया जा सकता है। इसे गीले व सूखे बालों में प्रयोग किया जा सकता है व विभिन्न तरह के टैक्चरों में भी इसका उपयोग किया जा सकता है। बालों की मोटाई व टैक्सचर्स की सहायता से हमें पता चल सकता है कि प्वाईंट कटिंग को सूखे तथा गीले बालों में प्रयोग कर सकते है या नहीं। बालों के अंत के लक्षण सबटल या ड्रामीटिक हो सकते हैं। यह बालों की मात्रा हटाए जाने पर निर्भर करता है।

थिनिंग हेयर (बालों को पतला करना)

कटिंग के दौरान बालों के बल्क व मोटाई को हटाने को ही बालों को पतला करना कहते है। इससे बालों की लम्बाई को बनाकर रखा जा सकता है। इसका प्रयोग कर्ल तथा एक्जग्रेट बालों के टुकड़ों पर ज्यादा टैक्सचर बनाने के लिए तथा मोटे बालों को पतला करने हेतु किया जाता है। यदि बाल पहले से ही महीन हो तो इसका प्रयोग नहीं किया जाता क्योंकि इससे बाल और महीन हो जाते हैं। हर एक हेयर कट व स्टाईल के आवश्यकता के अनुसार अलग तरह की तकनीक होती है। यह हर व्यक्ति के बालों के घनेपन पर भी निर्भर करता है।

बालों को पतला करने के कुछ लाभ निम्नलिखित हैं:

- यदि आपके बाल मोटे है तो यह मोटाई को कम करने में सहायक होता हैं।
- स्टाईल की आवश्यकतानुसार यह बालों को बेहतर तरीके से सेट कर देता है।
- बिना लम्बाई को कम किए यह बालों को आकार प्रदान करता है।
- यह एक विस्पी तथा अलग प्रभाव बना देता है।
- छोटे टुकड़ों का प्रयोग कर बालों की लंबाई को बढ़ाने के लिए यह उसमें ऊँचाई व घनापन उत्पन्न करता है।
- एक टैक्सचर प्रभाव डालता है।

चित्र 5.1.23 बालों को पतला करना

5.1.8 हेयर कट करते समय हेयर स्टाइलिस्ट की मदद करना

- ग्राहक के बाल धोते समय हेयर स्आइलिस्ट की सहायता करें। विशेष हेयर टाइप के लिए बने शैम्पू व कन्डिश्नर का प्रयोग करें। करें। यहाँ हर जरूरत को पूरा करने के लिए उत्पाद हैं– कलर ट्रीटेड हेयर, सूखे बाल, क्षतिग्रस्त बाल, पतले बाल और जिन बालों की मात्रा कम हो इसलिए जो सबसे अच्छा बालों के प्रकार पर आधारित और जरूरतों को पूरा करने के लिए है चयन करें। यदि बालों में गुच्छे और उलझने है तो डी टेंगलिग उत्पाद पर डीटेंगलिंग कंडीशनर या स्प्रे का प्रयोग करें। आप नही चाहेगें की बालों पर कंघी करते समय आपकी कंघी मैट या उलझनों से अटक जाए।
- कैंची व रेजर से बाल काटते समय बाल गीले रखे। जब बाल गीले होते है तब आप भी देख पाएगें की स्वभाविक रूप से बाल कैसे गिरते है। इसके अलावा, गीले बालों पर कटौती के दिशा निर्देश को पालन करना आसान है इससे आपकी कटिंग और अच्छी होगी।
- हेयर स्आइलिस्ट के उचित मार्गदर्शक के तहत काम करें, उसके निर्देशों को ध्यान से सुने।
- विशेष परिस्थितियों में सूखे बालों के साथ काम करें।यदि आप क्लिपर का प्रयोग करने की योजना बना रहे है तो सुनिश्चित करलें कि बाल सूखे है या यदि आप बालों को कम करना चाहते है तो सुनिश्चित करलें कि आप उनकी अत्यधिक फूलनेस को कम ना कर रहे हो। यदि आप बस सामान्य रूप से स्पिलिटेंस हटाने की कोशिश कर रहे है तो ड्राय कट करें जब बाल सूखे हो तो इन्हे देखने में आसानी होती है। यदि आप समय के दबाव में हो तो ड्राय कट वॉशिंग और ड्रायंग की जरूरत को बचाएगा।
- बाल काटते समय समस्याओं को हल करने में हेयर स्टाइलिस्ट की सहायता करें।
- ग्राहक से पूछें क्या वह वांछित हेयर कट के साथ सुविधाजनक है।

5.1.9 अन्तिम चरण–बालों को सुखाना

बालों को काटने के बाद उन्हें सुखाएं। जब तक बाल गीले हैं तब तक यह पता नहीं चलता कि बाल काटने के बाद कैसे दिख रहे हैं इसलिए बालों को सुखाना और उन्हें व्यवस्थित करना ज़रूरी है। एक बार जब बाल सूख जाते हैं तब आप बालों के असमान सिरों को आसानी से देख सकते हैं और फिर उन्हें काटकर या फ्रिंज की लम्बाई और छोटी करके बालों के स्टाइल को ठीक कर सकते हैं।

- यदि संभव हो सके तो बालों को 70ः–80ः प्राकृतिक रूप से सूखने दें।
- ड्रायर को कूलिंग सैटिंग पर करें। बालों से 6 इंच दूर रखकर ड्रायर को लगातार हिलाते हुए चलाएं और बाल सुखाएं।

चित्र 5.1.24 क्लब कटिंग की प्रक्रिया

चित्र 5.1.25 कैंची में कंघा लगाकर कटिंग करना

- एक स्टडी के अनुसार, यदि ड्रायर को बालों से उचित दूरी पर रखकर और उचित तापमान के साथ चलाएं तो बालों को कम नुक्सान होता है। बालों को प्राकृतिक रूप से सुखाने में ज्यादा नुक्सान होता है क्योंकि पानी से बाल सूज जाते है और बाल जितनी देर गीले और सूजे हुए रहेंगे, बालों के प्रोटीन पर उतना ही ज्यादा दवाब पड़ता है और उससे बालों को नुक्सान होता है।
- बालों को सुखाने के बाद जांच लें। यदि बालों को काटने में कोई कमी रह गई है तो उसे ठीक करें। बालों को सुखाने के बाद ही उनका घनापन कम किया जाता है।

सुरक्षा और सावधानियां

- अच्छे परिणामों के लिए हमेशा प्रोफेशनल हेअर कटिंग शीयर्स का ही प्रयोग करें।
- सुनिश्चित करें कि क्लाईंट आपके कार्य से सन्तुष्ट और खुश है या नहीं।
- यदि आप बाल काटने में ज्यादा अनुभवी नहीं है तो एक बार में ही ज्यादा बाल न काटें। यदि बाल अभी भी लम्बे हैं तो आप उन्हें दोबारा और ज्यादा काट सकती हैं लेकिन बाल ज्यादा छोटे कट गए तो आप कुछ नहीं कर पाएंगी सिवाय कुछ महीनों की प्रतीक्षा किए बिना।

5.1.10 आमतौर पर क्लाईंटों को होने वाली समास्याएं और उनका समाधान

1. जब आप की बाल काटने की प्रक्रिया पूरी हो जाए तो क्लाईंट को एक हाथ का षीषा दे, जिससे वे सभी कोणों से अपने कट को देख सकें। अगर क्लाईंट को आपका कुछ कार्य पसंद न आए तो अपनी गलती को मान कर उसे सुधारने की कोशिश करें।
2. कुछ गलतियों तुरन्त ठीक नहीं की जा सकती। जैसे, आपने बालों बहुत ज्यादा लम्बाई में काट दिया हो, इस मामले में आप कुछ भी नहीं कर सकते, बाल स्वयं बड़े होंगे। आप सिर्फ गलती मान सकते हैं। परन्तु इस प्रकार का कटू अनुभव आपको आगे के लिए सर्तक रखेगा।
3. अगर क्लाईंट आप को उनके वांछनीय बालों के काटने के स्टाईल की तस्वीर दिखाता है तो आप उनके बाल उसके अनुसार ही काटें। अगर आप उस तरह से नहीं काट पा रहे हैं तो दुबारा तस्वीर को देख कर वैसे ही बालों का स्टाईल काटें।

5.1.11 बाद की देखभाल के सुझाव

क्लाईंटों के कार्य के पश्चात् स्टाईल की देखभाल करने के सुझाव अवष्य दें। जैसे वे बालों के स्टाईल की कैसे देखरेख करें, क्या न करें। आप उनको बालों को स्वस्थ और साफ रखने के लिए कोई उत्पाद भी बतला सकते हैं। आप उनको अगली बाल कटवाने की अवधि के बारे में भी बतला सकते हैं। आप उन्हें नियमित बाल कटवाने के फायदे भी बतला सकते हैं जैस दो मुँहे से बचाव आदि।

5.1.12 बाद में एकत्रित हुए कचरे को साफ करना

सैलून के अंदर रोजाना बड़ी संख्या में लोगों का आना–जाना होता है, ऐसे मामले में सैलून को साफ और स्वच्छ बनाए रखना आवश्यक होता है। इसलिए जब हेयर स्टाइलिस्ट बालों को काट देता है तो उसके तुरंत बाद ही आपकी ड्यूटी होती है कि आप कटे हुए बालों को वहां से हटा दें। यह सैलून के वातावरण को साफ बनाए रखने में सहायता करता है।

सारांश

- बाल काटने से पहले उनकी बनावट और प्रकृति को ध्यान में रख कर काटें।
- आप क्लाईंटों से उनकी पसंद के स्टाईल के बारे में जरूर पूछें।
- आप मैगजीन और तस्वीरों के इस्तेमाल करके यह स्पश्ट कर ले कि क्लाईंट की पंसद और आपकी सोच एक ही है।
- क्लाईंटों को प्रयोग किए जाने वाले उत्पादों के बारे में जरूर बताए।
- बाल काटने से पहले औज़ग्रें जगह क्लाईंट को कट के लिए तैयार करें।
- बाल काटने में इस्तेमाल होने वाले औज़ारः
  - » कैंची
  - » कंघी
  - » सेक्शन क्लिप
  - » रेजर
  - » ऐप्रन
  - » बालों का ब्रष
  - » बालों की कतरनी
  - » बालों का ड्रायर
  - » बालों का क्लिपर
- बालों को काटने के लिए गीला करना शैम्पू करके या पानी को स्प्रे करके।
- बालों को सेक्षन या खंड़ों में विभाजित करना।
- फिर पीछे के खंड को ऊपर सिर के बीच से गर्दन के बीच तक प्रतिभाग करों।
- बालों को सही ढंग से पकड़ने के तीन प्रकार हैः
  - » त्वचा के विपरित
  - » हाथों के पीछे की ओर पकड़ना।
  - » हथेली के अन्दर की ओर पकड़ना।
- कैंची को तीसरी अंगुली को प्रयोग के सही ढंग से पकड़ना।
- अब क्लाईंट की पंसद के अनुसार बालों को काटना।
- विभिन्न प्रकार के बाल काटने की शैलीः
  - » क्लब कट
  - » नोचिंग
  - » स्लाईसिंग
  - » पाओंट कट
  - » थींगींग कट
- बालों के स्टाइलिस्ट को बाल काटते समय सहायता करना
  - » बालों को धोना

- » सुखाना
- » स्टाइलिस्ट को जरूरत के अनुसार उपकरण देना।
- » बाल काटते समय आई समास्य के समाधान करने में स्टाइलिस्ट की मदद करना।
- » क्लाईंट को यह पूछना कि वे अपने कट से प्रसन्न हैं।

- बालों को ड्रायर से संवार कर अन्तिम रूप दे।
- जब बाल सुख जाए तो यह सुनिष्चित करें की बालों को किसी बदलाव की जरूरत है या नहीं।

अभ्यास

1. निम्न में से कौन सा एक बालों का प्रकार नहीं है?
   a. सिल्की
   b. कौर्स
   c. थ्रेडी
   d. टेंडर
2. निम्न में से कौन सा एक हेयर–कटिंग उपकरण नहीं है?
   a. कैंची
   b. हेयर क्लिप
   c. कंघा
   d. शैवर
3. हेयर स्टाईल को व्यक्ति की किस चीज़ के आधार पर होना चाहिए:
   a. चेहरे का आकार
   b. लम्बाई
   c. रंग
   d. वजन
4. हेयर रॉलर का प्रयोग होता है:
   a. बालों को घुंघराला करने के लिए
   b. बालों को सीधा करने के लिए
   c. वॉल्यूम देने के लिए
   d. इनमें से कोई नहीं
5. नोचिंग सहायता करता है:
   a. हेयर कट में से वेट रेखाओं को हटाने के लिए
   b. हेयर कट में वेट रेखा डालने के लिए
   c. a और b दोनों
   d. इनमें से कोई नहीं

6. बालों को काटने के लिए किन उपकरणों की आवश्यकता होती हैं?
    a. कैंची
    b. कंघी
    c. सेक्शन क्लिप
    d. ऊपर दिए गए सभी
7. कैंची को पकड़ने के लिए किस उंगली का प्रयोग किया जाता है?
    a. तर्जनी उंगली
    b. तीसरी उंगली
    c. अंगूठा
    d. छोटी उंगली
8. अच्छी गुणवत्ता के .... से आप किसी का भी लुक बदल सकते हैं।
    a. रेज़र
    b. कैंची
    c. बालों की कैंची
    d. सेक्शन क्लिप
9. कैंची की सहायता से थिनिंग कर्ली बाल .... काटकर बनाए जाते है।
    a. 2 कट विकर्ण दिशा में
    b. 2 कट क्षैतिज दिशा में
    c. सिंगल कट विकर्ण दिशा में
    d. सिंगल कट क्षैतिज दिशा में
10. बिना मिश्रित किए हुए बालों को मुलायम करके काटने की मानक तकनीक कौन सी है:
    a. प्याइंट कटिंग
    b. नोचिंग
    c. स्लाइसिंग
    d. क्लब कटिंग
11. बालों को ऐसा स्टाइल जिसमें बालों के भारीपन और आकार को कम किया जाता है:
    a. स्लाइसिंग
    b. नोचिंग
    c. प्याइंट कटिंग
    d. इनमें से कोई नहीं
12. फेस कट जिस पर सभीं प्रकार के स्टाईल सूट करते हो:
    a. अंडाकार
    b. गोल
    c. वर्ग
    d. दिल के आकार का

13. चेहरा जिस पर वेवी स्टाईल सूट करता हो:
    a. लंबाकार
    b. वर्ग
    c. दिल के आकार का
    d. गोल
14. बाल कांटना शुरू करने से पहलें आपको चाहिए:
    a. क्लाईंट से पुष्टि कर लें कि वह अपने लुक सक सहमत हैं
    b. बस सीधें बाल काट लें और क्लाईंट की ना सुने
    c. बाल कांट लें और फिर क्लाईंट से पूछें
    d. b और c दोनों
15. लंबे बालों को अप स्टाईल में ड्रेसिंग करते समय, बेक कॉम्बिंग और बेक ब्रशिंग उपयोग करने का क्या फायदा हैं?
    a. यह हेयर स्टाईल को ऊचाइ और मात्रा दे देगा
    b. यह बालों को कर्ला बना देगा
    c. यह बालों को कोमल बना देगा
    d. यह जगह पर ऑरनामेन्टेशन का आयोजन करेगा
16. सैलून में व्यवसायिक व्यवहार कैसे प्रमाणित किया जाता हैं?
    a. विनम्र, ईमानदार और सकारात्मक भाव का उपयोग करते हुए
    b. आपके साथ काम कर रहे सहयोगियों के साथ हँस कर और बात कर के
    c. केवल तभी क्लाईंट से बात करें जब वह खुद आपसे बोलें
    d. नकारात्मक चेहरे की अभिवखक्ति का उपयोग कर के
17. एक दुखी क्लाईंट के साथ डीलिंग करने का अंतिम लक्ष्य होता है:
    a. किसी ओर को बताने के लिए उन्हे बोलें
    b. उन्हे मनाए क्या वह संतुष्ट हैं
    c. उन्हे सैलून से बाहर निकाल दें
    d. उन्हे उनकी सेवा का वेतन देने के लिए बोले
18. कौन सा उत्पाद हेयर स्टाईल को पूरे दिन के लिए सुनिश्चित करने के लिए उपयोग किया जाता हैं?
    a. वैक्स
    b. अच्छी गुणवत्ता का हेयर स्प्रे
    c. हेयर /शाइन स्प्रे
    d. मूस

19. बालों को क्लिपर की सहायता से टेपर करते समय कंघी को किस पाजीसन में रखा जाता हैं?
    a. सर से ऊपर की तरफ
    b. सर के एकदम सीधा
    c. सर से दूर झुका हुआ
    d. सर की तरफ झुका हुआ
20. ऊंचा बॉब कांटते समय, सेक्शनिंग कहाँ से/शुरू होती हैं?
    a. नेप
    b. क्राउन
    c. साईड
    d. फ्रंट हेयरलाईन

टिप्पणी

यूनिट 5.2: महिलाओं के लिए बुनियादी हेयर कट (चित्रमय)

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप:

1. महिलाओं के बालों को काटने में प्रयोग होने वाले चरणों की समझ
2. महिलाओं की कटिंग में प्रयोग सभी चरणों का अभ्यास करना

5.2.1 चरण–दर–चरण हेयर कट (महिला)

चरण 1

चरण 2

चरण 3

चरण 4

चरण 5

चरण 6

चरण 7

चरण 8

चरण 9

चरण 10

चरण 11

चरण 12

चरण 13

चरण 14

चरण 15

चरण 16

चरण 17

चरण 18

चरण 19

यूनिट 5.3: पुरूषों के लिए बुनियादी हेयर कट (चित्रमय)

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आपः

1. पुरूषों के बालों को काटने में प्रयोग होने वाले चरणों की समझ
2. पुरूषों की कटिंग में प्रयोग सभी चरणों का अभ्यास करना

5.2.1 चरण–दर–चरण हेयर कट (पुरूष)

चरण 1

चरण 2

चरण 3

चरण 4

चरण 5

चरण 6

चरण 7

चरण 8

चरण 9

चरण 10

चरण 11

चरण 12

चरण 13

चरण 14

चरणं 15

चरण 16

चरण 17

चरण 18

चरण 19

चरण 20

चरण 21

चरण 22

चरण 23

चरण 24

चरण 25

चरण 26

चरण 27

चरण 28

चरण 29

चरण 30

चरण 31

चरण 32

चरण 33

चरण 34

चरण 35

चरण 36

चरण 37

चरण 38

चरण 39

चरण 40

चरण 41

चरण 42

चरण 43

चरण 44

चरण 45

चरण 46

चरण 47

चरण 48

चरण 49

चरण 50

चरण 51

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

6. उन्नत सेवाएँ देते समय हेयर स्टाइलिस्ट की सहायता करना

B&WSSC
BEAUTY & WELLNESS
SECTOR SKILL COUNCIL

यूनिट 6.1 – उन्नत सेवाएँ देते समय हेयर स्टाइलिस्ट की सहायता करना
यूनिट 6.2 – कलर और लाइटन हेयर

BWS/N0204
BWS/N0209

मुख्य शिक्षा

इस मॉड्यूल के अंत में, आपः

1. विभिन्न प्रकार के बालों के टेक्सचर को समझना
2. हेयर स्टाइलिस्ट की सहायता करते समय विभिन्न प्रकार की स्टाइलिंग तकनीकों का अभ्यास करना
3. रंगने की सेवाओं से संबंधित स्वास्थ्य और सुरक्षा नीतियों की समझ
4. रंगने की प्रक्रिया को बारधित करने वाले तत्वों को समझना
5. बालों की कलरिंग और लाइटिंग से जुड़े विज्ञान की समझ
6. रंगने की सेवा से जुड़ उपकरण, पदार्थ और तकनीकों की समझ
7. ग्राहक के बालों और त्वचा पर ट्रीटमेंट से पहले जांच करने के महत्व को समझना

यूनिट 6.1: उन्नत सेवाएँ देते समय हेयर स्टाइलिस्ट की सहायता करना

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आपः

1. विभिन्न प्रकार के बालों के टेक्सचर को समझना
2. हेयर स्टाइलिस्ट की सहायता करते समय विभिन्न प्रकार की स्टाइलिंग तकनीकों का अभ्यास करना

6.1.1 परिचय

बाल मनुष्य के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताओं में से एक है। स्वस्थ, चमकदार और कोमल बाल व्यक्ति के सौंदर्य और व्यक्तित्व को बढ़ाते हैं। बाल व्यक्ति की निज़ी मान्यताओं या उसकी सामाजिक स्थितियों के बारे में भी बताते हैं, जैसे उनकी आयु, लिंग, या धर्म। विभिन्न संस्कृतियों में बालों के प्रति दृष्टिकोण, जैसे बालों को बांधने के तरीके और बालों को हटाना या कटवाना, भी अलग–अलग हैं।

बालों को समझने, बनाने और उन्हें स्वस्थ रखने के लिए उनके बारे में कुछ जानकारी होना अत्यन्त आवश्यक है, जैसे बालों की रचना, उनका बढ़ना, बालों की बनावट और बालों की देखभाल और रख–रखाव। बाल मुख्य रूप से केराटिन नामक प्रोटिन से बने होते हैं। बाल पराबैंगनी या अल्ट्रा वायलेट किरणों से त्वचा की सुरक्षा करते हैं और शरीर के तापमान को नियमित करने में भी सहायता करते हैं।

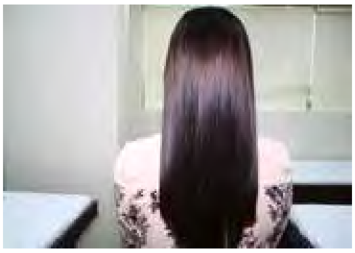

चित्र 6.1.1 सीधे बाल

बालों की बनावट

मुख्यतः बालों की बनावट चार तरह की होती है:

1. सीधे या स्ट्रेट बाल – इस प्रकार के बालों को संभालना और संवारना सबसे आसान होता है। स्वस्थ सीधे बाल शीशे जैसे बेहद चमकदार होते हैं। इस प्रकार के बालों को तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है–
   - प्रकार 1a – सीधे बाल (हल्के/महीन) इस प्रकार के बाल बहुत मुलायम और चमकदार होते हैं और कर्ल या लहर को मुश्किल से संभाल पाते हैं। ये बाल जल्दी तैलीय और चिपचिपे हो जाते हैं, जिसके कारण इनको संभालना कठिन हो जाता है।
   - प्रकार 1b – सीधे बाल (मध्यम) इस प्रकार के बाल स्वस्थ, घने और फूले हुए होते हैं।
   - प्रकार 1c – सीधे बाल (मोटे) सामान्यतः इस प्रकार के बालों को कर्ल करना कठिन होता है। आमतौर पर एशियाई महिलाओं के बाल इस श्रेणी में आते हैं।

चित्र 6.1.2 वेवी बाल

2. लहरदार या वेवी बाल – इस प्रकार के बाल कम लहरदार और ज्यादा लहरदार, दोनों तरह के होते हैं। इन बालों में कर्ल या वेवं उद्देष्यः इस सत्र के अन्त में आप निम्न तथ्यों को समझ पाएंगेः ^ ^ बालों की विभिन्न शैलियों को कुशलता से करने का अभ्यास बालों की बनावट के बारे में जानकारी 58: बाल सीधे बाल अंग्रजी के अक्षर 'एस' आकार के होते हैं और आमतौर पर सिर के पास होते हैं। इन बालों में घुंघराले बालों से ज्यादा, लेकिन सीधे बालों से कम चमक होती है। ये बाल उड़े–उड़े से या फ्रिज़ी दिखते हैं। इन्हें तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है –

चित्र 6.1.3 कर्ली बाल

चित्र 6.1.4 अत्यन्त घुंघराले या कॉयली बाल

- प्रकार 2a – लहरदार बाल (हल्के/महीन): इस प्रकार के बाल एक निश्चित 'एस' आकार के होते हैं। आमतौर पर इस तरह के बालों को विभिन्न शैलियों में बांधा जा सकता है। प्रकार 2b – लहरदार बाल (मध्यम)
- इस प्रकार के बाल जल्दी ही उड़े–उड़े से या फ्रिज़ी दिखने लगते हैं और इन्हें विभिन्न शैलियों में बांधना थोड़ा कठिन होता है।
- प्रकार 2b – लहरदार बाल (मोटे)

सामान्यतः इस प्रकार के बाल मोटी और बड़ी लहर वाले होते हैं और ये बाल भी जल्दी ही उड़े–उड़े से दिखने लगते हैं। इस प्रकार के बालों को संभालना और संवारना कठिनाई वाला काम होता है।

3. घुंघराले या कर्ली बाल – इस प्रकार के बाल एक निश्चित 'एस' आकार के और छोटे व कसे हुए छल्ले के समान होते हैं। धूल–मिट्टी, धूप और प्रदूषित वातावरण के कारण इनके क्षतिग्रस्त या टूटने की संभावना अधिक होती है। यदि ऐसे बालों की उचित तरीके से देखभाल न की जाए तो ये बेजान और रूखे हो जाते हैं। ये दो प्रकार के होते हैं –

- प्रकार 3a – घुंघराले बाल (ढीले कर्ल): इस तरह के बालों की बनावट मिश्रित होती है। ये मोटे और बहुत घने भी हो सकते हैं। इनका एक निश्चित 'एस' पैटर्न होता है। इन्हें संवारने के थोड़ी देर बाद ही ये बाल उड़े–उड़े से दिखने लगते हैं।
- प्रकार 3b – घुंघराले बाल (कड़े कर्ल): इस तरह के बालों की बनावट भी मिश्रित होती है। इन बालों में छोटे और कड़े कर्ल होते हैं जिसके कारण बाल बनाते समय इनके टूटने की संभावना होती है।

4. अत्यन्त घुंघराले या कॉयली बाल – सामान्यतः इस प्रकार के बालों में एक स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाला कर्ल पैटर्न होता है।

इनमें बहुत कड़े और कुण्डली या कॉयल जैसे कर्ल होते हैं और ये बहुत कमज़ोर और नाजुक होते हैं। इनकी देखभाल और रख–रखाव में ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए। इन्हें कोमलता से साफ करें, आराम से सुलझाएं और कठोर रसायनों से बचाएं।

- प्रकार 4a – कॉयली बाल (मुलायम) इस तरह के बाल बेहद कमज़ोर होते हैं और इनमें ज्यादा निश्चित कर्ल पैटर्न होता है।
- प्रकार 4b – कॉयली बाल (कड़े) इस तरह के बाल भी बेहद कमज़ोर और नाजुक होते हैं, लेकिन इनका कर्ल पैटर्न कम दिखने वाला होता है।

6.1.2 उन्नत बाल सेवाओं में शामिल होता है

- हेयर स्पा, कलरिंग (बालों को रंगना) और स्टाइलिंग

6.1.3 बालों के स्पा की सेवाए

सहायक को स्पा प्रबंधक के साथ में मिलकर काम करना होता है। सहायक की मुख्य जिम्मेदारी है कि स्पा केन्द्र में नित्य दैनिक कार्यो में प्रषासनिक सहायता प्रदान करना। आपके स्पा केन्द्र के आकार और किस्म के अनुसार सहायक को अन्य गतिविधियों में भी सहायता करने की जरूरत पड़ सकती है। इन में क्लाईंटों को आराम या विश्राम करने के लिए डिजाईन की गई सेवाएं भी होती हैं।

मुख्य जिम्मेदारियां:

- स्पा के कर्मचारियों और प्रबंधकों की दैनिक कार्यो में सहायता और मदद करना।
- क्लाईंटो का स्वागत और परिचर्या करना।
- फोन को सुनना और मेहमानों की सेवाओं का समय नियोजित करना।
- स्पा के मेहमानों को उत्तम गुणवत्ता की सेवाएं प्रदान करना।
- स्पा सुविधाओं और उपलब्ध सेवाओं से संबंधित जानकारी देना।
- स्पा मेहमानों की पूछताछ और चिन्ताओं को सुनाना।
- मेहमानों की समस्याओं और गलतफहमियों का समाधान करना।

चित्र 6.1.5 हेयर स्पा

- मेहमानों को उत्कृश्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वागत कक्ष के कर्मचारियों से सहयोग और संवाद करें।
- स्पा के अन्दर विभिन्न विभागों के बीच में सहयोग और संवाद करना।
- स्पा में सभी उपकरणों और औजारों की उचित हैडलिंग और देखभाल करना।
- स्पा केन्द्र में देखरेख की उचित व्यवस्था करना।
- स्पा की जगह को साफ और स्वच्छ रखें और काम करने का अच्छा वातावरण बनाए।
- स्पा कर्मचारियों और मेहमानों से अच्छे संबंध बनाए कर रखें।
- क्लाईंटों की सुरक्षा और आराम की उचित व्यवस्था हो।
- स्थानीय स्वास्थ्य और सुरक्षा की नीतियों, मानकों और अधिनियमों को पालन करें।
- स्पा में होने वाली बिक्री, खर्च, लाभ आदि का पूर्ण हिसाब लिखित और निगरानी में रखना।
- स्पा की विपणन और विज्ञापन संबंधि गतिविधियों में भाग लेना।
- स्पा के उपकरणों, औजारों और अन्य जरूरी चीजों की वस्तु सूची, ऑडर और देखरेख करना।
- स्पा प्रबंधक द्वारा बताए गए अन्य कार्यो को करना।

6.1.4 बालों की संरचना

बालों की संरचना

हेयर शॉफ्ट तीन सेक्शन से बनती है और सभी का अपना महत्व हैं।

क्यूटीकल

बालों की जड़ की सबसे ऊपरी परत को क्यूटीकल कहते है। इसकी मुख्य विशेषता इसकी भीतर की सभी चीज़ों का बचाव करना होता हैं। यह बहुत ही कठोर होती है तथा बालों की जड़ के भीतरी हिस्सों को पकड़े हुए होती है। ऊपर दिखाए गए चित्र यह दर्शाता है कि क्यूटीकल एक के ऊपर एक सतहों की सहायता से बना होता हैं। परतों की भिन्न होती है, परंतु विभिन्न प्रकार के बालों में इसका औसत एक ही पाया जाता हैं:

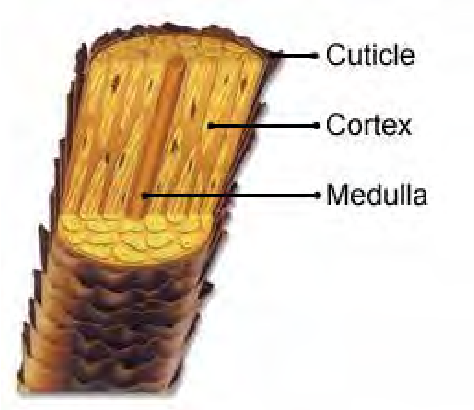

चित्र 6.1.6 बालों की संरचना

कोर्टेक्स

कोर्टेक्स क्यूटीकल के भीतरी हिस्से में मौजूद होता है और यह बालों की जड़ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। बालों को सूखाने, सेट करने, पर्म करने, रंगने व ब्लीच आदि करने के सभी प्रभाव कोर्टेक्स में ही होते है। कोर्टेक्स बहुत सी लड़ियों से बना होता है, जो आपसी में किसी बुनाई करने वाले धागे के सामान एक दूसरे के साथ मुड़ी हुई होती हैं। इनकों खींचकर वापसी उनकी पुरानी लंबाई में लाया जाता है। परंतु केवल अच्छी स्थिति में होने वाले बाल ही इसे खुद कर पाने में सक्षम होते हैं।

मेड्यूला

मेड्यूला बालों की जड़ के बीच के हिस्से में मिलता है। यह हमेशा नहीं मिलता (इसके मिलने का कोई कारण नहीं नहीं है), यह केवल एक ही प्रकार के बारीक बालों में मिलता है और वैज्ञानिकों ने पाया है कि इसका कोई विशेष कार्य नहीं है। सभी प्राकृतिक (बिना आर्टिफिशल रंगे हुए) बाल विभिन्न रंगों के पिंगमेंट के संयोजन से बने हाते है। यदि बालों को सुनहरा करें तो इसमें तब भी कोई दूसरे रंग का पिंगमेंट व पीला पिंगमेंट पाया जाता है। यह वह मात्रा या वह रेशों होता है, जो यह निर्णय करता है कि बालों का असली रंग क्या है।

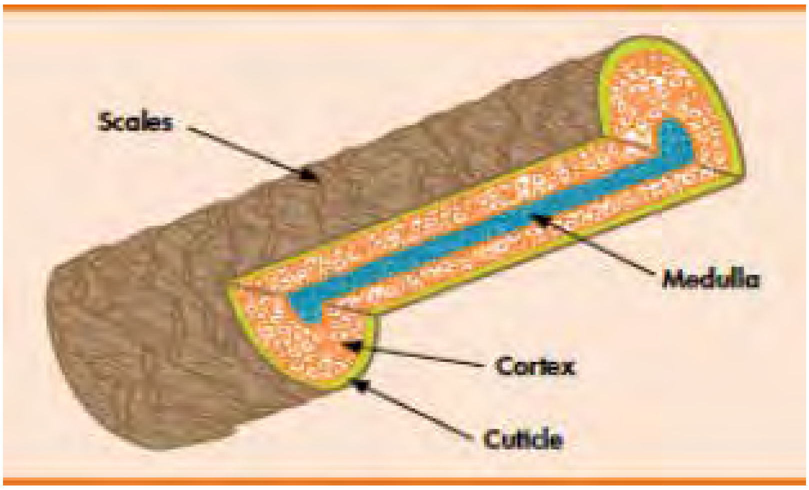

चित्र 6.1.7 बालों की संरचना

भौतिक गुण

बालों के भौतिक गुण आपके कलर के फार्मूला पर प्रभाव डाल सकते है।

बनावट

जब हम बनावट की बात करते है तो हम उस समय एक बाल के व्यास और उसकी मोटाई की बात करते है (मोटे बालों का व्यास पतले बालों से अधिक होता है)। बालों की बनावट आपके ट्रीटमेंट पर प्रभाव डाल सकती है। पतले बालों पर मोटे बालों से पहले रंग चढ़ जाता है।

घनत्व

यह एक व्यक्ति के सिर पर होने वाले बालों से मतलब रखता है। एम औसतन व्यक्ति के सिर पर 100,000 से 150,000 बाल होते है। आमतौर पर 50 से 100 बाल रोजाना गिर जाते है। बालों का घनत्व प्रयोग होने वाले उत्पाद की मात्रा पर प्रभाव डालता है। जितना कम घनत्व होगा, उतनी जल्दी उस पर रंग लग जाता है।

लचिलता

बालों की स्थिति की पहचान करने में लचिलता का सबसे अधिक महत्व होता है। लचिलता पर रसायन, अधिक ताप, सूरज, आदि का गलत प्रभाव पड़ता है और यह बालों की खींचने पर उनके कम सीधे होने को दर्शाता है। जितने स्वस्थ बाल होंगे उतने ही वो खींचने के बाद सीधे दिखाई देंगे।

तन्य शक्ति

बालों की कोरटेक्स परत ही उसकी तन्य शाक्ति को दर्शाती है। इस पर सबसे अधक गलत प्रभाव रसायनों और ताप का पड़ता है, जिसके कारण यह बिना तोड़े ही खुद इस स्थिति में आ जाते है कि अपने आप टूटने लगते है। जितने स्वस्थ बाल होते है, उसमें उतना खींचाव झेलने की क्षमता होती है।

नोटः लचिलता और तन्य शाक्ति की पहचान करने से ही पता लगता है कि ट्रीटमेंट में बालों पर कितना जोर देना है।

पोरोसिटी (सरंध्रता)

हेयर शॉफ्ट के पिछले ट्रीटमेंट में हमने बालों की स्थिति और पोरोसिटी के बारे में देखा। जितना अधिक क्यूटिकल को नुकसान होगा उतना अधिक बाल पोरस होगा। प्रत्येक रसायनिक प्रक्रिया की शुरूआत करने से पहले आपको पोरोसिटी को समझना चाहिए, जिससे पता लग सकें कि बालों पर उत्पाद का क्या असर होगा। बालों को रंगते समय सुराक्षात्मक क्यूटिकल परत को ऊपर उठा होना चाहिए, जिससे कॉरटेक्स तक रंग पहुंच सकें। यह बालों में काफी समय तक रंग को टीके रहने में सहायता करता है। यदि क्यूटिकल को अत्यधिक लाइटनिंग, ज्यादा खींचाव या जल्दी–जल्दी लिए गए रयायनिक ट्रीटमेंट से हानि होती है तो बालों को उनके प्राकृतिक रंग में दिखाने के लिए कुछ एहतियाती उपाय लेने चाहिए। ज्यादा पोरस किए गए बालों पर रंग अच्छे से नहीं चढ़ता है क्योंकि क्यूटिकल को हानि पहले से ही पहुंची होती है। साफ और सूखें बालों पर किया गया पानी से टेस्ट आपको इस बात पर सुनिश्चित करता है कि आपको कहा से रसायनिक प्रक्रिया शुरू करनी है। यदि क्यूटिकल बहुत ही ज्यादा त्रस्त है तो बालों पर रंग चढ़ेगा ही नहीं। पोरोसिटी रंग करने की प्रक्रिया में बहुत महत्व रखता है। पोरस बाल ठंडी टोन को ग्रहण करते है और गर्म टोन को नहीं लेते है। स्वस्थ बालों में यह उल्टा होता है।

पिगमेंट

कोरटेक्स में मेलेनिन नाम का प्राकृतिक पिगमेंट होता है। मेलेनिन की आणविक वजन के परिणाम के रूप में, इसको बदलने के लिए तीव्र ऑक्सीकरण और कनसनट्रेटिड अल्कालाइन मिश्रण का प्रयोग किया जाता है, इसे अकेले नहीं निकाला जा सकता है।प्राकृति बालों का रंग हर व्यक्ति और सिर पर होने वाले बालों के आधार पर का अलग–अलग होता हैं। यह कभी–कभी एक ही सिर के बालों पर क्षेत्र के आधार पर भी अलग–अलग होता है। बालों के रंग प्राकृतिक मेलेनिन पिगमेंट के बालों के अंदर फैले और उसकी मात्रा पर निर्भर करता है। प्राकृति पिगमेंअ के बारे में बात करते समय यह जानना आवश्यक है कि प्राकृति पिगमेंट दो प्रकार के होते हैंः ग्रेनुलर और डिफुस।

ग्रेनुलर पिगमेंट हल्के भूरे से काले रंग को दर्शाता है और इस पर डिफुस पिगमेंट की तुलना में ऑक्सीडेंट का अधिक प्रभाव पड़ता है। डिफुस पिगमेंट हल्के पीले से हल्का भूरे रंग को दर्शाता है। ब्लीचिंग या रंग करने की प्रक्रिया में प्राकृतिक घेहरे टॉन (ग्रेनुलर) को हल्के रंग पर लाना डिफुस में काफी आसान होता है।

बालों के रंग के प्रकार

नीचे बाजार में उपलब्ध कुछ विभिन्न प्रकार के बालों के रंग के बारे में बताया गया हैं।

अस्थाई बालों का रंग

- केवल क्यूटिल परत को कवर करते है
- डेवेलॉपर के साथ नहीं मिलाया जाता है
- एक शैम्पू तक रहते है
- प्राकृतिक पिंगमेंट पर कोई प्रभाव नहीं करते है

- इसके उदाहरणों में कलर–ऐनरीचिंग शैम्पू, हेयर कलर स्प्रे, कलर स्टाइलिंग मूस और कलर इनटेनसीफाइर शामिल होते हैं।

अर्द्धदृस्थायी या दोहरी प्रक्रिया रंग

- यह कॉरटेक्स की बाहर की परत पर कवर हो जाता है
- डेवेलॉपर के साथ नहीं मिलाया जाता है
- 4 से 5 शैम्पू तक रहता है
- सीधा प्रयोग होता है
- गर्मी का प्रयोग करने क्यूटिकल उठ जाता है और क्यूटिकल तक रंग पहुंच जाता है
- यह अप्रवीण व्यक्तियों के लिए उपयुक्त है।

जमा होने वाला रंग

इस प्रकार का रंग केवल बालों में जमा होता है। बाजार में घर पर इस्तेमाल करने के लिए कई किस्में उपलब्ध हैं। यह प्रयोग में बहुत आसान होते हैं। यह आमतौर पर एक ही चरण में रंग और कंडीशन करते हैं। इसके लोकप्रिय पारभासी रंगों का उपयोग बालों के रंग में सुधार करने के लिए आसान प्रक्रिया द्वारा किया जाता है। अधिकतर इनमें सबसे न्यूनतम 3 प्रतिशत पैरोक्साईड़ का प्रयोग उनको सक्रिया करने के लिए किया जाता है। कई एक स्तर रंग को हल्का या लिफ्ट करने की क्षमता भी रखते हैं।

स्थायी बालों का रंग

- कॉरेटेक्स को पूरी तरह फैल जाता है
- डेवेलॉपर के साथ मिलाया जाता है
- आसानी से नहीं निकलता है
- पूर्ण ग्रे कवरेज
- प्राकृतिक पिगमेंट को हटाता है
- बालों को रंगता है

ब्लीच

- ब्लीच एक रसायनिक प्रक्रिया होती है, जिसमें अनचाहें बालों को हल्का रंग का बनाया जाता है। हम सभी लोगों के पेट, कमर के पीछे, और चेहरे पर हल्के बाल होते है। यह बाल देखने में अच्छे नहीं लगते है और आपकी छवि की चमक में बाधा बनते है। ध्यान रखें कि थ्रेडिंग या वैक्सिंग की तरह ब्लीच बालों को हटाती या घोलती नहीं है। यह केवल बालों के रंग को हल्का कर चेहरे से मेल खाने तक का कार्य करती है, जिससे बाल कम नज़र आते है। हमारे बालों में पीगमेंट होता है, जो बालों को रंग प्रदान करता है। ब्लीच इस परत पर कार्य कर कलर पीगमेंट की क्षमता को कम कर बालों को हल्का रंग का बना देती है। इससे बाल हल्के रंग के नज़र आते है। ब्लीच में कई तरह के रसायन होते है जैसे – एच2ओ2, अमोनिया आदि। इसलिए हमें इसे क्लाइंट के साथ करते हुए सावधान रहना चाहिए। कोई भी त्वचा से जुड़ी प्रक्रिया को करने से पहले पैच टेस्ट करना चाहिए क्योंकि उत्पाद में रसायन होते है।

हेना

मेंहदी एक प्रकार की प्राकृतिक डाई होती है जो हाथों और त्वचा पर लगाने से लाल रंग और ठंडक का एहसास देती है। मेंहदी का प्रयोग बालों को रंगने में भी होता है लेकिन आमतौर पर इसका प्रयोग हाथों को सजाने के लिए

किया जाता है। मेंहदी लगाने के बाद जब वह सूख जाती है तो उसको पानी से धोने के बाद मेंहदी का सुन्दर रंग दिखाता है। एशिया के कई देशों में दुल्हन का श्रृंगार हाथों और पैरों में बिना मेंहदी लगाए पूरा नहीं होता है।

मैटेलिक डाइज

मैटेलिक डाइज का प्रयोग काउंटर उत्पादों के रूप में होने लगा है। इसके दैनिक प्रयोग करने से बालों में भूरा रंग आने लगता है। आज के समय में सबसे अधिक प्रयोग होने वाली मैटेलिक डाइज में लीड एसीटेट का मिश्रण सबसे सर्वोच्च नम्बर पर है। आमतौर पर कहा जाता है कि इस रंग को मैटेलिक सल्फाईड से बनाया जाता है, जिसके अंदर मौजूद केराटीन सल्फर बालों की बाहरी परत पर चढ़ जाता है। मैटेलिक डाइज पेशेवर रसायनिक सेवाओं के साथ असंग है।

रंग की विधि

बालों को प्राकृतिक रंग के दिखाने की प्रक्रिया में बालों के अंदर प्राथमिक रंग (लाल, पीला और नीला) अलग–अलग डिग्री में मौजूद होना आवश्यक होता है। जब बालों का रंग प्राथमिक से शून्य पर आता है तो (हरा, बैंगनी और नारंगी) रंग बनता है। इसे सही करने के लिए आपको गायब हुए प्राथमिक रंग को वापस लाना चाहिए। बालों को सही कलर रंग करने के लिए आपको इसे पहले सही करना चाहिए।

कली व्हील (रंगीन पहिया)

कलर व्हील के शांत और गर्म दो पक्ष हैं। एक रंग जो दूसरे के विपरीत है, वह एक दूसरे के पूरक है। जब दो पूरक रंग को मिलाया जाता है तो या तो वह मिल जाते है या उनमें से एक गायब हो जाता है। यह कलर व्हील सबसे महत्वपूर्ण घटक है। कलर व्हील को देखें। आप लाल से हरे रंग को देखेंगे, तो अब अनचाहे हरे रंग के टॉन वाले बालों को हटाने के लिए आपको फार्मूला में हल्का लाल रंग मिलाना चाहिए। परिणाम के बाद आया रंग प्राकृतिक भूरे रंग की तरह दिखाई देगा। कलर व्हील आपकी सही टॉनल सीरीज का चुनाव करने में सहायता करता है।

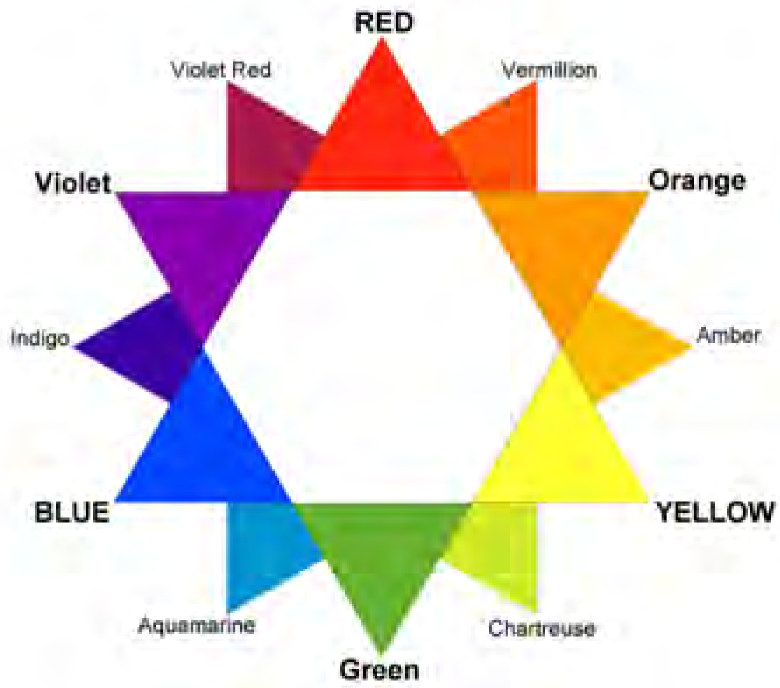

चित्र 6.1.8 कलर व्हील

कलर का समझने से आप कलर को अच्छे तरीके से कर सकते है। कलर की यह विधि कभी नहीं बदलेगी। इसको जानने के बाद आप आसानी से उत्पादों के प्रयोग के बारे में जान जाएंगे।

लेवल सिस्टम (स्तर प्रणाली)

कलर का स्तर बताता है कि बाल कितना हल्के, मध्यम या घहरे रंग का है। स्तर को नम्बर के द्वारा बताया गया है, जिससे आप उसे आसानी से समझ जाएं। इस प्रणाली को लेवल सिस्टम के नाम से जाना जाता है। यह लेवल हल्के से घहरे रंग की ओर बढ़ता है। चूंकि रंग और प्रकाश मानव आँखों से अलग–अलग देखा जाता है तो इसके लिए स्तर को नम्बर के रूप में प्रदर्शित किया गया है। बालों के प्राकृतिक रंग के स्तर को जानने के लिए पहले बालों पर किए गए आर्टिफिसिएल रंग को निकालना महत्वपूर्ण होता है। कोशिश करें कि बालों का रंग जांच के समय काला, भूरा या सफेद ही हो।

स्तर को मापने का कोई सार्वभौमिक तरीका नहीं है, निर्माता द्वारा दी गई रंग स्तरीय प्रणाली भिन्न हो सकती है। इसकी तुलना केवल हल्के और घेहरे रंग के बीच के अंतर के रूप में हो सकती है। स्तर की प्रणाली को एक सीढ़ी के समान समझें। अब ऊपर की ओर जाएंगे तो रंग हल्का होगा और नीचे की ओर आएंगे तो रंग घहरा होगा। लेवल सिस्टम की शुरूआत 1 से 10 नम्बर तक की है।

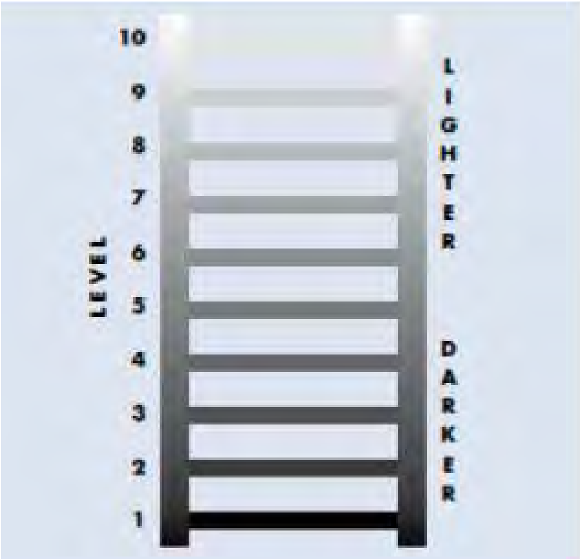

चित्र 6.1.9 लेवल सिस्टम

अवषिष्ट वर्णक अंषदान (आरपीसी)

जब आप सिंगल हेयर कलर कर रहे होते है तो प्राकृतिक रंग को काफी सारी लिफटिंग चरणों पर से गुजरना पड़ता है। ऐसा प्रक्रिया में प्रयोग हुए रसायन के कारण होता है, जो प्राकृतिक पिगमेंट (मेलेनिन) को तोड़ता है और कॉरटेक्स से हटाता है।

प्राकृतिक पिगमेंट को हटाने की मात्रा आपके द्वारा चुने कगए आरपीसी के अलग–अलग स्तर पर निर्भर करती है। यह बहुत ही मुख्य जानकारी है। इसको अच्दे से ध्यान में रखें और कलर करते समय प्रयोग में लाएं। इस बात का भी ध्यान रखें कि हर चार्ट में विचरण हो सकता है।

उदाहरण के लिए, यदि प्राकृतिक बालों के रंग का स्तर 4 है और आप उसे 7 तक लेकर आ गए हो तो उस समय जांच करने पर उसका पिगमेंट लाल होगा और आरपीसी लाल/नारंगी रंग के आसपास होगा। कलर सिस्टम प्रणाली में आपको इसके बारे में बताया गया है।

टेबल 6.1.1 अवषिष्ट वर्णक अंषदान (आरपीसी)

गंतव्य स्तर	आरपीसी
स्तर 10	हल्का पीला / पीला
स्तर 9	पीला / नारंगी
स्तर 8	नारंगी / पीला
स्तर 7	नारंगी
स्तर 6	लाल / नारंगी
स्तर 5	लाल
स्तर 4	लाल
स्तर 3	लाल भूरा
स्तर 2	लाल भूरा
स्तर 1	लाल भूरा

6.1.5 बालों को रंग करने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण

बालों को रंग करने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण हैं:

- रंग या मेहँदी
- एक बार प्रयोग होने वाले दस्ताने
- डाई ब्रशया चोप स्टीक, सिर्फ बालों को स्पश्ट विभाजित करने के लिए।
- शरीर के कला की गुणवत्ता वाली मेहँदी (250 ग्राम कमर तक और 100 ग्राम कंधे तक के बालों की लम्बाई)
- अम्लीय द्रव्य मेहँदी को मिलाने के लिए।
- मेहँदी या रंग को मिलाने के लिए बर्तन (सिरामिक या काँच की दृ धातु का प्रयोग न करें क्योंकि वो मेहँदी से प्रतिक्रिया करता है।)
- मेहँदी या रंग को मिलाने के लिए लकडी का चम्मच

चित्र 6.1.10 बालों को रंगने में प्रयोग होने वाले उपकरण

- प्लास्टिक या अलमुनियम की षीट लपेटने के लिए
- शावर कैप या तौलिए
- बालों में से मेहँदी को निकालने के लिए कंडिश्नर का प्रयोग करना।
- डीप बालों का ईलाज

6.1.14 हेयर उपकरण

स्टाईलिंग उपकरण

की बारों को बालों को घूँघराले करने में किया जाता था। फिर 1800 से 1900 में दुगनी वेव क्रीमपिंग आयरन और घूँघराले करने वाली आयरन को बनाया गया। इनको आग के ऊपर गर्म करके प्रयोग किया जाता था। फिर बिजली से चलने वाली घूँघराले करने वाली आयरन बनी जो सुरक्षित थी और जो बालों को कम नुकसान पहुँचाती थी। 1950 में बालों को कर्लरस में सेट करने से अधुनिक बाउफ्फांट स्टाईल बना।

सभी स्टाइलिस्ट और नाईओं को बहुत से औजारों की आवश्यकता होती हैं:

जैसे कंघी, ब्रश, कैची, रेजर, क्लिप, ग्रीप, पिन, कर्लरस।

बालों की सज्जा के लिए आम औजार हैं:

कंघिया और ब्रष

सभी ब्रश और कंघियां का एक विशेष कार्य होता है। इनको बालों की उलझने निकालने, बालों को घूँघराले बनाने, अफ्रीकन कैरिबियन बाल, बालों को काटने या ड्रायरिंग करते समय अन्तिम रूप देने के लिए खंड़ों में विभाजित करना।

इन में से तब इस्तेमाल होते हैं जब बाल गीले होते हैं और बाल सूखने पर हटा दिए जाते हैं:

- विभिन्न आकार के रोलरस और उनको स्थान पर रखने के लिए पिनें। (कई रोलरस को पिनों की जरूरत नहीं होती है।)
- पिन कर्लरस
- क्रिबी ग्रीपस
- वेवी क्लिपस

- खंड या सेक्शन करने वाले क्लिप
- बालों के बैंड

उत्पादों के अन्तगर्तः

- शैम्पू और कंडिशनर (आमतौर पर गीले बालों में लगाए जाते हैं।)जो बालों को साफ और स्थिति का सुधार करते हैं।
- मौसिस और जैल (आमतौर पर गीले बालों में लगाए जाते हैं) बालों में घनत्व देने, बालों को एक स्थान पर रखना ओर चमकने में मदद करते हैं।
- सेटिंग लोषन, ब्लो ड्रायर स्प्रे, बालों का स्प्रे और वैक्स (आमतौर पर हल्के गीले बालों में या ड्रायिंग करते समय या बाद में लगाए जाते हैं) जिनका प्रभाव स्टाईल के अन्तिम रूप में आता है।
- बालों को आयरन से सीधा करते समय का स्प्रे (सूखे बालों में), यह बालों में चमक और ऊश्मा से सुरक्षा देता है।

चित्र 6.1.11 हेयर उपकरण

6-1.8 बालों की स्टाईलिंग

बालों की स्टाईलिंग के अन्तगर्तः

1ण रोल्स

बालों का रोल सभी विन्टेज हेयर स्टाईलो में से एक हैं। यह पुराने जमाने 1940 के दशक की याद दिलाते हैं।

चित्र 6.1.12 रोल्स

प्रक्रिया

अपने बालों पर टैनिस बॉल के आकार का मूस का एक बडा टुकड़ा स्टाईलिंग के लिये लगायें। बालों को थोड़ा गीला रखें इससे स्टाईलिंग और अधिक आसान हो जायेगा।

1. आपके बालों का पहला भाग या तो बींच के हीस्से या कीनारो में से होना चाहिंए आपके बालों की स्टाईलिंग के अन्तगर्तः बालों का भाग आपके सर से कान की तरफ होना चाहिएं। बालों को अलग करने के लियें एक पोनी टेल बनाकर पीठ पर इकट्ठा करें।
2. अपने बालों के सामने वाले हिस्से में हेयर ड्रायर स्प्रे लगाएं तथा बालों को घना पन देने हेतु बालों के कवरिंग स्ट्रेन्डस को खींचे।
3. बालों का एक स्ट्रेन्ड लें तथा उसे उपर की तरफ खींचे। उस स्ट्रेन्ड को अपनी इन्डेक्स फिंगर के चारो ओर रोल करें।

4. अगर आपको ओर बड़ा लुक चाहिये तो आप अपनी उंगलियो की जगह फोम रोलर का भी उपयोग कर सकतें हो। बालों की आंधी लंबाई तक अपना हाथ फोम रोलर या उंगली से ना हटाए। अब बालों के स्ट्रेन्ड तक रोलिंग को समाप्त करें।
5. हेयर रोल को बॉबी पिन की सहायता से सुरक्षित करलें और बालों के स्ट्रेन्डस के साथ प्रक्रिया को दोहरायें। रोल्स को सही आकार देने के लियें एक साधारण और अच्छा स्प्रे उपयोग करें।
6. अंत में अपने बालों की पोनी टेल को छोड़ दें तथा उन्हें नीचें की तरफ लटकने दें। इसे ऐसे ही बनाकर रहने दें या अपने सिर के पींछे और रोल्स बनाएं।

2ण बैरल कर्ल

बैरल कर्ल का यह नाम उसके सीलेंड्रीकल नाम से आया हैं। यह बहुत तरह के होतें हैं–एक दब उपर की तरफ सीधें जो की नीचें की तरफ ढीलें होते हैं स्प्रीन्जी कोयल तथा फ्लेट। बैरल कर्ल सीर के पास तब तक बैठे रहतें हैं जब तक कि उन्हे पूरी तरह कस्काडिंग वेव में सेट ना कर दें।

चित्र 6.1.13 बैरल कर्ल

प्रक्रिया

चरण 1: यदि आप कूल रोलर्स या बॉबी पीन्स का उपयोग कर रहें है तो सर्वप्रथम बालों को शांत करें और यदि आप कर्लिंग आयरन या हॉट रोलर्स का उपयोग करके कर रहें है तो, बालों को शांत करने की कोई आवश्यकता नहीं हैं।

चरण 2: यदि आप हॉट स्टाईलिंग उपकरण का प्रयोग कर रहें हैं तो, अपने बालों को गीला करने के लियें हीट प्रोटेक्टेंट और कर्ल सेटिंग स्प्रे का प्रयोग करें।

चरण 3: बालों को ब्रश करते हुएं इन्हे तीन भागो में बाटें, एक भाग को गर्दन के नीचलें हिस्से में, दूसरा कानो के बींच तथा हीस्से को सीर के उपर वालें हीस्से में। उपरी तथा बींच वाले हीस्से को अलग करने के लियें क्लिप का प्रयोग करें।

चरण 4: अपने कर्लींग आयरन या हॉट रोलस को गरम करें या अपने कूल स्टाईलिंग के टुल्स को बाहर निकालें।

चरण 5: गर्दन के निचले वाले भाग को 2 इंच चौडे भाग से अलग करें। बालों की टिप के हर एक भाग का परमिंग पेपर के साथ तेय (फोल्ड) करें।

चरण 6: रोलर पर हर एक भाग को रोल करें या अपनी उंगलियो कर्लिंग आयरन से रोल इस तरह करे की नीचें की तरफ मुड जाएं स्केल्प के सभी हिस्सो तक रोल करें।

चरण 7: स्केल्प के चारो और बनाए गए बैरल कर्लस को सुरक्षित करने के लियेंह`यर पिन्स का उपयोग करे। जो कर्ल आपने अपनी उंगलियो से बनाये है, उन्हे सुाक्षित करने के लिये बॉबी पीन्स का उपयोग करें। यदि आप कर्ल आयरन का प्रयोग कर रहें हैं तो हर एक कर्ल हर एक 10 सैकेंड में छोडें।

चरण 8: यदि आप बैरल कर्ल को फ्लेट कर रहें हो तो वेवी बनाने के लिये ंतो हर एक कर्ल को रोलर की तरफ खिसकाएं तथा स्केल्प से विपरीत इसे फ्लेट प्रेस करें तथा इसे बॉबी पीन से सुरक्षित करें।

चरण 9: बालो के बींच के हीस्से को तथा जिस तरह निचले वाले हिस्से को बर्ल किया वैसे ही इस हिस्से को कर्ल करें। जब बींच का हिस्सा कर्ल हो जाएं तो उपरी हिस्सा लें और उसे भी वैसे ही कर्ल करें।

चरण 10: सभी हॉट कर्लो को 10 मिनट के बाद हटा लें। सभी कूल रोलर्स या बॉबी पीन्स को हटा लें या उन्हे केवल 30 मिनट तक ही रहने दें। उंगलियो से बालों को कंघी कर स्टाईल दें तथा इसके बाद बालों को हेयर स्प्रे से गीला करें।

चित्र 6.1.14 क्रिंपिंग

3. क्रिंपिंग

हेयर क्रिंपिंग वह तरीका है जिसके द्वारा आप साधारण लंबे बालों को वेवी लुक दें सकतें हैं। अमेरिका के दक्षिण ी भाग में क्रिंपिंग को क्रिकिल्स या डीप वेव्स के नाम से भी जाना जाता हैं।

हेयर क्रिंपिंग बालों को क्रिंपिंग आयरन से हीट या हेयर को ब्रेडिंग करके किया जाता है तो कि बहुत से बालों के स्ट्रन्डस पर किया जाता है और आमतौर पर, काफी सारे स्ट्रैंड के लिए जूड़े के साथ नहीं किया जाता है। क्रिंपिंग आयरन में एक पेरालेल हीटिंग प्लेट्स होती है जो कि` शैप होती है जिसमें रिपिटेड ग्रूव्स होते है।

4ण बालों की स्ट्रेटनिंग करना

बालों को स्ट्रेटनिंग करना वह तकनीक है जो 1890 के दशक से चली आ रही हैं इसमें बालों को फ्लेट व स्ट्रेट किया जाता हैं ताकि उनको स्मूथ, स्ट्रीमलाइन्ड व स्लीक अपीरियेंस मिले। इसको हेयर आइरन, हॉट काम्ब, केमिकल रिलेक्यर जेपनीज हेयर स्ट्रेटनिंग या ब्राजीलियन स्ट्रेटनर की सहायता से पूरा किया जाता है। तथा इसके साथ इसे हमेशा के लिये स्ट्रेट करने के लिये कुछ शैम्पू, कंडीश्नर तथा हेयर जेल का प्रयोग किया जाता हैं।

चित्र 6.1.15 बालों को स्ट्रेटनिंग करना

5ण टोंगिंग

चित्र 6.1.16 टोंग

टोंग

सूखे बालों पर इलेक्ट्रीक हीटिंग स्टाइलिंग के लिए टोंग का प्रयोग किया जाता हैं। इसे ज्यादा तर शोंट हेयर, एफ्रो हेयर या फिर लंबे हेयर पर रिंगलेट लुक दिखने के लिए दिया जाता हैं।

यह घुंघराले बालों में मूवमेंट को उत्पन्न करने के लिए किया जाता है। किसी टोंग में स्प्रींग लीवर होता है या किसी में स्वरवेल लीवर होता है यह दोनो इस बात पर निर्भर करते है कि आप इसकी प्रक्रिया से कितने परिचित हैं।

टोंग पॉलिश क्रोम से बना होता हैं जो कि तींन बैरल आकार में आता हैं। 13 mm, 16mm तथा 19mm इसका आकार आप कितना बालों को मोडना चाहते हो उस पर निर्भर करता है। अभ्यास के द्वारा आप साइलिंग टोंग को सीख सकते हो और अपने हेयर कट को विभिन्न तरह के मूवमेंट दे सकते हो।

स्पाइरल टोंग

स्पाइरल टोंग में ग्रूव बैरल होता है जो कि ज्यादातर 13 mm का होता है। बालों को इस बैरल के चारो और लपेटा जाता है ताकि उन्हे एक पर्फेक्ट छोटे कर्ल और रिंगलेट का इफंक्ट दिया जा सकें।

टोंग्स को उपयोग करना

सूखे बालों का बैरल तथा टोंग के ब्लेड के बींच उसे ठीक हेयर रोलर के जैसे उपर की तरफ रोल करें। बालों को उस जगह तक पकड़े जहां तक आप उन्हे सोफ्ट करने के लिए हीट चाहिए। टोंग को छोडे तथा उन्हे बालों से बाहर निकाले इससे आप एक स्मूथ शैल या कर्ल इफैक्ट को पा सकेंगे।

6ए **पिन कर्ल**

आम नमी वाले घूमें हुए बालों को बॉबी पीन या क्लिप से सुरक्षित किया जा सकता है तथा जब यह सूख चूके होते है तो इन्हे कंघी कर वेवी या घूंघराले बनाया जा सकता हैं।

पिन कर्ल को टिप से रूट की तरफ गूंथा जाता है ना कि दूसरे जगहों पर इस तरह से अंत में यह चिपक जाते है और पूरी जगह चिपक के एक फनी लुक नहीं बना पाते। इसके लिये अति आवश्यक है कि आप बालों को मोडे नही क्योंकि इससे आपको विन्टेज स्मूथ कर्ल की बजाएं एफ्रो लुक मिल जाएगा।

इसके लिए बेसिक तकनिक है कि आप 1 इंच तक के बालों का हिस्सा लें अपनी उंगलियो को उपयोग करके इसको स्केल्प तक रैप करें और फिर इसके बाद

चित्र 6.1.17 पिन कर्ल

पिन कर्ल क्लिप से इसे पिन करें या इसे बहुत सारी बॉबी पिन से पिन करें।

इसमें दो उंगलियो का प्रयोग करें क्योकि यह बहुत आसान तरीका हैं इसमें दोनो उंगलियो के बीचो बीच उस हिस्से पर रखें जहां से वो संबंधित हैं।

1. **चोटी** & बालों की तीन या अधिक लटों की आपस में गूंथकर बनने वाली एक मुश्किल संरचना या पैटर्न को चोटी कहा जाता है। सामान्यतः चोटी लम्बी और पतली होती है और इसे प्रत्येक लट को समान रूप से एक दूसरे के ऊपर या नीचे से लाकर बनाया जाता है। आमतौर पर बनाए जाने वाली कुछ चोटियां इस प्रकार हैं।

कुछ आम चोटियों के प्रकार में शामिल हैं–

फ्रेंच चोटी

- बालों को धोएं और उन्हें अच्छी तरह से सुखाएं। फिर बालों को एक साफ ब्रश या कंघी की मदद से सुलझाएं। यदि क्लाईंट की इच्छा है कि सिर के मध्य से एक चोटी पीछे की ओर जाए तो माथे से शुरू करके पीछे की ओर ब्रश करें।
- माथे के पास से शुरू करके ठीक सिर के ऊपर तक बालों का एक बड़ा हिस्सा बाकी बालों से अलग करें। यह हिस्सा लगभग 3–4 इंच चौड़ा होना चाहिए।
- अब इस हिस्से को कई लटों में बांटें। साधारण चोटी की तरह फ्रेंच चोटी भी तीन लटों से बनाई जाती है। अंगुलियों की मदद से इस हिस्से के तीन बराबर भाग करें।

- अब चोटी बनाना शुरू करें। दो लटों को दाएं हाथ में और तीसरी लट को बाएं हाथ में पकड़ें। बांई लट को मध्य लट के
- ऊपर से लाएं। इसके बाद दांई लट को मध्य लट के ऊपर से लाएं। इस प्रक्रिया को 2–3 बार दोहराएं।
- धीरे–धीरे बाकी बालों को भी इन लटों में मिलाना शुरू करें। जिस तरफ की लट को मध्य लट के ऊपर से लाना है, उस तरफ के बालों की एक और लट को उसमें मिलाएं और मध्य लट के ऊपर से लाएं।
- इस प्रक्रिया को दोनों तरफ दोहराते रहें जब तक सारे बाल चोटी में न आ जाएं।
- गर्दन के पास पहुंचने और सारे बालों को चोटी में मिलाने के बाद साधारण चोटी की तरह बालों के सिरों के पास पहुंचने तक इसे बनाते रहें। फिर पोनीटेल बैण्ड से बांधें। रबर बैण्ड का प्रयोग न करें, बालों से इन्हें निकालते समय बाल इनमें फंसकर टूट जाते हैं।

चित्र 6.1.18 फ्रेंच चोटी

फ्रेंच लेस चोटी

- स्वच्छ बालों को एक साफ ब्रश या कंघी की मदद से सुलझाएं। फ्रेंच लेस चोटी सिर के एक तरफ या दोनों तरफ भी बनाई जाती है। क्लाईंट की पसन्द के अनुसार सिर के मध्य या साइड में बालों के दो हिस्से करें।
- मांग या पार्टिंग के पास माथे की ओर से बालों का लगभग 1 इंच मोटा हिस्सा लें। आप इस हिस्से को 1 इंच से पतला भी ले सकते हैं।
- इस हिस्से को तीन बराबर लटों में बांटें। यह चोटी सिर के पीछे की ओर न बनाकर, चेहरे के किनारे के साथ–साथ नीचे की ओर बनती है।
- जैसे साधारण चोटी बनाते हैं वैसे ही चोटी बनाना शुरू करें। फ्रेंच चोटी की तरह धीरे–धीरे इसमें और बाल मिलाना शुरू करें। फ्रेंच चोटी की भांति इसमें दोनों तरफ के बाल न मिलाकर केवल एक तरफ के ही बाल मिलाए जाते हैं।
- जब आप बांई लट को मध्य लट के ऊपर से लाएं तो इसमें बांई ओर के बाल मिलाएं। दांई लट में बाल न मिलाएं। आप इसका विपरित भी कर सकती हैं जिसमें दांई लट में ही बाल मिलाएं, न कि बांई लट में।

थ्यह 6ण्1ण्19 थ्तमदबी संबम इतंपक

- केवल एक ओर के बाल मिलाने से यह एक–तरफा चोटी बन जाती है इसलिए इसे चेहरे के साइडसे नीचे की ओर कान की तरफ बनाते हैं, बजाय ऊपर से पीछे की ओर।
- इस प्रक्रिया को दोहराते रहें। जैसे–जैसे चोटी बनती जाएगी वैसे ही सिर पर एक क्राउन जैसा बनता जाएगा। आप इस चोटी को कान के ऊपर तक बनाएं या कान के पीछे नीचे तक। सारे बाल इस चोटी में मिलाने के बाद साधारण चोटी की तरह बालों के सिरों तक पहुंचने तक इसे बनाएं और फिर पोनीटेल बैण्ड से बांधें।

- थोड़ी सी फ़ेरबदल से इस चोटी को कई तरह से बनाया जा सकता है, जैसे एक कान से शुरू करके दूसरी तरफ के कान तक। इस तरह से यह चोटी एक हैडबैण्ड जैसी दिखेगी। इसे सिर के दोनों तरफ भी बनाया जा सकता है या फिर एक तरफ बनाकर दूसरी तरफ के बालों को खुला भी रख सकते हैं। इसे सिर के आगे से शुरू करके कान की ओर तिरछा भी बनाया जा सकता है।

डच चोटी

- स्वच्छ बालों को एक साफ ब्रश या कंघी की मदद से सुलझाएं। यदि बाल ज्यादा सूखे हैं तो स्प्रे बॉटल की मदद से उन्हें थोड़ा गीला करें।
- सिर के ऊपर से बालों का एक हिस्सा लें जो 3–5 इंच चौड़ा और 1 इंच मोटा हो। यदि आप फ्रिंज (माथे के ऊपर कटे हुए बाल) को भी चोटी में मिलाना चाहती हैं तो माथे से ही चोटी बनाना शुरू करें, नहीं तो आप इसे सिर के ऊपर से शुरू कर सकती हैं।
- इस हिस्से को तीन बराबर लटों में बांटें। दांई लट को मध्य लट के नीचे से लेकर आएं।
- अब बांई लट को मध्य लट के नीचे से लेकर आएं।
- अब धीरे–धीरे बाकी बालों को भी इन लटों में मिलाना शुरू करें। जिस तरफ की लट को मध्य लट के नीचे से लाना है उस तरफ के बालों की एक और लट को उसमें मिलाएं और मध्य लट के नीचे से लाएं।
- इस प्रक्रिया को दोनों तरफ दोहराते रहें जब तक सारे बाल चोटी में न आ जाएं।
- गर्दन के पास पहुंचने और सारे बालों को चोटी में मिलाने के बाद साधारण चोटी की तरह बालों के सिरों के पास पहुंचने तक इसे बनाते रहें। लेकिन ध्यान रखें कि लटों को मध्य लट के नीचे से लाएं, न कि ऊपर से। फिर पोनीटेल बैण्ड से बांधें।
- यह चोटी फ्रेंच चोटी की तरह ही बनाई जाती है। अन्तर सिर्फ इतना है कि इसमें बालों की लट को मध्य लट के नीचे से लाया जाता है जबकि फ्रेंच चोटी में मध्य लट के ऊपर से।

चित्र 6.1.20 चुटिया

2. जूड़ा. जूड़ा केश विन्यास की एक लोकप्रिय शैली है। सामान्यतः महिलाएं ही अपने बालों को जूड़े में बांधती हैं। सारे बालों को सिर के पीछे लाकर उन्हें मोड़ा या ट्विस्ट किया जाता है, या उनकी चोटी बनाई जाती है और फिर उन्हें गोलाई में घुमाते हुए कुण्डली के जैसे बांध देते हैं और जूड़ा पिन, बालों की जाली, या बॉब पिन से रोकते हैं ताकि बाल खुल न जाएं। जूड़े को कसकर भी बांधा जाता है और अनौपचारिक छवि के लिए ढीला भी बांधा जाता है। सिर के ऊपर ऊंचा या कसकर जूड़ा बांधने से सिरदर्द होने की संभावना होती है। जूड़ा बांधने के कुछ तरीके इस प्रकार हैं –

चोटी वाला टॉप नॉट जूड़ा

- एक साफ कंघी या ब्रश की मदद से बालों को अच्छी तरह से सुलझाएं।
- सिर के ऊपर जितना ऊंचा हो सके बालों को एक पोनीटेल में बांधें और इलास्टिक बैण्ड लगाएं।
- पोनीटेल के दो भाग करें और प्रत्येक भाग की चोटी बनाएं।
- इन दोनों चोटियों को आपस में लपेटें और फिर इलास्टिक बैण्ड के चारों ओर लपेटें।
- जूड़े के चारों ओर बॉब पिन लगाएं ताकि जूड़ा न खुले।
- इस जूड़े को अपनी पसन्द से बालों की क्लिप या बैण्ड लगाकर सजाएं।
- चोटियों की संख्या दो से ज्यादा होने से आप डबल नॉट जूड़ा भी बना सकती हैं।

चित्र 6.1.21 चोटी वाला जूड़ा

टॉप नॉट जूड़ा

- एक साफ कंघी या ब्रश की मदद से बालों को अच्छी तरह से सुलझाएं।
- सिर के ऊपर जितना ऊंचा हो सके बालों को एक पोनीटेल में बांधें और इलास्टिक बैण्ड लगाएं।
- पोनीटेल के दो हिस्से करें। दोनों हिस्सों को एक दूसरे के ऊपर लपेटें या ट्विस्ट करें।
- अब इन बालों को इलास्टिक बैण्ड के चारों ओर लपेटें और जूड़े के चारों ओर बॉब पिन लगाएं ताकि जूड़ा न खुले।
- हेअर स्प्रे लगाएं ताकि दिनभर जूड़ा अच्छे से अपनी जगह रहे।

चित्र 6.1.22 टॉप नॉट जूड़ा

पिगटेल

- सिर पर बालों की कसकर बनाई हुई दो चोटियों को पिगटेल कहते हैं जो छोटी और पतली होती हैं। व्यक्ति की पसन्द के अनुसार पिगटेल को कई तरह से बनाया जाता है।
- इन्हें साधारण चोटी की तरह गूंथकर बनाया जा सकता है या खुला भी रखा जा सकता है। इन्हें फ्रेंच चोटी, या
- फशटेल या खजूरी चोटी की तरह भी बनाया जा सकता है। इन्हें रिबन लगाकर भी बनाते हैं।
- पिगटेल को व्यक्ति के सिर पर उसकी इच्छानुसार कहीं भी बनाया जा सकता है जैसे सिर पर ऊंचा, नीचे या साइड पर।

चित्र 6.1.23 पिगटेल

पोनीटेल

- पोनीटेल केशविन्यास की ऐसी शैली है जिसमें सारे, ज्यादातर या फिर कुछ बालों को चेहरे से दूर सिर पर बांधा जाता है।
- बालों को इकट्ठा करके क्लिप या बैण्ड की मदद से बांधा जाता है और उन्हें खुला छोड़ दिया जाता है।
- यह देखने में घोड़े या पोनी की पूंछ जैसी दिखती है इसलिए इसे पोनीटेल कहा जाता है।
- ज्यादातर पोनीटेल को सिर के पीछे या गर्दन के पास बनाते हैं।

चित्र 6.1.24 पोनीटेल

हेअर ट्विस्ट

- हेअर ट्विस्ट ऐफ्रो–टैक्श्चर्ड बालों का बहुत लोकप्रिय हेअर स्टाइल है और इस तरह के बालों में यह बहुत सुन्दर दिखता है। इसे अन्य प्रकार के बालों के साथ भी बनाया जा सकता है।
- इस स्टाइल में बालों को कई भागों में बांटा जाता है और प्रत्येक लट को घुमाकर मोड़ा या ट्विस्ट किया जाता है।
- इसके बाद मुड़ी हुई दो लटों को आपस में घुमाकर मोड़ा या ट्विस्ट किया जाता है। जब बाल हल्के गीले हों तभी उन्हें ट्विस्ट किया जाना चाहिए।
- सूखने के बाद बाल थोड़ा सिकुड़ जाते हैं जिससे ये ट्विस्ट और ज्यादा अच्छे लगते हैं। ट्विस्ट को अन्य हेअर स्टाइल के साथ भी बनाया जा सकता है, जैसे ऐफ्रो–पफ और ऐफ्रो।

चित्र 6.1.25 ट्विस्ट

6.1.9 सेवा के बाद देखभाल के सुझाव

प्रक्रिया के समाप्त होने के पश्चात् क्लाईंटों को रंग या स्टाईल की घर में देखभाल करने के सुझाव देना आवश्यक है। किसी प्रकार के उत्पाद का इस्तेमाल करने से उनको स्वस्थ बालों की देखरेख व बनाए रखने में मदद मिलेगी।

सारांश

- आपको बालों की किस्म के बारे में जानकारी होने से ही उन्नत सेवाओं में सहायता कर सकते हैं।
- बालों के प्रकार:
  - सीधे
  - वेवी
  - घूँघराले
  - किन्की या कओयली
- उन्नत सेवाओं में सहायता के अन्तगर्त विभिन्न प्रकार की बालों की सज्जा भी आती है:
  - चोटी (फ्रेंच चोटी, फ्रेच लेस चोटी, डच चोटी, खजुरी चोटी)
  - जुड़ा (चोटी जुड़ा, चोटी टॉप नॉट जुड़ा, टॉप नॉट जुड़ा, सोक जुड़ा, टवीस्टी जुड़ा)
  - हेयर बॉअ
  - पिगटेल
  - पोनिटेल
  - ट्विस्ट हेयर ट्विस्ट
- उन्नत बालों की सेवाओं में:
  - बालों का स्पा
  - बालों को रंग करना
  - स्टाईलिंग
- बालों के रंग को बनाने से शुरूआती बिन्दू का निधारण करें। इसका मतलब है कि क्लाईंट के बालों के प्राकृतिक बालों के रंग के स्तर को जाँचना।
- विभिन्न रंगों के विकल्पों का पता लगाना:
  - नीला और ग्रीन त्र नीला–हरा
  - नीला और बैंगनी त्र नीला–बैंगनी
  - लाल और नांरगी त्र लाल–नांरगी
  - लाल और बैंगनी त्र लाल–बैंगनी
  - पीला और नांरगी त्र पीला–नांरगी
  - पीला और ग्रीन त्र पीला–ग्रीन

- बालों को रंग करते समय आपका समाना कई समस्यओ से होगा। इसलिए रंग करने में प्रयोग होने वाली समाग्रियों को क्लाईट के सिर से ध्यान से निकालें। जिससें रंग क्लाईट के त्वचा, कपड़ों, आसपास की जगहों पर न फैले।

अभ्यास

1. निम्न में से कौन सा एक बालों का प्रकार नहीं है?
   a. घुंघराले
   b. कोयली
   c. उठे हुए या वैवी
   d. क्रेसिस
2. निम्न में कौन सा एक जूड़े का प्रकार है?
   a. फ्रैंच
   b. फ्रैंच लेस
   c. डच
   d. इनमें से कोई नहीं
3. निम्न में किसका उपयोग जूड़ा बनाने में होता है?
   a. एक सॉक
   b. टी–शर्ट का टुकड़ा
   c. एक दस्ताना
   d. इनमें से कोई नहीं
4. टॉप नोट किसका प्रकार है?
   a. जूड़ै
   b. पोनीटेल
   c. ब्रेड
   d. इनमें से कोई नहीं
5. क्रींमपींग क्या है?
   a. बालों को वेवी बनाना
   b. बालों को सीधा करना
   c. बालों को घुंघराला बनाना
   d. इनमें से कोई नहीं

6. कलर करने का पहला नियम क्या है?
    a. हेयर कलर हेयर पैंट नहीं होता है
    b. हेयर कलर एक हेयर पैंट होता है
    c. हेयर कलर खतरनाक होता है
    d. इनमें से कोई नहीं
7. कलर करने के लिए निम्न में से किस उपकरण का प्रयोग होता है?
    a. ब्रश
    b. कलर
    c. शॉवर कैप
    d. ऊपर दिए गए सभी
8. निम्न से कौन सा एक हेयर कलरिंग का प्रकार नहीं है?
    a. परमानैंट
    b. एकल
    c. सेमी–परमानैंट
    d. प्राकृतिक
9. कलर करने से पहले, क्या करना आवश्यक होता है?
    a. स्ट्रैंड टेस्ट
    b. हेयर कट
    c. हेयर स्पा
    d. इनमें से कोई नहीं
10. एक असिस्टेंट को करना चाहिए:
    a. आर्थिक रूप से उत्पादों का प्रयोग करना
    b. प्रक्रिया के दौरान आई समस्या में सहायता और उसे हल करना
    c. सेवा के बाद के कचरे को साफ करना
    d. ऊपर दिए गए सभी

टिप्पणी

____

____

____

यूनिट 6.2: कलर और लाइटन हेयर

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप:

1. बालों को रंगना
2. रंगने की सेवाओं से संबंधित स्वास्थ्य और सुरक्षा नीतियों की समझ
3. रंगने की प्रक्रिया को बारधित करने वाले तत्व
4. बालों को कलरिंग और लाइटिंग से जुड़े विज्ञान की समझ
5. रंगने की सेवा से जुड़ उपकरण, पदार्थ और तकनीकों की समझ

6.2.1 परिचय

बालों का रंग

हमारे बालों का प्राकृतिक रंग बालों के कोर्टेक्स में मेलेनिन पिगमेंट के ऊपर निर्भर होता है। मनुष्य के बालों में दो तरह के मेलेनिन पिगमेंट होते हैं, जो आपस में एक दूसरे से एक मात्रा व एक हिस्से में जुड़े होते है, जिससे की हर तरह के बालों का रंग पाया जाता हैं, जो हम अधिकतर देखते हैं:

दो तरह के पिगमेंट होते है, जो बालों को उसका रंग प्रदान करते है, वो हैं:

- एम्यूलेनिन
- फिमेलेनिन

सभी व्यक्तियों में एम्यूलेनिन और फिमेलेनिन का अनुपात अलग–अलग होती है। एम्यूलेनिन काला तथा भूरा पिगमेंट प्रदान करता है, जो यह बताता है कि बाल कितने काले होंगे। इस पिगमेंट की अधिकता के कारण किसी व्यक्ति के बालों को अच्छा लुक मिलता है। जैसे ऐश को मिला है। एम्यूलेनिन पिगमेंट में तीन प्राथमिक रंग भी पाए जाते है – नीला, लाल व पीला।

फिमेलेनिन से पीला और लाल रंग का पिंगमेंट प्राप्त होता है। यह किसी के बालों में वॉर्मर रंग को बढ़ाता है। जैसे ऑबर्न, स्ट्रोबैरी, गोल्ड आदि।

बालों के रंग के शेड्स

विभिन्न प्रकार के शेड्स होते है। यदि आप नीचे दिए गए चित्र को देखेंगे तो पता चलेगा कि कैसे बालों के विभिन्न शेड्स को 1 से 10 नम्बर तक दिया गया है।

- नम्बर 1 सबसे घहरे रंग को दर्शाता है – काला
- नम्बर 10 सबस हल्के रंग को दर्शाता है – हल्का बोंड रंग

बालों के शॉफ्ट में से निकलने वाले पिगमेंट पर निर्भर करता है कि बालों का रंग कौन सा होगा। यदि किसी व्यक्ति के बालों में पिगमेंट की मात्रा शून्य हो तो उसके बाल सफेद होंगे।

Hair Color Level & Name	Contributing Pigment
10 - Lightest Blonde - Platinum	Pale Yellow
9 - Very Light Blonde	Yellow
8 - Light Blonde	Yellow-Gold
7 - Medium Blonde	Gold
6 - Dark Blonde	Orange-Gold
5 - Lightest Brown	Orange
4 - Light Brown	Red-Orange
3 - Medium Brown	Red
2 - Dark Brown	Red-Brown
1 - Black	Dark Red-Brown

चित्र 6.2.1 बालों के रंग के शेड्स

6-2.2 सैलून में बालों को रंगना

एक नया रंग बालों को बिल्कुल अलग लुक प्रदान करता है। एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट होने के नाते आपको सबसे पहले अपने क्लाइंट से उसके पसंदीदा रंग के बारे में या जो रंग वो करवाना चाहता है, उसके बारे में पूछना चाहिए। आप क्लाइंट को रंग के बारे में भी सुझाव दे सकते है लेकिन आपको रंग के बारे में बताते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

आपके सैलून में रंग करने के निम्न उत्पादों का भंडार होना चाहिए:

- अस्थायी रंग
- अर्द्धदृस्थायी रंग
- स्थायी रंग
- आभास रंग
- हल्का रंग करने के उत्पाद
- वनस्पतिक रंग
- ब्लीच
- हेना

क्लाइंट को सुरक्षित रखना

क्लाईंटों की बालों को रंगने और हल्का रंग करने की तैयारी हर सैलून में भिन्न होती है। अगर असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट ने ऐसे रंग का चुनाव किया है, जिसको त्वचा पर परीक्षण की आवश्यकता हो। तो प्रक्रिया को शुरू करने से पहले उसको करना आवश्यक है। हर परीक्षण के परिणाम को क्लाईंट के कार्ड में लिखें। जब असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट सहमत हो जाए तो प्रक्रिया करना अब सुरक्षित है तो क्लाईंट से परामर्श करें। ध्यान से देंखे कि असिस्टेंट

हेयर स्टाइलिस्ट कैसे क्लाईंट को रंग करने की प्रक्रिया के लिए तैयार करता है। आप को क्लाईंट के बालों को कंघी करने में, किसी प्रकार के घाव और अन्य विशेष जगहों पर ध्यान देने के लिए मदद करनी चाहिए। रंग को मिलाने में भी सहायता करें।

शैम्पू के लिए क्लाइंट को तैयार करना

क्लाइंट को आरामदायक स्थिति में बैठाना और बेसिन में सिर को रखकर आगे या पीछे से सिर को धोना शुरू करना। क्लाइंट की बैठने की स्थिति ही बताएगी कि प्रक्रिया के बाद क्लाइंट कितना थका हुआ महसूस करता है। सही तरीके से ना बैठने से क्लाइंट की थकावट या चोट भी लग सकती है, इसका प्रभाव लंबे समय तक भी रह सकता है।

शैम्पू की प्रक्रिया शुरू करने से पूर्व आपको क्लाइंट के बालों में से क्लिप आदि को निकाल लेना चाहिए और क्लाइंट की स्कैल्प की जांच करनी चाहिए कि उस पर कोई चोट या खरोच तो नहीं है और साथ ही क्लाइंट के बालों के अनुसार शैम्पू का प्रयोग करना चाहिए।

6.2.3 व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण

एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट होने के नाते आपको सैलून में अलग–अलग तरह के कार्य करने होते है, तो आपको व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए हमेशा कार्य को शुरू करने से पहले सुरक्षात्मक उपकरणों का प्रयोग करना चाहिए। ऐसा विशेषतौर पर, बालों को रंगते समय करना चाहिए क्योंकि उस समय रयायन का प्रयोग हो रहा होता है। इससे आपके हाथों को नुकसान पहुंच सकता है।

6.2.4 अपने कार्यक्षेत्र को साफ–सुथरा रखना

एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट होने के नाते आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि आपका कार्यक्षेत्र साफ–सुथरा बना रहें। यदि आपका सैलून गंदा होगा तो कोई भी क्लाइंट वहा आना पसंद नहीं करेगा। आपको अपने सैलनू को साफ और स्वच्छ बनाकर रखना चाहिए, जिससे क्लाइंट उसे देखकर आकर्षित हो।

सुनिश्चित करें कि उत्पाद क्रम मे लगे हो, जिससे प्रयोग के समय उत्पाद का प्रयोग करने में आसानी हो क्योंकि हमारी पहुंच उस तक आसान हो जाएगी। हमारा समय उत्पाद को ढ़ूढ़ने में बर्बाद नही होगा।

प्रयोग में नहीं आने वाले सामान या उत्पाद को हटा दें। यह क्लाइंट के प्रतीक्षा करने के लिए समय को कम करता है और इससे आपका सैलून भी साफ दिखता है।

6.2.5 कचरे का सुरक्षित निपटान

आप एक हेयर स्टाइलिस्ट के साथ सहायक के रूप में कार्य करते है, एक हेयर स्टाइलिस्ट को लगता है कि आपको हर उत्पाद की सही जानकारी है। इसलिए जब भी आप हेयर स्टाइलिस्ट को कोई भी उत्पाद दे तो आपको पहले निर्माता द्वारा दिए गए निर्देशों व प्रयोग के करने के तरीको को पढ़ लेना चाहिए, जिससे सब कुछ सुरक्षित रहें और अंत में कूड़ा भी कम हो।

रसायन का निपटान करना

पूरी तरह से रसायन का निपटान करना महत्वपूर्ण होता है। आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि रसायन का निपटान पूरी तरह से हो गया हो और वह किसी को भी किसी भी प्रकार की हानि ना पहुंचाए। रयायन को उसक प्रकार के अनुसार विभाजित करें।

उत्पादों को पुनः क्रम में लगाना

एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट होने के नाते आपको सैलून में उत्पादों को क्रम लगाना चाहिए। यदि क्लाइंट के सामने कोई भी उत्पाद कम हो जाता है तो यह आपके सैलून की छवि को गलत दिखाता है।

आपको लगातार उत्पादों को प्रयोग होने के बाद की मात्रा की जांच करनी चाहिए और उन्हें उनके प्रकार के अनुसार क्रम में लगाना चाहिए।

क्रोस संक्रमण को कम करना

कोई भी औज़ार या उपकरण जो क्लाईंट के बाल या त्वचा के सम्पर्क में आता है, बिलकुल साफ होना चाहिए। यह सुरक्षित और स्वच्छ काम करने का वातावरण बनाता है। यह आप के सैलून को साफ बनाता है। आप को अपनी व्यक्तिगत सफाई का भी ध्यान रखना चाहिए। आपके स्वच्छता और सफाई के मानकों से सुनिष्चित करें कि किसी भी प्रकार का संकमण न फैले। उदाहरण के तौर पर आप सैलून में तब न आए जब आप को जुकाम या संक्रमित बीमारी या सिर में जुंए हो। घर में रह कर बीमारी या संक्रमण का ईलाज करें और सब कुछ ठीक होने के पश्चात् ही काम पर आएं। अपने व्यक्गित स्वच्छता और सफाई के मानकों का पालन करने से संक्रमण या बीमारी को कार्य क्षेत्र में फैलाने की आशंका को कम करते हैं।

6.2.6 त्वचा की जांच

जब आपका क्लाइंट अपने बालों पर कलर करवाले के लिए आता है तो आपको सबसे पहले उसकी सिर की त्वचा की जांच करनी चाहिए, इससे आपको पता लग जाएगा कि क्लाइंट की त्वचा संवेदनशील तो नहीं है। यह जांच करने के बाद आपको पता लगेगा कि आगे की प्रक्रिया शुरू करनी या नही। यह जांच ट्रीटमेंट के 24 से 48 घंटों से पहले की जानी चाहिए। सामने आए परिणाम को आपको क्लाइंट के रिकार्ड चार्ट में लिखना चाहिए।

जांच करने का कारण होता है:

- क्लाइंट की त्वचा संवेदनशी हो सकती है
- क्लाइंट को उत्पाद की गंध अच्छी नहीं लग सकती है

यदि आप प्रक्रिया के दौरान त्वचा पर लालपन देखते है तो आपको पता लग जाएगा कि क्लाइंट की त्वचा पर उत्पाद सूट नहीं कर रहा है।

अंतर जानने के लिए जांच करना

एक ओर तरह की जांच ट्रीटमेंट को शुरू करने पहले की जाती है, जिसका नाम इनकॉमपेटीबीलीटी टेस्ट होता है। इस जांच को करने कारण यह पता करना होता है कि क्लाइंट के बाल हेयर कलर को सूट करते है या नहीं अर्थात उन पर कितना रंग चढ़ेगा।

यह जांच करने के लिए आपको आवश्यकता होती है:

- बाल का एक नमूना
- नॉन मेटेलिक कटोरी
- पर्म लॉशन
- हाइड्रोजन पेरोक्साइड
- एमोनिया सोडा

जांच की प्रक्रिया में चरण शामिल हैं:

1. 20ml से 20vol तरल और 1ml अमोनिया का मिश्रण ले
2. 5 मिनट तक लगाएं रखें
3. यदि आपको बीबलिंग, फिजिंग, रंग का उड़ना तो समझ जाएं कि कुछ गड़बड़ है
4. यदि आपको किसी प्रकार संक्रमण दिखता है तो प्रक्रिया की शुरूआत ना करें

अन्य प्रकार के बालों की जांच है:

1. इलास्टीसिटी जांच
   - कुछ बालों का नमूना ले
   - बालों को खेंचे
   - यदि बाल स्वस्थ होंगे तो खींचेगे और यदि क्षतिग्रस्त होंगे तो टूट जाएंगे
2. पोरोसिटी जांच

यह जांच बालों के द्वारा नमी को सोखने की क्षमता को जानने के लिए की जाती है।

6.2.7 कलरिंग और लाइटन उत्पादों को बालों में निकालना

कलरिंग और लाइटनिंग के लिए संसाधन

एक असिस्टेंट हेयर असिस्टेंट होने के नाते आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि आपकी ट्रोली सभी आवश्यक सामान व उत्पादों से भरी हो, जिससे प्रक्रिया के दौरान आपको किसी भी प्रदार की समस्या ना आए और क्लाइंट को भी प्रतीक्षा ना करनी पड़े।

ट्रोली में शामिल है:

- साफ तौलिया
- बेरियर क्रीम
- क्लाइंट रिकार्ड कार्ड
- रूई
- शैड चार्ट
- फाइय
- हाइलाइटिंग केप और हुक
- कटोरी और ब्रश

6.2.8 कलरिंग प्रक्रिया में सहायता करना

कलरिंग की प्रक्रिया के दौरान, आपका कार्य हेयर स्टाइलिस्ट के द्वारा मांगे गए उत्पादों को उस तक पहुंचाना होता है।

आपको ट्रीटमेंट से पहले और बाद में करना होता है:

- तौलिए या वॉटरप्रूफ केप या गाउन के प्रयोग से क्लाइंट को ढ़कना

- त्वचा और स्कैल्प की जांच करना
- बालों को सेक्शन में विभाजित करना
- कलर को सही मात्रा और निर्देशों के अनुसार मिलाना
- ट्रीटमेंट के पूर्ण हो जाने के बाद बालों पर से फोइल को हटाना
- बालों को धोना

कंडीशनर लगाना: जब ट्रीटमेंट पूरा हो जाए जैसे सभी कलरिंग उत्पाद हटाने और बालों को शैम्पू के प्रयोग से धोने के बाद आपको क्लाइंट के बालों पर 5 मिनट के लिए कंडीशनर लगाना होता है। यह कंडीशनर एंटी–ऑक्सीडेंट होता है, जो बालों को चमकदार और मुलायम बनाता है।

6-2.9 बाद की देखभाल

ग्राहक को बाद की देखभाल के बारे में बताना, जिससे वह बालों को घर पर सुरक्षित रख सकें।

बाद की देखभाल में शामिल हैं:

- उत्पादों के बारे में सुझाव देना,जिससे ग्राहक के बालों में लंबे समय तक कलर रह सकें
- क्लाइंट को शैम्पू और कंडीशनर के बारे में बताना
- कौन से उत्पाद क्लाइंट को नहीं लगाने है आदि के बारे में बताना

टिप्पणी

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

7. कार्यस्थल की सुरक्षा और स्वास्थ्य

B&WSSC
BEAUTY & WELLNESS
SECTOR SKILL COUNCIL

यूनिट 7.1 – कार्यस्थल की सुरक्षा और स्वास्थ्य

BWS/N9002

मुख्य शिक्षा

इस मॉड्यूल के अंत में, आप:

1. कार्यस्थल पर खतरों की पहचान करना और उनके अनुसार प्रक्रिया देना
2. सही मुद्रा व सामान को उठाने की सही तकनीक के बारे में समझना

यूनिट 7.1: कार्यस्थल की सुरक्षा और स्वास्थ्य

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप:

1. कार्यस्थल पर खतरों की पहचान करना और उनके अनुसार प्रक्रिया देना
2. सही मुद्रा व सामान को उठाने की सही तकनीक के बारे में समझना

7.1.1 परिचय

केश श्रृंगार और सौंदर्य चिकित्सा एक रोमांचक, तेजी से उन्नतिष्शील उद्योग है लेकिन जिस तरह यह आपके लिए कुछ शानदार अवसर पेश करता है, उसी तरह इसमें जिम्मेदारियाँ भी शामिल हैं। आप क्लाईंट्स के साथ काम करेंगे/करेंगी और निश्चित औजारों एवं सामग्रियों को इस्तेमाल करेंगे/करेंगी, और यहां ऐसी पद्धतियाँ भी मौजूद हैं जिनका आपको यह सुनिश्चित करने के लिए अवश्य पालन करना होगा कि आपके कार्यों से स्वास्थ्य और संरक्षा के लिए कोई खतरा पैदा नहीं हो और यह कि आप इस खतरों के कारण आपके कार्यस्थल पर मौजूद जोखिमों को अनदेखा नहीं करें। कामकाज के दौरान आपके स्वास्थ्य और संरक्षा उत्तरदायित्वों में यह सुनिश्चित करना शामिल है कि आपके कार्य आपके एवं दूसरों के स्वास्थ्य एवं संरक्षा रक्षा करें, कानूनी उत्तरदायित्वों को पूरा करें और कार्यस्थल के निर्देशों का पालन करें। इस अध्याय में, आप निम्नलिखित कार्यों के बारे में सीखेंगे:

- कार्यस्थल पर स्वच्छता को बनाए रखना
- अपने कार्यस्थल पर खतरों की पहचान और जोखिमों का मूल्यांकन करना
- स्वास्थ्य और संरक्षा संबंधी कानून
- कार्यस्थल की नीतियाँ

7.1.2 पार्लर स्वास्थ्य और संरक्षण

पार्लर की स्वच्छता को बनाए रखने में ब्यूटी थैरेपिस्ट के कार्य का परम महत्त्व है। चूँकि एक पार्लर में सभी सेवाएं क्लाइंट के शरीर के साथ जुड़ी होती हैं, इसलिए किसी भी संक्रमण को फैलाने के बारे में सतर्क और सावधान रहना जरूरी है। सैलून की छवि को नुकसान पहुँचाने के अलावा, इससे पार्लर पर भरोसा करने वाले लोगों और उसके कर्मचारियों का स्वास्थ्य एवं संरक्षा के लिए जोखिम पैदा होता है। निम्नलिखित के बारे में सावधान रहियेः

हाथ और स्वास्थ्य विज्ञानः एक सामान्य दिन के दौरान, हमारी शरीर के किसी अन्य अंग की तुलना में हमारे हाथ अधिक वस्तुओं के संपर्क में आते हैं। परिणामस्वरूप, अगर इनकी नियम से धुलाई नहीं की जाए तो ये हमारे स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा जोखिम पेश करते हैं। लोगों के साथ हाथ मिलाना, उनका कोट लेना, कॉफी का एक कप हटाना तक संक्रमण होने का संभावित जोखिम पेश कर सकता है।

पूरे दिन और खासतौर पर क्लाईंट बदलने के बीच हाथों को अनिवार्यतः नियम से धोना चाहिए। वॉश एरिया को भी साफ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखना याद रखें! जब कभी जरूरत हो तब साबुन और सैनीटाइजर इस्तेमाल करें। आपके रोजचर्या में मैनिक्योर या पैडीक्योर या त्वचा–से–त्वचा के सीधे संपर्क में आने वाले ऐसे अन्य संपर्क शामिल हैं, सुनिश्चित करें किशुरुआत करने से पहले आपके क्लाईंट के हाथ या पांव पूरी तरह से धुले हैं। धुलाई करने के बाद, आप सैनीटाइजर इस्तेमाल कर सकते हैं जो आपकी और आपके क्लाईंट की संक्रमण से अतिरिक्त रक्षा करेगा। हमेशा साफ तौलिया और कोट इस्तेमाल करें।

कामकाजी सतहें: यह अत्यंत जरूरी है कि संक्रमण की रोकथाम करने के लिए कामकाजी सतहों को साफ रखा जाए। इससे सैलून अधिक आकर्शक भी दिखाई देता है! सस्ते सामानों के लालच में नहीं पड़ें, ये न केवल बेअसर साबित हो सकते हैं बल्कि निरर्थक भी साबित होंगे। एक पेशेवर सामान इस्तेमाल करें जो आपके कार्य के लिए बनाया गया है। सतहों को साफ करने के लिए बाजार में उपलब्ध हार्ड सरफेस डिस्इंफेक्टेंट इस्तेमाल करें। वैकल्पिक तौर पर, आप काँच और शीशों को साफ करने के लिए स्प्रे किए जाने वाले सामान इस्तेमाल कर सकते/सकती हैं।

सैलून की कुर्सियाँ और शय्याएं: सैलून की अधिकांश कुर्सियाँ और शय्याएं पी.वी.सी. या विनाइल से बनी होती हैं। इनका यह फायदा है कि इनको साफ करना बहुत आसान है। लेकिन आप सही सामान का इस्तेमाल अवश्य सुनिश्चित करें। अल्कोहल (एथनॉल) की मौजूदगी रखने वाले किसी भी डिस्इंफेक्टेंट से बचा जाना चाहिए क्योंकि यह पी.वी.सी. या विनाइल के साथ क्रिया करने की संभावना रखता है, जिससे वे भुरभुरे बन सकते हैं और इस कारण अंततः वे चटक जाएंगे। जब आपके पास चटकी हुई सतह होती है तो उनका ठीक ढंग से रोगाणुनाषन करना अत्यंत कठिन है, जिसके परिणमस्वरूप ऐसी जगह बन जाती हैं जहां रोगाणु आसानी से बढ़ सकते हैं।

कुर्सियों और शय्याओं को नियमित रूप से साफ किया जाना चाहिए। हालांकि आप सोच सकते/सकती हैं कि संक्रमण का जोखिम मामूली है लेकिन फिर भी यह वहां मौजूद है और अच्छी हाउसकीपिंग से इस समस्या का उन्मूलन हो सकता है। उपकरण और औजार: क्लाईंट बदलने के बीच सभी उपकरणों और औजारों को पूरी तरह से सैनीटाइज किया जाना चाहिए (या जहां जरूरत हो वहां रोगाणुनाशित किया जाना चाहिए)। सौभाग्यवश, अब तकनीकी दृष्टि से उन्नत सामान उपलब्ध हैं जो इस कार्य को तीव्र, आसान और किफायती बनाते हैं। इस पद्धति के लिए छोटा रास्ता अपनाने की लालच नहीं पड़ें। निर्माता के निर्देशों का बिल्कुल सटीक ढंग से पालन करें। उपकरण और औजार सस्ते नहीं हैं, इसलिए खराब क्वालिटी का डिस्इंफेक्टेंट घोल इस्तेमाल करने की लालच नहीं पड़ें। सुनिश्चित करें कि धातु के आपके औजारों की रक्षा करने के लिए इसमें जंगरोधी तत्त्व मौजूद हैं।

कुछ उपकरणों को डिस्इंफेक्टेंट घोल में डुबोया नहीं जा सकता है, जैसे कि नेलफाइल। यह बहस अब भी जारी है कि क्या क्लाईंट बदलने के बीच फाइल को रोगाणुनाशित किया जाना चाहिए या प्रत्येक नए क्लाईंट के लिए एक नई फाइल इस्तेमाल की जानी चाहिए। सरल सच्चाई यह है: अगर फाइल शरीर के किसी द्रव के संपर्क में नहीं आई है तो उसे सैनीटाइज करना पर्याप्त है – एक अच्छी क्वालिटी का व्यापक श्रेणी डिस्इंफेक्टेंट स्प्रे इस्तेमाल करें। अगर फाइल शरीर के किसी द्रव के संपर्क में आई है तो उसे फेंक दें।

फर्षः फर्श को एक रोजचर्या के रूप में साफ रखना चाहिए। अगर आपके पास सख्त सतह है तो अच्छी क्वालिटी का फ्लोर डिस्इंफेक्टेंट इस्तेमाल करें। अगर आपके क्लाईंट नंगे पांव आपके फर्ष पर चलते हैं तो उपचार के बाद फर्श पर पोंछा लगाने को तरजीह दी जाए। अगर फर्श पर मोम की छोटी से छोटी बूँद तक गिर गई है तो फर्श को तुरंत साफ करें और बाल काटने के तुरंत बाद फर्श को साफ करें।

7.1.3 अपने कार्यस्थल पर खतरों की पहचान और जोखिमों का मूल्यांकन करना

इस भाग में केश एवं सौंदर्य चिकित्सा उद्योग में हर–एक व्यक्ति के स्वास्थ्य एवं संरक्षा उत्तरदायित्वों को शामिल किया गया है। आपको यह अनिवार्यतः सुनिश्चित करना चाहिए कि आपके कार्यों से कोई स्वास्थ्य एवं संरक्षा जोखिम उत्पन्न नहीं हो। कार्यस्थल पर, अगर सामानों की ठीक ढंग से पहचान न की जाए और उन्हें सुरक्षित नहीं बनाया जाए तो अनेक चीजों से दुर्घटनाएं हो सकती हैं, चोट लग या बीमारी पैदा हो सकती है।

जोखिम मूल्यांकन और नियंत्रण

जोखिम मूल्यांकन और नियंत्रण हर–एक व्यक्ति का उत्तरदायित्व है और आपकी नजर में आने वाले किसी भी स्वास्थ्य एवं संरक्षा जोखिम के बारे में तुरंत रिपोर्ट किया जाना चाहिए। आपकी स्वयं की सुरक्षा के लिए, आप जोखिम पर हमेशा कार्रवाई नहीं कर सकते हैं, और ऐसी मामलों में आपको अपने वरिष्ठ पदाधिकारी को सूचित करना होगा ताकि उस जोखिम पर कार्रवाई की जा सके।

यह अत्यंत जरूरी है कि आप 'खतरा', 'जोखिम' और 'नियंत्रण' शब्दों के अर्थ को अच्छे से समझ लें।

- खतरा एक ऐसी स्थिति जो नुकसान पहुंचान की संभावना रखती है; कोई ऐसी स्थिति जिससे एक दुर्घटना हो सकती या चोट लग सकती है।
- जोखिम यह संभावना है कि एक खतरा वास्तव में नुकसान पहुंचाएगा; खतरे के कारण कुछ खतरनाक घटित होने का खतरा।
- नियंत्रण का अर्थ वे उपाय हैं जो आप जोखिम को हटाने या उन्हें स्वीकार्य स्तर तक लाने के लिए करते हैं।

लगभग हर चीज एक खतरा हो सकती है लेकिन शायद एक जोखिम बन सकती है या नहीं भी। कुछ खतरों को 'इंतजार कर रही दुर्घटना' माना जा सकता है, क्योंकि वे इतना बड़ा जोखिम पेश करती हैं। अन्य खतरों में कम जोखिम होता है लेकिन फिर भी उनकी पहचान और उन्हें नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

मसलन, एक सैलून में, अनेक डिलीवरी दी जाती हैं। अगर सामानों के कुछ बक्सों की डिलीवरी दी जाती है और उन्हें रिसेप्शन के साथ फर्श पर दिया जाता है तो वे बक्से एक खतरा हो सकते हैं। जोखिम यह संभावना होगी कि कोई व्यक्ति उनसे टकरा कर गिर सकता है और उसे चोट लग सकती है। अगर वे बक्से सैलून के फर्श के बीचोंबीच, सीधे कर्मचारियों और क्लाईंट्स के रास्ते में रखे गए हैं तो जोखिम अधिक होगा लेकिन इन बक्सों को एक ऐसी जगह पर पहुंचा कर जहां इनके सैलून से बाहर जाने वाले लोगों के रास्ते में आने की कम संभावना है, इस जोखिम को कम किया जा सकता है।

आपको यह उन खतरों के बारे जानने की जरूरत है जो शायद आपके कार्यस्थल पर मौजूद हों, और आपको खतरों को चिह्नित करने, उनके द्वारा पेश किए जाने वाले जोखिमों की पहचान करने, और ऐसे कदम उठाने की जरूरत है कि वे आपके, आपके क्लाईंट्स या दूसरे कर्मचारियों के लिए समस्या पैदा नहीं करें।

टेबल 7.1.1 खतरा, जोखिम और नियंत्रण के उपाय

खतरा	जोखिम	नियंत्रण के उपाय
फर्श पर अनुगामी इलेक्ट्रीकल लीड	लीड में फंसना	दीवार के सहारे भागे
जला हुआ बिजली का बल्ब	बेकार रोशनी के कारण दुर्घटना	
अत्यधिक पॉलिश फर्श	फिसलना	
बुरी तरह से बिछी हुइ कारपेट	ट्रिपिंग करना	
उपकरणों और उत्पादों से अतिभारित ट्रॉलिया और डेस्क	फर्नीचर टिपिंग ओवर	
ढीले या अस्तव्यस्त सुराग कि प्लग	संभव बिजली के झटके या आग का खतरा	
अपना ध्यान केंन्द्रित किए बिना बहुत ज्यादा भागना	लोगो पर उछलना और चोट का कारण बनना	
स्टाफ अपनी वर्दी की जेब में उपकरण रखें हो	यदि कोई उस पर गिर जाए तो चोट लग जाना	
एक बार में बहुत ज्यादा रखना	देख ना सकना कि आप कहा जा रहे है जो दुर्घटना का परिणाम हो सकता है	
टूटफूट या फैलाव जो तुरन्त साफ नही हो सकें	कटौती या उसपर फिसल जाना	
अनस्टेरेजाइज टोल	क्रॉस संक्रमण	

7.1.4 स्वास्थ्य और संरक्षा के नियम

नल से गर्म और ठंडा पानी: सैलून में गर्म और ठंडे पानी के नल की लगातार सप्लाई अवष्य मौजूद होनी चाहिए। ब्यूटी थैरेपी उपचार कमरों में गर्म और ठंडे पानी के नलों के लिए अलग–अलग सिंक होनी चाहिए। लेकिन फिर भी, अगर एक बड़े उपचार कमरे को पर्दों द्वारा अलग–अलग उपचार खण्डों में बांटा गया है तो एक सेंट्रल सिंक यह काम करेगी। हाथों और औजारों को सैनीटाइज करने, सैलून को साफ करने और उपचार के विभिन्न भागों, जैसे मास्क हटाना या बालों को शैम्पू करना, के लिए पानी की सप्लाई इस्तेमाल की जाती है।

कामकाज के दौरान आपकी जिम्मेदारियाँ

पानी के साथ काम करना

अपने सुपरवाइजर को तुरंत रिपोर्ट करें, अगर:

- सिंक जाम हो गई है, ताकि वह ओवरफ्लो नहीं करें।
- नल से निकलने वाला पानी असामान्य रंग का है
- कोई रिसाव है, नल ढीला है या पाइप चटका हुआ है।

व्यवहार के नियम (नहीं करें)

- नल को चलता हुआ छोड़ना, खासतौर पर गर्म पानी का नल क्योंकि यह बर्बादी है और सैलून के लिए बहुत महंगा है और मास्क सामग्री या अन्य अर्ध–ठोस सामग्रियों को सिंक में बहाना।

कर्मचारी क्षेत्र

एक ऐसी जगह उपलब्ध कराना आपके नियोक्ता की ड्यूटी है जहां कर्मचारी विश्राम और भोजन कर सकें। एक स्टाफ रूम या अलग जगह का होना जरूरी है क्योंकि रिसेप्शन या क्लाईंट एरिया के अंदर भोजन करना स्वीकार्य नहीं है। सैलून में पीने के सामान तक क्लाईंट के आरक्षित होने चाहिए, ताकि एक पेषेवर छवि को बनाए रखा जा सके।

स्टाफ रूम में कर्मचारियों के कोट के लिए जगह और हैंडबैग एवं महंगे औजारों के लिए तरजीही तौर पर लॉकर्स होने चाहिए। एक अलग शौचालय और धुलाई सुविधा भी आदर्श है लेकिन यह हमेशा संभव नहीं होती है और कर्मचारियों को क्लाईंट्स के साथ शौचालय साझा रूप से इस्तेमाल करना पड़ सकता है। अगर ऐसी स्थिति है तो कर्मचारियों को क्लाईंट को प्राथमिकता देनी चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि वे कमरे को बेदाग छोड़कर निकलें। बैठने की आरामदायक व्यवस्था, चाय–काफी बनाने की सुविधा और एक माइक्रोवेव से सुसज्जित स्टाफ रूम से कर्मचारी कल्याण को बढ़ावा मिलेगा। केश एवं सौंदर्य उद्योग में, आप वहां क्लाईंट को सेवा उपलब्ध कराने के लिए हैं, इसलिए विश्राम करने और तनाव कम करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। अगर आप एक सफल सैलून में काम करते/ करती हैं तो आपको खड़े पैर भागना होगा। इसलिए आपके विश्राम समय के लिए आपके नियोक्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई जगह बहुत महत्त्वपूर्ण है।

7.1.5 कार्यस्थल पर सामान्य खतरे

यह उन आम खतरों की सूची है जो कार्यस्थल की सुरक्षा को प्रभावित करते हैं; यहां ऐसी अनेक अन्य परिस्थितियाँ

टेबल 7.1.2 खतरे और उन पर दी जाने वाली प्रतिक्रिया

खतरे	प्रतिक्रियाएं
आग: अधिकांश कारोबारों के लिए आग एक बहुत बड़ा खतरा है। ■ यह जानबूझकर लगाई गई है ■ यह इस कारण लगती है क्योंकि लोग आग लगने के खतरे के बारे में सतर्क नहीं ह ■ यह इस कारण लगती है क्योंकि लोग लापरवाह हैं	■ सभी उत्पादों का भण्डारण सही रूप से करें ■ फायर एग्जिट रूट बनाएं। ■ नियमित/दिन के अंत में जाँच। ■ अग्निशामक यंत्र/बचाव उपकरण

करैंट लगनाः यह खतरा बिजली के उपकरण (वायरिंग, प्लग, सार्कट, डिस्ट्रीब्यूशन बोर्ड इत्यादि) और पोर्टेबल विघुत उपकरणों (कोई भी विद्युत उपकरण) से होता है।	■ उपकरणों की नियमित जाँच ■ इंस्टालेशन की नियमित जाँच ■ योग्य व्यक्ति द्वारा निरीक्षण, रखरखाव और टेस्टिंग। ■ प्रभावी डिफेक्ट रिपोर्टिंग सिस्टम
चोरीः क्लाइंटो द्वारा स्टोर से सामान चुराना शॉपलिफ्टिंग है। प्रत्येक वर्श शॉपलिफ्टिंग से करोड़ों का नुकसान होता है।	■ क्लाइंट के संदिग्द्ध व्यवहार पर ध्यान दें। ■ सी.सी.टी.वी निगरानी को समय–समय पर जाँचे। ■ सुनिश्चित करें कि अलार्म बजने पर सक्रिय होने की पूरी प्रक्रिया से सुरक्षा गार्ड परिचित हैं।
हिंसाः यह मौखिक या शारारिक हो सकती है। चोरी, आतंकवादी गतिविधि या क्लाइंट की शिकायत के दौरान हो सकती है।	■ खतरे का अलार्म, प्रशिक्षण इत्यादि प्रदान करें ■ कैमरा ■ पुलिस या संबंधित ऑर्थोरिटी को सूचित करें।

हैं जो कार्यस्थल की सुरक्षा को प्रभावित कर सकती हैं, जैसे कर्मचारी द्वरा चोरी, लड़ाकू क्लाइंट, तोड़–फोड़ और आतंकवादी गतिविधियाँ तक। एक कर्मचारी को हर समय सतर्क रहना चाहिए और साथ ही किसी खतरे/परिस्थिति के बारे में तुरंत सुपरवाइजर या पदाधिकारियों को रिपोर्ट करना चाहिए। मसलन, आग लगने के मामले में कर्मचारी को तुरंत दमकल विभाग को सूचना देनी चाहिए या हिंसा/चोरी/डकैती/आतंकवादी गतिविधि के मामले में, पुलिस को सूचित करना चाहिए। साथ ही, अगर किसी व्यक्ति को शारीरिक क्षति पहुंचती है तो अस्पताल, या एमरजेंसी, चिकित्सा सेवाओं को सूचित किया जाना चाहिए।

7.1.6 बिजली के उपकरण

बिजली के उपकरणों को इस्तेमाल करना सुरक्षित है और उनका सुरक्षित रखरखाव किया जा सकता है। बिजली के सभी उपकरणों की अनिवार्यतः नियम से जांच की जानी चाहिए। एक व्यस्त सैलून में, यह कार्य हर छह महीने में किया जा सकता है। यह जांच कार्य एक योग्य ईलेक्ट्रीशियन या एक कुशल व्यक्ति द्वारा किया जाना चाहिए जो उस उपकरण विशेश के इस्तेमाल में प्रशिक्षित एवं अनुभवी है, मसलन, कंपनी द्वारा नियुक्त किया गया वह व्यक्ति जो उस उपकरण को सप्लाई करता है। बिजली के सभी जांच कार्यों को एक ऐसी किताब में दर्ज किया जाना चाहिए जो खासतौर पर इस कार्य के लिए रखी गई हो। तारीख और जांच करने वाले व्यक्ति का दस्तखत अवश्य दर्ज किया जाना चाहिए, उसके साथ जांच करने का कारण भी लिखा जाना चाहिए, मसलन क्या यह मरम्मत कार्य था या बस एक रखरखाव संबधी जांच थी। मरम्मत या जांच के स्वरूप के बारे में सूचना अवश्य दी जानी चाहिए। यह किताब स्वास्थ्य और संरक्षा पदाधिकारियों के निरीक्षण हेतु उपलब्ध होनी चाहिए। अगर वहां कोई खराब प्लग, घिसी हुई तार या ढीला कनेक्शन और कोई अस्थिर या खराब बत्ती है तो तुरंत अपने सुपरवाइजर को रिपोर्ट करें।

व्यवहार के नियम (करें):

- इस्तेमाल के बाद सभी मशीनों को बंद कर दें और प्लग निकाल दें
- जांच करें कि सभी उपकरण ट्रॉलियां स्थिर हैं और बेडौल फर्श पर नहीं खड़ी हैं
- तारों और केबल को सुव्यवस्थित तरीके से समेटना।

व्यवहार के नियम (नहीं करें):

- गीले हाथों से बिजली के उपकरण, प्लग या स्विच को छूना या उनके पास पानी के बर्तन रखना
- तारों को लटका हुआ छोड़ना
- ऐसे किसी उपकरण का प्लग लगाना या इस्तेमाल करना जो खराब रिपोर्ट किया गया है।

7.1.7 मुद्रा, सामान उठाना और ढुलाई करना

जो लोग अपने हाथों और कोहनियों को उठी हुई अवस्था में रखते हुए काम करते हैं, उनके लिए मांसपेशियों और अस्थिकंकाल के विकारों के प्रकट होने का अधिक खतरा होता है, खासतौर पर गर्दन और कंधों में। इसके अलावा, लगातार खड़े रहने और झुकने से आपकी पीठ के निचले हिस्से और घुटनों में दर्द भी हो सकता है। ब्यूटी थैरेपिस्ट की ड्यूटी भी ऐसी ही होती है जहां उसे अक्सर अपने हाथों को उठी हुई अवस्था में बनाए रखते हुए काम करना होता है और काम करते समय काफी लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है।

निम्नलिखित के द्वारा चोट लग सकती है:

- सामानों को उठाने के गलत तरीके
- खराब मुद्रा
- शरीर के एक ही हिस्से पर नियमित और लगातार दबाव
- ऐसे सामानों को बलपूर्वक हिलाना जो बहुत भारी हैं।

सैलून में, आपको यह एहतियात रखने की जरूरत है कि आप सामानों को किस तरह से उठाते और ढुलाई करते हैं। आपको बैठने के अपने तरीके पर भी गौर करने की जरूरत है, भले आप रिसेप्षन पर तैनात हों या कोई उपचार कर रहे हों – यह जरूरी है कि कुर्सी या शय्या ऊंचाई आपके लिए सही हो। काम करते समय, नियमित रूप से अपनी मुद्रा को बदलने में आपके षरीर को समर्थ बनाने के लिए, यह बेहतर होगा कि आप विभिन्नतापूर्ण उपचार करें। इसके अलावा, आपको यह जानने की जरूरत है कि औजारों को थामने का सही तरीका क्या है, और एक उपचार करने के बाद अपनेहाथों को आराम करने का मौका दें।

कुछ अच्छे विचार निम्नलिखित हैं:

- ऐसी शय्या और कटाई औजार इस्तेमाल करना जिनकी ऊंचाई कम–ज्यादा की जा सकती है
- कोई बड़ा, भारी या तकलीफदेह काम करते समय दूसरों की मदद लेना
- अगर आप लंबे समय तक एक ही स्थिति में बने रहते/रहती हैं तो अपने शरीर को नियमित रूप से हिलाना और तानना
- अपने हाथों को लचीला बनाए रखने के लिए कसरत करना
- अच्छी मुद्रा बनाए रखना।

चित्र 7.1.1 बैठने का सही तरीका

सामान उठाने की सुरक्षित विधि

एक कर्मचारी के रूप में, आपको जिंदगी भर झुकने और एक ही स्थिति में खड़ा रहने का समय मिलेगा और यह अनिवार्य है कि आप अपनी पीठ की देखभाल करें। सामान को सुरक्षित तरीके से उठाने का तरीका नीचे दिखाया गया है; सुनिश्चित करें कि आप इस तरीके का पालन करें।

जब कोई बड़ा या भारी सामान उठाना हो:

- घुटने पर से झुकें और उस सामान को पकड़ने के लिए दोनों हाथ इस्तेमाल करें

चित्र 7.1.2 सामान को उठाने के बारे में सोचविचार करें। सामान को उठा कर कहां रखना है? क्या आपको मदद की जरूरत है? क्या सामान को संभालने के लिए सहायक सामग्री उपलब्ध है?

चित्र 7.1.3 अपने पांवों को सामान के पास रखते हुए, अपने घुटनों पर से झुकें और अपनी पीठ को सीधा रखें। ठोड़ी को अंदर की ओर करें। सामान पर अच्छी पकड़ बनाने के लिए थोड़ा सा आगे की ओर झुकें।

चित्र 7.1.4 जब आपको सामान पर अच्छी पकड़ बनने का यकीन हो जाए तब अपने पैरों को सीधो करें और सहज तरीके से उठाएं। अपनी पीठ को सीधा बनाए रखना याद रखें।

चित्र 7.1.5 सामान को अपने शरीर के पास रखते हुए ढुलाई करें।

- सामान को उठाने के लिए अपने पैरों की ताकत इस्तेमाल करें और कभी भी पीठ पर से न झुकें, क्योंकि इससे आपकी पीठ के निचले हिस्से को नुकसान पहुंच सकता है।

7.1.8 उपकरण और क्लोथिंग

उपस्कर और वस्त्र

कामकाज के दौरान आपकी जिम्मेदारियां: उपस्कर और वस्त्र

1. कभी भी ऐसा उपकरण इस्तेमाल नहीं करें जिसका आपने प्रशिक्षण नहीं लिया है।
2. हमेशा संस्तुत रक्षक वस्त्र अवश्य पहनें।

ऐसे सभी सामान जो नुकसानदायक हो सकते हैं, अनिवार्यत:

1. निर्माता के निर्देशों के अनुसार सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल किए जाने चाहिए
2. सुरक्षित तरीके से भंडारित किए जाने चाहिए
3. छलक जाने पर सुरक्षित तरीके से साफ किए जाने चाहिए
4. सुरक्षित तरीके से फेंके जाने चाहिए।

आपको उन सभी सामानों के नाम अवष्य लिखने चाहिए जो आप इस्तेमाल करते/करती हैं, उन्हें किस तरह से प्रयोग, साफ किया जाता और फेंका जाता है (सफाई करने के सामानों सहित)। आपको यह अवश्य करना चाहिए क्योंकि आपके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सामान:

1. ज्वलनशील हो सकते हैं और अगर निगल लिए जाएं तो जहरीले साबित हो सकते हैं
2. जलन पैदा कर सकते हैं
3. तेज धुआं पैदा कर सकते हैं और अगर सांस के साथ ग्रहण कर लिए जाएं तो खतरनाक साबित हो सकते हैं व अगर छलक जाएं तो फिसलन पैदा कर सकते हैं।

एक सैलून में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न सामानों के बारे में सूचना का दर्ज करने का सबसे आसान तरीका इसे एक ऐसी तालिका में लिखना है जो स्पष्ट और पढ़ने में आसान हो। नीचे एक उदाहरण दिया गया है।

टेबल 7.1.3 सैलून में प्रयोग होने वाले उत्पाद

उत्पाद	खतरा	सही उपयोग	संग्रहण	कचरे का निपटारा	सावधानी
नेल वार्निश रिमूवर	धुएं में सास लेना अत्यधिक ज्वलनशील	धुएं में सास लेना अत्यधिक ज्वलनशील	धुएं में सास लेना अत्यधिक ज्वलनशील	धुएं में सास लेना अत्यधिक ज्वलनशील	यदि गिर जाए तो तुरंत साफ करें जैसे इसमें कुछ प्लास्टीक घुले होते है, जैसे कि कूशन फ्लोरिंग, और मार्क ट्रॉलिया और उपकरण। यदि कपड़ो पर गिर जाए तो धुए को पानी से पोंछकर कम करें।

गतिविधि

गतिविधिः सही बैठने की तकनीक और उठाने के सही तरीके का अभ्यास करें।

अभ्यास

1. पार्लर में स्वच्छता में शामिल होता हैंरू
   a. फर्श
   b. उपकरण और यंत्र
   c. कुर्सी और फर्नीचर
   d. ऊपर दिए गए सभी
2. चोरी के लिए क्या प्रतिक्रियाएं होती है?
   a. सीसीटीवी फुटैज़ को देखना
   b. संदिग्ध व्यवहार को पहचानना
   c. गार्ड के ड्यूटी पर होने को सुनिश्चित करना
   d. ऊपर दिए गए सभी
3. एक असिस्टेंट ब्यूटीशियन को सिर दर्द और मादग्रेन का सामना किसके कारण करना पड़ता है:
   a. मांसपेशियों के खिंचने से
   b. क्लाइंटों के साथ लंबी बातचीत से

c. हैयर–ड्रेसिंग

d. इनमें से कोई नहीं

4. एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट को किस चीज से चोट लग सकती है?

a. सामान को सही उठाने से

b. गलत बैठना

c. भारी सामान को सही तकनीक के साथ उठाना

d. ऊपर दिए गए सभी

5. कार्य पर आग के साथ डील करते समयः

a. संभव हो तो दरवाजों को खुला छोड़कर जाएं

b. गर्मी से जलनशील उत्पादों को दूर कर लें जैसे – एयरोसौल्ज़

c. जिसमें आग लग सकती है उसके बारे में रिपोर्ट करें

d. ऊपर दिए गए सभी

6. निम्न में से कौन से जोखिम एक सैलून में हो सकते है?

a. फर्श पर विद्युत का होना

b. अत्यधिक ट्रॉलियों का भरा होना

c. प्लग जिनकी पिन ढ़ीली हो

d. ऊपर दिए गए सभी

7. विद्युत उपकरण के साथ डील करत समयः

a. प्रयोग के बाद मशीन को बंद कर दे

b. सभी उपकरण सही स्थिर जगह रखे हो

c. तारों और केबल को सफाई से रखे

d. ऊपर दिए गए सभी

8. भारी या बड़ा सामान उठाते हुएः

a. घुटनों को मोड़े

b. ग्रिप बनाने के लिए दोनों हाथों का प्रयोग करें

c. कमर को ना मोड़े, इससे आपके कमर के निचले भाग में चोट लग सकती है

d. ऊपर दिए गए सभी

8. कार्यस्थल पर सकारात्मक छवि बनाना

यूनिट 8.1 – कार्यस्थल पर सकारात्मक छवि बनाना

यूनिट 8.2 – व्यावसायिक कौशल

यूनिट 8.3 – भाषा कौशल

BWS/N9003

मुख्य शिक्षा

इस मॉड्यूल के अंत में, आप:

1. व्यक्तिगत ग्रूमिंग के बारे में जानना
2. एक असिस्टेंट ब्यूटी थैरेपिस्ट के लिए आचार संहिता को समझना
3. संगठन के मानकों के अनुसार कार्यों को करना
4. संवाद और जाककारी का रिकार्ड रखना
5. एक समूह में प्रभावी रूप से कार्य करना
6. ग्राहक के साथ व्यावसायिक रवैया बनाकर रखना
7. निर्णय लेना, समस्या निवारण, योजना बनाना, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रियता जैसे व्सयावहारिक कौशन का ज्ञान लेना
8. भाषा कौशल के महत्व को समझना
9. अपने कार्य की भूमिका के अनुसार भाषा कौशल का अभ्यास करना
10. प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीखे गए ज्ञान का अभ्यास करना

यूनिट 8.1: कार्यस्थल पर सकारात्मक छवि बनाना

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप:

1. व्यक्तिगत ग्रूमिंग के बारे में जानना
2. टीम के साथ कार्य और क्लाइंटों के साथ व्यवहार करने की समझ हासिल करना

8.1.1 परिचय

व्यावसायिक सेवा, ऑपरेटर की प्रभावशीलता और सैलून के प्रभावी चलने के तरीकों पर निर्भर करती हैं। प्रभावी सैलून प्रक्रिया लगातार मानकों को बनाए रखती हैं, नौकरी की जिम्मेदारियों को निर्धारित करती है और यह सुनिश्चित करने में मदद करती है कि व्यस्त होने पर भी दैनिक कार्यों में से कुछ भी छुट ना जाएं। अच्छी हाउसकीपिंग सैलून की अच्छी छवी बनाए रखने और साथ ही स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी आवश्यक हैं।

8.1.2 रिसेपषन क्षेत्र

अच्छी छवी बनाने के लिए आप सुनिश्चित कर लें:

- रिसेप्शन डेस्क हमेशा साफ हों।
- हर सप्ताह में कम से कम गुलदस्तों के फूल 1 बार बदलते रहें।
- क्लाइंट के लिए वर्तमान में छपी पत्रिकाएं उपलब्ध हो।
- जितना जल्दी हो सके चाय या कॉफी के खाली कप हटा दिए जाएं।

8.1.3 स्टाफ का कमरा

स्टाफ का कमरा प्रयोग करने के बाद सुनिश्चित करें:

- सभी पुस्तकें, मैनुअल और पत्रिकाएं वापस सही स्थानों पर रखी हुई हो।
- उपयोग किए गए आपके बर्तन धुलें और वापस अपनी जगह पर रखे हुए हों।
- आपके क्लाइंट के द्वारा उपयोग किए गए बर्तन धुलें और वापस अपनी जगह पर रखे हुए हो।

8.1.4 देखभाल का वातावरण उपलब्ध करना

उपचार खत्म होने के बाद क्लाइंट को आनन्दित और आरामदायक महसूस होना चाहिए। उन्हें यह पता होना चाहिए कि आप उनसे और उनकी जरूरतों से संबंधित हैं। क्लाइंट को अपने साथ सहज महसूस कराने के लिए आपका व्यवहार अच्छा और ईमानदार होना चाहिए। जितनी अच्छी तरह आप अपनी सेवा, शिष्टाचार और अपनी क्षमता प्रदर्शित करेंगे, वह नियमित क्लाइंट बनने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करेगी।

देखभाल का वातावरण उपलब्ध करने के लिए आपको जरूरत हैं:

- कार्य और अन्य लोगो के प्रति सकारात्मक रवैया प्रदर्शित करना।
- एक साफ अच्छी उपस्थिति देना।
- क्लाइंट और एक दूसरों के लिए सहायक और विनम्र रवैया पेश करना। हमेशा क्लाइंट को सूचना देना भले ही आप फोन पर हो या किसी और के साथ।
- व्यवहार और आचरण के उच्च व्यक्तिगत स्तर हों।
- समयनिष्ठ, विश्वसनीय और कुशल रहें। यदि आप सैलून के लिए लेट हो जाते हैं तो तुरंत सैलून में सूचित करें। यदि आप निर्धारित समय से पीछे चल रहें हैं तो, क्लाइंट को अपनी देरी की वजह बताएं। असुविधा के लिए माफी मांग लें और किसी को भी दोष ना दें।
- अपने ग्रहक को आश्वस्त करें और अपने व्यवहार से उन्हे सहजता दें।

8.1.5 क्लाइंट को आरामदायक महसूस कराना

क्लाइंट की शारीरिक सुविधा क्लाइंट की सेवाओं का मुख्य हिस्सा हैं। एक व्यवसायिक होने के नाते आपको जरूरी है:

- क्लाइंट के पढ़ने के लिए सामान्य पत्रिकाएं उपलब्ध कराना
- चाय और कॉफी के साथ जलपान के एक विकल्प की पेशकश रखें।
- सुनिश्चित करलें अगर जरूरत हो तो हीटिंग/एअरकंडीशनिंग हर सुबह चालू हो।

8.1.6 संचार

सभी सजीव प्राणी एक दूसरे से संचार करते हैं। उनमें से केवल मनुष्य ही भिन्न–भिन्न माध्यमों से संचार करता है। संचार भाषण, लेखन, दृश्यों, संकेतों, व्यवहार आदि के द्वारा अपने भावों व जानकारी को किसी के सामने प्रकट करने की विधि है। जब एक व्यक्ति किसी की बात या संदेश को पूर्णतः समझ ले तो संचार की प्रक्रिया को पूर्ण माना जाता है। संचार की प्रक्रिया के चार प्रमुख घटक चित्र में दर्शाये गये हैं:

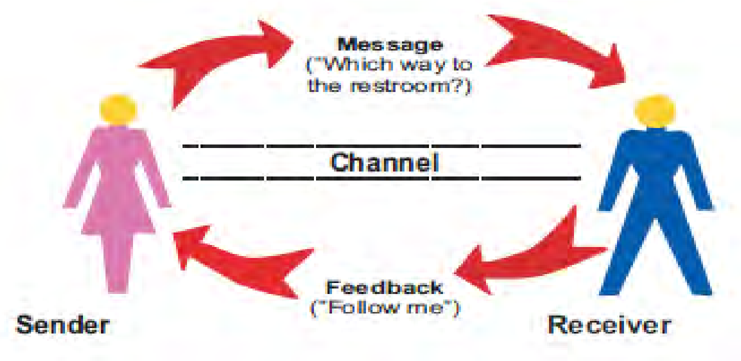

चित्र 8.1.1 संचार की प्रक्रिया

टेलीफोन का जवाब देना

ऑपरेटर की टेलीफोन तकनीकों द्वारा सैलून के लिए विचार विमर्श गठित किया जाता हैं और बेकार टेलीफोन सेवा द्वारा हम क्लाइंट को खो सकते हैं। क्लाइंट सेवा के उच्च स्तर प्रदान करने के लिए अच्छी टेलीफोन तकनीकों का उपयोग करना आवश्यक हैं।

टेलीफोन के द्वारा बात करना

टेलीफोन पर बात करना व्यक्ति से सम्मुख बात चीत करने से बहुत ही कम अलग हैं। फोन पर आप सिर्फ सुन सकते हैं(आवाज की मात्रा, आवाज, स्वर,) ना की देख सकते हैं(चेहरे के भाव, इशारे, शरीर की भाषा)। टेलीफोन पर बात चीत लगभग 25% शब्द और 75% टोन, एवं शब्दो के बोलने के तरीकों पर। इसलिए टेलीफोन पर बात करते समय जो आप नहीं देख सकते असकी पूर्ति करने की आवश्यकता हैं।

आपकी आवाज

टेलीफोन पर बात करते समयः

- स्पष्ट रूप से बात करें
- मुखपत्र में सीधे बात करें
- यदि आप बैठे हैं अनेकता ना आए, आपका आसन आपकी आवाज को प्रभावित कर सकता हैं।
- कार्यकुशल रहें लेकिन सहायक और हंसे भी।

आपके शब्द

अपने शब्द ध्यान से चुनें क्योंकि सुननेवाला आपको देख नहीं सकता। नाम समय तारीख, फोन नंबर दोहराएं एवं जांच लें।

आपकी शरीर की भाषा

क्या फोन नमस्कार के साथ उत्तर दिया गया हैं? क्या वह व्यक्ति खुश, ऊबाउ, या परेशान हैं, आप यह पूछ सकतें हैं। अपने बारे में प्रचार करते समय हंसे यह आपको कॉल प्राप्त करते समय आपकी ध्वनि को सन्तुष्टित करने में आपकी मदद करेगी। शरीर की भाषा का उपयोग करें हालांकि आप देखें नहीं जा रहें अन्यथा आपकी आवाज अस्वाभाविक लगेगी।

- मुस्कुराएं हालाकि यह देखा नहीं जा रहा, यह सुना जाएगा।
- आप अपनी आँखें किसी चीज पर केन्द्रित करलें यह आपको संचार पर आपका ध्यान केंन्द्रित करने में आपकी मदद करेगा।
- शरीर की भाषा को पहचाने उदाहरण के लिए रूक जाना और सांस लेने के पैटर्न।

टेलीफोन पर बात करने की कठिनाइयां

- दूसरे व्यक्ति को ना देख पाना।
- शोर–आपके या आपके क्लाइंट के पीछें या लाईन पर
- विकर्षण– यदि आप फोन पर हैं तो कोइ आपका ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहा हो
- भाषा– खराब उच्चारण या अपरिचित लहज़ा

इन कठिनाइयों को कम करने के तरीके

- सक्रिय रूप से सुने
- किसी भी विकर्षण पर अपनी पीठ मोढ़ लें
- अपने चारों और शोर को कम रखें
- फोन कॉल पर पूरी तरक ध्यान केंन्द्रित रखें

- स्पष्ट रूप से बात करें
- समझने के लिए जांचें

फोन का जवाब देना

जहां कही संभव हो केवल तीन रिंग पर ही कॉल को उठाने की कोशिश करें। तीन रिंग आपको समय देती हैमसच लवनघ्श

- जो आप कर रहे हो, उसे रोकने के लिए समय मिलना।
- फोन पर उत्तर देने के लिए तैयार होना।

कुषलता से फोन का जवाब देना, फोन का जवाब देते समयः

- मुस्कुराऐं
- सुप्रभात या नमस्कार करें
- अपने सैलून का नाम अच्छे से बताएं।
- नोट लिखने के लिए कलम और कागज तैयार रखें
- फोन करने वाले को ध्यानपूर्वक सुनें
- फोन करने वाले की जरूरतों को पूरा करने के लिए सवाल पूछें
- सभी जानकारियां सही हैं सुनिश्चित करने के लिए प्रासंगित जाकारियां दोहराएं।

ध्यान रखेंः आपको यह नहीं पता कि कॉफ की अंत तक कौन हैं, और आप पहला प्रभाव भी नहीं देख सकते।

क्लाइंट की आवष्यकताओं पर प्रतिक्रिया देना – टेलीफोन पर प्रष्न पूछें

प्रश्नों को रचनात्मक और नियंत्रण से वार्तालाप में पूछना एक अच्छे टेलीफोन की तकनीकों में आता हैं।

प्रष्नों के प्रकार	कॉल प्राप्त करते समय	उदाहरण
खुले	कॉल के वर्ग को प्रमाणित करना।	मैं आपकी कैसे मदद कर सकता हूँ?
नजदीकि	जानकारियों को स्थापित और पुष्टि करना।	क्या आप आज की अपोईनमेंटलेना चाहते हैं?
जांच पड़ताल	आवश्यकताओं के विशिष्ट विवरण बटोरना।	वास्तव में आप आज अपने बालों में क्या करवाना चाहते हैं?
चिंतनशील	बातों को समझना	तो क्या में आज 2:30 बजे फेशियल के लिए श्रीमति शर्मा और बालों के कलर के लिए सुमन के साथ आपकी अपोईनमेंट लिख दूँ?
नजदीकी	रूपांतरण को समाप्त करना।	क्या मैं आपकी श्रीमति शर्मा के साथ कुछ और मदद कर सकती हूँ? फोन करने के लिए धन्यवाद।

एक ही तरंग दैर्ध्य पर रहें। जिसने फोन किया हैं उसकी जरूरत के अनुसार बात करें। फोन करने वाले व्यक्ति को विभिन्न जरूरते होंगी।

एक फोन करने वाला जोः

- जल्दि में हो और चाहे कि आप जल्दि और कुशल बोलें
- जिसे शिकायत हो, जो समझ और कार्रवाई दोनो चाहें
- जो परेशान हो और आपकी सहानुभूति की जरूरत हो

संदेष लेना

- कुछ समय लोग सैलून में ऑपरेटर से बात करने के लिए फोन करते हैं जो कि अनुपस्थित होता है, तो वह संदेश छोड देते हैं। इस स्थिति में संदेश लिखना आवश्यक होता है। अपनी याददाश्त पर भरोसा ना करें।
- सभीं संदेश बहुत ही साफ और सही ढ़ंग से लिखे होने जरूरी हैं। सही संदेश लेना बहुत ही आसान हैं और इसमें शामिल हैं:
    - जिसको संदेश भेजना है, उस व्यक्ति का नाम
    - कॉल का नाम
    - रिटर्न फोन नंबर
    - संदेश की जानकारी
    - कॉल का समय
    - कॉल की दिनांक
    - कॉल उठाने वाले का नाम

स्टाफ के लिए निजि टेलीफोन के नैतिक गुण

- संदेश प्राप्त कर के रिसेन्शन डेस्क पर रख दें। यह आपकी जिम्मेदारी है कि ब्रेक में उन्हें जांच लें।
- इमरजेंसी कॉल लिया जा सकता हैं, लेकिन अपने मित्रों और परिवार में बता दें कि केवल इमरजेंसी स्थिति में ही कॉल करें।
- सैलून की कॉल ना ले पाएं इालिए कृपया अपनी कॉल कम करें या असूविधाजनक व्यक्ति जिसे आपकी लाईन व्यस्त मिलें।
- लंच ब्रेक में कोई भी मोबाईल का प्रयोग किसी भी निजि कॉल के लिए उपयोग किया जा सकता हैं। कृपया बाकी के समय अपना मोबाईल बन्द कर के स्टाफ रूम में रख दें।

8.1.7 असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट के लिए आचार संहिता

सैलून में सभी कर्मचारियों से उचित आचरण के मानकों को अनुरूप करने की उम्मीद की जाती हैं, जो व्यावहारिकता को प्रतिबिंबित करती है।

- दूसरों को सम्मान दें और निष्पक्ष और विनम्र रहें। अन्य स्टाफ या सैलून की आलोचना न करें।
- ईमानदार रहें और अपने शब्दों पर बने रहें।
- व्यवहार शिष्टाचार प्रयोग करें।
- गैर कानूनी भेदभाव या उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए और तुरंत सूचित किया जाना चाहिए।
- धर्म, राजनीति, किसी अन्य व्यक्ति के सेक्स जीवन, गपशप या शपथ लेना, के बारे में बात करना अनूचित हैं।

विनम्रता

किसी भी उपचार का अंतर्विरोध निदान हो जाने के बाद, स्थिति का विनम्रता और संवेदनशीलता के साथ संभालना महत्वपूर्ण हैं। आपका क्लाइंट शर्मिला और अपने हालात को लेकर शर्मिंदा हो सकता, और यदि आप मददगार रहें तो आपकी प्रशंसा कर सकता हैं। आपको करना चाहिए:

- स्थिति को लेकर जोर से बात ना करें
- क्लाइंट को आश्वस्त करें और उपलब्ध उपचारों के बारे में सूचित करें
- व्यावसायिक और केयरिंग व्यवहार बनाए रखें

सहिष्णुता और सम्मान

असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट होने के नाते आप विभिन्न लोगो के संपर्क में आएंगे और हर बार आप उनसे सहमत या उनके मूल्यों को नहीं समझेंगे। हालॉकि आपको विभिन्न मूल्यों को समझने की जरूरत है और दूसरों की बातों का सम्मान जो आपसे अलग सोचते हैं।

पक्षपात न दिखाना आवश्यक है, उदाहरण के लिए जातिय या धार्मिक अनुदारता। हमारे पास कानून है जो किसी अन्य व्यक्ति के साथ लिंग, जाति, विक्लांगता, धर्म, यौन अभिविन्यास या राजनातिक मान्यताओं के आधार पर किए गए भेदभाव को अवैध बता सकती हैं।

गोपनीयता

क्लाइंट आपके साथ अपने निजी जीवन के बारे में भी चर्चा कर सकता हैं। आपकों हमेशा विनम्र व सुनते रहना चाहिए। जब क्लाइंट आप में विश्वास रखता हैं तो, यह आवश्यक है कि आप उसके विश्वास को बनाए रखें और उसकी बातों को ना दोहराए ।

- क्लाइंट के साथ अपने व्यवसायिक स्वभाव के बारे में ना भूलें।
- यदि संभव हो तो, अपने क्लाइंट को अत्यंत निजी और सूचना बताने से रोकें।
- इसी तरह, आप अपने क्लाइंट को भी अपनी निजी परेशानियों के बारे में ना बताएं। याद रखें कि वह आपके सैलून में अपने बालों को बनवाने और जाते समय अच्छा महसूस करने के लिए आए हैं।

8.1.8 स्वच्छता और व्यक्तिगत उपस्थिति

एक असिस्टेंट ब्यूटी थैरेपिस्ट अपने क्लाइंटो के साथ बहुत निकटता में काम करता हैं। थैरेपिस्ट की सांस की दूर्गंध और शरीर की गंध दोनो ही क्लाइंट के लिए बहुत अप्रिय हैं। व्यक्तिगत स्वच्छता के उच्च स्तर का अभ्यास आवश्यक है।

- काम पर जाने से पहले हर सुबह नाहें।
- हमेशा अपने बाल बनाएं। साफ बाल, छोटे और उच्छे से बने हुए बाल बनाए रखें।
- नियमित रूप से सफाई और दंत चिकित्सा सावधानी द्वारा अपने दांत और मसूड़े स्वस्थ रखें। आपकी सांसे कैसे गंध देती है, इस पर ध्यान रखें। बहुत ही ज्यादा स्वादिष्ट आहार ना खाएं।
- धूम्रपान ना करें।
- अपने नाखूनों और हाथों को अच्छी व्यवस्था में रखें। नाखूनों को होना चाहिए:
- ब्यूटी/स्पा/मसाज थैरेपिस्ट के लिए छोटे और अनपॉलिश होने चाहिए।
- हेयर ड्रेसर और नेल टेक्निशियन को ध्यान पूर्वक नाखूनों को पॉलिश करना चाहिए।
- क्लाइंट को सेवा देने से पहले अपने हाथ साफ कर लें। खाना खाने, धूम्रपान, और शौचालय जाने के बाद अपने हाथ साफ कर लें।
- अच्छा खाना खाए और स्वास्थ आहार लें और बहुत ज्यादा परिश्रम करें
- बहुत से सैलून और स्पा में आपको काम करते समय यूनिफॉर्म देते हैं। आप उस वस्त्र की सफाई को बनाए रखने और
- उसकी उपस्थिति के लिए आप जिम्मेदार होंगे। साफ, इस्त्री की हुई वर्दी/कपड़े पहने।

- हल्का डे मैक–अप करें, ज्यादा चमकदार या भारी नहीं।
- पुरूषों की शेव बनी हुई होनी चाहिए।
- स्वच्छ, कार्यात्मक जूते पहने और अपने रोजाना जूतों से सैलून के जूतें अलग रखें।

8.1.9 इन चीजों से बचें

कुछ आदतें जिनका आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। स्वस्थ जीवन के लिए ऐसी आदतों से बचना चाहिए। इनमें शामिल हैं:

मघपान

शराब का सेवन कोई भी व्यक्ति कठिन परिस्थिति से निपटने व बुरा महसूस करने से बचने के लिए करता है। मघपान के दुष्प्रभावों में शामिल है:

- हदय रोगो में बढ़ोतरी, कैंसर, शरीर की प्रतिरोधी शक्ति का कम होना, यकृत में इंफेक्सन (सिसोसिल) इत्यादि है।
- काम में मन न लगना और प्रदर्शन में कमी।
- आर्थिक और सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी।
- घबराहट, कंपकंपाहट, चक्कर आना, सिर दर्द और तनाव इत्यादि लक्षण दिखना।

तंबाकू

तंबाकू विश्व में मृत्यु का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। इससे प्रत्येक 6 सैकेण्ड में एक मृत्यु होती है। इसके दुष्प्रभाव हैं:

- यह मुँह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण हैं जिससे मुँह, जीभ, गाल, मसूड़े और होंठ प्रभावित होते हैं।
- तंबाकू चबाने से व्यक्ति की सूंघने व चखने की क्षमता का नाश होता है।
- धूम्रपान करने वाले व्यक्ति को फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना अधिक होती है।

गुटखा

इसके प्रत्येक पाउच में 4000 रसायन शामिल होते हैं, इनमें से 50 कैंसर का कारण होते है, सुपारी, तंबाकू, फ्लेवरिंग आदि।

गुटका के स्वास्थ्य पर प्रभावः

- जीभ की संवेदनशीलता कम होना।
- विकृत मुंह।
- गर्मी, ठंड, और मसाले के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि।
- मुंह खोलने में असमर्थता।
- मसूड़ों पर या मुंह के अंदर अन्य स्थानों में सूजन या गांठ बनना।
- मुंह में बिना वजह खून निकलना।
- खाना निगलने में कठिनाई और अंत में मुंह का कैंसर।

8.1.10 टीम के रूप में प्रभावी ढ़ग से काम करना

ब्यूटी सैलून का लक्ष्य क्लाइंटों की एक स्वस्थ और सुखद पर्यावरण द्वारा उनकी जरूरतों और आशा को पूरा करना हैं, फलतः व्यापार को बढ़ावा देना। सैलून के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, आप और आपके सहयोगियों को एक समान लक्ष्य की ओर सैलून में एक साथ काम करने के तरीकों से सहमत होने की जरूरत हैं।

सैलून की टीम अधिक और कम गुणों के लोगो से बनी होनी चाहिए और यह आवश्यक हैं, सभी के गुणों का पूरा उपयोग करने का और कमजोरियों को सुधारने की जरूरत है।

एक टीम विभिन्न व्यक्तित्व द्वारा भी बनाई जा सकती हैं और एक टीम के रूप में काम करते समय सभी के लिए आवश्यक है कि मिल कर काम करें। एक टीम तभी प्रभावकारी हो सकती है जब सभी टीम के सदस्य समान रूप से काम कर रहें है, महसूस करें और यदि कुछ टीम के सदस्य दूसरों से कम काम कर रहें है तो असंतोष का निर्माण हो सकता है। सुनिश्चित कर लें आप ज्यादा से ज्यादा काम कर एक प्रभावी टीम के सदस्य है।

नियमित टीम की बैठक व्यावसाय में एक अच्छा रिश्ता बनाने में मदद करेगा जैसे कि किसी भी समस्याओं को व्यापार की तरह मंच पर हल किया जा सकता है।

टीम का एक प्रभावी सदस्य कैसे बनें

एक सैलून में सम्मिलित होने पर आप टीम के सदस्य बन जाएंगे और सैलून के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए आप, आपने सहयोगियों तथा अन्य टीम के सदस्यों के साथ काम करने के लिए अपेक्षित किए जाएंगे।

एक अच्छी टीम है:

- स्पष्ट उद्देश्य और दिशा की समझ
- योजना और कार्रवाई का अच्छा संतुलन
- लोगों की सही संख्या
- अच्छा संचार
- नम्रता और सहनशीलता
- स्पष्ट नौकरी के नियम
- विनोदपूर्णता
- कौशल का सही मिश्रण
- अच्छे सुनने के कौशल और विचारों के आदान प्रदान
- उत्साही, प्रतिबद्ध टीम के सदस्य
- स्पष्ट लेकिन निर्णायक नेता

यदि हम गैर जिम्मेदार रहें तो यह पूरी टीम को प्रभवित कर सकता हैं।

टीम की स्प्रिट को खो दिया जा सकता है:

- यदि टीम का एक सदस्य अपना अकेले का काम करता है, यह एक टीम के रूप में काम करना नहीं है।
- यदि संचार में कोई खराबी हो तो
- यदि टीम के सदस्य दूसरो की गलतीयों के प्रति नम्र और सहनशील हो।
- जब कुछ लोगों के लिए बहुत ही अधिक कार्य हो।
- जब कार्य की भूमिका व्यक्ति के कौशल के अनुकूल ना हो।

एक टीम के सदस्य होने के रूप में, यह पता करने की आपकी जिम्मेदारी है:

- सैलून में कितने कर्मचारी मौजूद हैं

- कौन किस चीज के लिए जिम्मेदार है
- जानकारी और सहायता के लिए कौन जाएगा

याद रखें

- अपने अनुसार दूसरों के साथ व्यवहार करें
- उस नौकरी को करने की प्रयास ना करें जिसके लिए आप प्रशिक्षित नही हो रखें
- गलतियों को छुपाने की कोशिश ना करें यह केवल चीजों को खराब बनाएगा।
- यदि आप अनिश्चित हैं तो किसी भी कार्य को पूरा ना करें
- हमेशा सहयोगी जिसे ज्यादा अनुभव हो या प्रधिकारी के साथ जांचे जिससे कि आपको सही जानकारी मिलें।
- हमेशा यह सुनिश्चित कर लें कि आपसे क्या पूछा जा रहा हैं। ध्यान पूर्वक सुनने की क्षमता एक महत्वपूर्ण कौशल हैं। आपको समझ में आ रहा है, अपने सर को हिला के यह स्पष्ट करें।

8.1.11 अपनी जिम्मेंदारियों की सीमा में रहकर कार्य करना

जब हम सैलून में कार्य करते है तो हमें प्रत्येक कार्य को सैलून के मानकों के अनुसार करना होता है।

परिदृष्या

जब सहयोगी आपको पूरे सिर की ब्लीच करने को शुरू करने को कहें और आप ऐसा करने से सहमत होते हैं। आप उत्पाद मिला चुकें हो और जब स्टाइलिस्ट आपको हाईड्रोजन परऑक्साइड की बहुत कम मात्रा का उपयोग करने को कहें तो परिणाम के रूप में बाल बहुत जल्दि नहीं बढ़ेंगे। वह उत्पाद को फिर से मिलाने जाएगी और फिर से शुरू करेगी। जैसे कि वह दो बार उत्पादों का उपयोग करेगी और क्लाइंट को सिर्फ 1 के लिए चार्ज कर सकती है आपको अपनी पहले की गई गलत आवेदन के लिए बिल चुकाना होगा।

अपने समूह में, इस स्थिति से कैसे बचा जा सकें चर्चा करें।

परिदृष्यख

जब सहयोगी आपको सप्लायर को फोन करने और कुछ स्टॉक का आदेश देने के लिए कहें। आपके आदेश अनुसार जान कर स्टॉक आपके पास बहुत अधिक आता है। कंपनी फालतू स्टॉक को वापस नहीं करेगी और सैलून का मालिक आपसे ज्यादा खुश नही होगा क्योकि उसको उस स्टॉक के लिए चुकाना होगा, जो वह चाहता ही नहीं।

अपने समूह में, इस स्थिति से कैसे बचा जा सकें चर्चा करें। अपनी जिम्मेदारी की सीमा के बारे में सोचे।

क्लाइंटों के साथ उचित व्यवहार

एक ब्यूटीशियन के रूप में आपका काफी समय क्लाइंटों के साथ डील करने में चला जाता है। आपका व्यवसाय क्लाइंटों की संख्या जो सेवाएं लेने आते है आदि पर निर्भर करता हैं। क्लाइंटों के साथ डील करते समय उनकी पसंद को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण होता है। क्लाइंटों के साथ डील करते समय, हमेशा ध्यान रखें:

- ग्राहकों की पसंद और निर्णय को ध्यान में रखना। किसी को भी विशेष सेवा लेने के लिए मजबूर ना करें। आप केवल सलाह ही दें सकते है ना कि जोर–जबरदस्ती कर सकते हैं।
- यदि कोई क्लाइंट कोई विशेष सेवा नहीं लेना चाहता है तो उसे सलाह दें, बुरा महसूस ना करें और इसका आपके द्वारा दी जाने वाली सेवा पर कोई असर नहीं होता हैं और कभी भी क्लाइंटों के साथ व्यक्तिगत ना हो।
- सहकर्मियों या फोन पर प्रक्रिया शुरू होने से पहले क्लाइंट के साथ व्यक्तिगत बातें ना करें।

- क्लाइंट के शिकायत करने पर शांत रहें। बचने की कोशिश ना करें। आपको हमेशा माफी भरे भाव में रहना होता है और मुफ्त सेवा या छूट देनी होती है।
- हमेशा गर्मजोशी औसर आदर भाव के साथ स्वागत करें। आपकी इशारे आपके खुश होने की ओर संकेत करने चाहिए।
- यदि आप घर जा रहे हो और क्लाइंट आ जाए तो विनम्र भाव के साथ उसे अगले दिन के लिए आने को कहें। देर होते समय कोई भी सेवा ना दें।
- क्लाइंटों या लोगों के सामने कर्मचारियों को लेकर कोई बात ना करें और कार्यअनुसार, क्लाइंट के धार्मिक विश्वास का सम्मान करें व वरिष्ठ और विकलांग लोगों पर विशेष ध्यान दें।

गतिविधि

गतिविधि 1 – निजी आत्म मूल्यांकन

अपनी व्यक्तिगत शक्तियों और कमजोरियों को पहचानने के लिए व्यक्तिगत आत्म मूल्यांकन करें।

अभ्यास

1. व्यक्गित के लिए व्यक्तिगत ग्रूमिंग में शामिल होता हैंरू
   a. नहाना और शॉवर लेना
   b. बालों का ध्यान रखना
   c. नाखूनों की देखभाल
   d. ऊपर दिए गए सभी
2. क्लाइंट के साथ सही व्यवहार के गुण होते हैं:
   a. क्लाइंट के साथ गर्मजोशी व्यक्त करना
   b. उसके विकल्प पर ध्यान ना देना
   c. आपके साथ सहमत ना होने पर उदास होना
   d. इनमें से कोई नहीं
3. तंबाकू सबसे बड़ा कारण है:
   a. बाहरी कैंसर
   b. त्वचा का कैंसर
   c. मलेरिया
   d. इनमें से कोई नहीं

4. जब क्लाइंट उपस्थित पर आपको क्या नहीं करना चाहिए:
   a. च्यू गम चबाना
   b. धूम्रपान करना
   c. व्यक्तिगत कॉल या टेक्स्ट उठाना
   d. ऊपर दिए गए सभी
5. एक ब्यूटी असिस्टेंट के रूप में आपके कपड़ो को होना जरूरी हैं:
   a. बहुत छोटा
   b. बहुत तंग
   c. आरामदायक जो गतिविधियों को असान कर दें
   d. बहुत फैशन वाला
6. डेटा संरक्षण गतिविधियां जो कि असिस्टेंट ब्यूटी थैरेपिस्ट से उम्मीद की जा सकें:
   a. क्लाइंट रिकॉर्ड कार्ड/विवरण का सहीं संग्रह
   b. क्लाइंट की जानकारीयों को ना बांटे
   c. क्लाइंट की व्यक्तिगत जानकारी को सहीं ढंग से रखना
   d. ऊपर दिए गए सभी
7. क्लाइंट के प्रति पेशेवर नैतिकता के हिस्से के रूप में आपको जरूरी हैं कि:
   a. उनकी जरूरतो को पूरा करने वाले सेवाओं अथवा उत्पादों की सलाह दें
   b. सभी क्लाइंटों से बराबर व्यवहार करें
   c. अपने क्लाइंट को ना छोड़े
   d. ऊपर दिए गए सभी
8. क्लाइंट को अभिवादन व विचार विमर्श करते समय, आपको जरूरी है:
   a. ओखों के संपर्क बनाए रखना
   b. अपना परिचय देना
   c. हंसना
   d. एक अच्छी मुद्रा और अच्छा फर्म हेंड शेक करना
   e. पर दिए गए सभी
9. क्लाइंट गोपनीयता के तत्वो में शामिल है:
   a. डेटा संरक्षण, क्लाइंट के विश्वास को बनाए रखना

a. क्लाइंट के व्यक्तिगत विवरण, रिकॉर्ड को सावधानी से रखना

b. कार्ड

c. संवेदनशील डेटा को पष्ट करने का उचित तरीका

d. ऊपर दिए गए सभी

10. क्लाइंट की शिकायतों से निपटते समयः

a. विनम्र, एक पेशेवर रूप में रहे

b. किसी वरिष्ठ थैरेपिस्ट या प्रबंधक को बुला लें, अगर जरूरत हो

c. एक शांत तरीके से स्थिति को हल करें

d. शिकायतों को रिकॉर्ड कर लें

e. ऊपर दिए गए सभी

टिप्पणी

यूनिट 8.2: व्यावसायिक कौशल

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप:

1. क्लाइंट के प्रति व्यावसायिक व्यवहार रखना
2. व्यावसायिक कौशल के महत्व को समझना

8.2.1 परिचय

असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट के रूप में शुरुआत करने के साथ–साथ आपको अपने व्यवहारिक कौशल का विकास करना भी आवश्यक है। मजबूत कार्य नीति बताती है कि व्यक्ति स्व:प्रेरित, कार्य को व्यवसायकि तरीके से करने वाला तथा निर्णायक है। इन सभी गुणों का आप में होना आवश्यक है क्योंकि ये इस उद्योग में सफलता की कुँजी हैं। मजबूत कार्यनीति में सबसे पहला चरण स्वप्रेरणा है। स्वप्रेरणा किसी व्यक्ति की इच्छा, उम्मीद व लक्ष्य को पाने की योग्यता है।

अपने सैलून के लिए आचार संहिता का पालन व विकास करने से, आपके क्लाइंट आपके पास बार–बार आयेंगे, उनको आपका व्यवहार अच्छा लगेगा तथा आपका व आपके सैलून का सम्मान करेंगे।

8.2.2 निर्णय लेने और समस्या निवारण के कौषल

समस्या निवारण प्रत्येक कार्य का जरूरी हिस्सा हैं असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट होने के नाते, आप विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करेंगे जहां आपको निर्णय लेने की जरूरत होगी। उदाहरण के लिए– उपकरणों का काम करना बंद कर देना या उनमें खराबी आ जाना, काम करने की असुरक्षित जोखिम से भरी परिस्थितियां व सुरक्षा उल्लंघन आदि ेजमचे पद

निर्णय लेने व समस्या निवारण के चरण

1. सुनिश्चित करें कि वास्तव में समस्या है।
2. समस्या की पहचान करें।
3. वैकल्पिक समाधान ढूँढें।
4. प्रत्येक विकल्प के नुकसान व फायदे देखें तथा विकल्पों में से किसी एक को चुनें।
5. चुने गये समाधान को अपनायें।
6. समाधान का मूल्यांकन करें।

एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट होने के नाते आप:

- समस्या के अनुसार सोचें, संभावित उपाय का मूल्यांकन करें तथा सबसे अच्छे उपाय का सुझाव दें।
- तकनीकी समस्याओं से परेशान क्लाइंटों को उचित व्यक्ति के पास भेजें।
- बड़ी समस्या के लिए कोई स्थायी समाधान ढूँढें जिससे क्लाइंट को ज्यादा समय तक परेशान न होना पड़े।

निम्न परिदृश्यों की कल्पना कीजिए: गुस्से में एक क्लाइंट सैलून में प्रवेश करता है और 1 महीने पहले किया गया पर्मस्खलित हो चुका है और असमान कर्ल परिणाम स्वरूप उत्पन्न हो गए है शिकायत करता है। वह पैसे वापस करने की मांग करता हैं। यह आपकी अधिकार की सीमा के भीतर नहीं है, तो यहां ऐसी कुछ मुश्किल स्थितियों को हल करने के कुछ दिशा निर्देश हैं।

- संवेदी रहें और क्लाइंट को ध्यानपूर्वक सुने
- उन्हें विनम्रता से बैठने के लिए कहें और किसी अधिकृत व्यक्ति को उनसे बात करने के लिए ढूंढे।
- अपने नियोक्ताओं या कर्मचारियों का सबसे उच्च सदस्य को सूचित करें कि रिसेप्शन पर एक क्लाइंट अपने पहले किए गए पर्म की समस्या को लेकर बात करना चाहता है।
- तब आपको इस स्थिति से संबंधित अधिक से अधिक जानकारी अपने वरिष्ठ सहयोगि को देनी चाहिए जिससे कि वह क्लाइंट से सुशक्षित हो कर बात कर सकें।
- आपको निम्न चर्चा पर उपस्थित रहना चाहिए जिससे कि आप जान सकें कि समस्या को कैसे हल किया जा सकता हैं। अगर पूछा जाए तो केवल हल निकालने के लिए कहें।

यहाँ कुछ बिंदु है जिन्हें आपको नहीं करना चाहिए:

क्लाइंट के साथ गुस्सा ना करें

- असभ्य ना हो उसके बालों के साथ कुछ गलत नहीं हुआ हैं बताएं उन्हें।
- झूठ ना बोलें और उनसे कभी नही कहें कि यहाँ कोई नहीं हैं तथा उनकी समस्या को हल करने के लिए उन्हे छुट्टी के दिन आने के लिए कहें।

दूसरी स्थिति में, नियमित क्लाइंट सैलून में उपचार के लिए बिना अपोईनमेंटके आता हैं। आपको अपने क्लाइंट को कभी भी अप्रिय और नीचा महसूस करने का प्रयास नहीं करना चाहिए। यदि वास्तव में क्लाइंट को उस समय उपचार प्रदान करना संभव नहीं है तो एक अपोईनमेंट करें। यह देर से आने वाले क्लाइंट के लिए या फिर जहाँ स्टाइलिस्ट बहुत अधिक बुक हो चूका हो वहा भी लागू होगा।

दोबारा से तय की गई अपोईनमेंट दो तरीको से काम कर सकती हैं। यह कर्मचारियों की बिमारी की वजह से भी हो सकती हैं, क्लाइंट को किसी अन्य समय दिया जा सकता हैं। यदि आप हमेशा क्लाइंट के साथ खुले, वास्तव में क्षमाप्रार्थी ढ़ंग,से बात करते है तो बहुत से क्लाइंट नम्र पेश आएंगे।

जब क्लाइंट बुकिंग में परिवर्तन करते हैं तो, फिर से विनम्र रहें। यदि समय इजाजत दें, क्लाइंट की जरूरते समायोजित हो सकें तो ऐसा कर लें। रिसेप्शनिस्ट को जागरूक रहने की जरूरत है जिससे कि समय समयावधि दोबारा से बुक ना हो जाए। विनम्रता एक नये और अवृत्ति व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए शैली हैं।

8.2.3 नियोजन व संगठन

नियोजन का अर्थ है उद्देश्य निश्चित करना तथा उन्हें पाने के लिए कार्रवाई का पथ तैयार करना। व्यवस्थित करना प्रबंधन का एक हिस्सा है जिसमें उद्देश्यों की उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिए संगठनात्मक ढाँचा तैयार करना और मानव संसाधनों का आवंटन शामिल है। अपने दैनिक कार्यों के नियोजन के लिए, आपको अपने कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर बांटना होगा और समय पर उन्हें पूरा करना होगा।

कार्यों की प्राथमिकता निष्चित करना

कुशल कार्य के लिए, हमें अपने कार्यों की प्राथमिकता निश्चित करनी होगी। आइए देखते हैं कि इसके संभावति चरण क्या हैं। पहले चरण में कार्यों को सूचीबद्ध किया जाता है। दैनिक कार्यों की एक लिस्ट तैयार करें। कुछ सामान्य कार्य होते हैं जो प्रतिदिन या सप्ताह में एक बार किये जाते हैं। जब भी आपको नये काम दिये जाते हैं तो उन्हें तुरंत लिस्ट में लिखें। एक बार सूची के कार्यों को पूरा करने के बाद, आप महत्त्व के अनुसार कार्य करने के लिए तैयार हो जायें।

- क्लाइंट की पूछताछ का जवाब देना डिस्प्ले में उत्पादों को लगाने से अधिक महत्त्वपूर्ण है।
- कैरियर जाने वाले दस्तावेजों का समय से पूरा होना सामान्य एंट्री करने से अधिक महत्त्वपूर्ण है।
- कुछ कार्य दी गई समय सीमा के अंतर्गत पूरे हो अनिवार्य हैं जैसे– बैंक बंद होने से पहले, समय से मेल भेजना या पूर्वनियोजित मीटिंग में उपस्थित होना।

यही कार्यों को प्राथमिकता देना कहलाता है।

एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट होने के नाते आपको करना चाहिए:

- प्राप्त फीडबैक और दस्तावेज़ों का नियोजन और संगठन करना।
- ब्यूटी सैलून प्रक्रियाओं के आधार पर दैनिक कार्यों के लिए योजना बनाना और व्यवस्थित करना।
- क्लाइंट के बुकिंग समय समय के अनुसार सभी आवश्यक सामग्री को व्यवस्थित करना, जिससे कार्य के समय किसी भी प्रकार की देरी ना हो।
- लाइंट के रिकार्ड, ट्रीटमेंट और उत्पाद के स्टॉक स्तर को सटीकता के साथ बनाए रखना।
- फीडबैक को सकारात्मक भाव से स्वीकार करना।

8.2.4 समय प्रबंधन

समय प्रबंधन का अर्थ है समय का प्रभावी रूप से बंटवारा ताकि किसी निश्चित क्रियाकलाप को निश्चित समय दिया जा सके। प्रभावी समय प्रबंधन के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को कार्य के महत्त्व के आधार पर एक निश्चित समयान्तराल के लिए एक कार्य सौंपा जाता है। समय के सीमित होने के कारण, उसके बहतर उपयोग के लिए समय प्रबंधन किया जाता है। प्रभावी समय प्रबंधन में शामिल हैं:

- उद्देश्यों व लक्ष्यों के निर्धारण के लिए प्रभावी योजना बनाना।
- कार्यों को प्राथमिकता देना व जिम्मेदारियों का बंटवारा।
- सही काम में समय का सही उपयोग करना तथा समय की बर्बादी जैसे– गपशप मारना, फालतू चाय पीना आदि से बचना।

आपकी प्राथमिकताएं एकदम स्पष्ट हो सकती हैं– क्लाइंट को सेवा प्रदान करना व दैनिक हाऊसकीपिंग के कार्य। इसलिए आपकी लिस्ट में सबसे ज्यादा प्राथमिकता क्लाइंट सेवा को दी जानी चाहिए। अपनी व्यक्तिगत प्रभाविता को बिगाड़ने का सबसे बड़ा दुश्मन समय बर्बाद करना है। इसमें शामिल हैं:

- अव्यवस्थित होना– कार्य शुरु करने से पहले उसके बारे में न सोचना व योजना न बनाना।
- न कहने में असमर्थ होना– ज्यादा कार्यभार लेने का कारण परिणाम का शून्य होना भी हो सकता है।
- कार्य के समय व्यक्तिगत कॉल उठाना। कार्य के समय केवल जरूरी कॉल ही उठायें।
- निर्देशों को सुनने व समझने में असफल होना।
- कार्य को अधूरा छोड़ना। काम में रुचि न लेना, उदास रहना।
- आसानी से विचलित हो जाना, या दूसरे सदस्यों के साथ व्यक्तिगत तथ्यों पर बातचीत करने में ज्यादा समय बर्बाद करना।

किसी व्यस्त सैलून में विभिन्न सेवाओं को करने के लिए कहा और निर्देश दिए जाएंगे। जल्दि से परिणाम प्राप्त होने में आपकी नौकरी की सूची में वस्तुओं और निर्देशों की संख्या सम्मिलित हो सकती है।

यहां आपकी मदद करने के लिए कुछ दिशा निर्देश हैं:

- अपनी कार्य की एक सूची बनाए जो आपको करने के लिए कहे गए हैं
- किसी संबंधित व्यक्ति के साथ जांचे कि आपने सब कुछ लिख लिया हों
- प्राथमिकताएं क्या है पूछें मतलब क्या पहले करने की जरूरत हैं।
- जिन नौकरी/सेवाओं को पहले करना हैं उन्हे अंकित कर लें।
- यदि आप किसी भी कार्य को पूरा करने को लेकर अनिश्चित हैं, तो शुरू करने से पहले किसी अन्य टीम के सदस्य के साथ पुष्टि करें।
- यदि सूची आप को दी जाती है और आपको लेखन समझ ना आए तो अपने सहयोगी को देखने के लिए बोलें।

जरूरी व महत्त्वपूर्ण मैट्रिक्स

इस मैट्रिक्स की सहायता से आप अपने लक्ष्यों का नियोजन व निर्धारण कर सकेंगे तथा कंपनी की अपेक्षा के अनुरूप आप कार्य कर पायेंगे:

1. क्या किया जाना चाहिए?
2. किस काम की योजना बनानी चाहिए?
3. किस काम का विरोध करना चाहिए?
4. किस काम को नकार देना चाहिए?

1. तत्कालिक व महत्त्वपूर्ण कार्य	2. गैरतत्कालिक व महत्त्वपूर्ण कार्य
तुरंत करें: ■ क्लाइंट की शिकायत व आपातकालीन कार्य ■ वरिष्ठों के अनुरोध ■ नियोजित कार्य ■ वरिष्ठों व सहकर्मियों के साथ मीटिंग	**करने के लिए योजना बनायें:** ■ स्टोर में उत्पादों की डिस्प्ले के लिए योजना बनायें ■ रोजाना के कार्यों की समयसूची बनायें ■ सामान को व्यवस्थित करें ■ क्लाइंटों का ब्यौरा बनायें
3. तत्कालिक व अमहत्त्वपूर्ण कार्य	**4. गैरतत्कालिक व अमहत्त्वपूर्ण कार्य**
Rम्श्रम्ब्ज ।छव म्च्ऋ।प्छ ■ दूसरों के छोटे–छोटे निवेदन ■ आभासी आपात स्थिति ■ कार्य के समय उत्पन्न गलतफहमी ■ व्यर्थ की दिनचर्या व गतिविधियां	**विरोध व संघर्श करें** ■ आराम करने वाली गतिविधियां ■ कंप्यूटर गेम, इंटरनेट चलाना ■ फालतू सिगरेट पीने जाना ■ मैसेज, गपशप या सामाजिक संचार में लगना ■ व्यर्थ व अनावश्यक सामग्री पढ़ना

8.2.5 क्लाइंट केंद्रीयता

क्लाइंट केंद्रीयता का मतलब स्टोर खोलना, वहां उपस्थित होना, उत्पाद रखना या पैसा लेना नहीं है। क्लाइंट केंद्रित होने का मतलब है सब कुछ करना– क्लाइंट क्या लेकर जाता है से लेकर, स्टोर का माहौल जहां क्लाइंट आता है और क्लाइंट की मदद करने के विभिन्न तरीके जो सभी क्लाइंटो व सैलून में आने पर उनके अनुभव पर केंद्रित होते हैं और यह दृष्टिकोण न केवल बाहरी क्लाइंटों (दैनिक क्लाइंट, अक्सर आने वाले क्लाइंट, पक्षकार) तक सीमित है अपितु आंतरिक क्लाइंटों पर भी लागू होता है।

एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट होते हुए आपको:

- शान्त स्वभावी, शिष्ट व अच्छी सेवा देने योग्य होना चाहिए।
- निराश, भ्रमित व नाराज क्लाइंटों से अच्छे संबंध बनाने चाहिए।
- क्लाइंट केंद्रित होना चाहिए।
- साफ–सुथरी व्यवसायिक वर्दी, कंघी किये बाल, अच्छे जूते, व्यक्तिगत रूप से स्वस्थ व स्वच्छ (नहाये हुए) मुँह साफ (दाँत साफ व दुर्गंध रहित) होने चाहिए।
- सैलून के कार्यस्थल को वैद्यानिक स्वास्थ्य व स्वच्छता के मानकों के तहत साफ व स्वच्छ रखना चाहिए।
- आसपास की दीवारों व अपने हाथों को साफ रखें तथा उपयोग के बाद फेंकने वाले उत्पादों का प्रयोग करें व उपकरणों को अच्छी तरह से साफ करना चाहिए।
- स्टोरेज़ / डिस्पोज़ल / उत्पादों का सही उपयोग, आग से सुरक्षा या आग लगना, स्वच्छता अभ्यास, बेकार चीजों को फेंकना व वातावरण की देखभाल का प्रबंध करना चाहिए।
- उत्पादों का उपयोग व उन्हें संभालना तथा उपकरणों को कंपनी के मानकों के अनुसार चलाना चाहिए।

गतिविधि

1. अपने अनुभव के अनुसार किसी परिस्थिति के लिए एक निर्णय लेने का लेख लिखें।

....

....

....

2. अपने लिए तत्कालिक व महत्त्वपूर्ण मैट्रिक्स बनायें।

....

....

....

3. क्लाइंट केंद्रीयता का क्या मतलब है?

....

....

....

अभ्यास

1. .... निम्न में से कौन सा एक समय को प्रभावी रूप से व्यवस्थित करने में सहायता करता है?

   a. समय प्रबंधन

   b. ग्राहक केंद्रीयता

   c. निर्णय लेना

   d. योजना और व्यवस्था

2. निम्न में से कौन से समय को बर्बाद करते है?

   a. अव्यवस्थित होना

   b. निजी फोन कॉल करना

   c. निर्देशों को ना मानना

   d. ऊपर दिए गए सभी

3. तत्कालिक ना होकर लेकिन महत्वपूर्ण कार्यो में शामिल होते हैं:

   a. दैनिक गतिविधियों को समझना

   b. ग्राहक की समस्या

c. कार्य को गलत समझना

d. सिगरेट पीने के लिए बाहर जाना

4. महत्वपूर्ण नहीं लेकिन तत्कालिक कार्यो में शामिल होते हैं:

a. पर्यवेक्षकों/वरिष्ठों के साथ मीटिंग

b. ग्राहक की जानकारी को व्यवस्थित करना

c. दैनिक गतिविधियों/रूटीन को करना

d. बाते करना/सोशल मीडिया पर चेटिंग करना

5. महत्वपूर्ण और तत्कालिक नहीं होने वाले कार्यों में शामिल हैं:

a. कम्प्यूटर गेम, नेट सर्फिंग

b. पर्येवेक्षकों की डिमांड

c. आपात स्थिति आना

d. इनवेंट्री बनाना

6. निर्णय लेने और समस्या को निपटाने में क्या चरण शामिल होते हैं?

a. पहचानना कि कहा समस्या है

b. अन्य कोई विकल्प ढूढना

c. चुने गए समाधान को लागू करना

d. ऊपर दिए गए सभी

7. .... में उद्देश्यों की स्थापना और कोर्स का निर्धारण करना शामिल होता है:

a. समय प्रबंधन

b. ग्राहक केंद्रीयता

c. निर्णय लेना

d. योजना और व्यवस्था

8. प्रभावी समय प्रबंधन में शामिल होता हैं:

a. उद्देश्यों और लक्ष्यों को पाने के लिए प्रभावी योजना बनाना

b. गतिविधियों और कार्यों की जिम्मेदारियों को प्राथमिकता देना

c. सही कार्यों पर सही समय देना

d. ऊपर दिए गए सभी

9. महत्वपूर्ण और तत्कालिक कार्यों में शामिल हैं:
    a. पर्यवेक्षकों की डिमांड
    b. इंवेंट्री को व्यवस्थित करना
    c. आराम वाली गतिविधिया करना
    d. दूसरों के अनुरोधा को सुनना

टिप्पणी

यूनिट 8.3: भाषा कौषल

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आपः

1. भाषा कौशल को समझना
2. भाषा कौशल के महत्त्व को जानना

8.3.1 संचार कुशलता

एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट के नाते आप क्लाइंट को प्रथम मिलते हैं। इसलिए आपके बोलने का तरीका, सुनने के कौशल और क्लाइंट की आवश्यकताओं को समझना महत्वपूर्ण होता है। यह सत्र इन्हीं को समझने के ऊपर आधारित हैं।

संचार क्यों महत्वपूर्ण हैं?

- व्यक्तिगत तथा व्यवसायिक जीवन में यह आवश्यक तत्व हैं।
- आत्मविश्वास की ओर प्रेरित करता हैं।
- व्यपारिक तथा सामाजिक जीवन में सम्मान बढ़ाना।
- मित्र बनाने में सहायक।
- व्यक्तित्व में विशिष्ट सुधार होता है।
- योग्यता दर्शाता है।

8.3.2 संचार कौशल

सुनना

अपने क्लाइंट की ओर ध्यान दें ताकि आप यह जान सकें कि वह क्या बोल रहा है और क्या दिखा रहा है। क्लाइंट की बात सुनते समय आप क्लाइंट से उनके काम, गतिविधि व गृहस्थ जीवन के बारे में बात कर सकते हैं जिससे आपको पता चल जाता है कि आप उसके लिए क्या कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि एक लड़की किसी पार्टी के लिए तैयार हो रही है और वह आपको पार्टी के मुख्य दृश्यों के बारे में बता सकती है तो प्रभावी रूप से सुनकर आप यह पता लगा सकते हैं कि उसे किस प्रकार का मेक–अप चाहिए।

बोलना

बोलना आपकी आवाज और शब्दों द्वारा आपके विचारों को दूसरे लोगों तक पहुँचाने में मदद करता है। एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट के लिए बोलना क्लाइंट को समझाने, उत्पादों व सेवाओं के बारे में सूचना देने में मदद करता है तथा प्रभाविशेष सेवा देने में मदद करता है।

एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट के नाते आपको निम्नलिखित की आवश्यकता हैः

- कार्यसूची, समयसूची व कार्यभार पर अपने सहकर्मियों के साथ चर्चा करें।
- क्लाइंट से समस्या को समझने के लिए ठीक प्रकार से प्रश्न करें तथा उसका समाधान ढूँढें।
- अपने क्लाइंट को बताते रहें कि कितना कार्य पूरा हो चुका है।
- यदि आवश्यकता नहीं है तो क्लाइंट से बात करते समय फालतू शब्दों के इस्तेमाल से बचें।
- व्यवसायिक, व्यवहारिक, शान्त, आदरपूर्ण, संवेदनशील बने रहें तथा हमेशा मदद के लिए तैयार रहें।
- साफ व श्पष्ट तथा शिष्टता से बोलें। क्लाइंट से व्यवसायिक संबंध बनायें।
- क्लाइंट की गोपनीयता का ध्यान रखें तथा उनसे बात करते समय ध्यान से सुनें व बोलने के लिए क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग करें।

पढ़ना

पढ़ना एक विशेष योग्यता है जिससे कोई भी व्यक्ति लिखित संदेशों को पढ़ सकता है तथा उनके द्वारा बातचीत कर सकता है।

एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट के नाते आपको पढ़ने के लिए निम्नलिखित की आवश्यकता है:

- अपने कार्य से संबंधित सभी जानकारी व सूचना नियमित रूप से पढ़ें।
- क्लाइंट द्वारा लिखी गई पूछताछ को पढ़ें।
- बिलिंग की समस्या को समझने व सुलझाने के लिए अपने पढ़ने के कौशल का प्रयोग करें।
- बाहरी चीजों जैसे ब्लॉग व वेबसाइट तथा संगठन के द्वारा दी गई उत्पादों व सेवाओं से संबंधित जानकारियों को पढ़ें।
- जानकारी के लिए ब्रोशर, पेम्फ्लेट व उत्पाद सूचना शीट का अद्यतन करें।
- प्रक्रियाओं को समझने, बनाये रखने व उनके संचार के लिए तथा तकनीकों, रिकॉर्ड व नीतियों को जानने के लिए संदर्भ पढ़ें व लिखें।

समझ

जब आप अपने क्लाइंटों की जरूरतों के बारे में उनसे बात कर रहे हैं, तो उसे संक्षेप में लिखें और क्लाइंट के सामने उसे दोहरायें। यदि सभी चीजें अभी भी ठीक से साफ नहीं हैं तो सुनिश्चित करें कि आपने क्लाइंट से उचित प्रश्न पूछ लिए हैं तथा जो स्टाइल आपने उनके लिए चुना है उसे क्लाइंट को दिखायें।

क्लाइंट को अपनी बात समझाने में उसकी मदद करें, ध्यान रखें कि आप साफ व सीमित शब्दों का इस्तेमाल ही कर रहे हैं। फालतू शब्दों का प्रयोग करने से बचें। यदि क्लाइंट कहता है कि उसके बाल पीछे से हल्के करने हैं। आपको लगा कि बालों की लम्बाई कम करनी है लेकिन उसका कहना था कि बालों को पतला करना है। यह आपकी समझ और उनके बोलने में बहुत बड़ा अंतर है और क्लाइंट की असंतुष्टि का कारण बन सकता है।

लिखना

लिखना संचार का एक माध्यम है जिसके द्वारा किसी भाषा को विशेष अक्षरों व ठोढ़ीहों में लिखकर प्रदर्शित किया जाता है। एक असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट के नाते आपको लिखने के लिए निम्नलिखित की आवश्यकता है:

- क्लाइंटों, उपचार, चैकलिस्ट, उत्पादों के स्टॉक आदि की जानकारी को ठीक प्रकार से लिखकर रखना।
- प्रक्रियाओं को समझने, बनाये रखने व उनके संचार के लिए तथा तकनीकों, रिकॉर्ड व नीतियों को जानने के लिए अतिरिक्त सामग्री पढ़ें व लिखें।

गतिविधि

1. चार लोगों का समूह बनाए और चर्चा करें कि यदि कोई क्लाइंट सैलून में आकर ब्राइडल मेक–अप के बारे में पूछेगा तो आप कैसे बात करेंगे। बताएं कि आप क्लाइंट से कैसे बात करेंगे, क्या जानकारी आप प्रदान करेंगे और आप उसे कैसे आपके द्वारा दी जा रही उच्च सेवा का लाभ लेने के लिए मनाऐंगे। दों को क्लाइंट बनना है और अन्य दो को एक असिस्टेंट ब्यूटीशियन की भूमिका निभानी है। संचार कौशल का प्रयोग करें।
2. दो लोगों का समूह बनाए और दिखाएं कि आप एक क्लाइंट द्वारा मेल मिलने पर जिसमें उसने सैलून में वैक्सिंग के दौरान एक अस्सिटेंट ब्यूटीशियन द्वारा उसकी एक बाजू जलाने की शिकायत की है, अब आप उसका निवारण कैसे करेंगे। पढ़ने और लिखले के कौशल का प्रयोग करें।
3. दो लोगों का समूह बनाए। एक को असिस्टेंट ब्यूटीशिसन और दूसरे को क्लाइंट की भूमिका निभानी है। एक व्यक्तिगत स्क्रिप्त तैयार करें। क्लाइंट को खुद के द्वारा ली जाने वाली सेवाओं की सूची बनानी है और उसे असिस्टेंट ब्यूटीशियन के सामने पढ़ना है। असिस्टेंट ब्यूटीशियन को फिर सुनने के कौशल का प्रयोग करना है और क्लाइंट के द्वारा बताई जा रही सेवाओं के अनुसार सामान को एकत्रित करना है।

गतिविधि

1. .... कौशल आपको अपनी आवाज का प्रयोग करके अपनी बातों और आइडिया को दूसरे तक पहुंचानाः
   a. सुनना
   b. बोलना
   c. पढ़ना
   d. लिखना
2. .... माध्यम आपको संकेतों के द्वारा बात करने में सक्षम बनाता हैः
   a. सुनना
   b. बोलना
   c. पढ़ना
   d. लिखना
4. प्रभावी बोलने के 5 कारकों को लिखिएः
   a. ______________________________
   b. ______________________________
   c. ______________________________
   d. ______________________________
   e. ______________________________
5. सैलून में संदेश देते समय आपको किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए, सूची बनाएं।

____

____

Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

B&WSSC
BEAUTY & WELLNESS
SECTOR SKILL COUNCIL

9. कार्यक्रम की समाप्ति और शुरूआत करना

यूनिट 9.1 – साक्षात्कार
यूनिट 9.2 – साक्षात्कार के प्रश्न/एफएक्यू
यूनिट 9.3 – मेरी सीख

मुख्य शिक्षा

इस मॉड्यूल के समाप्त होने के बाद, आप:

1. साक्षात्कार क्या है?
2. साक्षात्कार के प्रश्न (एकएक्यू)

यूनिट 9.1 साक्षात्कार

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के समाप्त होने के बाद, आपः

1. साक्षात्कार क्या है?

9-1.1 साक्षात्कार का महत्व

- साक्षात्कार अपनी सामर्थ्य, उपलब्धियों और व्यक्तिगत गुणों को दिखाने का एक अवसर है।
- साक्षात्कार, उम्मीदवार एवं नियोक्ता के मध्य सामंजस्य (तालमेल) समझने के लिए, (दो–तरफ़ा) पारस्परिक बातचीत एवं संपर्क का अवसर प्रदान करता है।
- साक्षात्कार एक कदम है जो प्रत्येक व्यक्ति को नौकरी प्राप्त करने के लिए देना होता है। अतः प्रत्येक को साक्षात्कार में उपस्थित होने के लिए पूर्ण रूप से तैयार होना चाहिए।

9.1.2 साक्षात्कार की प्रक्रिया

किसी भी साक्षात्कार में उपस्थित होने के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखेंः

- अभिवादनः चेहरे पर मुस्कान रखें और नम्रता से गुड मॉर्निंग या गुड आफ्टरनून (जो भी उचित हो) कहकर साक्षात्कारकर्ता को सम्बोधित करें। हाथ मिलाते समय (यदि अवसर मिलता है) आत्मविश्वास के साथ साक्षात्कारकर्ता से आँखें मिलाएं।
- परिचयः साक्षात्कार आरम्भ होने से पहले साक्षात्कारकर्ता या साक्षात्कार देने वाला अपना संक्षिप्त (बुनियादी) परिचय देता है, उदाहरणार्थ– नाम बताना, पद बताना आदि।
- संक्षिप्त वार्तालापः साक्षात्कारकर्ता एवं साक्षात्कार देने वाले के बीच होने वाली पहली बातचीत।
- प्रश्नः इसमें सभी प्रकार के प्रश्न, चाहे वे सामान्य हों या विशेश, शामिल हैं जो साक्षात्कारकर्ता या साक्षात्कार देने वाला पूछता है। इन प्रश्नों पर हम अगले अध्याय में विस्तार से चर्चा करेंगे।
- सारांशः साक्षात्कार समाप्त होने से पहले साक्षात्कारकर्ता या साक्षात्कार देने वाला, साक्षात्कार के दौरान दोनों के मध्य हुई बातचीत को संक्षेप में दोहराकर, साक्षात्कार को समाप्त करता है।
- साक्षात्कार की समाप्तिः साक्षात्कार की समाप्ति के समय साक्षात्कार देने वाले को संक्षेप में अपनी क्षमताओं के बारे में फिर से दोहराना चाहिए और उन्हें साक्षात्कार में प्रत्येक साक्षात्कारकर्ता को अलग–अलग धन्यवाद करें और संपर्क जानकारी के लिए अनुरोध करें अगर आपको पता नहीं है।
- धन्यवाद व फोलो–अपः 24 घंटे के भीतर एक औपचारिक पत्र या ई–मेल द्वारा धन्यवाद का पत्र–व्यवहार करना आवश्यक है। नियुक्ति के निर्णय की स्थिति जानने के लिए साक्षात्कार देने वाले को समय–समय पर उसका फोलो–अप लेना चाहिए। यह साक्षात्कार के समय नियोक्ता व साक्षात्कार देने वाले के बीच तय की गई समय सीमा में होता है।

9.1.3 साक्षात्कार के महत्त्वपूर्ण तथ्य

नीचे दिए वाक्यों को पढ़ें और एक साक्षात्कार के समय 'क्या करें' और 'क्या न करें' के रूप में चिह्नित करेंः

टेबल 9.1 क्या करें और क्या ना करें का एक सैम्पल

वाक्य	करें	ना करें
अपने आप में रहना		
बात करते समय डकार लेना		
बहुत ज्यादा मेकअप लगाना		
साक्षात्कार के लिए सही समय पर पहुँचना		
एकदम से केबिन या ऑफिस में घुस जाना		
रिसेप्शनिस्ट को अभिवादन करना भूल जाना या अभिवादन का जवाब न देना		
बोलने से पहले सोचना		
पहले से ही कंपनी की वेबसाइट देख लेना		
सोचने के लिए समय लेना		
साक्षात्कार के दिन भड़कीले/चमकीले रंग के कपड़े पहनना		
अपने सामर्थ्य/क्षमताओं पर ज़ोर देना		
साक्षात्कारकर्ता के साथ बहस करना		
साक्षात्कार के दौरान च्यूइंगम चबाना		
अपने शैक्षिक और कार्य अनुभव की समीक्षा करना/के बारे में बताना		
अपने कागज़ों/दस्तावेज़ों को लापरवाही से फाइल में रखना		
साक्षात्कारकर्ता को धन्यवाद करना/देना		
'उन्हें मेरी ज़रूरत है' ऐसा रवैया रखना		
अच्छी शारीरिक भाषा का उपयोग करना		
एक वाक्य में उत्तर देने की कोशिश करना (सामान्यतः प्रश्न पर निर्भर)		
अपने रिज़्यूम की एक कॉपी अपने पास रखना		
साक्षात्कारकर्ता का नाम याद रखना		
बड़े और भारी आभूषण पहनना		
स्वयं की प्रशंसा करना		
बातचीत का अभ्यास करना		
मानव–भावना को दिखाना (यह साक्षात्कारकर्ता की वरिश्ठता साक्षात्कार पर निर्भर करता है)		
अपनी बारी का इंतज़ार करते हुए बालों में उंगलियाँ घुमाना		
अच्छे तरीके से अपनी आलोचना स्वीकार करना		
ईमानदारी और चतुराई से जवाब देना		
स्वयं को तैयार करना		
घबराते हुए हाथ मिलाना		

च्यूइंगम न चबाना		
24 घंटों के भीतर पत्रव्यवहार करना		
साक्षात्कार के दौरान मुस्कुराना		
साक्षात्कार संक्षेप में न दें		
अपने वेतन से सम्बन्धित प्रश्न पूछना		

अभ्यास

1. क्या आपने कभी साक्षात्कार दिया है? उसमें क्या हुआ? आपके अनुसार साक्षात्कार में क्या होता है?

____

____

____

____

टिप्पणी

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

यूनिट 9.2 साक्षात्कार के प्रश्न (एफएक्यू)

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के समाप्त होने के बाद, आपः

1. साक्षात्कार प्रक्रिया के दौरान प्रभावी ढंग से प्रश्नों के उत्तर देने के महत्व को समझना

9-2.1 साक्षात्कार में पूछे जाने वाले प्रश्न

1. अपने बारे में कुछ बताएं

या

अपने बायोडाटा के अनुसार कुछ बतायें

- सामान्यतः यह प्रश्न किसी भी साक्षात्कार में पूछे जाने वाला पहला प्रश्न होता है।
- इस प्रश्न का मूल उद्देष्य वार्तालाप को आरम्भ करना और उम्मीदवार को सहज महसूस कराना होता है।

इस प्रश्न का उत्तर अपनी पारिवारिक पश्ठभूमि, शैक्षिक योग्यता एवं कार्य अनुभव के बारे में जानकारी देने के साथ शुरु करें। प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई बातों पर ध्यान दें। इस प्रश्न का उत्तर देते समय आत्मविश्वास का ध्यान रखें। आत्मविश्वास के साथ बात करें और बिना किसी हिचकिचाहट के स्पष्ट रूप से बोलें। 2 मिनट से अधिक बोलने की कोशिश न करें।

उदाहरण 1:

मेरा नाम कखग है। मैं नई दिल्ली में रहता हूँ। मैंने क ख ग स्कूल से बारहवीं तक शिक्षा ली है। मेरे पिताजी एक दुकानदार हैं और मेरी माताजी एक गश्हणी हैं। मुझे 'डी इ एफ' लिमिटेड कंपनी में कार्य करने का एक वर्श का अनुभव है। मुझे फुटबॉल/क्रिकेट खेलना और फिल्म देखना पसन्द है।

उदाहरण 2:

मेरा नाम क ख ग है। मैं श्रीनगर में रहती हूँ। मैंने क ख ग स्कूल से बारहवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की है। मेरे परिवार में मेरे पिता, मेरी माता और एक बड़ी बहन है। मेरे पिता का व्यवसाय है और मेरी माता एक स्कूल अध्यापिका हैं। मेरी बहन भाषा प्रशिक्षक का कार्य करती हैं। मैं फुटबॉल की बहुत बड़ी प्रशंसक हूँ। मैं अपने स्कूल की फुटबॉल टीम की कैप्टन थी।

2. आप स्वयं को एक व्यक्ति के रूप में कैसे परिभाषित करेंगे?

या

आप किस प्रकार के व्यक्ति हैं?

इस प्रश्न का मुख्य उद्देश्य यह देखना है कि आपमें वे सब गुण हैं या नहीं जो एक नियोक्ता अपने कर्मचारी में देखना चाहता है, जैसेः– अपने कार्य के प्रति निष्ठावान, परिश्रमी इत्यादि। अपने ऐसे ही किसी एक गुण को चुनिए और अपने उत्तर के रूप में प्रस्तुत करें। इस प्रश्न का उत्तर एक पंक्ति में होना चाहिए।

उदाहरण 1:

मैं एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हूँ और सीखने की लगन रखता हूँ।

उदाहरण 2:

मैं एक मेहनती व्यक्ति हूँ और टीम में काम करना पसन्द करता हूँ।

3. तीन वर्षों बाद आप स्वयं को कहाँ देखते हैं?

या

आप तीन वर्षों के बाद अपने आप को कहां देखना चाहते है?

इस प्रश्न का उद्देष्य यह देखना है कि आप कितने महत्वाकांक्षी हैं और आपकी कंपनी के प्रति कितनी स्थिरता है।

4. आपकी सबसे बड़ी विशेषता क्या है?

या

आपकी क्या–क्या क्षमताएँ हैं?

इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए उस पद की आवश्यकताओं का विश्लेशण करें जिस पद के लिए आपने आवेदन किया है और उन गुणों की एक सूची बनाएँ जो उस पद पर कार्य करने के लिए एक व्यक्ति में होनी चाहिए।

उन गुणों में से वे गुण चुनें जो आप में हैं और उन गुणों को अपने उत्तर के रूप में प्रस्तुत करें। उदाहरण के लिए – रिटेल और बी पी ओ उद्योग में नौकरी/कार्य करने के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति में होने वाले कुछ गुण हैं: धैर्य, अंग्रेजी भाषा में कुशल, सुनने की अच्छी क्षमता, सकारात्मक दशष्टिकोण, टीम में काम करना इत्यादि।

यह प्रश्न अक्सर पूछा जाता है इसलिए इस प्रश्न के उत्तर की पूरी तैयारी पहले से ही कर लें।

उदाहरण:

दूसरों के साथ बात करने का कौशल मेरी सबसे बड़ी क्षमता है। मैं सभी प्रकार के लोगों के साथ अच्छे से कार्य कर सकता हूँ और यह भी समझता हूँ कि प्रत्येक का कार्य और योजना के प्रति अलग–अलग दशष्टिकोण है। इसलिए जब मैं अन्य लोगों के साथ काम करता हूँ तो यह समझता हूँ कि प्रत्येक व्यक्ति अलग–अलग प्राथमिकताओं और उद्देश्यों के साथ आते हैं। मैं हमेशा इन बातों को ध्यान में रखता हूँ जबकि मैं कोई ऐसा कार्य करता हूँ जिसे पूरा करने के लिए सावधानियों व शुद्धि करण की आवश्यकता होती है तथा जिस पर पहले से कोई कार्य कर रहा होता है।

कुछ क्षमताएं जो आप में होनी चाहिएंः–

- परिश्रमी होना
- समय का पाबन्द होना
- दृढ़ संकल्प
- प्राथमिकताओं को समझने में समर्थ
- अपनी असफलताओं से निपटना और अपनी गलतियों से सीखने की कोशिश करने की क्षमता
- अपने कार्य के प्रति वचनबद्ध होना
- नई बातों को सीखने की लगन
- टीम प्लेयर होना और अन्य लोगों के साथ अच्छे से कार्य करना

5. आपकी कमजोरियां क्या हैं?

प्रत्येक व्यक्ति में कुछ कमियाँ होना सामान्य है। यह महत्वपूर्ण है कि उन्हें पहचाने एवं उनमें सुधार के लिए प्रयास करें। इसलिए, यदि साक्षात्कार में आपसे यह प्रश्न पूछा जाता है तो शान्त रहें और अपनी कमियों को स्वीकार करें। इस प्रश्न का उत्तर देने के दो तरीके हैं:

a) स्वयं से संबन्धित कमियां बताएँ जैसेः– "मैं एक बहुत भावुक व्यक्ति हूँ और मैं फिल्म देखते समय कई बार भावुक हो जाता हूँ।"

b) मुझे लगता है कि मैं अपनी तकनीकी कौशल पर और अधिक काम कर सकता हूँ क्योंकि मुझे विश्वास है कि यह मेरे कैरियर में मुझे मदद करेगा।

उदाहरणः

मुझे और अधिक धैर्यपूर्ण बनने के लिए कार्य करना होगा और मुझे स्वयं को विश्राम भी देना होगा क्योंकि मैं हमेशा सभी कार्य एक बार में ही पूरा करना चाहता हूँ।

6. क्या आपको शिफ्ट में काम करने में कोई परेशानी है? क्या आपको कोई स्वास्थ्य संबन्धी समस्या है? एक बी पी ओ के लिए कार्य करने का अर्थ है कि आप को देश से बाहर के ग्राहकों के लिए अलग–अलग समय पर कार्य करना होगा जिसके कारण कई बार आपको शिफ्ट में काम करना होगा और आपको इसके लिए तैयार रहना होगा। अगर आपको कोई स्वास्थ्य संबन्धी समस्या है जिसके कारण आपको शिफ्ट में काम करने में परेशानी हो सकती है उसे स्पष्ट बताएँ।

7. आप अपने संवाद कौशल का मूल्यांकन कैसे करेंगे? लगभग प्रत्येक नौकरी में बात करने/संवाद कौशल की महत्वपूर्ण भूमिका है। कुछ नौकरियों में ज़रूरत होती है आंतरिक रूप से अपनी टीम के सदस्यों, बॉस या प्रबंधन के साथ बात करने की और कुछ नौकरियों में ज़रूरत होती है ग्राहको से बात करने की।

उदाहरणः

मेरा संवाद कौशल काफी अच्छा है। मैं सुनकर, पढ़कर एवं लिखकर मेरी संवाद कौशल विकसित करने के अवसरों का लगातार लाभ ले रहा हूँ।

8. क्या आप इनमें से किसी भी विषय पर दो मिनट के लिए बोल सकते है? आपकी सवांद निपुणता एवं तुरन्त सोचने की क्षमता को परखने के लिए आपको कुछ सामान्य विषय दिए जाएँगे। अतः खूब पढ़ें और स्वयं को कुछ सामान्य विषयों पर बोलने के लिए तैयार करें।

ये विषय इस प्रकार हो सकते हैः

a) वर्तमान मुद्दे

b) शौक

c) जीवन का सबसे स्मरणीय/यादगार दिवस

d) पसंदीदा फिल्म

e) आपने अपना पिछला सप्ताहांत कैसे बिताया

f) प्रशिक्षण के दौरान मेरा अनुभव

9. आप एक अच्छे श्रोता के रूप में अपना मूल्यांकन कैसे करेंगे? आपका अच्छा श्रोता होना, सवांद और एक अच्छा टीम प्लेयर बनने के लिए महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। अगर आप में यह क्षमता/कौशल नहीं है तो उसे विकसित करें। 'औसत से ऊपर या अच्छा' अपने उत्तर के रूप में प्रस्तुत करें।

उदाहरणः

मैं एक अच्छा श्रोता हूँ। मैं ध्यान से और दखल दिए बिना दूसरों की बात सुनता हूँ और आवश्यकता होने पर ही बोलता हूँ।

10. क्या आप स्वयं को एक टीम प्लेयर मानते हैं?

या

क्या आप एक टीम प्लेयर हैं?

इन दिनों किसी कंपनी के लिए कार्य करने का अर्थ है एक टीम प्लेयर होना। इसलिए, इस प्रश्न का उत्तर 'हाँ' है। आप ऐसे कुछ उदाहरण दे सकते हैं जब आपने एक टीम के जैसे कार्य किया हो।

उदाहरणः

मुझे दूसरों के साथ काम करना अच्छा लगता है। मुझे ग्रुप में भी काम करना अच्छा लगता है क्योंकि यह मुझे अपने विचार व्यक्त करने का और अलग–अलग दश्ष्टिकोणों को समझने का अवसर प्रदान करता है।

11. अगर आपको अवसर दिया जाए जो आप कितने समय के लिए हमारे लिए काम करना चाहेंगे? इस प्रश्न का उद्देश्य है आपकी स्टेबिलिटी जानना और यह देखना कि क्या आप अन्य नौकरी की पेशकश का अवसर मिलते ही उसे स्वीकार कर लेंगे या नहीं। इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए आप कह सकते हैं– "जब तक मैं सीख रहा हूँ और बढ़ रहा हूँ एव ंहम दोंनो काम से खुश हैं तब तक मैं यहाँ रहने की इच्छा रखता हूँ।"

उदाहरणः

अगर अवसर दिया जाए तो मैं इस कंपनी को दीर्घकालीन कैरियर संभावना और अपने कैरियर निर्माण के रूप में देखता हूँ।

12. हमें आपको क्यों नियुक्त करना चाहिए? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए स्वयं को पहले से ही तैयार कर लें। नौकरी की आवश्यकताओं को अच्छी तरह पढ़ें और अपने गुणों, कौशल/क्षमताओं और अनुभवों को उन आवश्यकताओं के साथ मिलाएँ। और इसे अपने उत्तर के रूप में बताएँ कि आपको क्यों नियुक्त किया जाना चाहिए।

उदाहरणः

मैं सीखने के लिए बहुत इच्छुक हूँ। मुझे विश्वास है कि मेरे में वे सभी ज़रूरी क्षमताएँ हैं जो मेरे काम में सफल होने के लिए आवश्यक हैं। मैं एक टीम प्लेयर भी हूँ जो मुझे अलग–अलग परिस्थितियों के अनुकूल होने में और बेहतर काम करने के लिए मदद करेगा।

13. क्या आपको लगता है कि आप दवाब में भी कार्य कर सकते हैं? कार्य और कार्य दवाब सदैव से ही एक–दूसरे के पूरक हैं। निज़ी या कार्य क्षेत्र में दवाब हो सकता है लेकिन उससे निपटने के लिए आप समर्थ होने चाहिएं। अतः इस प्रश्न का उत्तर 'हाँ' में दें और कुछ उदाहरण भी दें जब आपने दवाब में भी कार्य किया हो।

उदाहरणः

जी हाँ, मैं दवाब में भी कार्य कर सकता हूँ। मेरा मानना है कि प्रत्येक नौकरी के साथ ज़िम्मेदारियां भी आती हैं और यह दवाब हमेशा ही रहेगा। मैं धैर्य से कार्य दवाब से निपटने में सक्षम हूँ।

14. क्या आप नई तकनीकियों को सीखने में सहज महसूस करते हैं? आधुनिक व्यवसाय तकनीकियों के सहारे चलता है। अतः उन्हें सीखने के लिए सदैव तैयार रहें। इस प्रश्न का उत्तर 'हाँ'

उदाहरणः

मैं नई तकनीकियों को सीखने में सहज महसूस करता हूँ क्योंकि यह मेरा कार्य बेहतर तरीके से करने में और मेरी क्षमताओं को बढ़ाने में मेरी मदद करेगा।

15. क्या आप यह नौकरी छोड़ देंगे यदि दूसरी कंपनी आपको हमसे दो हज़ार रूपए ज़्यादा देती है? इस प्रश्न के द्वारा साक्षात्कारकर्ता यह विश्लेशण करना चाहता है कि क्या उम्मीदवार कुछ अतिरिक्त हज़ार रूपयों के लिए अपनी वर्तमान नौकरी छोड़ देगा।

    किसी उम्मीदवार को नियुक्त करने में कंपनी के पैसों का निवेश होता है इसलिए कंपनी किसी ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करना चाहती है जों कंपनी के प्रति कुछ निश्ठा रखता हो।

    आप इस प्रश्न का उत्तर यह कहकर दे सकते हैं कि आप जानते हैं कि यद्यपि प्रत्येक नौकरी में पैसों का आकर्शण होता है फिर भी आप दोंनो नौकरियों में वश्द्धि के अवसरों का विश्लेशण करेंगे। यदि आपकी वर्तमान कंपनी उद्योग प्रवत्ति के साथ वांछित वृद्धि की पेशकश करती है तो आप नौकरी नहीं बदलेंगे। आप अपने सीनियर के साथ इस विशय/मुद्दे पर चर्चा करेंगे और वर्तमान नौकरी में आपकी वश्द्धि के बारे में उसके विचार पूछेंगे। और अगर आप यह देखते हैं कि वर्तमान नौकरी में वश्द्धि की संभावना हैं तो आप कार्य करते रहेंगे अन्यथा आप नौकरी छोड़ने के/जीवन में आगे बढ़ने के निर्णय के बारे में विनम्रता से सूचित करेंगे।

उदाहरणः मैं समझता हूँ कि पैसे में आकर्षण होता है लेकिन सफल होने के लिए, अनुभव और पदोन्नति भी महत्वपूर्ण कारक हैं। मेरा उद्देश्य जीवन में वरिष्ठता हासिल करना है। इसलिए केवल वेतन में वश्द्धि मेरी महत्वाकांक्षा को पूर्ण करने में मदद नहीं करेगा।

गतिविधि

जोड़े बनाएं। प्रत्येक जोड़े में एक व्यक्ति साक्षात्कारकर्ता बनेगा और एक व्यक्ति उम्मीदवार बनेगा। दोंनों को पूरे ग्रुप के सामने साक्षात्कार की पूरी प्रक्रिया प्रस्तुत करनी होगी।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

1. अपने विषय में कुछ बताइए।

____
____
____
____

2. अब से तीन वर्षों के बाद आप स्वयं को कहाँ देखते है?

____
____
____
____

3. आपकी क्या क्षमताएं हैं?

____
____
____
____

4. आपकी क्या कमियां हैं?

____
____
____
____

5. क्या आप शिफ्ट में काम करने में सहज महसूस करते हैं? क्या आपको कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या है?

____
____
____
____

6. आप अपने संवाद क्षमता का मूल्यांकन कैसे करेंगे?

____
____
____
____

7. आप अपने सुनने की क्षमता का मूल्यांकन कैसे करेंगे?

____

____

____

____

8. क्या आप स्वयं को एक टीम प्लेयर मानते हैं?

____

____

____

____

9. यदि आपको अवसर दिया जाए तो आप हमारे साथ कितने समय तक जुड़े रहेंगे?

____

____

____

____

10. हमें आपको क्यों नियुक्त करना चाहिए?

____

____

____

____

11. क्या आपको लगता है कि आप दवाब में भी कार्य कर सकते हैं?

____

____

____

____

टिप्पणी

____

____

____

____

____

यूनिट 9.3: मेरी सीख

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप:

1. पाठ्यक्रम में सीखी गई सामग्री का संक्षेप करना

मेरी सीख

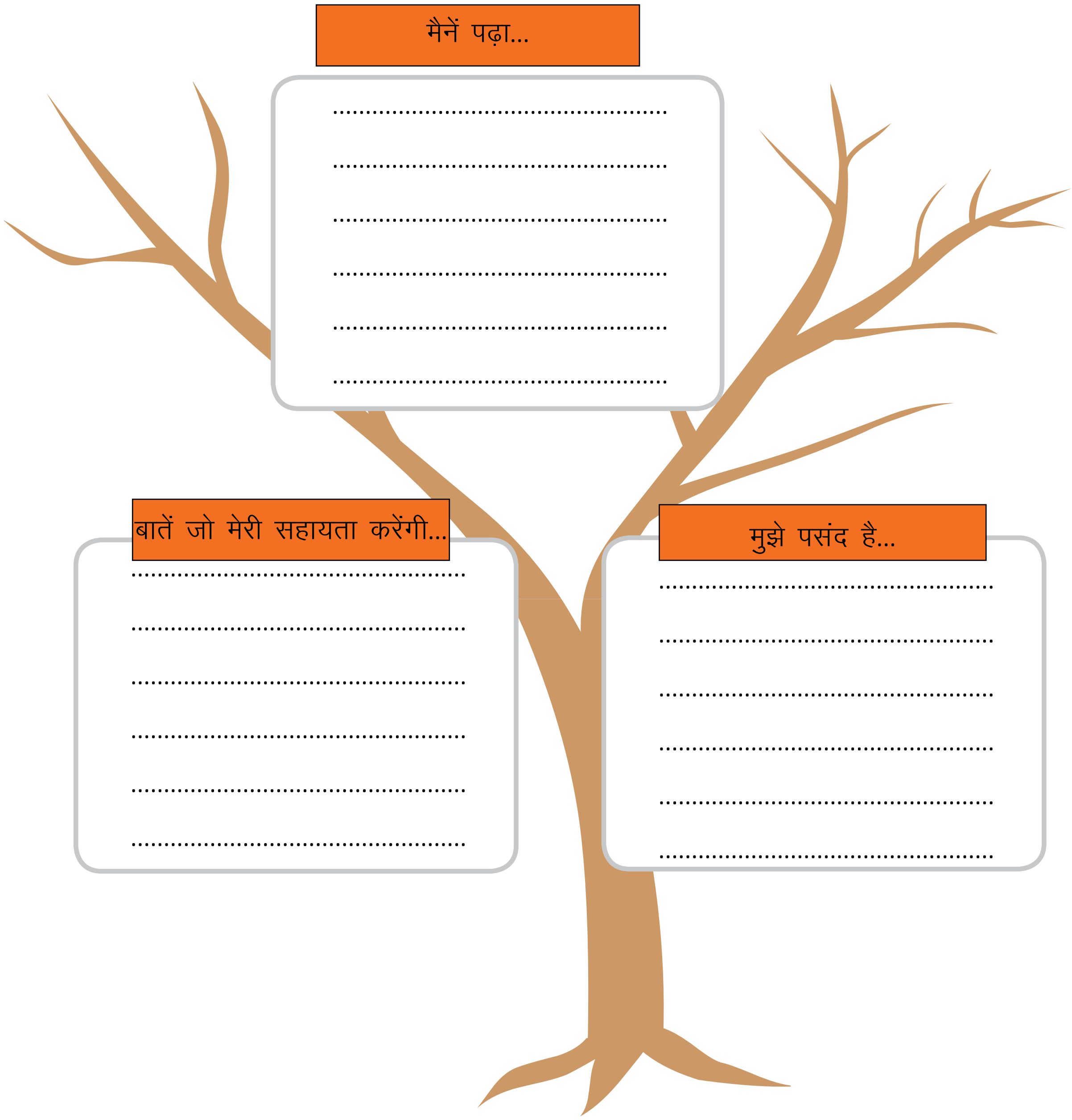

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

९. रोजगार कौशल

B&WSSC
BEAUTY & WELLNESS
SECTOR SKILL COUNCIL

DGT/VSQ/N0102

Scan this QR Code to access the Employability skills module

https://www.skillindiadigital.gov.in/content/detail/1-10d218cd-31f0-41d0-a276-b41ec3b52013

10. अनुलग्नक

Annexure

Module	Unit No.	Topic Name	Page No.	URL(s)	QR Code(s)
1	1.2	ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर के बारे में	8	https://youtu.be/7nDm_myL6B4	Click/Scan this QR Code to access the related video
2	2.1	कार्यक्षेत्र बनाए रखें	22	https://www.youtube.com/watch?v=9sgp1XGESuU	Click/Scan this QR Code to access the related video
		कार्यक्षेत्र तैयार करें और बनाए रखें	22	https://youtu.be/m2vchOfkvho	Click/Scan this QR Code to access the related video
3	3.1	ब्लो ड्राइंग करें	49	https://youtu.be/SLy1zO7FINU	Click/Scan this QR Code to access the related video
4	4.1	बालों को शैम्पू और कंडीशन करें	64	https://youtu.be/6TgCivm6A6w	Click/Scan this QR Code to access the related video
4	4.2	भारतीय सिर की मालिश करें	69	https://youtu.be/VoufYR-D_HM	Click/Scan this QR Code to access the related video
5	5.1	हेयर कट-थ्योरी परफॉर्म करें	89	https://youtu.be/T-ucJe8woiM	Click/Scan this QR Code to access the related video
	5.2	स्ट्रेट हेयर कट करें	108	https://youtu.be/WecElnyhosM	Click/Scan this QR Code to access the related video
		यू हेयर कट करें	108	https://youtu.be/StVUBhNwQNI	Click/Scan this QR Code to access the related video
		वी हेयर कट करें	108	https://youtu.be/8P1uflIPkc4	Click/Scan this QR Code to access the related video
		बॉब हेयर कट करें	108	https://youtu.be/3vjKGDr11kk	Click/Scan this QR Code to access the related video
		हैवी लेयर हेयर कट करें	108	https://youtu.be/5SPiG28rUwY	Click/Scan this QR Code to access the related video
		3 लेयर हेयर कट करें	108	https://youtu.be/XtJGYYinrkU	Click/Scan this QR Code to access the related video

Module	Unit No.	Topic Name	Page No.	URL(s)	QR Code(s)
6	6.2	हेयर कलर लगाएं	140	https://youtu.be/Mac9ADwzOso	Click/Scan this QR Code to access the related video
7	7.1	स्वास्थ्य स्वच्छता पर दिशानिर्देश	152	https://youtu.be/ktAYvoSEKhM	Click/Scan this QR Code to access the related video
8	8.1	कार्यस्थल पर सकारात्मक प्रभाव बनाना	166	https://youtu.be/XGVwVEB8EUA	Click/Scan this QR Code to access the related video

It is recommended that all trainings include Employability Skills Module. Content for the same is available here:

https://www.skillindiadigital.gov.in/content/detail/1-10d218cd-31f0-41d0-a276-b41ec3b52013

Scan this QR Code to access the Employability skills module

Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

B&WSSC
BEAUTY & WELLNESS
SECTOR SKILL COUNCIL

ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर स्किल कांउसिल
5बी, अपर ग्राउंड फ्लोर
23, हिमालय हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग
कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
कार्यालय: 011-40342940, 42, 44 और 45
ईमेल: info@bwssc.in
वेबसाइट: www.bwssc.in

मूल्य: ₹

978-1-111-00000-00-0